राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यत अखिल भारतीय तथा विशेपत. राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भापानिवद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावलि

प्रधान सम्पादक

पुरातत्त्वाचार्य, जिनविजय मुनि

[ऑनरेरि मेंवर ऑफ जर्मन ओरिएन्टल सोसाइटी, जर्मनी]

सम्मान्य सदस्य

भाण्डारकर प्राच्यविद्यासंशोधनमन्दिर, पूना, गुजरातसाहित्य-सभा, अहमदावाद,
विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधन प्रतिष्ठान, होशियारपुर, निवृत्त सम्मान्य नियामक-
(आनरेरि डायरेक्टर)—भारतीय विद्याभवन, वम्वई

ग्रन्थाङ्क ४२

राजस्थान पुरातत्त्वावेषण मन्दिर के

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

जोधपुर (राजस्थान)

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशनकर्त्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०१६] भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८८१ [खिस्ताब्द १९५९

प्रथमावृत्ति १०००   मूल्य ७.५०

मुद्रक—कव्हर और अनुक्रमणिका, अजन्ता प्रिन्टर्स, जयपुर।

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, हनुमान प्रेस, जयपुर।

विषय-सूची

सञ्चालकीय वक्तव्य

हमारे देश मे बहुत प्राचीन काल ही से लेखन की प्रथा रही है जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन अनेकों ग्रन्थ–भण्डारों की विद्यमानता ज्ञात होती है। हजारों ही देवमन्दिरों, आश्रमों, गुरुकुलों और विद्यापीठों मे विद्वानों एव सरस्वती-पुत्रों द्वारा साहित्य–निर्माण के साथ ही प्रतिलिपि का कार्य भी बडे पैमाने पर होता था और इस प्रकार ग्रन्थ–भण्डारों की सुरक्षा के साथ ही उनकी श्रीवृद्धि भी होती थी। प्राचीनकाल मे पुस्तकालय की सुरक्षा और सवृद्धि करना विद्यापीठ का ही नहीं वरन् देश के प्रत्येक सस्कारी परिवार का भी पवित्र कर्तव्य समझा जाता था। खेद है कि कालान्तर मे हुए सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनैतिक विप्लवों तथा विदेशियों के दुर्दान्त आक्रमणों मे हमारे देश के पुस्तक–भण्डार नष्ट- भ्रष्ट हो गये। अब हमें अपने प्राचीन ग्रन्थ-भण्डारों की यत्र-तत्र प्राप्त कुछ ग्रन्थों की प्रतिलिपियों और तिब्बत, नेपाल, चीन आदि देशो मे प्राप्त कतिपय ग्रन्थों के कुछ भाषानुवादों से ही सन्तोष करना पड़ता है।

राजस्थान प्राचीनकाल से ही हमारे देश का एक सुसांस्कृतिक भाग रहा है और इसलिये यहा बहुत प्राचीनकाल से ही अनेक छोटे-बडे पुस्तक-भण्डारों की स्थिति ज्ञात होती है। राजस्थान मे हजारों ही विद्वान् ब्राह्मणों, जैनसाधुओं, यतियों, श्रीमन्तों और शासकों ने प्रचुर धन व्यय कर परिश्रम पूर्वक निजी ग्रन्थ-भण्डारों की चित्तोड़, आघाटपुर (आयड़, उदयपुर), भिन्नमाल, जालोर, अजमेर, वाड़मेर, नागौर, वैराठ आदि स्थानों मे स्थापना की। ऐसे आदर्श ग्रन्थ-भण्डारों का सामान्य परिचय अब केवल जैसलमेर के जैनमन्दिरों मे भूगर्भस्थित पुस्तक-भण्डार से ही प्राप्त किया जा सकता है।

हमारी इस विद्या-राशि के स्थानान्तरण और विनाश का क्रम पिछली कई शताब्दियों से चालू रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लाखों ही हस्तलिखित ग्रन्थ अज्ञानियों के हाथों मे पड़ कर नष्ट हो गये, दीमकों और चूहों के ग्रास बनगये तथा वम्बई, पाटन, बड़ौदा, कलकत्ता आदि से भी आगे सात समुद्र पार विदेशों मे पहुँचगये। किसी न किसी रूप मे यह क्रम हमारी उपेक्षा के कारण आज भी चल रहा है जिसको देखते हुए अत्यन्त दुःख होता है। हमारी जानकारी मे आज भी केवल राजस्थान मे छोटे-बड़े कम से कम ५०० ग्रन्थ-भण्डार हैं जिनकी सुरक्षा और उपयोग का कोई विशेप प्रबन्ध नहीं है।

राजस्थान–सरकार ने हमारे सुझाव के अनुसार "राजस्थान पुरातत्त्वान्वेपण मन्दिर" स्थापित कर इसके सञ्चालन का कार्य-भार हमे सौंपा तो हमने अपने विशेष प्रयत्न से एक ग्रन्थ-भण्डार की आयोजना की। अब तक इस ग्रन्थ-भण्डार में काव्य, इतिहास, पुराण, कोश, व्याकरण, दर्शन, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड, योग, ज्योतिप, गणित, सगीत, नृत्य, कामशास्त्र, रास, कथा, रस, अलकारादि विपयों के और सस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती, व्रज, खड़ी बोली आदि भाषाओं में लिखित लगभग १३,५०० ग्रन्थ सगृहीत और सुरक्षित किये जा चुके हैं। देश-

विदेश के विद्वानों, साहित्यकारों और विद्यारसिकों की जानकारी के लिये पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर में समय-समय पर संगृहीत ग्रन्थों के सूचीपत्र की आवश्यकता अनुभव कर हमने मार्च सन् १९५६ ई० तक संगृहीत ४००० ग्रन्थों का सूचीपत्र तैयार करने का कार्य पाटण निवासी प० श्री अमृतलाल को सौंपा। उन्होंने ग्रन्थनामादि ग्रन्थ-परिचयपत्रों पर अंकित किये और उनको विषयवार छांट करके प्रस्तुत किया।

तदुपरान्त मन्दिर के प्रवर शोध सहायक श्री गोपलनारायण बहुरा, एम ए. ने मन्दिर के शोध एवं संग्रह विभाग के सूचीपत्र-सहायक श्रीलक्ष्मीनारायण गोस्वामी और श्रीविश्वेश्वरदत्त द्विवेदी के सहयोग से परिचयपत्रकों के आधार पर विषयवार सूचियां तैयार कर यथाशक्य शोधन-सम्पादन करके विषयवार प्रेस कापियां प्रस्तुत की और श्रीरमानन्द सारस्वत, गवेषक ने ग्रन्थकार-नामानुक्रमणिका बनाई।

मुझे विशेष प्रसन्नता है कि यह सूचीपत्र अब प्रकाशित हो कर विद्वज्जनों के उत्सुक हाथों में पहुँच रहा है। अनन्तर संगृहित ग्रन्थों का सूचीपत्र भी प्रेस के लिये लगभग तैयार किया जा चुका है। आशा है कि वह भी शीघ्र ही प्रकाशित हो जावेगा और भविष्य में संगृहीत होने वाले ग्रन्थों के सूचीपत्र भी यथा समय प्रकाशित होते रहेंगे।

हमारी मंगल कामना है कि राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर का ग्रन्थभण्डार उत्तरोत्तर संवर्द्धित होता हुआ विश्व के विद्वज्जनों की अधिकाधिक ज्ञान-वृद्धि करने में समर्थ हो।

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर,
जोधपुर।
ता० १ जनवरी, १९५९ ई०

मुनि जिन विजय,
समान्य सञ्चालक

———

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

हस्तलिखित ग्रन्थसंग्रह

(१) स्तुति-स्तोत्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२३७६ (२)	अच्युताष्टक		संस्कृत	२० वीं शताब्दी	२ (१०-११)	अनेककृतिसवलित-गुटका
२	११०३	अजितशान्तिस्तव सटीक	टी० जिनप्रभ	प्राकृत	१७वीं श.	६	टीका संस्कृत
३	१०६५	अजितशान्तिस्तव सस्तवक		प्राकृत	१६८८	५	नव्यनगर में लिखित
४	२७१० (११)	अन्तःकरणप्रबोधस्तोत्र	वल्लभाचार्य	संस्कृत	१६२५	६-१०	
५	२७६७	अन्नपूर्णाबृहतीस्तुति		,,	१६वीं श.	८	रुद्रयामलगता
६	१७६८	अन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	,, ,,	१६	
७	१३४१	अपराधस्तोत्र		,,	१८२८	३	नवीनपुर में लिखित
८	१४३४	अपामार्जनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	३६	भविष्योत्तरपुराण-गत।
६	१४८८	अपामार्जनस्तोत्र		,,	१६०१	१०	विष्णुधर्मोत्तर-पुराणगत
१०	२७६६	अपामार्जनस्तोत्र		,,	१८वीं श	१०	भविष्योत्तर-पुराणगत
११	३१०६ (२)	अर्गलास्तुति		,,	१६वीं श	१०-१२	
१२	११०६	अर्हन्नामसहस्रसमुच्चय आदि		,,	१७वीं श	११	
१३	२६१५	आदित्यस्तोत्र		,,	१६०४	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त। भविष्योत्तर-पुराणगत
१४	८२५	आदित्यहृदयस्तोत्र		,,	१८६८	१६	
१५	८३३	आदित्यहृदयस्तोत्र		,,	१८५८	२०	भविष्योत्तरपुराण-गत। सूनरा मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१६	१६०४	आदित्यहृदयस्तोत्र		सस्कृत	१६वीं श	४८	
१७	२६१८	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	" "	१६	भविष्योत्तरपुराण-गत। प्रथम पत्र अप्राप्त।
१८	३२८३	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	१८०२	२	भविष्योत्तर-पुराणगत।
१९	७८२	आनन्दलहरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१८४०	२	
२०	८३८	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६वीं श.	४	
२१	२६६६	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६२४	४	कृष्णगढ मे लिखित
२२	२८०४	आनन्दलहरी स्तोत्र		"	१६वीं श	४	
२३	८०६	आपदुद्धारमन्त्रस्तोत्र तथा चतुःषष्टियोगिनी स्तोत्र		"	" "	२	
२४	११६०	आर्याअष्टोत्तरशतक नामस्तोत्र	महामुद्गलभट्ट	"	१७२६	६	भागनगर मे लिखित
२५	८०७	इन्द्राणीस्तोत्र		"	१८६१	१	देवीपुराणगत
२६	८४२	इन्द्राणीस्तोत्र		"	१६वीं श.	४	
२७	२९८७	इन्द्राणीस्तोत्र		"	" "	३	
२८	८९८८ (२)	इन्द्राणीस्तोत्र		"	" "	१६-२०	स्कन्दपुराणगत।
२९	३४२१	ईश्वरीछंद		"	१८४२	७	
३०	२८१३ (६४)	उवसग्गहरस्तवन		प्राकृत	१७वीं श	१३६ वाँ	
३१	३३४२ (२६)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	सस्कृत	१६वीं श.	७१-७२	जीर्णप्रति
३२	३१४	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन टीका हर्षकीर्ति	"	१६२६	४०	
३३	१०११	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक [illegible]	टी. कनककुशल	सस्कृत	१७३४	१७	स. १६५२ में रचित टीका बीकानेर मे लिखित।
[illegible]	१२०८ (१)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन	सस्कृत	१६वीं श	१-१३	
३५	[illegible]	कल्याणमन्दिरस्तोत्र [illegible]	मू० कुमुदचन्द्र	सस्कृत	१६८२	१०	आगरा में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३६	११९३	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सावचूरि	मू० सिद्धसेन	संस्कृत	१६४५	६	नागना में लिखित।
३७	३१६८	कायस्थितिस्तव. सावचूरि' पचपाठ		प्राकृत	१६५६	२	अहिपुरदुर्ग में लिखित।
३८	२६८८	कालिकाष्टक	रामकृष्ण	सस्कृत	१८८६	१	
३६	२७६८	कालिकास्तव	चन्द्रदत्त	,,	१८६४	२	अजरमे मे लिखित
४०	२८१०	कालिकोपनिषद्		,	१८८६	३	कृष्णगढ़ में लिखित।
४१	२७१२	कालीशतनामावली		,,	२०वीं श.	२	
४२	२६५०	कालीसूक्त		,,	१८७७	३	
४३	३१०६ (३)	कीलकस्तोत्र		,,	१६वीं श	१२–१५	
४४	१८८२ (१४७)	कृष्णकवच		,,	१६वीं श.	७८–७६	विष्णुपुराणगत।
४५	३५२	कृष्णस्तव		,,	,, ,,	४	
४६	३५६	कृष्णस्तव		संस्कृत	२०वीं श.	४	
४७	३५३	कृष्णस्तवराज		,,	१६वीं श.	३	विष्णुयामलगत
४८	३५७२ (४)	कृष्णस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	,, ,,	५५–५६	
४६	२७१० (१३)	कृष्णाश्रयस्तोत्र	,,	,,	१६२५	१०–११	
५०	२३७० (३)	गंगालहरीस्तोत्र	जगन्नाथ पण्डितराज	,,	१६०७	११	
५१	२३०६ (६)	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	२४–२५	
५२	२८२१	गगाष्टक	शङ्कराचार्य	सस्कृत	१६वीं श.	२	
५३	२६०० (७)	गगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२५	१२ वाँ	
५४	२६०१ (७)	गगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२३	१२ वाँ	
५५	२६७१	गगाष्टक	,,	,,	१६वीं श	१	
५६	३६६८	गंगाष्टक	,,	,,	१८६०	१	
५७	१४०५	गगाष्टक स्तोत्र	कालिदास	,,	१८५१	३	
५८	२८३६	गंगाष्टक स्तोत्र	,,	,,	१७६७	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५९	३३००	गंगास्तुति	केवलराम	संस्कृत	१८३७	७	
६०	२८४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श.	१६	गणेशपुराणगत।
६१	३५७३ (३)	गणेशस्तोत्र		,,	,, ,,	१७ वाँ	जीर्णप्रति
६२	११०२ (१०)	गणेशाष्टक		,,	,, ,,	६ठा	-
६३	१५०६	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९५५	२१	
६४	२७१५	गायत्रीस्तवराज		,,	१८७७	३	ब्रह्मतन्त्रगत। कृष्णगढ़ मे लिखित।
६५	२६२३	गायत्रीस्तवराज		,,	१८८२	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
६६	३३३२	गायत्रीहृदयस्तोत्र		,,	१८वीं श	२६	
६७	१५०७	गायत्रीहृदयस्तोत्र	याज्ञवल्क्य	,,	१९५५	८	
६८	१८८२ (२१६)	गीतगोविन्द की अष्टपदी	जयदेव	,,	१९वीं श	१३६वाँ	
६९	८०८	गुरुगीता		,,	१८७६	४	स्कन्दपुराणगत। माडवीबिन्दर मे लिखित।
७०	२३७३ (२)	गुरुपूजास्तोत्र		,,	१८७३	२३–२६	कृष्णगढ़ में लिखित।
७१	२७६६	गुरुस्तोत्र		,,	२०वीं श.	१	
७२	११०२ (३५)	गुर्वष्टक		,,	१९वीं श.	३५वाँ	
७३	२७८६	गुर्वष्टक		,,	२०वीं श	१	
७४	२७०६	गोकुलेशाष्टक	रघुनाथ	,,	१९७७	१	
७५	३२४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		.	१८४४	२४	सम्मोहनतन्त्रगत।
७६	३३६	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९२५	३३	सम्मोहनतन्त्रगत।
७७	३४८	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श	८०	
७८	३५०	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	,, ,,	५२	
७९	३५१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	२०वीं श	६	खण्डित
८०	१९३३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श	१७	सम्मोहनतन्त्रगत।
८१	१८८३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		,,	१७८०	११	नारदीयपुराणगत
८२	३३६५	गोविन्दस्तव	शङ्कराचार्य	,,	१९वीं श.	२	
८३	२१३५ (१८)	गौरीस्तोत्र		,,	२०वीं श.	१ से ३	
८४	३३०	गौरीशाष्टक		,,	,, ,,	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८५	२६६६	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६०३	१	कृष्णगढ़ मे लिखित।
८६	२८१८ (१)	गोविन्दाष्टक	,,	,,	१६वीं श.	१-२	
८७	१४२६	गौरीदशकस्तोत्र	,,	,,	१८००	१	
८८	२७५६	गौरीदशकस्तोत्र	,,	संस्कृत	१८८७	२	कृष्णगढ़ में लिखित।
८९	१०६० (२)	ग्रहशान्तिस्तोत्र	भद्रबाहु	,,	१७११ (?)	३रा	वरवाला ग्राम मे लिखित।
९०	२६०८	चक्रपाणिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	२	
९१	११०५	चतुर्विंशतिजिनस्तुति	सोमप्रभ	,,	१८वीं श.	२	
९२	१०६६	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र	शान्तिचँद्र	,,	१६वीं श.	२	
९३	११०२	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र आदि		,,	,, ,,	३	
९४	२६३० (५)	चद्रस्तोत्र		,,	,, ,,	३रा	
९५	१४	चामुंडासहस्रनामस्तोत्र		,,	,, ,,	१६	देवीयामलगत।
९६	३५५४ (१३)	चिन्तामणिपार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	,, ,,	२६वॉं	
९७	२८६३ (४५)	चैत्यवदन		प्राकृत	१७वीं श.	८८वॉं	
९८	२८१५	जगदम्बामहिम्नः स्तोत्र	धरानन्दनाथ	सस्कृत	१६१७	५	अजमेर में लिखित।
९९	२७१० (१६)	जलभेदस्तोत्र		,,	१६२५	११-१२	
१००	२६११	जित ते स्तोत्र		,,	१६वीं श.	११	प्रथम पत्र अप्राप्त।
१०१	१०४२	जिनशतक पजिका-टीकासहित	मू० जबू, टीका शांब	,,	१७वीं श.	२३	अतिम पत्र अप्राप्त।
१०२	२८६३ (६७)	जिनसभद्रसूरिस्तुति	मतिवर्द्धन	,,	,, ,,	१६२वॉं	हीरकलश लिखित
१०३	२८६३ (१२६)	जिनसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६२०	१६२-१६३	झेझेऊ ग्राम मे हीरकलशमुनि लिखित।
१०४	११२२ (११)	जिनस्तवन	गगकुशल	,,	१६वीं श.	६-७	
१०५	१११७	जीरापल्लीपार्श्वस्तोत्र			१७वीं श	१	
१०६	८२१	ढुंढिराजस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०७	२८०८	तारासहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१७वीं श.	१७	
१०८	१८०३ (४)	तिजयपहुत्त सटीक		प्राकृत	१६वीं श	२७–२६	
१०९	११०८	तीर्थमालास्तव सबाला-वबोध	महेन्द्रप्रभ	संस्कृत	१६५५	१६	नवानगर मे लिखित
११०	२६१२	तुलसीस्तव		,,	१६५२	७	स्कन्दपुराणगत । २रा पत्र अप्राप्त ।
१११	३१५३	तुलसीस्तव		,,	१६वीं श.	५	स्कन्दपुराणगत
११२	७६२	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	,,	,, ,,	७	७२ पद्य है।
११३	७६३	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	वत्सराम	,,	१६वीं श	७	
११४	२७५७	त्रिपुराआरात्रिका		,,	१८७०	१	मेडता मे लिखित । दो आरात्रिका है।
११५	३१८०	त्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र		,,	१८वीं श.	२२	रुद्रयामलगत । प्रथम तथा अन्त्य पत्र शोभन
११६	८२०	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	१	
११७	२३७० (२)	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	,,	,, ,,	८	
११८	२३१४	त्रिपुरास्तोत्र	रामकृष्ण	,,	,, ,,	५	
११९	२३११	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	,,	१७वीं श	२	
१२०	२३६७	त्रिपुरास्तोत्र	,,	,,	१८वीं श.	३	
१२१	११०६	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी सोमतिलक सं १३६७ मे घटीपुरी मे रचित	,,	१५५०	१४	मंडपमहादुर्ग मे लिखित
१२२	[illegible]	त्रिपुरास्तोत्र		,,	१७वीं श	७	
१२३	३७३७	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी. सोमतिलक सं १३६७ मे रचित	,,	१८वीं श.	३८	
१२४	[illegible] (६)	त्रिपुरास्तोत्र सटीक		संस्कृत	१६वीं श.	१–१६	[illegible] की प्रार्थना
१२५	[illegible]	त्रिपुरास्तोत्र [illegible]	[illegible]	संस्कृत	१८वीं श	२०	
१२६	[illegible]	त्रिपुरास्तोत्र [illegible]	,,	संस्कृत	१७वीं श.	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२७	३४३४	त्रिपुरास्तोत्र सस्तबक	स्तबककार-रूपचन्द्र	संस्कृत	१७६८	८	स्तबककारके हस्ताक्षरों मे लिखित सं. १७६८ में स्तबक-रचना
१२८	२३७३ (८)	दक्षिणाकालिका कर्पूर-स्तोत्र		"	१८७३	६७–१०४	कृष्णगढ़ में लिखित
१२९	२६५७	दक्षिणाकालिकासहस्र-नामस्तोत्र		"	१८८६	३	" "
१३०	२३७३ (१७)	दक्षिणाकालिकास्तवराज		"	१९वीं श.	१५७–१५९	
१३१	२७२१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	" "	२	
१३२	१४९२	दत्तमहिम्नस्तोत्र	"	"	" "	१	
१३३	२३०९ (७)	देवाधिदेवस्तोत्र	"	"	" "	२५–२६	
१३४	१०९८	देवा प्रभोस्तव सटीक, त्रिपाठ	मू० जयानन्द	"	१८वीं श.	४	
१३५	१६०८	देवा प्रभोस्तव सावचूरिक, त्रिपाठ	जयानन्द टीका वानर्षि	"	१७२६	४	बुरहानपुर में लिखित
१३६	२१२२	देवा प्रभोस्तोत्र सबा-लावबोध		"	१८वीं श	७	
१३७	२७८३	देवीअपराध भंजनस्तोत्र		"	१ ४	३	रुद्रयामलगत। अजमेर मे लिखित।
१३८	३१०६ (१)	देवीकवच		"	१९वीं श.	१–१०	
१३९	३१६४	देवीकवच		"	" "	१४	
१४०	२५६७	देवीक्षमापराधस्तोत्र	चंद्रदत्त	संस्कृत	१८६४	७	अजमेर मे लिखित।
१४१	१४३६	देवीसूक्त		"	१९वीं श	११	
१४२	२६४९	देवीसूक्त		"	" "	१	
१४३	२८२३	देवीसूक्त		"	१९२६	३	कृष्णगढ़ मे लिखित।
१४४	२७६५	देवीस्तुति	शङ्कराचार्य	"	१९वीं श	२	
१४५	१०९० (१)	द्वात्रिंशिका	सिद्धसेन	"	१७९१	३	वरवालाग्राम मे लिखित।
१४६	१०४६	नमस्कारस्तव	जिनकीर्ति	प्राकृत	१९वीं श,	२	
१४७	११२२ (२२)	नवग्रहस्तोत्र		प्राकृत	" "	१५–१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६८	१०८८	पार्श्वनाथ स्तोत्र सटीक	मू० पद्मप्रभ टी० मुनिशेखर	संस्कृत	१६वीं श.	४	
१६९	१८०६ (५)	पार्श्वस्तोत्र सटीक	मू० जिनप्रभ	मू० प्रा० टी० स०	„ „	२९–३१	
१७०	१५२	पीताम्बर सहस्रनाम-स्तोत्र		संस्कृत	१८८६	६	
१७१	३१७८	पीयूषलहरी (गगालहरी)	जगन्नाथ	„	१९वीं श	८	
१७२	१३१	पीयूषलहरी (गगालहरी)	जगन्नाथ टी० सदाशिव	„	१८१७	३०	
१७३	२७१० (८)	पुष्टिप्रवाहमर्यादास्तोत्र		„	१९२५	८ वाँ	
१७४	४२४	पुष्पांजली स्तोत्र	रामकृष्ण भट्ट	„	१८वीं श.	२	मेदनीपुर में लिखित
१७५	३१२	प्रणवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्र		„	१९वीं श.	३	
१७६	३१३	प्रत्यगिरास्तोत्र		„	१९२७	२२	
१७७	१७९५	प्रत्यगिरास्तोत्र		„	१९वीं श.	४	
१७८	२७१० (३)	प्रेमामृतस्तोत्र	वल्लभाचार्य	„	१९२५	३–४	
१७९	१४९१	बगलामुखीस्तोत्र		„	१९वीं श	४	रुद्रयामलगत।
१८०	८०५	बटुकभैरवशतनामस्तोत्र		„	१८५६	४	„ „
१८१	१४३१	बटुकभैरवस्तोत्र		„	१९वीं श.	१३	„ „
१८२	३१८५	बटुकभैरवस्तोत्र		„	१८८४	१०	„ „
१८३	२७६०	बन्दिमोक्षस्तोत्र		„	१९वीं श	१	„ „
१८४	२७१० (६)	बालबोधस्तोत्र		„	१९२५	६–७	
१८५	२२४७	बाला आरती तथा बालासमयाष्टक		„	१९२३	१	
१८६	२६१७	बालासहस्रनामस्तोत्र		„	१८३१	२२	रुद्रयामलगत।
१८७	२८०९	बालासहस्रनामस्तोत्र		„	१८८८	२१	पुष्करतट में लिखित
१८८	२६१५ (२)	बालास्तोत्र		„	१९वीं श.	२रा	
१८९	३५५४ (११)	बृहच्छान्ति		„	„ „	२६ वाँ	
१९०	८८	बृहच्छान्ति टीका	हर्षकीर्ति	„	१९६३	७	जीर्णप्रति है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२१५	२६५३	भवानीस्तोत्र		संस्कृत	२०वीं श.	१	
२१६	८०१	भवान्यष्टक		,,	१९वीं श	२	
२१७	११२२ (५५)	भारतीस्तोत्र		,,	,, ,,	७४वाँ	
२१८	३००	भीष्मस्तवराज		संस्कृत	१८वीं श.	१७	महाभारतगत
२१९	२८७९ (३)	भीष्मस्तवराज		,,	१९वीं श.	१–३४	
२२०	३२९९	भीष्मस्तवराज		,,	१८५०	२४	महाभारतगत।
२२१	८०९	भुवनेश्वरीस्तोत्र	पृथ्वीधराचार्य	,,	१९वीं श.	२	
२२२	१५०६	भुवनेश्वरीस्तोत्र		,,	२०वीं श.	२९	शारदातिलकगत।
२२३	८१६	भुवनेश्वरीस्तोत्र सटीक	पृथ्वीधराचार्य टी पद्मनाभ	,,	१९वीं श.	२०	
२२४	२७५४	भैरवस्तोत्र	दक्षिणामूर्तिमुनि	,,	२०वीं श.	५	
२२५	२६३० (६)	मंगलस्तोत्र		,,	१९वीं श	३–४	
२२६	३१४९	मंगलस्तोत्र		,,	,, ,,	१	
२२७	११२२ (२)	मंगलाष्टक	कालिदास	,,	,, ,,	१	
२२८	२६३० (१)	मंगलाष्टक	,,	,,	,, ,,	१–२	
२२९	२६६८	मंगलाष्टक	,,	संस्कृत	,, ,,	२	
२३०	३१८४	मंगलाष्टक	,,	,,	,, ,,	५	
२३१	१८४	मणिकर्णिकास्तोत्र	विश्वेश्वराश्रम	संस्कृत	,, ,,	२	
२३२	९३५	मणिकर्णिकास्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	,, ,,	४	
२३३	११२२ (७)	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	,,	,, ,,	४–५	
२३४	२६३९	महाकालीककारादि-सहस्रनाम		,,	१९५३	६	हरिदुर्ग में लिखित।
२३५	३२८४ (३)	महादेवलिंगस्तोत्र		,,	१८१६	३–४	
२३६	३२८४ (१)	महादेवस्तुति		,,	१८१६	१–३	
२३७	३२८४ (२)	महादेवस्तोत्र		,,	१८१६	३रा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३८	१७४८	महामृत्युंजयस्तोत्र		संस्कृत	१८६२	१४	भैरवतन्त्रगत।
२३६	७१८	महालक्ष्मीसूक्त		,,	१६०१	१	
२४०	७८४	महालक्ष्मीस्तोत्र		,,	१६वीं श.	२	विष्णुपुराणगत।
२४१	३५७३ (३०)	महावीरस्तवन	अभयदेव	प्राकृत	१६वीं श.	८१ वॉ	जीर्ण प्रति
२४२	१०६७	महावीरस्तव महावीरस्तव ऋषभस्तव पार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	२	
२४३	२६६४	मृत्युंजयस्तोत्र		,,	१६२५	१	पद्मपुराणगत।
२४४	११४८ (२)	यमुनाष्टक (गुटका)	वल्लभाचार्य	,,	१६वीं श.	१८से२०	
२४५	२७१० (५)	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	,,	१६२५	५–६	
२४६	२७६६	यमुनाष्टक	वल्लभदीक्षित	,,	२०वीं श	२	
२४७	३५७२ (६)	यमुनाष्टक		,,	१६वीं श	६०–६३	
२४८	३१४४	यमुनास्तोत्र तथा यमुनाष्टक	निम्बार्कशरणदेव तथा गोस्वामी	,,	१६०२	१०	
२४६	१८०	रकारादिरामसहस्रनाम		,,	१८६८	१२	ब्रह्मयामलगत।
२५०	१८७	रकारादिरामसहस्रनाम		,,	१८६०	१२	,, ,,
२५१	२३७३ (१५)	राजराजेश्वरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	१५१–१५३	
२५२	३५७६	राधास्तोत्र		,,	१८वीं श.	२	ब्रह्माण्डपुराणगत
२५३	३३०	रामचन्द्रस्तोत्र		,,	२०वीं श	४	
२५४	२७७०	रामचन्द्रस्तोत्र		,,	१६वीं श.	१	
२५५	८१६	रामरक्षाकवच	विश्वामित्र	,,	,, ,,	४	
२५६	३१८	रामरक्षास्तोत्र		,,	१६३३	१०	
२५७	७६०	रामरक्षास्तोत्र		,,	१६वीं श.	३	
२५८	२३७६ (१)	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	,,	२०वीं श.	१से६	गुटका।
२५६	२६०० (२)	रामरक्षास्तोत्र	,,	,,	१८२५	६–१०	
२६०	२६०१ (२)	रामरक्षास्तोत्र	,,	,,	१८२३	६–१०	
२६१	३२६६	रामरक्षास्तोत्र		,,	१६वीं श.	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६२	७६६	रामरक्षास्तोत्र सटीक	महामुद्गलभट्ट	संस्कृत	१८३५	२४	भुजनगर में लिखित
२६३	७८३	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	विश्वामित्र	,,	१८३६	५	
२६४	७८५	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	,,	,,	१८५६	५	
२६५	३०६	रामस्तवराज		,,	१६२०	१३	सनत्कुमार संहितागत।
२६६	११४८ (१)	रामस्तवराज स्तोत्र		,,	१६वीं श.	१से१७	,, ,,
२६७	१४२५	रामहृदयस्तोत्र		,,	,, ,,	४	ब्रह्माण्डपुराणगत
२६८	२६६५	रामाष्टक		,,	,, ,,	१	
२६९	३२८२	लक्ष्मीसूक्त		,,	१६५८	३	
२७०	३६६०	लक्ष्मीस्तोत्र		,,	१६वीं श.	१	पद्मपुराणगत।
२७१	१८०६ (३)	लघुशान्ति सटीक	मू. मानदेवसूरि	,,	१६वीं श	२४–२७	
२७२	२६१५ (१)	वक्रतुण्डस्तवराज		,,	१६वीं श.	१–२	
२७३	८१५	वक्रतुण्डस्तोत्र तथा अन्नपूर्णास्तोत्र	वेदव्यास	,,	१८१५	१	मथुरा में लिखित।
२७४	२७१० (२)	वल्लभाष्टक		,,	१६२५	३रा	
२७५	३५७२ (५)	वल्लभाष्टक		,,	१६वीं श	५६–६०	
२७६	११०१	वसुधारास्तोत्र		,,	१७वीं श.	७	
२७७	२६२४	वसुधारास्तोत्र		,,	१८८?	४	मकसुदावाद वालोचर में लिखित।
२७८	३५४	वागीश्वरीस्तोत्र		,,	२०वीं श	७	सनत्कुमारसंहितागत।
२७९	६	वायुदेवस्तवव्याख्या	राम	,,	१६वीं श.	१६,	मू० तत्वदीपिकाचार्य
२८०	२७१० (१२)	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र		,,	१६२५	१० वाँ	
२८१	३३४	विश्वनाथाष्टक तथा शिवस्तोत्र	व्यास उपमन्यु	,,	२०वीं श	६	८वाँ पत्र अप्राप्त
२८२	३०२	विष्णुदिव्यसहस्रनाम-स्तोत्र		,,	१६वीं श.	२८	
२८३	३३५	विष्णुपंजरस्तोत्र		,,	१८६८	१०	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८४	८३६	विष्णुपंजरस्तोत्र		,,	१८५६	५	,, ,,
२८५	२६०० (३)	विष्णुपजरस्तोत्र		,,	१८२५	१० वाँ	,, ,,

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८६	२६०१ (३)	विष्णुपंजरस्तोत्र		संस्कृत	१८२३	१० वाँ	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८७	३३०३	विष्णुपंजरस्तोत्र		,,	१६वीं श.	४	,, ,,
२८८	१८०२ (३)	विष्णुमहिम्नःस्तोत्र		,,	,, ,,	१३–१५	जीर्णप्रति
२८९	१८६७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१८५१	३८	
२९०	२८७६ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श.	१–४७	
२९१	२८८७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श.	१६	
२९२	९५	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	(पद्मपुराणान्तर्गत)	,,	१६वीं श.	१२	मानकवीश्वर द्वारा सोनीहरजी ने लिखाया
२९३	८४१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८६२	३५	पद्मपुराणगत।
२९४	२६१६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९९६	१८	,,
२९५	३२८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श	२५	,,
२९६	३६८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	१७	,,
२९७	२६०० (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८२५	१०–१२	महाभारतगत।
२९८	२६०१ (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८२३	१०–१२	,,
२९९	३५७२ (१)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१९वीं श.	१–४६	भागवतसार-समुच्चयगत।
३००	७५२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अनंतव्रतकथा सार्थ		,,	१९वीं श	१६	
३०१	२३७२ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अष्टाविंशतिनाम-स्तोत्र		,,	१९वीं श.	२९+५	
३०२	३२६८	विष्णुस्तवराज		,,	१८६१	१०	महाभारतगत, काशी मे लिखित।
३०३	३१७	विष्णुस्तुति सटीक	टी० हरिदास	,,	१६वीं श	५	भावैरङ्कुरित पद्य की टीका
३०४	१५७७	वीतरागस्तोत्र	हेमचन्द्र	,,	१५वीं श.	६	प्रथम पत्र अप्राप्त
३०५	३५१८	वीतराग स्वोत्र पजिका-युक्त त्रिपाठ	हेमचन्द्र, पंजिका विद्यासागर ?	,,	१६वीं श.	१३	स० १५१२ में पजिका की रचना।
३०६	८३१	वेणीस्तोत्र प्रयागस्तव वेणीस्तोत्र', त्रिवेणीस्तोत्र	शेप ?	,,	१८१५	३	प्रयाग माहात्म्यगत कडा मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०७	१३०६	वेदस्तुति		संस्कृत	१६वीं श.	६	भागवतगत।
३०८	१६८	वेदस्तुति सटीक त्रिपाठ	टी० चक्रवर्त्ती	,,	१८५८	५०	
३०९	७५८	व्यकटेश्वराष्टक तथा रामाष्टक		,,	१६वीं श.	१	
३१०	२७७८	शनिस्तोत्र		संस्कृत	१६२८	३	स्कन्दपुराणगत अजमेर में लिखित।
३११	३१५१	शनिस्तोत्र		,,	१८४०	७	स्कन्दपुराणगत
३१२	३५६७ (२०)	शनिस्तोत्र		,,	१६वीं श.	१३७–१३८	
३१३	३१८६	शनैश्चरस्तोत्र		,,	१७६६	११	स्कन्दपुराणगत
३१४	२६३० (८)	शन्यष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	४था	
३१५	२६६३	शरभेशस्तोत्र		,,	१८६६	१	आकाश भैरवकल्पगत अजमेर मे लिखित।
३१६	३५५४ (१२)	शान्तिनाथस्तोत्र		,,	१८८१	२६वॉ	
३१७	२०५८	शान्तिस्तुति		,,	१६वीं श.	१	
३१८	७६४	शारदाष्टक		,,	,, ,,	१	
३१९	७६८	शारदास्तुति		,,	,, ,,	१	
३२०	७७०	शालिग्रामस्तोत्र		,,	,, ,,	४	भविष्योत्तरपुराणगत।
३२१	११४० (४)	शालग्रामस्तोत्र		संस्कृत	१८८४	३२से३८	भविष्योत्तर-पुराणगत।
३२२	१५१०	शालग्रामस्तोत्र		,,	१६०२	५	
३२३	८२४	शिवकवच		संस्कृत	१७६६	५	स्कन्दपुराणगत
३२४	१३०६	शिवकवच		,,	१८०५	६	स्कन्दपुराणगत। नवीनपुर में लिखित।
३२५	१५०३	शिवकवच		,,	१६२३	६	स्कन्दपुराणगत।
३२६	१३६५	शिवदशकस्तोत्र		,,	१८२८	२	नंदिकेश्वर पुराणगत
३२७	२७३१	शिवपंचाक्षरस्तोत्र		,,	२०वीं श.	१	
३२८	३७२	शिवमहिम्नःस्तोत्र	पुष्पदन्त	,,	१८१३	७	नवानगर में लिखित।
३२९	८११	शिवमहिम्नःस्तोत्र	,,	,,	१६वीं श	५	
३३०	१४६७	शिवमहिम्नःस्तोत्र	,,	,,	२०वीं श.	५	
३३१	२७७३	शिवमहिम्नःस्तोत्र	,,	,,	१७६६	६	प्रथम तथा अंत्य पत्र शोभन

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३३२	३६८६ (१)	शिवमहिम्नःस्तोत्र	पुष्पदन्त	संस्कृत	१६वीं श.	१–२	
३३३	७७८	शिवमहिम्नःस्तोत्र पजिका टीका		,,	१८वीं श.	२२	
३३४	१७६४	शिवमहिम्नःस्तोत्र-सटीक	मू० पुष्पदन्त टी०अह्वोवल(?)	,,	१६वीं श.	१६	
३३५	३२६७	शिवमहिम्नःस्तोत्र-सटीक		,,	१६०७	३४	
३३६	३१४०	शिववर्मकवच		,,	१६वीं श.	५	स्कन्दपुराणगत।
३३७	८००	शिवसहस्रनामस्तोत्र		,,	२०वीं श	१३	लिंगपुराणगत
३३८	३१४६	शिवसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श.	२०	२ रा पत्र अप्राप्त।
३३६	८०२	शिवसहस्रनामस्तोत्र आदि १ शिवसहस्रनाम २ शिवकवच, ३ शिवताण्डव, ४ शिवस्तोत्र, ५ अपराधस्तोत्र, ६ पचवक्त्रस्तुति, ७ परिषद स्तोत्र, ८ अगस्त्याष्टक, ६ देवीस्तोत्र, १० शिवस्तोत्र।		,,	१६वीं श.	२१	
३४०	१३४२	शिवस्तुति	व्यास	,,	१८१०	५	सूतसंहितागत
३४१	२६६०	शिवस्तोत्र	रामानन्द-सरस्वती	,,	१६२२	२	कृष्णगढ़ में लिखित
३४२	२६६७	शिवस्तोत्र	उपमन्यु	सस्कृत	१८८३	२	
३४३	२७१७	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	सस्कृत	१६वीं श.	१	
३४४	२६४५	शिवापराधस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६२७	४	अजयनगर में लिखित।
३४५	२६६५	शिवापराधस्तोत्र	,,	,,	१६१६	३	अजमेर मे लिखित।
३४६	२३०६ (५)	शिवाष्टक		,,	१६वीं श.	२१–२३	
३४७	३५६७ (४)	शिवाष्टक शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१८१३	६७–६६	मेड़ता मे लिखित
३४८	१३८४	शिवाष्टकस्तोत्र	अगस्तिमुनि	,,	१६वीं श.	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४६	३३२	शीतलाष्टक		संस्कृत	१७६३	१	
३५०	२७०५	श्रीमल्ललिताष्टक	रूपगोस्वामी	,,	१६वीं श.	२	
३५१	११११	शोभनस्तुयः	शोभन	,,	१७वीं श.	५	
३५२	१११४	शोमनस्तुतिअवचूर्णि		,,	१५३१	७	
३५३	२६६३	श्यामास्तोत्र		,,	१६वीं श.	१	ज्ञानार्णवगत।
३५४	१११०	सकलार्हत्स्तोत्र टीका	गुणविजय	,,	१७वीं श.	६	
३५५	१८३	सन्तानगोपालस्तोत्र		,,	२०वीं श.	६	
३५६	१८६	सन्तानगोपालस्तोत्र		,,	,, ,,	७	
३५७	२७०० (१)	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	१६वीं श	१ ला	
३५८	२७१० (१८)	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	,,	,,	१६२५	१२–१३	
३५६	१४०४	सप्तस्मरण		प्राकृत	१६वीं श.	८	
३६०	१८०१	सप्तस्मरण सटीक		संस्कृत	१७०३	२७	अन्यान्य आचार्य-कृत सात स्तोत्रों का संग्रह।
३६१	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१६५३	३६	
३६२	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१८६८	१४०	कूर्मदेशे अर्जुनपुर (नगर) मे लिखित।
३६३	३०७	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१७४५	८७	
३६४	७५३	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१७३६	४१	
३६५	८२८	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१८११	३७	
२६६	१४३६	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१६६६ शाके	८०	पत्र १–२ अप्राप्त।
३६७	१४४८	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१६२८	३२	
३६८	१४४६	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१६३१	३१	
३६६	१५२०	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१७२२	६२	पत्र १सेन अप्राप्त।
३७०	२५१३	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१८वीं श.	७	
३७१	२६३७	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१६वीं श	३२	
३७२	२७५३	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१६वीं श	८३	अपूर्ण
३७३	२७६४	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१६२६	१३६	कृष्णगढ़ मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७४	२६२१	सप्तशती (चंडीपाठ)		संस्कृत	१८६७	६७	पत्र १,२,३, अप्राप्त १३ अध्यायपर्यन्त
३७५	३०१६	सप्तशती (चडीपाठ)		,,	१६८३	४६	सीतापुर मे लिखित । पत्र १ अप्राप्त
३७६	३६६४	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१८७१	७५	लावा मे लिखित ।
३७७	२६८६	सप्तशती (चडीपाठ) सचित्र		,,	१६वीं श.	५२	
३७८	१४६७	सप्तशती (चडीपाठ) सटीक		,,	१६१२	१०३	
३७६	२६२२	सप्तशती (चडीपाठ) सटीक	टी० नागोजी भट्ट	,,	१६वीं श.	६५	
३८०	१८२	सरस्वष्टक		,,	२०वीं श.	२	अगस्तिसंहितागत ।
३८१	८१७	सरस्वतीस्तोत्र		,,	१८६३	७	
३८२	२६१३	सरस्वती स्तोत्र		,,	१६वीं श.	५	
३८३	२६६२	सरस्वती स्तोत्र	कांति विजय	,,	१६वीं श	१	
३८४	२७६६	सरस्वती स्तोत्र		,,	२०वीं श	६	
३८५	२७१० (१)	सर्वोत्तमस्तोत्र	आनन्दनिधि (?)	,,	१६२५	१–७	
३८६	३५७२ (२)	सर्वोत्तमस्तोत्र		,,	१६वीं श	२७–५३	
३८७	३६८४	सर्वोत्तमस्तोत्र भाषा गद्य		व्रज	१६वीं श.	१३	
३८८	२७८२	सावित्र्यष्टक	हरिदेव	संस्कृत	१८७६	१	अजमेर मे लिखित ।
३८६	३४२	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र		,,	२०वीं श.	५	ब्रह्मांडपुराणगत।
३६०	३५५	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र		,,	१६वीं श	५	
३६१	८३५	सुदर्शनकवच		,,	१६वीं श	२	ब्रह्मयामलगत ।
३६२	३५७२ (७)	सुदर्शनयंत्र	वल्लभाचार्य	,,	१८६४	६३–६७	
३६३	३२२४	सुन्दरीमहिम्न स्तोत्र	दुर्वासा मुनि	,,	१६वीं श	६	राधनपुर मे लिखित
३६४	२६७	सूर्यकवच		,,	२०वीं श	२	
३६५	८३७	सूर्यपटलादि सूर्यपंचांग		,,	१६वीं श.	४५	रुद्रयामलगत ।
३६६	३४३२	सूर्यशतक (सटीक)		,,	१६५२	३३	
३६७	२६०६	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८वीं श.	४	भविष्योत्तरपुराणगत।
३६८	२६१२	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६७५	४	भविष्योत्तरपुराणगत।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६६	३१५२	सूर्यसहस्रनाम स्तोत्र		संस्कृत	१८१५	१३	देवीरहस्यगत।
४००	३२७०	सूर्यसहस्रनाम स्तोत्र		,,	१८६८	१०	सप्तमीकल्पगत।
४०१	२६३० (३)	सूर्यस्तोत्र		,,	१६वीं श	२ रा	पद्मपुराणगत।
४०२	२६३० (४)	सूर्यस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	३ रा	स्कन्दपुराणगत
४०३	२६३० (२)	सूर्याष्टक		,,	१६वीं श.	२ रा	
४०४	७६६	सूर्याष्टकादि, सूर्याष्टक २ निरंजनाष्टक, ३ चामुण्डाष्टक, ४ भैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	३	
४०५	२७०० (३)	सेवाफलस्तोत्र		,,	,, ,,	२ रा	
४०६	२७१० (२०)	सेवाफलस्तोत्र		,,	१६२५	१४वाँ	कृष्णगढ में लिखित
४०७	८१२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	१०	
४०८	८२३	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	,, ,,	१२	
४०६	८३०	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१७६४	११	
४१०	३२७६	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१८५१	२१	
४११	३६८६ (२)	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१८३६	२–६	
४१२	२६०८	सौन्दर्यलहरी (विवरण सहित)	मूल-शङ्कराचार्य, विवरण श्रीरंगदास प्राग्वाट्	संस्कृत	१६२५	१७५	पत्र १ से १० अप्राप्त।
४१३	७६६	सौन्दर्यलहरी सटीक	शङ्कराचार्य टी० कविराज शर्मा	,,	१८८८	७४	मांडवीबिंदर में लिखित
४१४	७६७	सौन्दर्यलहरी सौभाग्यवर्द्धिनी टीका	,, (टीका—कैवल्याश्रम)	संस्कृत	१७५२	२२	जीर्णदुर्ग मे लिखित।
४१५	८२७	सौन्दर्यलहरी सटीक	,,	,,	१६७३	६५	जवू ग्राम मे लिखी पत्र १से६,१८,१६,२८ से३३और ३८ से ४६ अप्राप्त।
४१६	११००	स्तोत्रसग्रह (नवस्मरण आदि) सस्तवक		मू.प्रा.स.	१८२४	८१	मुनराविंदर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४१७	१११६	स्तोत्र संग्रह (स्मरणादि)		सस्कृत	१७१६	६	रताडीयागांम में लिखित ।
४१८	१८७५ (१)	स्तोत्रादि संग्रह गुटका त्रुटक		प्रा०सं०	१६वीं श.	१४६	गुटका
४१६	१०६४	स्मरणादि		सस्कृत	१८६६	६	
४२०	३२१	हनुमत्कवच		,,	१६वीं श.	७	
४२१	१३७६	हनुमत्कवच		,,	१६वीं श.	२	
४२२	२३२	हनुमत्सहस्रनामस्तोत्र		,,	१६६४	८	ब्रह्मांडपुराणगत
४२३	२७८७	हनुमदष्टक		,,	१६वीं श.	२	
४२४	२८१८ (२)	हनुमदष्टक	रामचन्द्र	,,	१६वीं श.	२ रा	
४२५	२६१८	हनुमदष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्र		,,	१६वीं श	५	

(१) वैदिक ग्रन्थ

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५१६	अध्वर काण्ड ब्राह्मण		संस्कृत	१६८४	१४६	पत्र १ से ४१ अप्राप्त
२	२७३	अनुवाक		,,	१८३६	६	
३	३७६	अनुवाक	कात्यायन	,,	१६वीं श	१०	
४	१२२४	अनुवाक		,,	१७६३	५	
५	१२५२	अनुवाक	कात्यायन	,,	१८२६	८	
६	१२६६	अनुवाक		,,	१८८७	६	
७	१२६०	इष्टि पचपदार्थी		,,	१८३१	१६	
८	१४६१	उषा सभरण ब्राह्मण		,,	१६२६	१२०	
६	२८३५	ऋग्वेद संहिता		,,	१६३६	१७४	
१०	१३३३	ऐष्टिक चातुर्मासी-पद्धति		,,	१६वीं श	३	
११	१६७०	कर्मप्रदीपभाष्य अपूर्ण	आशादित्य	,,	१७वीं श	१२४	पत्र १ से ६ तथा ४१ से ६१ अप्राप्त
१२	१६६६	कर्मविपाक महार्णव-निबंध		,,	१६वीं श	२२३	पत्र २ तथा २०१ से २११ अप्राप्त
१३	३६७	कात्यायन सूत्र भाष्य प्रथमाध्याय		,,	१८३१	३४	
१४	३६८	कात्यायन सूत्र भाष्य द्वितीय तृतीयाध्याय		,,	१८२६	४४	
१५	३६६	कात्यायन सूत्र भाष्य		,,	१८२६	४६	
१६	१२०५	कात्यायन सूत्र व्याख्यान (स्नानादि पद्धति)	हरिहर	,,	१७वीं श	२५	
१७	१२७०	कात्यायन सूत्र		,,	१६वीं श	३६	
१८	११८१	कुण्डनिर्माण सटीक	रामवाजपेय टीका-स्वोपज्ञ	,,	१८वीं श	२२	
१६	१६५४	कुण्ड प्रदीपक	महादेव	,,	१८८३	२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०	१४०२	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	संस्कृत	१८७२	२१	
२१	१४८७	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	,,	१६१८	२४	
२२	१९८५	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	,,	१७६८	७	
२३	१२६४	कुण्डप्रदीपिका सटीक	मजी द्विवेदी भीमजीसुत टीका-स्वोपज्ञ	सस्कृत	१८३०	२०	रचना १६५३ टी १६५७ वि. वृद्धनगर
२४	१४४३	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	,,	१६१३	२७	
२५	१३३०	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	,,	१८२५	५	
२६	२६३४	कुण्डसिद्धिविवृति		,,	१७६७	२०	
२७	१२१५	कुण्डाहुति	रामचन्द्र	,,	१६४३	६	लाडी में लिखित
२८	१४२०	कोकिल स्मृति (श्राद्ध निर्णय)		,,	१६वीं श	१७	
२९	२६८	कौंपीतकी ब्राह्मण		,,	१५१८	५१	पत्र १से३ तथा २७वां अप्राप्त
३०	१३६	गायत्री ब्राह्मण		,,	१६वीं श	२	
३१	१४५२	गृह्यकारिका		,,	१६१२	७	
३२	१२५७	गृह्यपद्धति	वासुदेव	,,	१८२८	४८	
३३	१३२२	गृह्यपद्धति	वासुदेव	,,	१८५०	७६	
३४	१३७३	गृह्यसूत्र	पारस्कराचार्य	,,	१८७६	६३	
३५	१४०८	गृह्यसूत्र	पारस्कराचार्य	,,	१८२६	३६	पत्र ३ से ६ अप्राप्त
३६	३०१८	गोभली		,,	१६१३	२०	गिरपुर में लिखित
३७	७६७	चरणव्यूह		संस्कृत	१८०१	४	भुजनगर मे लिखित
३८	१३५३	चरणव्यूह		,,	१८५२	६	
३९	२६३२	चरणव्यूह		,,	१६३३	२	कृष्णगढ़ मे लिखित
४०	३२७५	चरणव्यूह		,,	१६२३	१	
४१	१३५८	तत्त्वसार (चरणव्यूह)		,,	१६वीं श.	१२	
४२	१३७४	दशकुण्डमरीचिमाला	विष्णु	संस्कृत	१८२७	१४	
४३	१२०७	नीलोत्सर्गविधि		,,	१६४६	१२	मत्स्यपुराणगत
४४	१४०	पचमहायज्ञ फल		,,	१६वीं श	५	
४५	१४८४	परिभापाकसूत्राणि	केशव	,,	१६११	७	
४६	११७५	पाराशर स्मृति टीका	मूल पाराशर (टीका—माधवामात्य)	,,	१७६८	१५६	तृतीयाध्याय पर्यन्त। पत्र १ से ११ तक मूल पाठ है पश्चात् टीका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४७	२७२	पितृ सहिता		सस्कृत	१८७६	७	
४८	१२४३	पितृ सहिता		„	१८८८	७	
४६	१२६६	पितृ सहिता		„	१८८८	४	
५०	१३६५	पितृ सहिता		„	१६वीं श	५	
५१	१४३५	पुठी (पृष्ठि ?)		संस्कृत	१८३७	३५	हलवद में लिखित
५२	१६४	प्रतिष्ठा ब्राह्मण		„	१६वीं श	६	
५३	१४४०	प्रायश्चित्त सूत्र		„	१६वीं श	२	
५४	१५२३	ब्राह्मण ग्रन्थ		„	१७वीं श.	व्यस्तपत्र	
५५	१५१८	ब्राह्मण ग्रन्थ त्रुटक		„	१८वीं श	व्यस्तपत्र	
५६	१५२१	ब्राह्मण ग्रन्थ त्रुटक अपूर्ण		„	१७वीं श	८२	पत्र १ से ५, २२, ३६, ३७, ५६, ५७ अप्राप्त
५७	१५२२	ब्राह्मण ग्रंथ त्रुटक अपूर्ण		„	१७वीं श	व्यस्तपत्र	
५८	३०५	ब्राह्मण संग्रह		„	१७वीं श	१६०	
५६	१२८०	ब्राह्मणानां वरुण		„	१८५४	४	
६०	१५१५	ब्राह्मणानि (१पादिका१)		„	१७६६	८६	पत्र १ से २४ अप्राप्त
६१	१२'६	ब्राह्मणानि ३ (शतरुद्री)		„	१७३७	८६	ममेवडी में लिखित
६२	१२२०	ब्राह्मणानि ३		„	१७३०	५३	
६३	१२५६	ब्राह्मणानि ४ (हविर्यज्ञना प्रथमकाण्ड)		„	१८४७	१७४	नवानगर मे लिखित
६४	१ ७४	ब्राह्मणानि ४		संस्कृत	१८७८	१०५	
६५	१३६४	ब्राह्मणानि ५		„	१८७४	७७	
६६	१३६८	ब्राह्मणानि ५		„	१८५२	१०१	
६७	१४२४	ब्राह्मणानि ५		„	१६वीं श	६१	
६८	११६७	ब्राह्मणानि ६		„	१७वीं श	८६	
६६	११६६	ब्राह्मणानि ७		„	१६७२	८३	
७०	१२३६	ब्राह्मणानि ७		„	१८वीं श	१३५	प्रथमपत्र अप्राप्त
७१	११६३	ब्राह्मणानि ११		„	१६७१	७८	नवानगर मे लिखित
७२	११६४	ब्राह्मणानि १२		„	१६६६	८१	
७३	१२३०	ब्राह्मणानि २७		„	१६६६	१०२	पत्र ५१ से ५४ तथा ६७ से १०० तक अप्राप्त नवानगर मे लिखित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
७४	३४	मडपकुडसिद्धि सटीक त्रिपाठ	विठ्ठल दीक्षित	सस्कृत	१९वीं श	२१	टीका स्त्रोपज्ञ है
७५	१२८२	मत्रशांकली		,,	१९वीं श	४६	
७६	१५१४	माध्यन्दिनारण्यक		,,	१६वीं श.	३१४	अपूर्ण पत्र १, ५३ से ६३, ८६ से ९८, १०५ से ११४, १२३, १२७, १५७, १८६, २००, २०२, २४२, २५९, २६१, एवं ४४ अप्राप्त
७७	११७४	यजुर्वेद भाष्य (१)		,,	१७वीं श.	१५५	अपूर्ण प्रति है।
७८	१५१९	यजुर्वेद सहिता अपूर्ण		,,	१७वीं श	१३९	१९वां अध्याय तक २०वां अपूर्ण
७९	३८२	यजुर्वेद हव्यन् नाम प्रथमकाण्ड		,,	१८४१	१५६	नवानगर मे लिखित
८०	२८५७	रामपद्धति		,,	१८७४	२९	
८१	१२०१	वरा.		,,	१७९७	४	
८२	१२०९	वाजश्रनो ऋपि छंद		,,	१७८१	३	
८३	३५८	वाजसनेय सहिता		,,	१९१८	७७९	
८४	३३२४	वाजसनेय सहिता		,,	१८२८	९५	
८५	१२८५	वाजसनेय सहिता-नुक्रमणिका		,,	१८८७	४१	
८६	१५७	वाजसनेय सहिता पूर्व खण्ड		सस्कृत	१९२३	७७६	
८७	१५८	वाजसनेय सहिता उत्तर खण्ड		,,	१९२४	१४६	
८८	३७५	वाजी माध्यन्दिनी सहितानुक्रमणिका		,,	१९वीं श	६६	
८९	११९१	वासिष्ठी तथा होम-प्रमाण निर्णय		,,	१८वीं श	९	
९०	११९०	वृद्धपाराशर		,,	१८वीं श	७९	१२ अध्याय के ८७ श्लोक पर्यन्त अपूर्ण प्रति
९१	१४०९	वेदपरिभाषांकसूत्र	केशव	,,	१८८५	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९२	१२०८	वेदोक्त चतुर्मास यज्ञ (१)		संस्कृत	१८वीं श.	१३	
९३	१३५६	व्रतानि (वेदोक्त)		,,	१८५४	२	
९४	१४६४	शतपथ ब्राह्मण		,,	१६५५	६६	
९५	१४३३	शिक्षा		संस्कृत	१९वीं श.	१५	
९६	१४७४	शिक्षा	याज्ञवल्क्य	,,	१६२०	१से१४	
९७	१४८३	शिक्षा	अमरेश	,,	१६२०	२२	
९८	१२७१	सर्वानुक्रमणिका (यजुर्वेदीया)		,,	१८५२	४२	
९९	१४७४ (२)	संहिता शिक्षा वाल्मीकि-गर्ग-गौतमोक्त		,,	१६२०	१५-१६	
१००	१५५४	साङ्ख्यिनि ब्राह्मण		,,	१६२६	८३	
१०१	१४२८	सामविधि		,,	१८८६	२८	
१०२	१२४५	सामवेदी रुद्री		,,	१८६१	२१	
१०३	३३२२	सूर्योपस्थान		,,	१८७२	१२	
१०४	१२६६	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	,,	१८७६	११	
१०५	१२७७	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	,,	१८६५	१४	
१०६	१२१०	स्नानविधि		संस्कृत	१७६०	७	
१०७	१४४७	स्नानविधि विवरण सहित	मू० कात्यायन विवरण हरिहर	,,	१६१८	१४	
१०८	१४८५	स्नानसूत्र		,,	१६१०	३	
१०९	१५००	होम-मंत्रा (पवित्रेष्टि)	कात्यायन	,,	१९वीं श	१५	

(३) मन्त्रतन्त्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३७७	अघोरमन्त्राम्नाय		संस्कृत	१६०२	१	
२	२८०४	अन्नपूर्णाकवच		"	१६वीं श	४	भैरवतन्त्रगत
३	३२३	अन्नपूर्णादशक		"	२०वीं श	३	
४	२८६	अर्थरत्नावली (चतुश्शती टिप्पण)	विद्यानन्द	"	१६वीं श.	७२	
५	२७५५	आकर्षणविधानानि		"	२०वीं श	४	
६	३१६	कर्णशोधनप्रकार		"	२०वीं श	१०	
७	२६१०	कालिकाकवच		"	१६वीं श	५	उत्तरतन्त्रगत
८	२७२६	कालिकाकवच		"	१८७५	१	रुद्रयामलगत
९	२७६०	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श	१	
१०	२७६१	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श	१	
११	२७६२	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श	२	
१२	२७६३	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श	२	
१३	३०३	कालीकल्प		"	१७५३	१६	वडनगर में लिखित
१४	२३७३ (१२)	कालीकवच (रुद्रयामलगत)		"	१८७३	११३-१२१	कृष्णगढ में लिखित
१५	२६३४ (१)	कालीपटल		"	१६वीं श	१-४	
१६	२६७०	कालीपुरश्चरणविधि			१६वीं श	१	
१७	२६०	कालोत्तरमहातन्त्र		"	१६वीं श	८६	
१८	१७६७	कुमारिकापूजन तथा दक्षिणकालीकवच		"	१९१८	५	
१९	१४६६	कुमारीपूजन		"	१६वीं श	२	
२०	१४६०	कुशकण्डिका	गङ्गाधर	"	१६वीं श	४	
२१	१४७६	कुशकण्डिका		"	१६१४	३	मत्रमहोदधिगत
२२	३७०३	कोष्ठयुद्धनिर्णयचक्र		"	१७वीं श	६	
२३	२६२१	कौलकुतूहल		"	१६वीं श	१७५	अपूर्ण (?)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२४	२७२३	कीलपादस्थापनविधि		संस्कृत	१८७६	१	मेड़ता में लिखित
२५	२६२६	क्रमदीपिका सटीक (अष्टमपटलपर्य्यन्त)	मू० केशवभट्ट टी० गोविन्द विद्याविनोद-भट्टाचार्य	,,	१८वीं श	१२१	(पत्र १ से ५ तथा ६६,७४,७६,८५,९४ ६५,१०१ से १०४ (एव १५ अप्राप्त)
२६	२७३०	गणपतिसाधनविधि		,,	२०वीं श.	२	
२७	१५०८	गायत्रीकल्प		,,	,, ,,	३	
२८	२७१४	गायत्रीकवच		,,	१८७७	१	
२९	२७१६	गायत्रीकवच		,,	'८८१	१	गौतमीयतत्रगत
३०	२३७३ (२)	गुरुकवचस्तोत्र (विश्वसारोद्धारगत)		,,	१८७३	१६–२२	कृष्णगढ़ में लिखित
३१	२७०६	गुरुमण्डलविधान		,,	१६२५	४	,, ,,
३२	२३७३ (१)	गुरुरहस्यपूजाविधान (विश्वसारोद्धारगत)		,,	१८७३	१५	कृष्णगढ मे लिखित गुटका
३३	३२६	गोपालपटल		सस्कृत	१६वीं श	१७	
३४	३४६	गोपालपटल		,,	२०वीं श.	२५	
३५	३४६	गोपालपद्धति		,,	,, ,,	२१	
३६	१२३५	गोपालपद्धति		,,	१७५५	११	
३७	३६८२	गोपालपद्धति		,,	१६वीं श	१३	
३८	३२८	गोपालमन्त्र		,,	१८५७	२२	
३९	३१०	गोपालाष्टादशाक्षरकल्प		,,	१७५१	६	सनत्कुमार-सहितागत ।
४०	२६०	गौतमीयतन्त्र		,,	१८४८	१७७	
४१	२६४७	चण्डीविधान		,,	१६२६	६	
४२	३३०६	चण्डीविधान		,,	१६०१	१६	
४३	२६५६	चतुरशीतिपात्र	यदुनाथ	,,	१८६०	६	हरिदुर्ग मे लिखित
४४	३४५८ (२)	चिन्तामणिपार्थिवपूजा		,,	१७०४	१०–१२	अपूर्ण
४५	२८६३ (७८)	चिहुत्तरजंत्रविधि	हीरकलश	राजस्थानी	१७वीं श	१४१या	
४६	७६५	जगन्मङ्गलकवच बाला-कवच गणपतिस्तोत्र		सस्कृत	१६वीं श	२	
४७	२६५४	जागुलीविद्या		,,	१७६६	१	
४८	२३०६ (?)	झाडो		राजस्थानी	१६वीं श.	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४९	८४०	तत्वत्रयशोधनविधिपान-नवक (शाङ्करीपद्धतिगत) पात्रपद्धति (कौलार्णवगत) तथा दो अन्य कृतियाँ		संस्कृत	१९वीं श.	६	
५०	२६२५	त [त्र] मण्डन		,,	१९वीं श.	७६	
५१	८१०	तन्त्रराज	रामचन्द्र	,,	२०वीं श.	३६	
५२	३४५७	तन्त्रसार	कृष्णानन्दवागीश	,,	१७३४	२३६	
५३	२६८४	तांत्रिकसंध्या		,,	२०वीं श.	१०	
५४	२६६४	तांत्रिकहवनपद्धति		,,	१८८६	१२	
५५	२६७६	तारानित्यपूजाविधि	नारायणभट्ट	,,	१८८८	२७	कृष्णगढ़ में लिखित
५६	२६११	त्रिपुरामंत्रा		,,	१७वीं श.	५	
५७	२७३८	त्रिपुरसुन्दरीपडाम्नाय		,,	१९३५	२१	मेडता मे लिखित
५८	३३८	त्रैलोक्यमगलकवच		,,	२०वीं श.	७	सनत्कुमार तन्त्रगत
५९	३४०	त्रैलोक्यमगलकवच		,,	,, ,,	५	,, ,,
६०	२८११	दक्षिणकालिकाकवच		,,	१८७१	२	मेडता में लिखित
६१	२३७३ (१०)	दक्षिणकालिकाकवच		,,	१८७३	१०८-१०९	कृष्णगढ़ में लिखित
६२	२३७२ (५)	दक्षिणकालिकानित्य-पूजापद्धति		,,	१८७३	३३से६६	,, ,,
६३	२७६२	दक्षिणकालिका-पूजापद्धति		,,	१८७१	४	मेड़ता मे लिखित
६४	२७४५	दक्षिणकालिका-पूजनपद्धति भाषा		,,	१९२६	६	कृष्णगढ मे लिखित
६५	२७३५	दक्षिणकाली पद्धति	अनन्तदेव	संस्कृत	१८७२	२७	मेड़ता मे लिखित
६६	२७३६	दक्षिणकालीरश्मि-मालाविधि		,,	२०वीं श	२	
६७	२७३७	दक्षिणकालीषोडशमन्त्रः		,,	१९३२	१	
६८	१२०३	दक्षिणामूर्तिसंहिता		,,	१८वीं श.	४५	अपूर्ण
६९	१७५	दत्तात्रेयपटल		,,	१९वीं श	२२	
७०	२८१	दत्तात्रेयपूजापद्धति		,,	,, ,,	२२	भैरवयामलगत
७१	३३२३	दमनपूजाविधि		,,	१८६८	६	
७२	२७११	दशमहाविद्याजन्मोत्सव-पात्रप्रक्षालन		,,	१९२७	१	अजमेर मे लिखित
७३	२३७३ (६)	दिग्बन्धहोमपद्धति		,,	१८७३	७०-८८	कृष्णगढ मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
७४	३४४	दिव्यमन्त्रौषधपञ्जर-कवच		संस्कृत	२०वीं श.	८	
७५	३५१	दिशाबन्धनविधि		,,	,, ,,	६	
७६	२७६८	दुर्गोपनिषत्		,,	१८७७	२	
७७	२६४२	द्वात्रिंशद्दीक्षोपदीक्षा-पुटितपद्धति		संस्कृत	१९३६	४	हरिदुर्ग में लिखित
७८	१३९२	नमकमन्त्राः		,,	१८३६	४	
७९	१३३६	नमकाङ्गमत्रविधि		,,	१९वीं श	२	
८०	१३३५	नमकांगमत्रविधि		,,	,, ,,	३	
८१	५१	नवग्रहन्यास		,,	,, ,,	५	
८२	१४६३	नवग्रहन्यास		,,	१९०२	५	
८३	३८१	नवचण्डीसत्क्षेपपद्धति		,,	१८५४	७	
८४	१३६६	नवदुर्गापूजनविधि		,,	१९वीं श	६	
८५	२६७८	नवरात्रपूजाविधि		,,	१८६४	२४	अजय नगर मे लिखित
८६	२६५५	नवार्णपद्धति		,,	१८८७	१८	
८७	७४४	नारायण कवच	वेदव्यास	संस्कृत	१९वीं श	३	भागवतपष्ठस्कन्ध-गत
८८	२३७६ (५)	नारायणकवच सार्थ	नित्यानंद	,,	२०वीं श.	२८	
८९	१८९	नारायणचिन्तामणि-कवच		,,	१९वीं श.	१०	विष्णुयामलगत
९०	३३७	नारायणचिन्तामणि-कवच		,,	२०वीं श	२९	,, ,,
९१	३१७०	नारायणवर्म		,,	१९वीं श.	५	भागवतगत
९२	३३९	नारायणास्त्रकवच		,,	२०वीं श.	७	महाकालसंहितागत
९३	१८५	नृसिंहकवच		,,	१९वीं श.	१	
९४	२६७३	नैमित्तिकविधि	नरसिंह	,,	१८८९	३	ताराभक्तिसुधार्णव का ७ वा तरग दिल्ली में लिखित
९५	२३७३ (१३)	पञ्चचक्रनिरूपण		,,	१८७३	१२१—१२९	रुद्रयामलगत
९६	२८१६	पञ्चचक्रनिरूपण		,,	१८७१	६	मेड़ता मे लिखित
९७	३३	पञ्चदशाक्षयन्त्रविधि		,,	१८९७	४	८२ पद्य मे रचना है

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९८	२७५०	पञ्चदश्याम्नाय		संस्कृत	१९२३	१०	शिवताण्डवगत
९९	२३७३ (१४)	पञ्चमकारशोधनआदि		,,	१९वीं श.	१३०-१५०	
१००	२८६०	पञ्चमुखीहनुमत्कवच		,,	१९वीं श.	६	
१०१	२६९८	पञ्चवक्त्रपूजनविधि		,,	१९७१	६	
१०२	१७९	पञ्चवक्त्रशिवपूजन		,,	१९३८	२२	
१०३	१३०	पञ्चवक्त्रशिवपूजा-विधान		,,	१८७२	६	
१०४	१२२३	पञ्चाक्षरन्यासविधान		,,	१८वीं श	२	
१०५	२७९४	पात्रशोधनविधि		,,	१९वीं श	९	
१०६	१२८४	पार्थिवचिन्तामणिप्रयोग		,,	२०वीं श.	८	
१०७	३३२९	पार्थिवपूजनप्रयोग		,,	१९वीं श.	३	अपूर्ण
१०८	१४४५	पार्थिवेश्वरचिन्तामणि-पद्धति तथा शिवसहस्र-नामस्तोत्र		,,	१९२०	१०	
१०९	२८२०	पार्थिवपूजनविधि		,,	१८४१	१०	
११०	२६५६	पार्थिवेश्वरपूजा		,,	१९१५	५	अजमेर मे लिखित
१११	१४८२	पुरश्चरण		,,	१९१६	२३	
११२	२७६१	पुरश्चरणपद्धति		,,	१८७१	२२	मेड़ता मे लिखित
११३	२७५	पुरश्चरणप्रयोग		,,	१९वीं श	४	
११४	२३७३ (११)	पुरश्चरणविधि		,,	१९वीं श	११०-११२	
११५	२७४८	प्रणवन्यास		,,	१९वीं श.	३	
११६	१९५	प्रतिष्ठाकर्म		,,	१७९२ शाके	६	वामकेश्वरतन्त्रगत
११७	२८०१	प्रत्यङ्गिरामालामन्त्रविधि		,,	१९वीं श	६	
११८	२३६८ (१४)	फुटकरमत्र		राजस्थानी	,, ,,	४४-४५	
११९	२३६८ (२०)	फुटकरमत्र		,,	,, ,,	६३-६७	
१२०	१४६६	वटुकभैरवपद्धति		संस्कृत	१९३१	१०	शारदातिलकगत
१२१	३८७	वटुकभैरवाम्नायविधि		,,	१९०४	१८	
१२२	२८०७	वलिदानविधि		,,	१९वीं श	३	
१२३	२८०६	वालाकवच (गौरीमारतंत्रगत)		,,	१८८८	३	पुष्करारण्य मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१२४	३२४२	वालात्रिपुराकवच		संस्कृत	२०वीं श.	६	शारदासमुच्चयगत
१२५	२७७५	वालात्रिपुरापूजाविधान-पद्धति		,,	१८६७	२२	मेड़ता में लिखित
१२६	२७५२	वालात्रिपुरार्चनविधि		,,	२०वीं श.	१३२	(किंचिदपूर्ण)
१२७	२६८५	वालात्रिपुरासामान्य-पद्धति	माधवाचार्य	,,	१९१२	१८	अजमेर मे लिखित
१२८	२८३३	वालात्रिपुरसुन्दरी-पञ्चाङ्ग पटल		,,	१९वीं श.	४९	अपूर्ण
१२९	३१९१	वालात्रिपुसुन्दरीविधान-पद्धति		,,	१८२६	७	
१३०	३१८७	वालापटल		,,	१८००	६	मथुरा मे लिखित
१३१	२७४६	वालापञ्चोपचारपूजा-विधि		,,	२०वीं श	४	
१३२	११५१	वालापद्धति	सच्चिदानदनाथ	,,	१९वी श	४०	
१३३	७९८२	वालापूजनपद्धति (सार्थ)		सस्कृत	१९१३	२१	कृष्णगढ़ मे लिखित
१३४	२७५१	वीजकोश	दक्षिणामूर्त्ति	,,	१९२५	३२	अजमेर मे लिखित
१३५	२७०२	वीजोद्वारकोश		,,	१९२६	८	,, ,,
१३६	१९२	भगवतीकीलकादि		,,	१९वीं श.	७	
१३७	३१९२	भगवतीकीलक		,,	,, ,,	११	
१३८	२८९३ (१८)	मनोवाञ्छामन्त्र		,,	१७वीं श	११ वां	
१३९	१९९५	मन्त्रमहोदधि	महीधर	,,	१९वीं श	११५	
१४०	१४१	मन्त्रमहोदधि सटीक	मू० महीधर टीका स्वोपज्ञ	,,	,, ,,	१९५	
१४१	२३९२ (६)	मन्त्रयन्त्रादि		राजस्थानी	१८वीं श	६	
१४२	२६५१	मन्त्रोद्वारकोश	दक्षिणामूर्त्तिमुनि	संस्कृत	१९२६	२२	कृष्णगढ़ मे लिखित
१४३	२३७३ (१६)	महाकालकवच (गन्धर्वतन्त्रगत)		,,	१८७७	१५४-१५६	कृष्णगढ में लिखित
१४४	२६७९	महाकालमन्त्रन्यासादि		,,	१९३३	२	हरिदुर्ग मे लिखित
१४५	२३७३ (६)	महाकालीकवच		,,	१८७३	१०४-१०७	कालीतंत्रगत
१४६	२९३८	महाकालीकवच (गन्धर्वतन्त्रगत		,,	१८७३	१	कृष्णगढ़ में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४७	२८१२	महाकालीकवच (कालीतन्त्रगत)		संस्कृत	१८७२	२	मेड़ता में लिखित
१४८	१३२५	महामृत्युञ्जयन्यास		,,	१९वीं श.	३	
१४९	२६४१	महायन्त्रसंस्कारविधि (पद्य)		,,	१९२५	१	कृष्णगढ़ में लिखित
१५०	१२२५	महारुद्रजप		,,	१७९७	५	
१५१	१३३१	महारुद्रपद्धति (ऋग्वेदीय)		,,	१८३०	१०	
१५२	१३७७	महारुद्रपद्धत्यनुक्रमणिका		,,	१९वीं श.	२	
१५३	१३८२	महारुद्रपुरश्चरणविधिः		,,	,, ,,	३	
१५४	१३१७	महारुद्राहुति		,,	,, ,,	३	
१५५	३३१७	महालक्ष्मीहृदय		,,	१७वीं श.	१०	
१५६	२८१७	महासरस्वतीमत्र		,,	२०वीं श.	३	
१५७	२६६९	मातृक निघण्टुः वीजकयुक्त		,,	१९२६	३	
१५८	३९०	मातृकान्यास		,,	१९वीं श.	१०	
१५९	२६८३	मातृकान्यास		,,	२०वीं श	७	
१६०	१२३८	मातृपूजनपद्धति		,,	१८४१	५	
१६१	१३८८	मातृस्थापनविधि		,,	१९वीं श	२	
१६२	२६७७	मालासस्कार		,,	१९२६	१	कृष्णगढ़ में लिखित
१६३	८७३	मु मनाकलंबिनीधर्मनीढवा		फारसी राजस्थानी	२०वीं श.	५	
१६४	२७६३	मृत्यु जयनित्यजप		सस्कृत	१८८७	२	अजमेर में लिखित
१६५	१२७२	मृत्यु जयपद्धति		,,	१८५५	६	
१६६	१३५६	मृत्यु जयपीठ-स्थापनविधि		,,	१९वीं श	६	
१६७	१२६३	मृत्यु जयस्तोत्रजपविधि		,,	१८८८	१८	भैरवतन्त्रगत
१६८	११५३	यन्त्रचिन्तामणि	दामोदर	,,	१७४३	२३	मेड़ता मे लिखित
१६९	२६४०	यत्रसस्कार (गद्य)		,,	१९२५	१	तन्त्रसारगत कृष्णगढ़ मे लिखित
१७०	२७४४	रक्तचामुण्डामत्रविधान		,,	२०वीं श	१	
१७१	२४२	रजस्वलास्तोत्र		,,	,, ,,	३	रुद्रयामलगत
१७२	३१५	राधाकवच		,,	,, ,,	३	रुद्रयामलगत

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७३	३४५	राधाकवच तथा वलि-भद्रकवच		संस्कृत	२०वीं श.	५	रुद्रयामलगत
१७४	३४३	रामकवच		,,	,, ,,	५	ब्रह्मयामलगत
१७५	३४७	रामचन्द्रस्तवराज		,,	१६४२	२०	सनत्कुमार-संहितागत
१७६	७६१	राममन्त्रविधि		,,	१८६८	८	
१७७	२३०६ (२)	रामानंदजी रामरक्षा		राजस्थानी	१८.६	६–१३	
१७८	३१४	रामायणमहामन्त्र		संस्कृत	२०वीं श	११	
१७९	२७७२	रुद्रजप		,,	१८११	१३	बीकानेर में लिखित १ से ३ अप्राप्त
१८०	२८५४	रुद्रजप		,,	१८५७	३४	
१८१	१२४२	रुद्रजपविधि (रुद्रपद्धति)		,,	१८६६	१७	रुद्रचिन्तामणिगत
१८२	१३५७	रुद्रजपांगन्यासविधि		,,	१८६८	७	मंत्रमहोदधिगत (कुंतियाणा में लिखित)
१८३	२६४	रुद्रजाप्य		,,	१७५३	११	(१० वां पत्र अप्राप्त पत्तन नगर में लिखित
१८४	३०१७	रुद्रपद्धति	परशुरामविप्र	,,	१७वीं श.	४०	
१८५	१४७५	रुद्रसूत्रप्रथमाध्याय		,,	१६१८	२	
१८६	२७८६	रुद्रात्मत्रविधि		,,	२०वीं श.	३	
१८७	३२५	लक्ष्मीनारायणकवच		,,	,, ,,	५	
१८८	१२४६	वनदुर्गाकवच		,,	१८५६	१२	रुद्रयामलगत
१८९	२६४६	वशीकरणविधि		,,	२०वीं श.	१	
१९०	२४१	वाञ्छाकल्पलता		,,	,, ,,	६	
१९१	१४१०	विष्णुयन्त्रस्थापनविधि		,,	१८४२	६	
१९२	११२३ (१५)	वीसायत्रचउपई	अमरसुन्दर	राजस्थानी	१७वीं श	७६ वां	
१९३	२६५२	वैश्वदेववलिविधि		संस्कृत	२०वीं श.	२	
१९४	३३०८	वैश्वदेवविधि		,,	८७२	६	
१९५	२७२५	शक्तिसगमतत्रप्रथमपटल		,,	१८६५	८	
१९६	२७३४ (१)	शखोद्धारविधान		,,	१८६५	१–५	(कुब्जिकातत्रगत) पुष्करारण्य क्षेत्र में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१९७	२७२६	शखोद्धारविधि		संस्कृत	१८६५	५	कुब्जिकातन्त्रगत
१९८	२७३२	शखोद्धारविधि		,,	१९३२	३	अजमेर में लिखित
१९९	२६४८	शतचण्डीविधान		,,	१९२६	३	
२००	३३०७	शतचण्डीविधान		,,	२०वीं श	२४	
२०१	२६६०	शरभप्रयोगविधि		,,	१८६६	३	आकाश भैरवकल्पगत
२०२	२७२२	शरभयन्त्रमन्त्रकथन (आकाशभैरवतन्त्रगत)		,,	१८६६	२	अजमेर में लिखित
२०३	२६८६	शरभेशयन्त्रपूजन-विधान		,,	१८९६	२	आकाश भैरवकल्पगत
२०४	१६७१	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,,	१७वीं श	२६०	पत्र १४८,१४९,२५४ २५५, अप्राप्त
२०५	१६७२	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,,	१८वीं श	१२	
२०६	१६७३	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,,	,, ,,	१५	
२०७	१४४	शारदातिलक सटीक त्रिपाठ (१-५ पटलपर्यन्त)		,,	१९वीं श	१३४	४९+५०+१५
२०८	१३८६	शारदातिलकोक्तयन्त्र-पूजनविधि		,,	,, ,,	१	
२०९	४१०	शिवपत्रिका		,,	,, ,,	१३	१से५ पत्र अप्राप्त अशुद्धप्रति
२१०	३१८८	शिवपञ्चवक्त्रपूजापद्धति		,,	,, ,,	६	
२११	२६४३	शिवावलिविधान		,,	१९२६	२	रुद्रयामलगत
२१२	३२०	श्यामाकवच		,,	२०वीं श.	११	
२१३	२८१३	श्यामानीराजन		,,	१९वीं श.	१	
२१४	२६३४ (२)	श्यामापद्धति	दामोदरानन्द-नाथ	,,	,, ,,	४-२९	
२१५	२७३६	श्यामायन्त्रध्यानविवरण	भास्करानन्द-नाथ भोजक	,,	१९७२	१	हरिदुर्ग मे लिखित
२१६	१९६	श्रीउपनिषत		,,	१९वीं श.	१९	
२१७	२८१४	श्रीविद्याक्रमपूजनपद्धति	निजात्मानन्द	,,	१६६० शाके	१०३	
२१८	२६२९	षडङ्गरुद्रजाप-दिक्पाल-पूजाआदि		,,	१९वीं श.	४	प्रथम पत्र अप्राप्त

[illegible]

सौभाग्यरत्नाकर

मन्त्रशास्त्र का सुलभ ग्रन्थ (गोस्वामि श्री श्रीनिवासभट्टापरनामधेय श्रीविद्यानन्दनाथ रचित)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२१६	२७२४	षडाम्नायन्यास (ध्यानमन्त्रयुक्त)		संस्कृत	१६३१	४७	मेड़ता में लिखित
२२०	२७०७	षोडशपात्र		,,	१६२६	५	कृष्णगढ़ मे लिखित
२२१	१४७७	सन्तानगोपालमन्त्र		,,	१६वीं श	८	गौतमीयतंत्रगत
२२२	२८०	सन्तानगोपालशताक्षरी-जप		,,	,, ,,	१२	
२२३	३०६८	सप्तशतीन्यासविधि		,,	,, ,,	१५	
२२४	२७७६	सप्तशतीस्तोत्रमाला-मन्त्रविधान		,,	१८६०	४	कृष्णगढ में लिखित
२२५	३४५८ (१)	समयातन्त्र		,,	१७०४	१से१०	
२२६	४८	सर्वतोभद्रयन्त्रविधान		,,	२०वीं श.	१८	
२२७	२७८१	सर्वमन्त्रोत्कीलन		,,	१६वीं श.	१	
२२८	२६५८	सर्वोत्कीलनमन्त्र		,,	१८८७	२	कृष्णगढ़ में लिखित
२२६	२८०२	संक्षेपहोम		,,	१८६४	३	अजमेर में लिखित
२३०	२८०३	संक्षेपहोम		,,	१८६४	५	
२३१	२७३३	संवित्कल्प		,,	१७४३	१	
२३२	२८६३ (१२८)	सुवर्णसिद्धिप्रयोग		राजस्थानी	१७वीं श.	१६१वाँ	
२३३	२६२०	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानन्दनाथ	संस्कृत	१८६५	२६४	अजमेर में लिखित
२३४	१८१	हनुमत्पञ्चाक्षरी-द्वादशाक्षरीमालामन्त्र		,,	१६वीं श.	१५	
२३५	३१६	हनुमदर्ग		,,	२०वी श.	१५	
२३६	१८८	हनुमद्वाडवानलकवच-मालामत्र		,,	१६वीं श.	७	पञ्चमुखवीरहनुमद्वाडवानलसंहितागत
२३७	१६३	हनुमन्मन्त्र (मन्त्रमहोदधित्रयोदश) तरङ्गगत		,,	१६वीं श.	४	
२३८	१६४	हनुमन्मत्र		,,	१६वीं श	५	मन्त्रमहोदधिगत

धर्मशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१६७	अनुस्मृति		संस्कृत	१६वीं श.	७	
२	२६४	अनुस्मृति		,,	,, ,,	१३	महाभारतगत
३	२८७६ (४)	अनुस्मृति		,,	,, ,,	१–२०	
४	३३०२	अनुस्मृति		,,	,, ,,	६	महाभारतगत
५	३६६६	अनुस्मृति		,,	,, ,,	१४	
६	१६	अल्लासूक्त		,,	,, ,,	२	
७	१०००	आगमसारोद्धार	देवचन्द	राज०गू०	१६३१	८१	
८	२०३५	आगमसारोद्धार		,,	१६१८	६७	
९	३३२५	आचारमयूख	नीलकण्ठ	संस्कृत	१६वीं श	६०	
१०	३	आचारादर्श	श्रीदत्त	,,	१८६७	७२	३७ वाँ पत्र नहीं है जयनगर में लिखित
११	३०४६	आत्मपक्टोपनिषत्		,,	२०वीं श.	४	
१२	१८७३	आशौचत्रिंशत्		,,	१६वीं श	१४	
१३	११६८	आशौचदशकसभाष्य	मू० विज्ञानेश्वर हरिहर	,,	१७१५	१३	
१४	११८६	आशौचदशकसभाष्य		,,	१८वीं श.	७	
१५	२७८	आशौचनिर्णय	रघुनाथ	,,	१६वीं श.	८	
१६	२६५	आशौचनिर्णय	रघुनाथ	,,	शाके १७५०	१३	
१७	२८६	आशौचनिर्णय	त्र्यम्बकपण्डित	,,	१६२४	१७	
१८	१४६२	आशौचनिर्णय	,,	,,	१६०६	७	
१९	१२६६	आशौचनिर्णय		,,	१६वीं श.	२१	कालनिर्णयात्रबोधगत।
२०	३६	आशौचनिर्णय त्रिशच्छ्लोकी मूल	भट्टचार्य	,,	,, ,,	८	
२१	१२६	आशौचनिर्णय त्रिशच्छ्लोकी व्याख्यासहित	भट्टचार्य	,,	१६१८	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१३८७	आशौचप्रकरण	भट्टोजी भट्ट	संस्कृत	१८१३	६	
२३	३१५६	आशौचप्रकरण	भट्टोजी दीक्षित	,,	१६वीं श.	८	
२४	१८६२	आशौचप्रकरणस्मृत्यर्थसार (?)		,,	१४८५	८५	पत्र १–२ अप्राप्त
२५	३१२४	आशौचसग्रह	रामभट्ट	,,	१६वीं श.	७	
२६	११८४	आशौचसग्रहविवृति-सहित	विवृति-भट्टाचार्य	,,	१७६६	२०	त्रिशत् श्लोकी टीका
२७	१४६८	आशौचसग्रहवृत्ति	भट्टाचार्य	,,	१६०५	२५	
२८	१३३४	आशौचाष्टक		,,	१६वीं श.	२	
२६	१४७०	आशौचाष्टकव्याख्या		,,	१८७१	४	अंत्य ३० वां
३०	२६१७	आह्निककर्मपद्धति		,,	१८वीं श	२६	पत्र अप्राप्त ।
३१	३०६१	ईशावास्योपनिषत्		संस्कृत	२०वीं श.	७	
३२	३०६०	कठवल्ल्युपनिषत्		,,	२०वीं श	८	
३३	१४५८	कारिका		,,	१६३६	२३	
३४	३३३६	कालनिर्णय सटीक	मू० माधव टी० वैद्यनाथ	,,	१६वीं श	३६	
३५	३०४२	कालनिर्णय सटीकत्रिपाठ	मू० माधव	,,	,, ,,	१२	
३६	३७०	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	रघुराम टी० स्वोपज्ञ	,,	१८३५	७०	भुजनगर में रचना मूलरचना सं० १७०६ टीका रचना १७१०
३७	२५८६	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	मू० महादेव टी० रघुराम	,,	१८३५	१४६	नवीनपुर में लिखित स० १७०६ में गिरिनार में मूल रचना स० १७१० में भुजपत्तन मे टीका रचना
३८	३०५७	केनोपनिषत्		संस्कृत	२०वीं श	८ २	
३६	२७०८	कौलोपनिषत्		,,	१६३३	१	हरिदुर्ग मे लिखित
४०	२७४२	गन्धोत्तमानिर्णय		,,	१८६६	२४	स० १८७२ (?) मे रचित । अजमेर में लिखित
४१	३१६३	गारुडोपनिषत्		,,	१८८१	३	
४२	२७४	गोपीचन्दनोपनिषद्		,,	२०वीं श	६	
४३	१३३	गोपीचन्दनोपनिषद्		,,	१६वीं श	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४४	२५८५	गोभीलकगृह्यपद्धति सुबोधिनी	शिवराम	सस्कृत	१८५६	१२८	
४५	१३१४	छान्दोग्योपनिषत्		,,	१८६६	६३	
४६	३०५३	छान्दोग्योपनिषत्		,,	१०वीं श.	४६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
४७	१३०७	तिथिनिर्णय	रघुनाथ	संस्कृत	१८३५	६	
४८	२३६	तृप्तिदीप	रामकृष्ण	,,	१९वीं श.	१७	
४९	२४५	तृप्तिदीपव्याख्यासहित	रामकृष्ण स्वोपज्ञ व्याख्या	,,	१७६५	५१	
५०	३०४३	त्रिस्थलीसेतुसार	भट्टोजी दीक्षित	,,	१९१६	१३	
५१	२६०६	दानचद्रिका	दिवाकर	,,	१९वीं श	३७	पत्र १९ वां अप्राप्त काशी मे रचना।
५२	१३२६	दानसमुच्चय		,,	१८६३	४५	
५३	१२०४	देवलपद्धति (?) अध्याय २५वा अपूर्ण		,,	१७वीं श.	६०	
५४	१६३२	धर्मयुधिष्ठिरसवाद		,,	१९१६	८	
५५	११८७	धर्मशास्त्र	देवलऋषि	,,	१७६९	३८	
५६	१२००	नवरात्रनिर्णय		,,	१७वीं श	१९	
५७	२६०१	नारदीयसहिता		,,	१८५७	५१	पत्र ३१ वां अप्राप्त
५८	१९५	नारायणोपनिषत्		,,	१९वीं श	२	
५९	१८०३ (३)	नारायणोपनिषत्		,,	,, ,,	४ था	
६०	३५०५	नित्याराधनविधि-व्याख्यान	त्रिमल्लनदि	,,	१७८	२६	
६१	३२६४	निर्णयसिद्धान्तभाषा		गूजर	१९वीं श	१५	
६२	२६०५	निर्णयसिद्धान्त सटीक त्रिपाठ	रघुराम	सस्कृत	१८७४	७७	पत्र १से५ तथा ५९ से ६३ अप्राप्त सं० १७०९ मे मूल और स० १७१० मे टीका भुजपुर मे रचित।
६३	११७२	निर्णयसिन्धु	कमलाकरभट्ट	,,	१७६८	२४५	
६४	२७६	निर्णयोद्धार 'विशेप-तिथिनिर्णय'	राघवभट्ट	,,	२०वीं श.	१४	
६५	१८०३ (४)	परमहसोपनिषत्		,,	१९वीं श	५-६	
६६	१४९०	परिशिष्टचरणव्यूह	कात्यायन	,,	१८८५	८	

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
६७	१३७	पुरुषसूक्तभाष्य	महाचार्य	संस्कृत	१६३८	१३	
६८	५८	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ	,,	२०वीं श.	२०	अपूर्ण
६९	३७६	प्रतिष्ठामयूख	,,	,,	१८३१	३७	ग्रन्थकारकृत भास्कर-ग्रन्थका विभाग ।
७०	२६३६	प्रतिष्ठामयूख	,,	,,	१९वीं श.	६०	अपूर्ण
७१	३०४८	प्रश्नोपनिषत्		,,	२०वीं श	५	
७२	१४६३	प्राणाग्निहोत्रोपनिषत		,,	१६१५	४	
७३	२६२३	बालसस्कारादि		,,	१९वीं श	१	
७४	३०४५	बृहदारण्यक		,,	१६१८	७१	
७५	१३६२	बृहदारण्योपनिषद्		,,	१८३६	१०६	पत्र २-३ अप्राप्त ।
७६	३०५२	ब्रह्मविदुपनिषत्		,,	२०वीं श	४	
७७	१८०३ (२)	ब्रह्मोपनिषद्		,,	१९वीं श	२-३	
७८	१६१४	भास्कर व्यवहारमयूख	नीलकण्ठ	,,	,, ,,	५९	
७९	१६१३	भास्कर श्राद्धमयूख	,,	,,	,, ,,	७६	
८०	३०५०	भृगूपनिषत्		,,	२०वीं श	३	
८१	१४३	मदनपारिजात उत्तरार्ध		,,	१८३९	१४५	
८२	१६३१	मदनपारिजात	विश्वेश्वर	,,	१९वीं श	१००	अपूर्ण, आदि मे मदन राजकुमार का वशवर्णन है ।
८३	३०३८	मनुस्मृति		,,	१८२२	६३	कोठ्यारा ग्राम मे लिखित ।
८४	२५८९	मलमासनिर्णय	हेमाद्रि	,,	१७३७	२५	चतुर्वर्गचिन्तामणि-गत ।
८५	३०४६	माण्डूक्योपनिषद्		,,	२०वीं श	१२	
८६	३६७८	मासकृत्य		,,	१६२३	२१	
८७	३०४७	मुण्डकोपनिषद्		,,	२०वीं श	५	
८८	३१०३	मूलाध्यायपरिशिष्ट	कात्यायन	संस्कृत	१९वीं श	५	
८९	११८०	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्रमूल	याज्ञवल्क्य	,,	१८वीं श	३१	
९०	१६७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर	,,	१९वीं श	१६७	
९१	३०७७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा विवृति	,,	,,	१७६६	४६	प्रथमाध्याय
९२	३४३१	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा विवृति	,,	,,	१७२४	३०६	योधपुर मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९३	११८६	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय		संस्कृत	१८वीं श	५४	
९४	११७७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय	विज्ञानेश्वर	,,	१७६४	६१	
९५	११७८	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति द्वितीयाध्याय	,,	,,	१७६३	१०६	
९६	११७९	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति तृतीयाध्याय	,,	,,	१७६४	१२४	
९७	३१४५	रामायणप्रयोगविधि		,,	१९वीं श	६	रामानुजकल्पद्रु मोक्त
९८	१३२	वासुदेवोपनिपद् दीपिकाटीकासह त्रिपाठ		,,	,, ,,	४	
९९	१३१५	वेददीपटीका	महीधर	,,	१८४०	७	४०वां अध्याय है।
१००	१२५०	व्रतार्क	श्रीशकर	,,	१८६४	३३४	चुडा में लिखित
१०१	२८९५	व्रतार्क		,,	१८५४	३३३	पत्र ३२६,३२८,३२७ अप्राप्त
१०२	१६७९	शिक्षापत्री सार्थ	मू० नित्यानन्द स्वामी	,,	१९वीं श	१५२	गुटका
१०३	३०५१	शिक्षोपनिपत्		,,	२०वीं श	४	
१०४	३०८६	शुद्धिविवेक	रुद्रधर	,,	१९वीं श	४२	
१०५	१३६१	श्राद्धनिर्णय		,,	१८३३	१०	कौलमतानुसारी
१०६	२७	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	,,	१८६९	८६	प्रथम पत्र नहीं है।
१०७	१२६२	श्राद्धाधिकार		,,	१८६३	५	कोकिलपक्षीय।
१०८	३३३९	सन्ध्यातत्त्वविवरण	रामाश्रम	,,	१९वीं श	१३६	पत्र ५वॉ अप्राप्त। स० १७०९ मे रचित
१०९	३६९३	सन्यासमहोमपद्धति	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१९१७	१०	
११०	११९९	सस्कारपद्धति	गगाधर	,,	१८वीं श	५९	
१११	१२७९	संस्कारपद्धति		,,	१९वीं श	१५	
११२	१२९०	सस्कारपद्धति	,,	,,	,, ,,	४६	
११३	१४६५	सस्कारपद्धति	आनदराम	,,	,, ,,	६०	
११४	३३३१	सूक्तविधान		संस्कृत	१९वीं श.	४	
११५	३०७२	सूक्तविधान	भट्टोजिदीक्षित	,,	१८९७	५	
११६	७३५	सूक्तविधान		,,	१८०६	१	संख्या१७३४ सलग्नहै
११७	३०९९	स्नानपद्धति	हरिहर	,,	१८वीं श.	६	
११८	१२६५	स्मृतिभास्करशान्तिमयूख	नीलकण्ठ	,,	१९००	१५४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११६	२६७५	स्मृतिसमुच्चयाह्निक	बद्रिनाथ	सस्कृत	१६वीं श.	५४	
१२०	६१	स्मृत्यर्थसार		,,	१६२५	१६०	पत्र २रा तथा १२८वां अप्राप्त
१२१	१५१७	स्मृत्यर्थसार	श्रीधर	,,	१५११	८१	पत्र ६सेर६ तथा ५४ से ८० अप्राप्त। काशी मे लिखित।
१२२	११८३	स्मृत्यर्थसार आचाराध्याय	श्रीधराचार्य	,,	१७६८	२७	
१२३	११८२	स्मृत्यर्थसार प्रायश्चित्ताध्याय	.	,,	१७६८	३४	
१२४	१२६१	स्वाचारदीपिका		,,	१६वीं श	१०	
१२५	१३८६	स्वाचारदीपिका	हरिशर्मा	,,	१८६२	३२	सं० १६६७ मे गुप्त-प्रयाग में रचित।
१२६	३१७३	होलिकानिर्णय		,,	१६वीं श.	४	

कर्मकाण्ड

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	७७१	अग्निहोत्रहोम		संस्कृत	१८५८	३	
२	३६१	अतिक्रान्तजातककर्मादि चूडाकर्मान्तानुष्ठान		"	१६२४	१०	
३	१३६४	अनन्तोद्यापनविधि		"	१८२७	६	भविष्योत्तरपुराणगत
४	१५०१	अन्नप्राशनकर्म		"	२०वीं श.	३	
५	१५०५	अब्दपूर्तिविधान (वर्धापनपद्धति)		"	१६३६	५	
६	१३४३	अभयैकादशी वैतरणी-एकादशी व्रतोद्यापनविधि		"	१८३८	१३	
७	३८६	अमृतहवनविधि		"	१८३६	२०	
८	१२२७	अवसानविधि		"	१८वीं श	२१	
९	१६६	अश्लेषाविधान		"	१६वीं श	४	
१०	१२६७	अश्लेषाविधान		"	१६वीं श	२	
११	१२१८	अस्त्रोपसहरण		"	१६वीं श	१	
१२	१३४७	अस्थिक्षेपविधि		"	१८३८	१	
१३	१३६१	अस्थिक्षेपविधि		"	१८६८	३	
१४	१३७६	अस्थिनिक्षेपविधि		स०गू०	१६वीं श	२	
१५	१४०१	आतुरसन्यासविधि		सस्कृत	१८७०	१०	
१६	३६०	आभ्युदयिकश्राद्ध	रामचन्द्र	"	१६१२	१३	
१७	३५७	आराधनाप्रयोग		"	शाके १७४८	१४	
१८	१०५६	आलोचनाविधि		प्रा०स० रा०गू०	१८७२	६	सूरतबिन्दर मे लिखित
१९	३६३	उपनयनादिव्रतपद्धति		संस्कृत	१६७४	१५	
२०	१६८	उपाकर्म		"	१६४३	६८	श्रावणपची पूर्णमासी उपाकर्म है।
२१	३६४	उभयैकादशीव्रतविधि		"	२०वीं श.	१०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१४६४	उभयैकादशीव्रतोद्यापन-विधि		संस्कृत	१६वीं श.	७	
२३	११६५	ऋतुशांति		,,	१६वीं श.	१	वासुदेवीपद्धतिगत
२४	१२३१	ऋषिपंचमीव्रतोद्यापन-विधि सत्तेप		,,	१६वीं श.	२	
२५	३८८	एकवस्त्रस्नानविधि		,,	१८३६	७	
२६	१३८१	एकवस्त्रस्नानविधि		,,	१६वीं श	४	
२७	१६६६	एकादशाहकर्तव्य		,,	१६०२	४६	
२८	१४२६	एकोद्दिष्टश्राद्धविधि		,,	१६वीं श.	५	
२६	१२६४	और्ध्वदैहिकक्रियापद्धति		,,	१६वीं श.	१६	
३०	२६३३	औषधिप्रतिनिधि-त्तेपणादिग्रहण		,,	१६३०	१	कृष्णादुर्ग मे लिखित
३१	१४७८	कर्मदीपिका	हरिदत्त	,,	१६१६	१४	
३२	३८५	कर्मानुक्रमपद्धति	राम	,,	१७वीं श.	२७	प्रथम पत्र अप्राप्त
३३	१६१	कार्तवीर्यदीपदानविधि		,,	१६वीं श.	२	अपूर्ण
३४	१६३	कार्तवीर्यदीपविधान		,,	,, ,,	१	
३५	१४३८	कालातिक्रमसंस्कार		,,	,, ,,	२०	
३६	१५०४	कुण्डदीपिकाविशेषवचन		,,	२०वीं श.	३	
३७	१३६७	कूष्माण्डीशान्ति		,,	१६वीं श	३	
३८	३३०४	कृष्णजन्मोत्सवविधि		,,	,, ,,	२०	
३६	१४१६	कृष्णपूजापद्धति	श्रीधराश्रम	,,	१८४२	६	
४०	१३०२	कोकिलाव्रतपूजा		,,	१८६८	२	
४१	१३३२	क्रियापचविधान		,,	१८६२	५	
४२	१३६३	क्रियापद्धति (और्ध्वदैहिकपद्धति)	विश्वनाथ	,,	१८०७	१२०	
४३	३८३	क्रियापद्धति		,,	१६वीं श.	१२३	अपूर्ण प्रति
४४	१२६७	क्रियापद्धति		,,	१८४५	६	
४५	१२४४	क्रियापद्धति		,,	१८५६	५८	
४६	१२१२	क्रियापद्धति		,	१६वीं श	३८	
४७	३१२३	त्तत्रियसन्ध्या		,,	१८४५	१३	
४८	१४३७	गर्भाधानसंस्कार		,,	१६वीं श.	११	
४६	२६	गर्भाधानसीमन्त-नाम-करणचूडाकरणविधि		,,	,, ,,	५	
५०	२७२०	गायत्रीछंदोरूपव्याख्या		,,	,, ,,	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५१	२६८१	गायत्रीतर्पण		संस्कृत	१६३४	१	हरिदुर्ग मे लिखित
५२	१४८१	गायत्रीनित्यपूजाप्रयोग		,,	१६१५	३२	
५३	१३७५	गायत्रीन्यास		,,	१६वीं श.	७	
५४	१४५	गायत्र्यनुष्ठानविधि	स्वय प्रकाशेन्द्र सरस्वती	संस्कृत	१६१३	४२	
५५	३०८०	गोदानविधि		,,	१६०५	४	नंदीपुराणगत ।
५६	१४११	गोप्रसवविधि		,,	१८३६	१	शांतिचिन्तामणिगत
५७	१५११	गोमुखप्रसवशांति		,,	२०वीं श.	८	
५८	३६७७	ग्रहशांति		,,	१७१५	६	सिध क्षेत्र में लिखित
५६	२७४७	ग्रहशांतिपद्धति		,,	१६२६	३२	कृष्णगढ़ मे लिखित
६०	३१८३	ग्रहशांतिपद्धति		,,	१६००	२३	
६१	१३१२	चत्वरपूजनविधि		,,	१८४३	१	
६२	१२४०	चूडाकरणविधि		,,	१८६५	६	
६३	११४७ (१)	चौवीसगायत्रीमन्त्र		,,	१८८४	१से२४	
६४	६१	जयसिंहकल्पद्रुम श्राद्ध-निर्णय	पौण्डरीक-याजिरत्नाकर	,,	१६वीं श.	२३	रचना सं० १७०२
६५	१३०५	जीवच्छ्राद्धप्रयोग		,,	१८६०	१०	
६६	१३६६	जीवच्छ्राद्धप्रयोग		,,	१६वीं श.	५	
६७	१०	जीवत्पितृककृत्य		,,	,, ,,	८	
६८	२६३६	ज्येष्ठाभिषेक		,,	१६६२	६	कृष्णगढ में लिखित
६६	१४५५	ज्येष्ठाविधान		संस्कृत	२०वीं श.	१	
७०	१३५०	तंत्रोक्तवेदोक्तमिश्रित आगमोक्तकुशकण्डिका-होमविधि		,,	१८७१	१६	
७१	२७६६	तर्पण		,,	२०वीं श.	१	
७२	१२४१	तीर्थयात्राविधि		,,	१८४४	३	
७३	१५०२	तुलादानपद्धति		,,	२०वीं श.	४	
७४	१४५०	तुलापुरुषदानविधि		,,	१६२६	२०	
७५	२८७	तुलसीपूजा		,,	२०वीं श.	२	
७६	३८६	तुलसीविवाह		,,	१६वीं श.	५	
७७	१४१५	तुलसीविवाह		,,	१८२३	३	
७८	३८०	तुलसीविवाहविधि		,,	१८७२	४	
७६	२६६	त्रिकालसंध्या		,,	२०वीं श.	१४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८०	७७४	त्रिकालसन्ध्या		संस्कृत	१९वीं श.	६	
८१	७७७	त्रिकालसन्ध्या		,,	२०वीं श.	६	
८२	२७१८	त्रिकालसन्ध्या		,,	१८७३	४	कृष्णगढ़ में लिखित
८३	२७१९	त्रिकालसन्ध्या		,,	१८७७	५	
८४	२८००	त्रिकालसन्ध्या		,,	१८६९	४	मेड़ता में लिखित
८५	१३१०	त्रिपुण्ड्धारणविधि		,,	१८७८	४	
८६	२६९१	त्रिपुण्ड्प्रमाण (पुराणोक्त)		,,	१९३५	२	हरिदुर्ग में लिखित
८७	२२६५	दक्षिणकाली पूजा छद		,,	२०वीं श.	३	
८८	२३७	दर्शपूर्णमासी विधान		,,	१९वीं श.	४७	
८९	१३०३	दर्शपौर्णमासेष्टि		,,	,, ,,	७	कात्यायनोक्त
९०	३३०९	दर्शश्राद्धपद्धति		,,	१८४४	१८	
९१	१४४६	दशाहश्राद्धविधि		,,	१९०६	५	
९२	१३११	दिक्पालपूजाविधि		,,	१९वीं श.	४	
९३	१३१६	दिक्पालवलिदानविधि		,,	,, ,,	८	
९४	१३७०	दिक्पालवलिदानविधि		,,	१८७४	१२	
९५	१४१२	दीपदानप्रयोग		,,	१८६९	३	
९६	१७९६	दीपमालापूजनप्रकार		,,	१९वीं श.	१	
९७	१२१७	दूर्वात्रिरात्र		,,	,, ,,	३	
९८	१३७१	मानसीपूजा	शङ्कराचार्य	,,	,, ,,	८	
९९	३९६	द्वात्रिंशद्देवतास्थापन-विधि		,,	१८५६	१०	
१००	१४९८	द्वादशाहकृत्य		,,	२०वीं श.	१९	
१०१	२६६४	नवरात्रिव्रतपूजाविधि		,,	१९वीं श	३	
१०२	१३००	नागवलि		,,	१८३७	२	वृद्धशौनकोक्त
१०३	१६४९	नारदपंचरात्र पटल (२३–२४)		,,	२०वीं श	७	
१०४	१२७६	नित्यतर्पण		सस्कृत	१८९८	१६	
१०५	२८३२ (८)	नित्यतर्पण		,,	१७७४	१०२–१०३	गुटका
१०६	१४४२	नित्यतर्पणविधि		,,	१९१६	७	
१०७	१४८०	नियममोचनविधि		,,	१९१८	६	
१०८	२७३४ (२)	पंचदेवताश्राद्ध, एकादशश्राद्ध तथा षोडशश्राद्ध		,,	१८९५	६–८	पुष्करारण्य क्षेत्र मे लिखित ।
१०९	८८७	परिणयनविधि		,,	१९वीं श.	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
११०	८८६	परिणयनविधि		संस्कृत	१६वीं श.	६	
१११	३३०५	पवित्राविधि		,,	,, ,,	८	
११२	३३१८	पवित्रारोपणविधि		,,	१८६८	६	
११३	२७०४	पितृतर्पण		,,	१६२५	२	अजमेर में लिखित
११४	२७४६	पितृतर्पण		,,	१६२५	३	अजमेर में लिखित
११५	१२२१	पितृपिण्डविधानश्राद्ध		,,	१७२४	३	
११६	२६३५	पुण्याहवाचन, स्वस्ति-वाचन		,,	१८६७	८	
११७	१२२६	पुत्तलकविधि		,,	१८वीं श.	७	
११८	१४२२	पुत्तलकविधि		,,	१६वीं श.	६	
११६	२६८	पुष्टिमार्गीयध्यानप्रकार		,,	,, ,,	२	
१२०	२६६७	पूजाप्रकार		,,	,, ,,	२	
१२१	१३५७	प्रतिष्ठाप्रयोग	शंकरदत्त	,,	१८८४	२१	निर्णयसिन्धु प्रतिष्ठामयूखानुसारी
१२२	१०४४	प्रव्रज्याविधि		प्रा०स० रा०गू०	१७वीं श.	१३	
१२३	१३७२	प्राणाग्निहोत्रविधि		सस्कृत	१६वीं श.	६	
१२४	२७७६	प्रातःकृत्य		,,	२०वीं श.	४	
१२५	३७१	प्रायश्चित्तप्रयोग		,,	१८६५	७१	
१२६	१४८६	प्रायश्चित्तप्रयोग		,,	१६११	१०	श्राद्धचिन्तामणिगत
१२७	३१२६	प्रायश्चित्तप्रयोग	हेमाद्रि	,,	१६२६	६	
१२८	१२२८	प्रायश्चित्तविधि (पुरश्चरण)		,,	१६वीं श.	५	
१२९	१३१८	बुधपूजनविधि		,,	,, ,,	१	
१३०	१३०४	बृहस्पतिगायत्री षोडशोपचार, पचोपचार-पूजा		,,	,, ,,	४	
१३१	१३६८	ब्रह्मचारिणामुञ्छवृत्ति-प्रस्थानविधि		सस्कृत	,, ,,	१	
१३२	३३२१	ब्रह्मयज्ञविधि		,,	१८७२	५	
१३३	३३२०	ब्रह्माद्यर्चनविधि		,,	१६वीं श.	५	
१३४	३३१५	भक्तिचन्द्र (सटीक, त्रिपाठ)	हरिहर	,,	१८वीं श.	७१	अपूर्ण १५वीं कला का १५ वॉ पद्य पर्यन्त
१३५	१६४८	भक्तिहस 'विवृतिसहित'	विट्ठल, विवृति रघुनाथ	,,	२०वीं श.	१४	भक्तिरंगिणी नामक विवृति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१३६	१६५३	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी	सस्कृत	१८६७	२६	शाके १५५५ में वाराणसी में रचित
१३७	५४	भगवद्भक्तिरत्नावली (सटीक)		,,	१६वीं श.	६६	नवमों विरचन के प्रथम श्लोक पर्यन्त पश्चात् अपूर्ण पत्र ७३ से ८६ तक अप्राप्त।
१३८	१२४७	भट्टोजीदीक्षितानां पद्यानि		,,	१८६२	२	
१३९	१३१३	भूतशुद्धि, प्राणप्रतिष्ठा, अजपासंकल्प, अन्त-र्मातृका न्यासादि		,,	१६वी श.	१७	
१४०	१३२८	भौमपूजनविधि		,,	१६वीं श.	५	
१४१	१२६३	मडपादिपूजनविधि		,,	१६वीं श.	४	
१४२	१३४६	महामायापूजनविधि		,,	१८६८	२६	
१४३	२५६	महाविष्णुपूजाविधि		,,	१६वीं श.	७	
१४४	२७२८	मुद्राप्रकरण		,,	१८६१	१०	शिवार्चनचंद्रिकागत
१४५	२६७२	मुद्रालक्षण		,,	१६वीं श.	१	ब्रह्माण्डपुराणगत
१४६	२२६	मूलविधान		,,	,, ,,	३	
१४७	१४५१	मूलविधान		,,	१६२८	८	
१४८	३१३६	यज्ञोपवीतकर्मविधि		,,	१६०१	७	जयनगर में लिखित
१४९	१२५६	यज्ञोपवीतविधि		,,	१८५४	३	कृष्णभट्टपद्धतिगत
१५०	२६८०	यज्ञोपवीतविधि		,,	१६३३	८	कृष्णगढ में लिखित
१५१	१३५४	युग्मजननशान्तिविधि		,,	१८६८	४	
१५२	१३७८	रजस्वलामरणविधि		,,	१७५३	५	
१५३	१३४५	राजपट्टाभिषेकपद्धति		,,	१८३३	४	मोर्वी में लिखित
१५४	१२७५	रामनवमीव्रतोद्यापन		,,	१८२५	७	
१५५	१२७८	रामनवमीव्रतोद्यापन विधि		,,	१८५३	७	
१५६	१३५५	राहुपूजाविधि		,,	१८६१	२	
१५७	१२३७	रुद्रपद्धति	नारायण भट्ट	,,	१८२६	६७	
१५८	१३३८	रुद्रपद्धति	परशुराम	,,	१८१५	४६	सं० १५१५ में रचित
१५९	१३६३	रुद्रपीठदेवतास्थापन-विधि		,,	१६वीं श	२	स्कन्दपुराणगत
१६०	७८६	रुद्रपुष्पांजलि		,,	२०वीं श.	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६१	१३८०	रुद्रीजापविधि		संस्कृत	१६वीं श.	४	
१६२	१४३०	लक्षपार्थिवलिंगपूजोद्यापनविधि		,,	१८६१	८	
१६३	१३८३	लक्षपुष्पिकोद्यापनविधि		,,	१८२७	६	स्कन्दपुराणगत
१६४	१२८३	लक्ष्मीपूजनपद्धति		संस्कृत	१६वीं श.	२	
१६५	२७०३	लक्ष्मीसरस्वतीपूजाविधि		,,	२०वीं श.	२	
१६६	१४६	लघुग्रहशान्ति		,,	१८६५	१५	
१६७	१११८	लघुतपोधिकार		,,	१७वीं श.	३	
१६८	३११	वटसावित्रीपूजाविधि		,,	शाके १७४६	४	
१६९	१३२०	वापीकूपतडागप्रतिष्ठाविधि (जलोत्सर्गपद्धति)		,,	१८४५	२२	
१७०	२५८	वापीकूपतडागादिजलप्रतिष्ठाविधान		,,	१६वीं श	७	
१७१	१३२१	वास्तुपद्धति (ऋग्वेदीया)		,,	,, ,,	१६	
१७२	३७८	वास्तुपूजापद्धति		,,	१८५२	१३	
१७३	१४०६	वास्तुशान्तिपद्धति		,,	१८३८	२०	लांगुलपुर में लिखित
१७४	३२२८	वास्तुशान्तिपद्धति		,,	१६२६	१५	
१७५	१२८५	वास्तुशान्तिप्रयोग		,,	१६वीं श.	४३	शिवराम विरचित गोभिलकगृह्यपद्धतिगत
१७६	१२६८	विनायकपूजनविधि		,,	१८८८	१३	
१७७	१४८६	विनायकवेदिकालक्षण		,,	२०वीं श	१	
१७८	२३७३ (४)	विभूतिधारणविधि		संस्कृत	१८७३	३०–३२	
१७९	१३५१	विवाहपद्धति		,,	१८५२	८	गृह्यपरिशिष्टगत
१८०	१४३२	विवाहपद्धति		,,	१८२३	२६	
१८१	३११८	विवाहपद्धति		,,	१६वीं श.	२३	
१८२	३६६५	विवाहपाटी (पाठ)		,,	,, ,,	५	
१८३	१४६५	विष्णुतर्पणविधि		,,	१८३२	३	
१८४	३५६	विष्णुयाग		,,	१६वीं श.	८७	
१८५	१२१६	विष्णुयागपद्धति		,,	१७७७	१७	आमरण में लिखित
१८६	१२८७	विष्णुयागपद्धति		,,	१८४४	११	
१८७	१२६१	विष्णुयागपद्धति (प्रयोग)	अनतदेव	,,	१८८४	१५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८८	८४३	विष्णुषोडशोपचारपूजा		संस्कृत	१६वीं श.	५	
१८६	२८८५	विष्णुसहस्रनामार्चन		,,	,, ,,	२४	
१६०	३८४	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	,, ,,	८	
१६१	१२४४	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	१८६५	६	
१६२	१५१३	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	१६०१	५	
१६३	३१३८	वैतरणीदानविधि तथा महिषीदानविधि		,,	२०वीं श.	१४	
१६४	१२३३	वैतरणीधेनुदानविधि		,,	१७६३	५	
१६५	१४६६	वैतरणीव्रतोद्यापनविधि		,,	१६वीं श.	४	
१६६	१५१२	वैधृतव्यतिपातसक्रान्ति-शान्ति		,,	,, ,,	४	शान्तिमयूखगत
१६७	६०४	वैश्वानरआहुतिआदि		,,	१८वीं श.	६	मत्स्यपुराणगत
१६८	१४५६	व्यासपूजा		,,	१६२४	७	
१६६	२५६०	व्यासपूजा सयत्र		,,	१७१६	२	
२००	७७६	व्रतवन्ध		,,	१६०६	११	
२०१	७७३	व्रतोद्यापनविधि		,,	१७६६	६	श्रीखडडीपुर में लिखित
२०२	२१४	शतचडीविधानपद्धति		,,	१८६०	५६	नवानगर में लिखि
२०३	७८८	शान्तिकविधि		,,	२०वीं श.	५	
२०४	२७७	शान्तिमयूख	भट्टनीलकंठ	,,	१६वीं श.	१०६	पत्र ४६से४६ तक अप्राप्त
२०५	२४४	शिवपूजनविधि	कात्यायन	,,	२०वीं श.	१३	
२०६	३७३	शिवपूजनविधि		,,	१८६०	२४	
२०७	१२८६	शिवपूजनहवनविधि		,,	१८७३	१२	
२०८	१६०	शिवरात्रीव्रतोद्यापनविधि		,,	१६वीं श.	११	
२०६	३६२	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		,,	१८४३	१३	
२१०	१४४१	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		,,	१६३४	६	
२११	१४२३	शूद्रकर्तृ कलत्तहोमात्म-कप्रह्यन्त्त		,,	१८६२	१६	ध्रोल में लिखित
२१२	३०८	श्राद्धकल्प (आपस्तम्ब)		,,	शाके १७४६	१६	
२१३	१२२२	श्राद्धकल्प		,,	१७३७	६	वाजसनेयी, मर्मेत्रद्दी में लिखित
२१४	१४१७	श्राद्धकल्प	कात्यायन	,,	१८७६	७	
२१५	१७०	श्राद्धपद्धति	राम	,,	१८५६	४६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२१६	१२११	श्राद्धपद्धति		संस्कृत	१६वीं श.	१२	
२१७	१२५४	श्राद्धपद्धति		,,	१६३५	३१	श्राद्धकाशिकोक्त
२१८	१३२६	श्राद्धपद्धति		,,	१८१६	८	
२१६	१३३६	श्राद्धपद्धति		,,	१८०३	११	
२२०	१४२१	श्राद्धपद्धति (पार्वण-श्राद्धविधि)		,,	१८६६	१५	
२२१	१४७२	श्राद्धपद्धति		,,	१६०५	२५	
२२२	३१३२	श्राद्धपद्धति		,,	१८३८	१२	
२२३	१३६०	श्राद्धप्रयोग		,,	१६वीं श.	६	श्राद्धमयूखगत
२२४	२७२७	श्राद्धविधान		,,	१८६२	३	ज्ञानार्णवगत
२२५	२७१	श्राद्धविधि (श्राद्धारंभ)		,,	१६वीं श	१६	
२२६	३६८०	श्राद्ध (तर्पण) विधि		,,	१५६८	६	पत्तन में लिखित
२२७	१२५८	श्रावणिकापूजनविधि		,,	१६वीं श.	२	
२२८	२७६	श्रावणी उपाकर्म		,,	शाके १७४४	२४	
२२६	२३८	श्रीकण्ठमातृकान्यास		,,	१६वीं श	५	
२३०	१२६२	श्रीकण्ठमातृकान्यास		,,	१८६८	६	सत्रमहोदधिगत। कुन्तीयाणा मे लिखित
२३१	१३४०	षडष्टप्रायश्चितविधि		,,	१६वीं श	३	
२३२	१४०७	षोडशारचक्रनिर्माण-प्रकार		,,	१८२७	२	
२३३	१८८२ (१४६)	षोडशोपचारपूजा		ब्रज०	१६वीं श	७७—७८	
२३४	२७७१	षोडशोपचारपूजा		संस्कृत	,, ,,	१	
२३५	१३२७	षोडशोपचारपूजाविधि		,,	,, ,,	१०	
२३६	१३०८	सकलदानसामान्यविधि		,,	१८१३	३	
२३७	१३१६	सकलशुभकर्मविधि		,,	१८४३	३२	
२३८	२६२४	सकल्पश्राद्ध		,,	१६०१	११	पत्र २।१ अप्राप्त
२३६	१३४८	संक्षिप्तदानप्रयोग		,,	१८५७	१३	
२४०	१४१३	संक्षिप्तदेवप्रतिष्ठाविधि		,,	१८२७	८	
२४१	८१३	संक्षिप्तसन्ध्या		,,	१६वीं श.	१	
२४२	२८१६	संक्षिप्तसन्ध्याविधि		,,	१६२१	५	
२४३	३०४	सन्ध्या		,,	२०वीं श.	१४	
२४४	११६६	सन्ध्या		,,	१६वीं श	५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४५	२६७४	संन्ध्या		सस्कृत	१८८७	३	आचारादर्शगत। कृष्णगढ़ में लिखित
२४६	२७६५	सन्ध्या		,,	२०वीं श.	५	
२४७	२६६१	संध्यातर्पण		,,	१८८७	६	कृष्णगढ़ में लिखित
२४८	२६६२	संध्यानुक्रमकारिका	सर्वेश्वर	,,	१८८७	३	,, ,,
२४९	१८७५ (२)	संध्याप्रयोग		,,	१८८६	१३–७७	गुटका
२५०	२८८	सन्न्यासकर्मपद्धति		,,	२०वीं श.	१०	गुटका कृति
२५१	३३३	सन्न्यासपद्धति		,,	१८६६	६५	
२५२	१२८६	सन्न्यासिनासमाराधन-विधि		,,	१९वीं श.	३	
२५३	२२८	समयमयूख	नीलकठ भट्ट	,,	,, ,,	६४	
२५४	७५६	सरामणो		सं०गू०	१८३५	५	
२५५	७७२	सरामणो तथा कागवास		स०रा० गू०	१८७४	५	मांनकूआ मे लिखित
२५६	१४१४	सर्पबलिसंक्षेप		सस्कृत	१८२२	५	
२५७	१२७३	सर्वतोभद्रदेवताव्रतोद्या-पनविधि		,,	२०वीं श	१३	
२५८	१४५७	सर्वदेवपीठस्थापनाभि-धानपद्धति		,,	१६३६	५६	
२५९	३७४	सर्वदेवसाधारणप्रतिष्ठा विधि	शिवराम	,,	१९वीं श	६	ग्रन्थकर्ताकृत मत्र चिन्तामणि नामक ग्रन्थ का प्रकरण है
२६०	२७४३	सर्वसंस्कारपद्धति	पद्मनाभदीक्षित	,,	१९१९	३२	कृष्णगढ़ में लिखित
२६१	१८६४	सामायिक		,,	१९वीं श.	१	
२६२	१८६५	सामायिक		,,	१९०४	१	
२६३	१४५३	सार्वदेविकीपद्धति	पूजामृत	,,	१९२६	४३	
२६४	३६५	सीमन्तोन्नयनसस्कार-पद्धति		,,	१९०२	५	
२६५	१२३२	सूतक (प्रकरण) सटीक		,,	१७३७	१२	पत्र १० वा अप्राप्त
२६६	१२६८	सूतकादिविधिसार्थ		मू०स० गू०	१८२४	२०	नवानगर में लिखित
२६७	१४१६	सूर्यमण्डलपूजनविधि		स०	१९वीं श.	३	
२६८	३५४७ (२)	सूर्यव्रतप्रभाव		,,	१९वीं श.	१ ला	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६९	१३०१	सूर्यव्रतोद्यापनविधि		सं०	१८५४	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
२७०	८८५	सूर्यार्घदानविधि		,,	शाके १७३४	६	भुजपत्तन मे लिखित
२७१	१३४६	सूर्यार्घदानविधि		,,	१८२७	४	मोरवी मे लिखित
२७२	१४५९	सूर्यार्घप्राणप्रतिष्ठादि		,,	१९३५	११	
२७३	१३९९	स्मार्तपदार्थसंग्रह (प्रयोगपद्धति)	गंगाधरभट्ट	,,	१८३१	६२	
२७४	१२४६	स्वस्तिवाचन		,,	१८९५	६	
२७५	१६४७	स्वस्तिवाचनकारिका		,,	१९वीं श.	१२	
२७६	२६३१	स्वस्तिवाचादि		,,	१९वीं श.	२	
२७७	२६१	हनुमद्दीपदानविधि		,,	२०वीं श.	७	सुदर्शनसंहितागत
२७८	२७०	हनुमद्दीपदानविधि		,,	१९वीं श.	८	,, ,,
२७९	३३१	हनुमद्दीपदानविधि		,,	१९वीं श.	१७	,, ,,
२८०	१४७९	हवनविधिकुशाकंडिका		,,	१९१८	१९	
२८१	१८	हेमाद्रिप्रयोग		,,	१९वीं श.	४	
२८२	१२०९	हेमाद्रिप्रयोग		,,	१९वीं श	७	
२८३	३३३४	हेमाद्रिप्रयोग		,,	१७७३	४	दतपुर मे लिखित

पुराण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१७७	अधिकमासमाहात्म्य		संस्कृत	१७९८	६२	स्कन्दपुराणगत
२	१७२२	अध्यात्मरामायण		”	१८५६	१०७	
३	२१०	अध्यात्मरामायण उत्तरकाण्ड		”	शाके १७४८	३२	
४	२०९	अध्यात्मरामायण किष्किंधाकाण्ड		”	१९वीं श.	१२२	
५	२०७	अध्यात्मरामायण वालकाण्ड		”	” ”	२८	
६	२०८	अध्यात्मरामायण युद्धकाण्ड		”	” ”	५२	
७	२०६	अध्यात्मरामायण सुन्दरकाण्ड		”	” ”	१६	
८	२८५०	अरुणाद्रिमाहात्म्य		”	” ”	५६	शिवपुराणगत।
९	१८९० (९८)	अर्जुनगीता	धरमदास	रा०	” ”	७६–७९	
१०	३२६७	अर्जुनगीता		संस्कृत	१७८४	७	
११	३२७६	अर्जुनगीता		”	१८५१	१२	पाटण में लिखित
१२	८६३	अवतारगीता	नरहरिदास वारहट	व्रज०	१८११	६०४	
१३	२२१९	अवतारगीता	नरहरिदास	रा०	१८२६	६१	पुनरासर में लिखित स० १७३३ में पुष्करारण्य में रचित।
१४	१८६९	अश्वमेध की कथा पुराण	जयमुनि	व्र०हि०	१८९०	१७४	गुटका। पद्यरचना है
१५	८३९	अष्टादशपुराणनामानि		स०	१९वीं श	१	
१६	३०७०	आश्विनीइन्दिराकृष्णा-माहात्म्य		”	” ”	२	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत
१७	३२८४ (४)	एकादशीमाहात्म्य	हरिदास	गू०	१८१६	१–११	राधनपुर में लिखित सं०१६४७ में रचित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेप
१८	२८९३ (५७)	एकादशीवर्णन		गू०	१७वीं श.	९९वॉ	
१९	१३६०	कर्मविपाक		,,	,, ,,	५	
२०	९३३	कलियुगमाहात्म्य (पद्य)		रा०गू०	१८६८	२	मानकुआ में लिखित
२१	३६७९	कात्यायनीमाहात्म्य		संस्कृत	१७४८	८७	स्कन्दपुराणगत, अमदावाद में लिखित।
२२	३०८५	कार्तिककृष्णैकादशी-माहात्म्य		,,	१८६८	४	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत
२३	२९४२	कार्तिकमाहात्म्य		,,	१९वीं श.	३९	पत्र १, २९ तथा ३०वां अप्राप्त। पद्मपुराणगत।
२४	३०६२	कार्तिकमाहात्म्य		,,	१९०१	२५	जयनगर मे लिखित पद्मपुराणगत।
२५	३०६५	कार्तिकमाहात्म्य		,,	१८९८	४०	पद्मपुराणगत।
२६	१८७८	कार्तिकमाहात्म्य		,,	१८८८	३८	पद्मपुराणगत। रामगढ़ में लिखित
२७	१८७९	कार्तिकमाहात्म्य भापा-टीका सहित		मू०सं० टी०व्र०	१९वीं श	५३	अपूर्ण
२८	२८५१	केदारकल्प		संस्कृत	१८९७	२५	शिवपुराणगत
२९	२८३८	कैलाशसंहिता		,,	१९वीं श.	६३	
३०	३०१	गजेन्द्रमोक्ष		,,	१९वीं श	२२	महाभारतगत
३१	२८७९ (५)	गजेन्द्रमोक्ष		,,	१९वीं श	१–४४	
३२	३१७५	गजेन्द्रमोक्ष		,,	१९०३	१४	महाभारतगत
३३	७५४	गरुड़पुराण: (सस्तवक)		मू०सं० स्त०रा०	१८०२	३५	वाहडमेर में लिखित
३४	३७००	गर्भगीता		संस्कृत	१९वीं श.	४	
३५	३६९७	चतुर्विंशतिएकादशी-माहात्म्य		,,	१७४७	२०	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत सरस्वतीपत्तन में लिखित।
३६	२३७६ (४)	चतु श्लोकी भागवत		,,	२०वीं श.	१२से१३	
३७	२६०० (६)	चतु:श्लोकी भागवत		,,	१८२५	१२ वॉ	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३८	२६०१ (६)	चतुःश्लोकी भागवत		संस्कृत	१८२३	१२ वाँ	
३९	७४५	चतु श्लोकी भागवतसार्थ		सं०गु०	१८३९	५	
४०	२७०१	चतु.श्लोकी व्याख्या	वल्लभदीक्षित	सं०	२०वीं श.	४	भागवतगत।
४१	२७१० (१४)	चतुःश्लोकी शिक्षा		,,	१९२५	११ वाँ	
४२	७४९	जालधरपुराण	हरदास	रा०गु०	२०वीं श.	४३	
४३	२३६८ (५)			,,	१९वीं श	३७से४०	
४४	२५८८	दशावतारावतरणहेतु-ज्ञापन		,,	१९वीं श.	१	
४५	३०६४	दानोपाख्यान		,,	१९१२	५	पद्मपुराणगत।
	१०६७	दीपालिकाकल्प सस्तबक	जिनसुन्दर	सं०रा० गु०	१८७८	५६	रचना सं० १४८३
४७	६३८	दीपोत्सवीकल्प सार्थ		,,	१८वीं श	१९	
४८	२७१० (१७)	पचपद्यानि		सं०	१९२५	१२ वाँ	
४९	२५९९	पद्मपुराण अध्याय१से५		,,	१७०९	८	
	१७८	पद्मिन्येकादशीमाहात्म्य		,,	१९वीं श	५	स्कन्दपुराणान्तर्गत अधिकमासमाहात्म्यगत।
५१	२१५	पवित्राद्वादशीव्रत (नारदीयपुराणगत)		,,	,, ,,	३	
५२	३१६०	पांडवगीता		,,	१९१८	१३	
५३	३२७३	पाडवगीता		,,	१९वीं श.	१८	अणहिलपुर पाटण में लिखित।
५४	१६५२	पांडवगीता सार्थ		सं०गु०	१८९७	१६	
५५	२८६७	पितृगीता		सं०	१९वीं श	१	पद्मपुराणगत।
५६	३०७१	पुरुषोत्तममाहात्म्य		,,	१९४२	८६	स्कन्दपुराणगत, जयपुर में लिखित।
५७	११४९	प्रवीणसागर		व्र०हि०	१९वीं श	३३९	
५८	२८९६	फाल्गुनशुक्लैकादशी-माहात्म्य		सं०	,, ,,	१	
५९	१४२	बृहन्नारदीयपुराण		,,	१८४०	१२३	नागमंडल वास्तव्यजोसिसो-मात्मजद्वारा लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
६०	२८६२	ब्रह्माण्डपुराण भाषा तथा पद्मपुराण भाषा		रा०	१८०६	२से११३	गुटका पत्र १०५वां में संवत् है।
६१	३६८६	ब्रह्मोत्तरखड		संस्कृत	१८२५	११७	स्कन्दपुराणगत
६२	२८२६	ब्रह्मोत्तरपुराण		,,	१८६५	५७	जयनगर में लिखित
६३	१२८	भगवद्गीता		,,	१७६८	६६	
६४	७४६	भगवद्गीता		,,	१७६६	६३	भुजनगर में लिखी
६५	७५५	भगवद्गीता		,,	१८७८	४०	मानकूआ गांव में लिखित
६६	१८७५ (३)	भगवद्गीता		,,	१६वीं श.	७७से१८६	गुटका खडित।
६७	२३७० (१)	भगवद्गीता		,,	१६००	११५	गुटका। कृष्णगढ़ में लिखित।
६८	२३७२ (१)	भगवद्गीता		,,	१८५७	१२८	गुटका
६६	२५६५	भगवद्गीता		,,	१८५६	२३	लाडणू में लिखित
७०	२६०० (१)	भगवद्गीता		,,	१८२५	१से६	
७१	२६०१ (१)	भगवद्गीता		,,	१८२३	१से६	
७२	२६०२	भगवद्गीता		,,	१८५६	१३	
७३	२८७६ (१)	भगवद्गीता		,,	१६वीं श.	१-१६८	गुटका। इस गुटका की सर्व कृतियों मे चित्र ८ हैं।
७४	३११३	भगवद्गीता		,,	१८वीं श	५८	प्रथम पत्र में शोभन है पत्र ४५ वां अप्राप्त
७५	३३३३	भगवद्गीता		,,	१८४६	१६८	
७६	२५६२	भगवद्गीता सटीक	हरिदास	टी०ब्र०	१८४७	४६	टीकारचना पद्यमय है
७७	२५६४	भगवद्गीता सुबोधिनी-टीका सहित	श्रीधर	सस्कृत	१८वीं श.	६०	
७८	८६२	भगवद्गीता भापाटीका	जसवतसिंह	ब्र०हि०	१६वीं श.	४०	
७६	२८६१ (१)	भगवद्गीताभापावन्व-गीतासार		रा०	१६वीं श.		गुटका
८०	१२७	भगवद्गीता सभाष्या	भा० शकर	सस्कृत	१६७४	१६३	पि (ख) रूआ नामक गांव में भीम भट्ट ने लिखी।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	७५०	भगवद्गीता अर्थसहित		सं.अ.व्र.	१८०३	८८	तलवाडा में लिखित
८२	३२३०	भगवद्गीता सार्थ		सं.अ.गू.	१८१५	१६६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८३	३०६६	भद्राचतुर्थीव्रत		संस्कृत	१६वीं श.	२	वामनपुराणगत।
८४	३३३८	भागवत मूल	वेदव्यास	,,	१७वीं श.	६४१	दशमस्कन्ध पर्यन्त। प्रत्येक स्कन्ध की पत्र स. क्रमशः इस प्रकार है ४३,२४,७६,७२, ५८,४२,४०,४७,१६ प्रथमस्कन्ध के पत्र १ से १८ अप्राप्त।
८५	७४३	भागवत चतुर्थस्कन्ध	,,	,,	१६वीं श.	१६०	
८६	१२४	भागवतपुराण दशम-स्कन्ध	,,	,,	१७७६	७८२	
८७	१२६	भागवतपुराण एकादश-स्कन्ध	,,	,,	१७५६	५४	
८८	२६३७	भागवत सटीक प्रथम-स्कन्ध	मू०वेदव्यास टी० श्रीधर	,,	१७वीं श.	१४२	अपूर्ण
८९	४१ (१)	भागवतपुराण सटीक प्रथमस्कन्ध	,, ,, ,, ,,	,,	१६वीं श.	८७	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत
९०	१६१५	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	७४	
९१	१११	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	७४	
९२	४१ (२)	भागवतपुराण सटीक द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	४६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
९३	१६१६	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	४३	
९४	११२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	४३	
९५	१२३	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	टी० वल्लभ-दीक्षित	,,	,, ,,	२५६	
९६	१६६८	भागवत सटीक द्वितीयस्कन्ध		,,	१७७१	६६	पत्र १ से ३६ अप्राप्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९७	१६६७	भागवत तृतीयस्कन्ध सटीक	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१९वीं श.	१००	अपूर्ण, अध्याय २१ पूर्ण २२ वां अपूर्ण
९८	१६१७	भागवत सटीक त्रिपाठ तृतीयस्कन्ध	" "	"	१९वीं श.	११८	
९९	४१ (३)	भागवतपुराण सटीक तृतीयस्कन्ध	" "	"	" "	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१००	११३	भागवतपुराण सटीक तृतीयस्कन्ध	" "	"	" "	११८	
१०१	१६१८	भागवतपुराण सटीक चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	९७	
१०२	४१ (४)	भागवतपुराण सटीक चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	१३१	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१०३	११४	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	९७	
१०४	१६१९	भागवत सटीक त्रिपाठ पंचमस्कन्ध	" "	"	" "	८३	
१०५	११५	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ पंचमस्कन्ध	" "	"	१८६८	८३	
१०६	४१ (५)	भागवतपुराण सटीक पंचमस्कन्ध	" "	"	१९वीं श.	१०५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१०७	३०३७	भागवत सटीक पचम-स्कन्ध त्रिपाठ	" "	"	" "	७०	
१०८	१६२०	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	" "	६२	
१०९	२८९४	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	१८५१	५५	पत्र १ तथा ३० वां अप्राप्त।
११०	४१ (६)	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	१९वीं श	७७	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१११	११६	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	" "	६२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११२	११७	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श.	६०	
११३	४१ (७)	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	" "	"	" "	७२	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
११४	१६२१	भागवत सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	" "	"	" "	६७	
११५	१६२२	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	" "	"	" "	५८	
११६	११८	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	"	"	" "	५८	
११७	४१ (८)	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	" "	"	" "	७२	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
११८	४१ (९)	भागवतपुराण नवमस्कन्ध सटीक	" "	"	" "	५६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
११९	१६२३	भागवत सटीक त्रिपाठ नवमस्कन्ध	मू० वेदव्यास	"	१९वीं श.	५१	
१२०	३३२७	भागवत नवमस्कन्ध सटीक	मू० वेदव्यास	"	१८वीं श.	५१	
१२१	११९	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ नवमस्कन्ध	" " टी० श्रीधर	"	१९वीं श.	५१	
१२२	१२०	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध	" "	"	१८६६	२२४	
१२३	३३१०	भागवत सटीक दशमस्कन्ध पूर्वार्द्ध त्रिपाठ	मू० वेदव्यास	"	१८वीं श.	१४६	
१२४	४१ (१०)	भागवतपुराण सटीक दशमस्कन्ध पूर्वार्धे	वेदव्यास टी० श्रीधर	"	१९वीं श.	१६६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत। अध्याय १ से ४९ पर्यन्त
१२५	३३३७	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध पूर्वार्धे	" "	"	१६४७	१४४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	१६२४	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध पूर्वार्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श.	१४४	
१२७	१६२५	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध उत्तरार्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	१२७	
१२८	७४२	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्ध	,, ,,	,,	१८५३	१७६	
१२९	३३२८	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्ध	,, ,,	,,	१८०२	१२८	मालपुरा में लिखित
१३०	४१ (११)	भागवतपुराण सटीक दशमस्कन्ध उत्तरार्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत। अध्याय ५० से ६० पर्यन्त।
१३१	१६२६	भागवत सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	,, ,,	,,	१८वीं श.	१४८	
१३२	४१ (१२)	भागवतपुराण सटीक एकादशस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१३३	१२१	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	१४६	
१३४	४१ (१३)	भागवतपुराण सटीक द्वादशस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श.	४४	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१३५	१६२७	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	४८	
१३६	१२२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	,, ,,	,,	१८६६	४८	
१३७	३५६५ (३)	भागवतएकादशस्कन्ध भाषा (पद्य)	चत्रदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	२६२-३७०	
१३८	१२५	भागवतदशमस्कन्धानुवाद		रा०	१८२७	७५	
१३९	२३२५	भागवतपचमाध्यायभाषा	नन्ददास	ब्र०हि०	१८७८	२५	बीकानेर में लिखित
१४०	२८६३	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	,,	१६वीं श.	१३५	स्कन्ध १से३ पर्यन्त
१४१	२८६४	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	,,	,, ,,	५७	चतुर्थस्कन्ध
१४२	२८६५	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	,,	१८४०	१०८	स्कन्ध ७से६ पर्यन्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४३	११५०	भागवतमाहात्म्य भाषा आदिपुराण भाषा सारसंग्रह रसपुंज (रगभर) ग्रन्थ नेहविधि	सुन्दरकुँवर	ब्र०	१९वीं श.	२२४	
१४४	२५९७	भागवतसप्ताहश्रवण-विधि		सं०	१७८१	३	पद्मपुराणगत ।
१४५	६१८	भोगलपुराण सार्थ		मू०सं० अ०रा०	१९वीं श.	८	
१४६	३२५९	भोगलशास्त्र (भूगोल)		रा०गु०	१८८७	१६	
१४७	२८६३ (११३)	मगधादिदेश के नगर तथा ग्राम संख्या		,,	१७वीं श.	१६८वाँ	
१४८	१५१	मलिम्लुचमाहात्म्य		सं०	२०वीं श.	४	स्कन्दपुराणगत
१४९	२८२७	मार्कण्डेयपुराण		सं०	१९वीं श.	२१०	अंत्य २११ वाँ तथा २१२ वाँ पत्र अप्राप्त
१५०	१५७९ (१)	मौद्गलपुराण प्रथमखंड सचित्र		,,	१९११	१०३	चित्र संख्या ५२
१५१	१५७९ (२)	मौद्गलपुराण द्वितीयखंड सचित्र		,,	१९११	७९	चित्र संख्या ७२
१५२	१५७९ (३)	मौद्गलपुराण तृतीयखंड सचित्र		,,	शाके १७७६	१०५	चित्र संख्या ४२
१५३	१५७९ (४)	मौद्गलपुराण चतुर्थखंड सचित्र		,,	१९११	११३	चित्र संख्या ५२
१५४	१५७९ (५)	मौद्गलपुराण पंचमखंड सचित्र		,,	१९११	९०	चित्र संख्या ५३
१५५	१५७९ (६)	मौद्गलपुराण षष्ठखंड सचित्र		,,	१९११	१२७	चित्र संख्या ४५
१५६	१५७९ (७)	मौद्गलपुराण सप्तम खंड सचित्र		,,	१९११	४६	चित्र संख्या २१
१५७	१५७९ (८)	मौद्गलपुराण अष्टमखंड सचित्र		,,	१९११	९०	चित्र संख्या ४९
१५८	१५७९ (९)	मौद्गलपुराण नवमखंड सचित्र		,,	१९११	८८	चित्र संख्या ३८
१५९	१५७९ (१०)	मौद्गलपुराण अवशिष्ट चित्रपत्र		,,	१९११	२०	चित्र संख्या २०

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६०	१८८३	रेणुकामाहात्म्य		संस्कृत	१६४६	४२	पत्र ३रा अप्राप्त स्कन्दपुराणगत
१६१	२८२५	लघुनारदीयपुराण		,,	१८०२	८७	
१६२	२८३६	वायवीयसहिता		,,	१६वीं श.	३६	शिवपुराणगत
१६३	१२५१	वासुदेवमाहात्म्य टिप्पणसहित		,,	,, ,,	५४ (४८+६)	स्कन्दपुराणगत
१६४	४४	व्यतिपातमाहात्म्य		,,	२० ,, ,,	३	स्कन्दपुराणगत
१६५	२८४३	शिवपुराण		,,	१८६६	१३०	
१६६	३२१५	शिवपुराण		,,	१६२६	७६	-
१६७	२८४०	शिवमाहात्म्य		,,	१६वीं श,	११	स्कन्दपुराणगत
१६८	२८४१	शिवमाहात्म्य		,,	,, ,,	२३	स्कन्दपुराणगत
१६६	२८४२	शिवसंहिता		,,	,, ,,	५०	आदिपुराणगत दत्तकाण्डपर्यन्त।
१७०	२८४४	शिवसहिता		,,	,, ,,	४३	आसुरकाण्ड
१७१	२८४५	शिवसंहिता (शंकरसहिता)		,,	,, ,,	२२	वीरमाहेन्द्रकाण्ड
१७२	२८४६	शिवसंहिता		,,	,, ,,	१००	युद्धकाण्ड
१७३	२८४७	शिवसहिता		,,	१८६५	१४०	सम्भवकाण्ड
१७४	२८४८	शिवसंहिता		,,	१६वीं श	२६	देवकाण्ड
१७५	२८४६	शिवसहिता		,,	१८६६	२११	उपदेशकान्ड
१७६	२३७६ (३)	सप्तश्लोकीगीता		सं०	२०वीं श.	११से१२	
१७७	२६०० (५)	सप्तश्लोकीगीता		,,	१८२५	१२वाँ	
१७८	२६०१ (५)	सप्तश्लोकीगीता		,,	१८२३	११वाँ	
१७६	६०१	सार गीता (गद्य)	तुलसीदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	५	
१८०	७५१	सूर्यपुराण (कथा)		रा०	१८८७	७	
१८१	४५	स्कन्दपुराण ब्रह्मोत्तरखण्ड		सं०	१६वीं श.	६२	
१८२	७५७	हरिवंश		,,	१८५०	४५५	
१८३	१६३३	हरिविजयग्रन्थ प्रथमाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१६वीं श.	८	
१८४	१६३४	हरिविजयग्रन्थ द्वितीयाध्याय	,,	,,	,, ,,	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८५	१६३५	हरिविजयग्रन्थ तृतीयाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१६वीं श.	१६	
१८६	१६३६	हरिविजयग्रन्थ अष्टमाध्याय	,, ,,	,,	२०वीं श.	११	
१८७	१६३७	हरिविजयग्रन्थ नवमाध्याय	,, ,,	सस्कृत	,, ,,	१६	
१८८	१६३८	हरिविजयग्रन्थ दशमाध्याय	,, ,,	महा०	,, ,,	१६	
१८६	१६३६	हरिविजयग्रन्थ एकादशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१४	
१६०	१६४०	हरिविजयग्रन्थ द्वादशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१४	
१६१	१६४१	हरिविजयग्रन्थ त्रयोदशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१६	
१६२	१६४२	हरिविजयग्रन्थ चतुर्दशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	२१	
१६३	१६४३	हरिविजयग्रन्थ पचदशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१३	
१६४	१६४४	हरिविजयग्रन्थ षोडशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१६	
१६५	१६४५	हरिविजयग्रन्थ सप्तदशाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१७	
१६६	१६४६	हरिविजयग्रन्थ विंशतितमाध्याय	,, ,,	,,	,, ,,	१८	
१६७	२५६१	होलिकामाहात्म्य		सं०	१८५८	४	भविष्योत्तरपुराणगत

(७) वेदान्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२५६३	अध्यात्मविद्योपदेश-विधि	शंकराचार्य	संस्कृत	१८वीं श.	१६	-
२	३६८६	अध्यात्मविद्योपदेश-विधि	,,	,,	१६वीं श.	१६	
३	१८१४	अवगतउल्लासभाषा (पद्य) (आत्मप्रकाश)	आतमराम	प्र०हि०	१८वीं श.	४	जीर्णप्रति, अपूर्ण
४	२४६	अष्टावक्रसूक्ति		सं०	१७८४	१३	नलिनाख्यपुर में लिखित ।
५	३०६	अष्टावक्री	विश्वेश्वर	,,	१६वीं श.	४४	
६	१४७३	आत्मबोधप्रकरण		,,	२०वीं श.	४	
७	१८०३ (१)	आत्मबोधप्रकरण		,,	१६वीं श.	१–२	
८	१७३०	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य	,,	१८७३	१४	
९	३२८५	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य टी० मुक्तकवि	स०रा०	१६वीं श.	२५	
१०	१६५१	आत्मबोधप्रकरण सार्थ		,,	१८६७	३४	
११	३५६२ (१)	गरबचिंतामणी	रामचरन	रा०	१६५६	१–११	
१२	२७७४	गायत्रीव्याख्या	वल्लभाचार्य	सं०	१६५३	२	
१३	२०२	गोपालतापनी		,,	१६वीं श.	२०	
१४	१६२६	गोपालतापनी (उत्तर-तापनी) सटीक त्रिपाठ	टी०विश्वेश्वर (जनार्दन, ?	,,	१६१३	१६	
१५	१६२८	गोपालतापनी (पूर्वतापनी) सटीक त्रिपाठ		,,	२०वीं श.	८	
१६	३०२७	गोरखप्रमोदभाषा		रा०गू०	१७८४	२	
१७	२४७	चित्रदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	विद्यारण्य मुनि टी०रामकृष्ण	स०	१७६५	३६	प्रथम प्रकरण (पंचदशी का)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८	२१६८	ज्ञानसमुद्र	सुन्दरदास	ब्र०हि०	१८४६	३६	मलसीसर में लिखित स० १७१० मे रचित
१६	३२३७	दत्तगीता सार्थ		मू०स० अ०गू०	२०वीं श.	७	
२०	२७१३	धर्मराजसवाद	शङ्कराचार्य	सं०	१६वीं श	२	
२१	२४६	नाटकदीप सटीक	मू०विद्यारण्य मुनि टी०रामकृष्ण	,,	१७६५	६	पंचमप्रकरण (पचदशी का) पत्तननगर मे लिखित।
२२	२५२	पचकोशविवेकप्रकरण-सटीक	,, ,,	,,	१७६५	११	अष्टमप्रकरण (पचदशी का)
२३	१२१३	पचदशी विवरणसहित	,, ,,	,,	१७१३	३००	
२४	२७४०	पंचमकारशोधन	शङ्कराचार्य	,,	२०वीं श	४	
२५	२५१	पंचमहाभूतविवेक प्रकरण सटीक	मू०विद्यारण्य टी०रामकृष्ण	,,	१७६५	१६	सप्तम प्रकरण (पंचदशी)पत्तननगर में लिखित।
२६	८३४	पचीकरण	सुरेश्वराचार्य	,,	१६वीं श	४	
२७	७४८	पचीकरणवार्तिक		,,	१६वीं श.	५	
२८	१२३४	पचीकरण सार्थ		स०ब्र०	१७२८	६	प्रथम पत्र अप्राप्त। नवानगर मे लिखित
२९	८५४	पचीकरणानुवाद		ब्र०	१८वीं श	१५	अपूर्ण
३०	३२४०	विसत(विश्रान्ति)प्रकरण (अष्टावक्र) पद्यानुवाद		ब्र०हि०	१८४५	२६	
३१	१६६	ब्रह्मसूत्रवृत्ति	राम	सं०	१६वीं श	३५८ (१३४+२२५)	
३२	३३१४	ब्रह्मसहिता		,,	१६वीं श.	८	
३३	२५४	ब्रह्मानन्दप्रकरण सटीक (द्वैतानन्द)	विद्यारण्यमुनि टी०रामकृष्ण	,,	१७६७	१६	१३ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३४	२५५	ब्रह्मानन्द (विषयानन्द) प्रकरण सटीक	,, ,,	,,	१७६७	१६	१५ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३५	२५६	ब्रह्मानन्द (योगानन्द) प्रकरण सटीक	,, ,,	,,	१७६६	३१	१४ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३६	११८८	महावाक्य	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	५	
३७	२४३	महावाक्यादर्श	रामजी	,,	१५५६	२६	(तत्त्वमसि पदोपरि) पत्तननगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३८	२५६६	रामगीताटीका		संस्कृत	१८वीं श.	५	भयहर नगर मे लिखित।
३६	१६३०	रामतापनी टीका	विश्वेश्वर	,,	२०वीं श.	२३	
४०	१३८	रामोत्तरतापनीदीपिका		,,	१६वीं श.	१६	
४१	७६५	वज्रसूची	शङ्कराचार्य	,,	,, ,,	२	
४२	७७६	वज्रसूची	,,	,,	,, ,,	२	
४३	२६७७	वज्रसूची	,,	,,	१८८७	५	कृष्णगढ़ में लिखित
४४	१८०३ (५)	वज्रसूची	,,	,,	१६वीं श.	६–८	
४५	१३६६	वाग्मिष्ठीभाष्य	वेदमिश्र	,,	१८६८	३४	कुतीत्र्याणा मे लिखित।
४६	८५३	वेदान्तमहावाक्यभाषा (पद्य)	मनोहरदास निरंजनी	ब्र०हि०	१७५०	२५	रचना स० १७१६
४७	१६०	वेदान्तसार	कृष्णानन्द (सदानन्द)?	सं०	१६वीं श.	१३	
४८	२३३	वेदान्तसार	सदानन्द	,,	,, ,,	१४	
४६	२५८७	वेदान्तसार		,,	१७६५	७	
५०	२४०	वेदान्तसार टीका	नृसिंहसरस्वती	,,	१६वीं श.	३३	
५१	३०१४	वेदान्तसिद्धान्तदीपिका		,,	१८वीं श.	१४	
५२	३६६६	शतप्रश्नी	मनोहरदास	ब्र०हि०	१८५५	१६	कक्रू मे लिखित।
५३	१३६	शुद्धाद्वैतमार्तण्डप्रकाश टीका सहित त्रिपाठ	मू० गिरिधर टी०रामकृष्ण	सं०	१६वीं श.	२०	
५४	३५०७	समाधितत्र वालावबोध	पर्वतधर्मार्थी	रा०गू०	१७५६	८५	भुजनगर में लिखित।
५५	१८०३ (६)	सिद्धान्तबिन्दु		सं०	१६वीं श.	८–६	
५६	२७१० (७)	सिद्धान्तमुक्तावली		,,	१६२५	७–८	
५७	२७१० (६)	सिद्धान्तरहस्य		,,	१६२५	६ वां	
५८	३५७२ (१०)	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभदीक्षित	,,	१६वीं श.	१–२	
५६	१४८	सेवाकौमुदी	बालकृष्णभट्ट	,,	२०वीं श.	६	

वारवूजैमनअर्थमूजैमवैयाकेउमुझीहोयसोपावैगुरगमतैं।निदास्तुततजैमानक्रवडींहीसोरिक्रपदसेप
हत्यागेवितराषैस्मतैं।विवेकवैरागशेयसमदमश्रौरसोय।उपरतितितिक्षाश्रुतरधाभैस्समतैंस्माधान
मोसमैनश्रौरकछुंस्माधानध्यानधरारैनंदिनरापैमननमतैं।।२०६।।दोहरा।। ।।संवतसत्रासैमहिसो
रहवरषवतीताइषसत्रहैसैमहिकरीषटमाशलाहिवतीत।।२०७।।श्रासोजवदीपडउदैसीकृस्नपद्धेस
निवाराभाषापूर्णभवनईमाससएकक्ठतकार।।२०८।।इतिश्रीवेदांतमहावाक्यभाषानामग्रंथकथिते
मनोहरदासनिरंजनीसंपूर्णसमाप्तं।। ।।श्रीरस्तु।। ।।संवत्१७५०वर्षेनाद्रवाशुदि१०रवौवारेलि २४
षितं।।भट्टविश्वनाथात्मजेन०वासुदेवमितिनमेदाय:।। ।।करकृतमपराधंक्षंतुमर्हतिसंतः।। ।।
।।श्री:।। ।।छ।। ।।श्री:।। ।।छः।। ।।श्रीकृष्ण:।। ।।छ।। ।।श्री:।। ।।

ग्रन्थ सख्या ८५३ ।

वेदान्तमहावाक्यभाषा

सवत् १७५० में लिखित (रचनाकाल से ठीक ३४ वर्ष बाद की प्रति)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	२३२६	स्वात्मनिरूपण सटीक त्रिपाठ	मू०शंकराचार्य टी०सच्चिदानन्दसरस्वती	सं०	१८वीं श.	२६	
६१	२५६८	हस्तामलक सटीक		,,	१७५३	२	जल्लालपुर में लिखित
६२	३०१५	हस्तामलकसंवाद	शंकराचार्य	,,	१९वीं श	३	

(८) योग

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेप
१	७६३	गोरक्षशतक (योगशास्त्र)	गोरक्ष	सस्कृत	१६वीं श.	६	
२	८५२	योगवासिष्ठसार पद्यानुवादसहित	मू० वसिष्ठ अनु० कवीन्द्र-सरस्वती (?)	,, व्रज	१८वीं श	३०	पद्यानुवाद रचना सं० १७१४, अन्त्य (३१ वाँ) पत्र अप्राप्त ।
३	३४३३	योगशास्त्र प्रकाश-चतुष्टय	हेमचन्द्र	स०	१६३४	१५	पत्तन मे लिखित ।
४	६४१	योगशास्त्रवालाववोध	मेरुसुन्दर	राज० गू०	१६वीं श.	६७	
५	६४२	योगशास्त्रवालाववोध	,,	,,	१६वीं श.	५६	
६	३०३२	योगशास्त्रवालाववोध		,,	१६वीं श	४८	
७	१०६६	योगसार सस्तवक	मू० योगेन्द्रदेव	अपभ्रंश स्त० राज० गू०	१८६४	११	राधनपुर नगर मे लिखित ।
८	११७३	योगसूत्र सटीक	मू० भगवान् पतंजलि, टीका भोजदेव	सस्कृत	१८वीं श	४६	
९	७६४	हठप्रदीपिका	आत्माराम	,,	१८७६	१२	
१०	१८०२ (१)	हठप्रदीपिका	आत्माराम	,,	१६वीं श	१–११	जीर्णप्रति । अवतीपुरी मे
११	३०१३	हठप्रदीपिका	आत्माराम योगीन्द्र	,,	१७०६	२५	लिखित ।

(९) दर्शनशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३६६७	अन्ययोगव्यवच्छेद द्वात्रिंशिका		सं०	१५वीं श.	१	
२	१५५५	आप्तपरीक्षा	विद्यानन्द	,,	१७वीं श.	६२	
३	२४८	कूटस्थदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	मू० विद्यारण्य टी० रामकृष्ण	,,	१७६५	१३	तृतीयप्रकरण (पंचदशीका)
४	६७५	गणधरवादबालावबोध		,,	१६वीं श.	११	
५	१५५२	तत्वचिन्तामणि अनुमानखंड	गंगेश्वर	सं०	१६वीं श.	५३	
६	१५६	तत्वदीप सटीक प्रथम प्रकरण	वल्लभदीक्षित	,,	१६१५	५३	
७	२५०	तत्वविवेकप्रकरणसटीक त्रिपाठ	विद्यारण्यमुनि टी० रामकृष्ण	,,	१७६५	१६	षष्ठ प्रकरण (पंचदशीका)
८	१५५३	तर्ककौमदी	भास्कर शर्मा	,,	१८वीं श.	६	ग्रन्थकार मुद्गलभट्ट के पुत्र थे।
९	५६०	तर्कभाषा	केशवमिश्र	,,	,, ,,	२१	
१०	५६४	तर्कभाषा	,,	,,	,, ,,	३२	
११	१५५४	तर्कभाषा	,,	,,	१६वीं श.	१३	
१२	२४६१	तर्कभाषा	,,	,,	१७३१	१६	छप्पइयाग्राम में लिखित।
१३	२६६६	तर्कभाषा सटीक पचपाठ	टी० चिन्नभट्ट	,,	१७वीं श.	३३	
१४	३४२६	तर्कभाषा सटिप्पण	,,	,,	,, ,,	१७	
१५	१७३३	तर्कभाषावृत्ति	वेनभट्ट	,,	१६८२	३८	विगयपुर में लिखित
१६	२५६२	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	बलभद्र	,,	१६०७	३३	पत्र १से६ अप्राप्त
१७	३००१	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	,,	,,	१५६०	१०४	केशव मिश्र रचित तर्क भाषा की टीका
१८	१७३४	तर्कवाद		,,	१८०६	१	नं० १७३५ संलग्न

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेप
६७	३३६८	पड्दर्शनसमुच्चयसटीक	मू० हरिभद्र टी विद्यातिलक	संस्कृत	१६वीं श.	२५	
६८	३४२८	पड्दर्शनसमुच्चयसटीक त्रिपाठ	मू० हरिभद्र टी०विद्यातिलक	,,	१८वीं श.	२७	
६९	१६२२	सप्तनयविचार		सं०रा०	,, ,,	१२	
७०	३६५२	सप्तनयविवरण		स०	,, ,,	५	
७१	५४७	सप्तपदार्थी	शिवादित्य	,,	१८५६	६	
७२	५५३	सप्तपदार्थी	,,	,,	१६वीं श	६	
७३	१६२४	सप्तपदार्थी	,,	,,	१६३१	४	
७४	२४६० (२)	सप्तपदार्थी	,,	,,	१६वीं श.	४–८	
७५	३४२४	सप्तपदार्थी	,,	,,	१६६५	५	
७६	३६४५	सप्तपदार्थी	,,	,,	१७वीं श.	४	लेखक ने कर्त्ता का नाम शिवदेव मिश्र लिखा है।
७७	२६६८	सप्तपदार्थी टिप्पण		,,	१४८६	८	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी का टिप्पण
७८	३४२५	सप्तपदार्थी टीका मितभापिणी	माधव	,,	१७वीं श.	२८	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी की टीका
७९	१६१६	सप्तपदार्थी सटीक	मू०शिवादित्य टी० माधवाचार्य	,,	,, ,,	३५	
८०	१६२५	सप्तपदार्थी सटीक	,, ,,	,,	१६वीं श.	३६	
८१	३०००	सप्तपदार्थी संदर्भटीका	वलभद्र	,,	१५६१	३६	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी की टीका
८२	५४६	साख्यसूत्र प्रदीपिका		,,	१८५६	१२	
८३	३६४४	स्पर्शनाधिकार		,,	१७वीं श	२	
८४	१६१	स्फोटचन्द्रिका	कृष्णभट्ट	,,	१६वीं श	१२	
८५	१५५०	स्याद्वादमंजरी	मल्लिपेणसूरि	,,	१५२७	५५	स० १४१२ मे रचित
८६	३६५१	स्याद्वादरत्नाकर	देवाचार्य		१७६४	१७	सूरति मे लिखित।

(१०) व्याकरणग्रन्थाः

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	४५७	अनिट्कारिका		संस्कृत	१७६५	४	
२	२४२५	अनिट्कारिका		,,	१६वीं श.	६	
३	४४८	अनिट्धातुसग्रह		,,	१७वीं श.	३	
४	२४४०	अव्ययार्थाः		,,	२०वीं श.	५	
५	३५८५	आख्यातवृत्ति		,,	१८२५	११	मेदिनीपुर में लिखित
६	१६८४	उक्तिरत्नाकर	साधुसुन्दर	संस्कृत राज० गू०	१८७६	१७	
७	१६८५	उक्तिरत्नाकर	,,	संस्कृत राज० गू०	१६६४	१६	
८	२६४८	उक्तिसंग्रह भाष्य (फोटोकापी)	तिलक पण्डित	संस्कृत राज० गू०	१६वीं श.	१२	
९	१८४६	उपादिप्रयोगव्युत्पत्ति		संस्कृत	१८६६	२१	
१०	४४३	एकादिशतान्तशब्द साधनिका	सहजकीर्ति	,,	१७वीं श.	२	
११	२६५०	औक्तिक (फोटोकापी)	सोमप्रभ	संस्कृत राज० गू०	१६वीं श.	१०प्लेट	
१२	२६५१	आनन्दसुन्दर	आनन्दसुन्दर	संस्कृत राज० गू०	१७वीं श.	१४प्लेट	
१३	४३०	औजढत् साधना		संस्कृत	१६वीं श.	१	
१४	३४०७	कविकल्पद्रुम (धातु-पाठ)	बोपदेव	,,	१६३१	१६	श्रीकारी सन्निवेश मे लिखित।
१५	४५४ (१)	कातंत्रधातुपाठ		,,	१८५७	१–८	भुजनगर मे लिखित।
१६	३३५० (३)	कातत्रविभ्रम		,,	१७वीं श	(७–८)	
१७	३५२८	कातंत्रविभ्रम		,,	,, ,,	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१९	२२६	तर्कसंग्रह	अन्नम्भट्ट	संस्कृत	१९वीं श.	६	
२०	५४६	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	,, ,,	८	
२१	५५१	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	,, ,,	११	
२२	५५६	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	,, ,,	८	
२३	५५७	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	१८वीं श.	७	
२४	१७३२	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	१८०७	६	
२५	२४८७	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	१९वीं श	२	
२६	२४९० (१)	तर्कसंग्रह	,, ,,	,,	,, ,,	१–४	
२७	५४८	तर्कसंग्रह टीका		,,	,, ,,	१६	
२८	५६३	तर्कसंग्रह टीका		,,	१८वीं श.	१३	
२९	४६	तर्कसंग्रहदीपिका टीका		,,	२०वीं श	३४	
३०	५५५	तर्कसंग्रहदीपिका		,,	१९वीं श.	११	
३१	५६६	तर्कसंग्रहदीपिका		,,	१८वीं श.	१६	
३२	५६५	तर्कसंग्रहन्यायबोधिनी टीका	रत्ननाथ (सुरतवासी)	,,	,, ,,	४	
३३	५६७	तर्कसंग्रहन्यायबोधिनी टीका	रत्ननाथ	,,	१८३०	७८	
३४	२४८८	तर्कसंग्रह सटिप्पण	अन्नभट्ट	,,	१९वीं श.	५	
३५	३३६६	तार्किकरक्षा	वरदराज	,,	१६२३	५	
३६	३६५०	द्रव्यसंग्रह (कवित्तबध)	भगवतीदास	ब्र०हि०	१९वीं श.	६	स० १७३१ में रचित
३७	१६२१	द्रव्यसंग्रहबालावबोध	पर्वतधर्मार्थी	रा०गू०	१६८६	४५	
३८	१६२०	द्रव्यसंग्रह भाषार्थसहित	नेमीचन्द्र अर्थ रामचन्द्र	प्रा०रा०	१९वीं श.	४८	
३९	२५३	द्वैतविवेक सटीक	मू० विद्यारण्य टी० रामकृष्ण	स०	१८वीं श	१२	नवम प्रकरण (पंचदशीका)
४०	३६४८	धर्मपरीक्षा	अमितगति	,,	१८८६	६८	नागोर नगर में लिखित। स० १०७० मे रचित।
४१	१८१०	धर्मपरीक्षा	मनोहरदास	ब्र०हि०	१८०५	४५	जीर्ण प्रति
४२	२११०	धर्मपरीक्षा भाषा (पद्य)	,, ,,	,,	१८४०	८३	
४३	३६४९	धर्मपरीक्षा भाषा (पद्य)	,, ,,	,,	१७८७	६१	
४४	१०२३	धर्मपरीक्षा सटीक त्रिपाठ	यशोविजय उपाध्याय टी० स्वोपज्ञ	प्रा०सं०	१८वीं श.	१२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५	५५५	नयवादटिप्पणी	श्रावणि-भट्टाचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	६	
४६	८६	न्यायप्रवेशकव्याख्या	हरिभद्र	,,	१४५४	२३	
४७	१५५५	न्यायसारटीका	वासुदेव	,,	१५१३	४८	
४८	१६५५	न्यायसारविचार	भट्टराघव	,,	१६वीं श.	६६	अपूर्ण
४९	३४८७	न्यायावतारसूत्र	सिद्धसेन	,,	१६वीं श.	६	
५०	५८५	पदार्थतत्त्वनिरूपण	भट्टाचार्य-शिरोमणि	,,	१८वीं श.	८	
५१	५५०	पदार्थतत्त्वनिरूपण	भट्टाचार्य-शिरोमणि	,,	१८८३	६	
५२	३७६	पदार्थतत्त्वविवेचनप्रकरण		,,	१८वीं श.	२६	
५३	३१५८	पदार्थरत्नमंजूषा (कोटिकासी)		,,	१६वीं श.	२८-१४	
५४	५५८	प्रमाणनयतत्त्वा टीका-रत्नाकर सूरि पंचपाठ	मू० देवाचार्य	,,	१५वीं श.	१०	
५५	५५५	भाषापरिच्छेद	महोपाध्याय-विश्वनाथ पञ्चानन	,,	१८वीं श.	४	
५६	३१०१	भाषापरिच्छेद	पंचानन-			७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८	४०२	कातंत्रविभ्रम सटीक	टी० गोपाल	संस्कृत	१६३४	६	
१६	२४३६	कातंत्रविभ्रमावचूरि	चारित्रसिंह	,,	१८वीं श.	६	सं० १६७५ में धवलकपुर में रचित
२०	१६१५	कातत्रव्याकरणवृत्ति	दुर्गसिंह	,,	१५वीं श.	४२	तद्धितपर्यन्त
२१	१६२३	कातंत्रव्याकरणवृत्ति	,,	,,	१४५०	६७	आख्यातप्रक्रियापर्यन्त
२२	१६०६	कातंत्रव्याकरणवृत्ति	,,	,,	१७वीं श.	२५	,,
२३	२६७	कारकखण्डन	श्रीमुनि	,,	१८४०	१५	
२४	२४३१	कारकचक्र	वररुचि	,,	१७वीं श.	५	
२५	२१६	कारकतत्वम्	शेषचक्रपाणि पंडित	,,	१७६२	११	
२६	४३६	कारकपरीक्षा	पशुपति	,,	१७वीं श.	११	
२७	३५७६	कारकपरीक्षा	पशुपति महोपाध्याय	,,	१८वीं श.	१०	
२८	१६८६	कारकलक्षण	अमर	,,	१७वीं श.	३	
२६	१६२	कारकवाद	जयराम	,,	१६वीं श	१६	
३०	४५८	कारकविभक्ति		सं०राज० गुर्जर	१६वीं श.	७	
३१	२४८६	कारकविवरण		संस्कृत	१६वीं श.	४	
३२	१६६३	क्रियारत्नसमुच्चय	गुणरत्न	,,	१७वीं श	६०	किञ्चिदपूर्ण
३३	२६५३	गणदर्पण (फोटोकापी)	कुमारपाल-कारित	,,	१५वीं श	३६प्लेट	पत्र १, २ अप्राप्त, सं० १३८३ में देवगिरि में लिखित प्रतिकी प्रतिलिपि ।
३४	४५६	गवाकूशब्दरूपाणि		,,	१८५७	२	भुजनगर में लिखित
३५	२६६७	गीर्वाणपदमंजरी	वरद भट्ट	,,	१७३६	१०	आगरा महादुर्ग में लिखित ।
३६	५५६	जल्पमजरी		,,	१८वीं श.	१०	
३७	२४३६	तद्धितपटल सावचूरि त्रिपाठ	मू० वंगदास	,,	१७५६	४	
३८	२४२३	तद्धितार्थपद्यानि		,,	१६वीं श	३	
३६	३१०२	तिङन्तप्रक्रिया (सारस्वत ?)		,,	१६वीं श.	४०	
४०	१६५५	दशलकारसारमंजरी	सिद्धान्तवागीश	,,	१६वीं श	६	
४१	३१४२	द्विकर्मकविचार		,,	१६वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४२	१६८८	धातुतरंगिणी	हर्षकीर्ति	संस्कृत	१६५५	६६	स्वोपज्ञ सारस्वत धातुपाठ की वृत्ति। पत्र ५,६ अप्राप्त। नागपुर में लिखित। खण्डेलवालवंशीय हेमसिंह की प्रार्थना से रचित।
४३	४६१	धातुपाठटिप्पण		,,	१८वीं श.	८	
४४	३३६२	धातुमंजरी	काशीनाथ	,,	१७४६	२८	राजनगर मे लिखित
४५	३४००	धातुमंजरी	,,	,,	१८वीं श.	२०	
४६	२६६७	धातुरत्नाकर (धातुपाठ, क्रियकल्पलताटीका सहित) उत्तरार्द्ध	साधुसुन्दर	,,	१७६७	१६४	रचना सं० १६८०
४७	२४३५	पंचसंधिव्याख्या	रघुनाथ	,,	१८वीं श,	३८	कर्त्ता वृद्धनिगम वासी और विनायक के पुत्र थे।
४८	१६६४	परिभाषेन्दुशेखर	वैद्यनाथ	,,	१८६४	१२४	पत्र १से२४ अप्राप्त
४६	४५५	पाणिनीयधातुपाठ	पाणिनि	,,	१८वीं श.	२१	
५०	४२६	पाणिनीयव्याकरणसूत्र पाठ	,,	,,	१८२८	२७	
५१	१६०७	पाणिनीयव्याकरण-सूत्रपाठ	,,	,,	१७३४	२५	
५२	३०८५	पाणिनीयसंज्ञाप्रक्रिया		,,	१६वीं श.	२	
५३	३५८३	पाणिनीया परिभाषा		,,	१६वीं श.	४	
५४	११७६	पातंजलमहाभाष्य	पतञ्जलि	,,	१७३६	२१४	तृतीयाध्याय-प्रथमपादपर्यन्त।
५५	१६१०	प्रक्रियाकौमुदी	रामचंद्र	,,	१६३६	६१	सुबन्तपर्यन्त।
५६	१६१२	प्रक्रियाकौमुदी	,,	,,	१७२३	६३	सुबन्तपर्यन्त। भुज-नगर में लिखित आद्य और अन्त्य पृष्ठ सुन्दर शोभन है।
५७	२४३०	प्रक्रियाकौमुदी	रामचंद्राचार्य	,,	१६३१	६६	सुबन्तपर्यन्त।
५८	३५७६	प्रक्रियाकौमुदी	रामचन्द्र	,,	१८वीं श.	८८	,, ,,
५६	४३८	प्रक्रियाकौमुदीवृत्ति	कृष्णभट्ट	,,	१८वीं श.	३६७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	१६६२	प्रणम्यपदसमाधान	सूरचंद्र	संस्कृत	१६वीं श.	२	
६१	३०५४	प्रबोधचन्द्रिका	वैजलभूपाल	,,	१८५२	१७	
६२	११५८	प्राकृतकामधेनु	रावण	,,	२०वीं श.	४	
६३	१६८१	प्राकृतप्रकाश सटीक	मू० वररुचि टी० भामह	,,	१८८३	२२	
६४	१५४६	प्राकृतव्याकरण सटीक	हेमचन्द्र टी०स्वोपज्ञ	,,	१५वीं श.	२५	
६५	१६८२	प्राकृतानन्द	रघुनाथ	प्राकृत संस्कृत	१८०५	२२	
६६	४३७	प्रौढमनोरमा	भट्टोजीदीक्षित	,,	१७६८	२०३	सिद्धांतकौमुदी-व्याख्या। अव्ययपर्यंत
६७	१६५६	भाष्यप्रदीपव्याख्या प्रथमाह्निक	नागोजीभट्ट	,,	१६वीं श.	२१	कर्त्ता शृंगवेरपुर के रामनृपति के आश्रित थे।
६८	१६५७	भाष्यप्रदीपव्याख्या तृतीयाह्निक	,,	,,	,, ,,	२१	
६९	२२३	भूषणसारदर्पण	हरिवल्लभ	,,	,, ,,	३२७	
७०	४६३	मध्यसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	,,	१८वीं श,	१४१	
७१	१६६२	लकारार्थनिर्णय		,,	१६वीं श.	८	लघुभूषण की कान्ति-नामक टीकान्तर्गत।
७२	१५५	लघुवैयाकरणभूषण-सारटीका	गोपालदेव	,,	,, ,,	४०	कान्तिनामक टीका। आख्यातपर्यन्त ।
७३	२१८	लघुवैयाकरण भूषण-सारटीका	,,	,,	१८वीं श.	७१	कारक से समासार्थ-निर्णयपर्यंत। कान्ति-नामकटीका ।
७४	२३१	लघुवैयाकरण भूषणसार	,,	,,	१६वीं श.	५०	कान्तिनामकटीका।
७५	२१७	लघुशब्दरत्न	हरिदीक्षित	,,	१६वीं श.	१८७	प्रौढमनोरमा-व्याख्यान ।
७६	१५६	लघुशब्देन्दुशेखर		,,	,, ,,	२२२	विभक्त्यर्थपर्यन्त । अपूर्ण ।
७७	४०३	लघुसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	,,	१८४७	६०	
७८	२६१६	लघुसिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१८६२	८७	स्त्रीप्रत्ययपर्यन्त । पत्र ३८ वाँ अप्राप्त ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७९	४४४	लिंगनिर्णय	कल्याणसागर	संस्कृत	१८वीं श.	१५	
८०	२६६	लिंगानुशासन	भट्टोजीदीक्षित	,,	१६८९	८	सिद्धान्तकौमुदीगत।
८१	४५१	लिंगानुशासन	हेमचंद्र	,,	१८५८	९	
८२	२४२४	लिंगानुशासन		,,	१९वीं श	४	सिद्धान्तकौमुदीगत।
८३	२४३२	लिंगानुशासन	हेमचंद्र	,,	१६९०	६	पिप्पलोद में लिखित
८४	३५९६	लिंगानुशासन	,,	,,	१९वीं श.	१०	
८५	३४०३	लिंगानुशासनविवरण	,,	,,	१६५७	७९	
८६	४५३	लिंगानुशासनविवरणोद्धार		,,	१९वीं श	१८	
८७	४५२	लिंगानुशासन सविवरण	हेमचंद्र टी० स्त्रोपज्ञ	,,	१८३६	३७	मांडवी (कच्छ) में लिखित।
८८	१७२८	लिंगानुशासन सविवरण	हेमचद्र विव०स्त्रोपज्ञ	,,	१६६९	५१	
८९	१९१७	वाक्यप्रकाश औक्तिक सटीक	मू० उदयधर्म टी० हर्षकुल	,,	१६६३	१०	मू० रचना स० १५०७ सिद्धपुर मे राडबर मे लिखित।
९०	३३९७	वासनाविवरण	भीष्म	,,	१७वीं श.	८	
९१	२४२६	विपरीतग्रहण प्रकरण		,,	१८२८	२	विक्रमपुर में लिखित
९२	३९४	वैदिकप्रक्रिया	भट्टोजीदीक्षित	,,	१८५६	२८	सिद्धान्तकौमुदीगत।
९३	२	वैयाकरणकारिका		,,	१८४३	६	आदौफणिभाषित भाष्याब्धेः शब्द-कौस्तुभ उद्धृतः। तत्र निर्णीत एवार्थः संक्षेपेणेह कथ्यते
९४	२२०	वैयाकरणभूषणसार	कौंडभट्ट	,,	१८३३	७८	
९५	२४३४	वैयाकरणभूषणसार	,,	,,	१७५२	४३	मोछग्राम मे लिखित
९६	१५३	वैयाकरणभूषणसार (स्फोटवाद)	,,	,,	१७वीं श.	५४	
९७	२३५	व्युत्पत्तिप्रकाश प्रथम खड		,,	१९वीं श	५१	पत्र २२ वां तथा ५० वां अप्राप्त।
९८	१६५८	शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	कृष्णमिश्र	,,	,, ,,	६८	आह्निक १से३ पूर्ण, ४ था अपूर्ण।
९९	१६५९	शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	,,	,,	,, ,,	३३	आह्निक ५–६

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१००	१६६०	शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	कृष्णमिश्र	संस्कृत	१६वीं श.	६	आह्निक ७ वां।
१०१	१६६१	शब्दकौ तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	,,	,,	१६वीं श.	२२	आह्निक ८ वां अपूर्ण
१०२	१६१८	शब्दपचाशिका सावचूरि पचपाठ		,,	१५३८	५	देव आदि ५० शब्दों की रूपसिद्धि।
१०३	२३६	शब्दपरिच्छेद		,,	१६वीं श.	१६	
१०४	१६८७	शब्दप्रभेद दन्तोष्ठ्य वकारभेद ऊष्मभेद	महेश्वरकवि	,,	१६वीं श.	४	
१०५	१६०६	शब्दशोभाव्याकरण	नीलकठ	,,	१७वीं श.	२४	सं० १६६३ में रचना
१०६	३५८१	शब्दशोभाव्याकरण	,,	,,	१७५६	२८	स० १६६३ मे रचित।
१०७	२२१	शब्देन्दुशेखरटीका	भैरवमिश्र	,,	१६१०	३७३	कारकपर्यंत। चन्द्रकलाभिधाना-टीका।
१०८	२७७	शिक्षाज्योतिषपिंगलादि		,,	१७३६	१८	
१०६	२४४३	शिशुबोध	काशीनाथ	,,	१६वीं श	६	
११०	३५८६	षट्कारकप्रक्रिया		,,	१८२४	७	योधपुर मे लिखित
१११	३५	समासप्रकरण		,,	१६वीं श	५	
११२	१६६३	समासवाद	जयराम	,,	,, ,,	१७	
११३	२६४६	सस्कृतप्राकृत उक्ति-समास (फोटोकापी)		,,	१७वीं श.	१८	
११४	४	सस्कृतमञ्जरी		,,	१६वीं श	६	आदौ-कुत्रत्याभवन्त: ? कां दिशमलकुर्वन्तिस्म ?
११५	२४६२	सस्कृतमञ्जरी		,,	१८६०	५	कृष्णगढ मे लिखित
११६	२४७८	सस्कृतमञ्जरी		,,	१६२२	६	,, ,,
११७	३२३३	सस्कृतमञ्जरी		,,	१६वीं श	७	
११८	२८५	सारसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	,,	२०वीं श.	५८	
११६	३०५८	सारस्वतकृदन्तप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१६वीं श.	२६	
१२०	४६०	सारस्वतटिप्पण	क्षेमेन्द्र	,,	,, ,,	२३	
१२१	२६६४	सारस्वतटिप्पण	,,	,,	१८वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२२	३३४८	सारस्वतटिप्पण	क्षेमेन्द्र	सं०	१७वीं श.	१७	प्रथम पत्र अप्राप्त
१२३	३३६०	सारस्वतटिप्पण	धनेश्वर	"	" "	७१	क्षेमेन्द्रकृत सारस्वत टिप्पण का खण्डन है। पत्र १ तथा ७० वां अप्राप्त। नागपुर मे लिखित।
१२४	४४१	सारस्वतटीका	माधवभट्ट	"	१८वीं श.	६४	सिद्धांतरत्नावली नामकटीका। आदि अत्यपत्रों के पृष्ठ सुन्दर, शोभन हैं।
१२५	१६८६	सारस्वतटीका	पुञ्जराज	"	१६२१	७४	अतरपल्लीग्राम में लिखित। अत में ग्रथकार पुंजराज-नरेश का विस्तृत वंश वर्णन है।
१२६	२६६२	सारस्वत	"	"	१६वीं श.	११६	
१२७	३३४५	सारस्वतटीका	"	"	१६१८	१००	राय श्रीउदयसंघ के राज्य में लिखित।
१२८	१६६०	सारस्वतटीका	कृष्णभट्ट	"	१७वीं श.	२५३	पत्र ४१से६२ जीर्ण हैं। द्विरुक्तप्रक्रिया पर्यन्त।
१२९	४५४ (२)	सारस्वत त्यन्तप्रक्रिया		"	१८५७	८-१३	भुजनगर में लिखित
१३०	४४०	सारस्वत दीपिकाटीका	चद्रकीर्ति	"	१८६५	१२६	आदि अंत के पृष्ठ शोभन हैं। पत्र १२८ वां चित्र-युक्त है।
१३१	४४५	सारस्वत दीपिकाटीका	"	"	१७८७	१६६	फलवद्दी (र्धि) नगर मे लिखित।
१३२	४४६	सारस्वत दीपिकाटीका	"	"	१८वीं श	१३०	
१३३	१२०२	सारस्वत दीपिकाटीका प्रथमावृत्ति	"	"	१६वीं श.	१६४	
१३४	२६६३	सारस्वत दीपिकाटीका	"	"	१६४६	११८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१३५	३३४६	सारस्वत दीपिकाटीका	चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	१७वीं श.	८४	
१३६	३३४७	सारस्वत दीपिकाटीका	,,	,,	,, ,,	१४३	
१३७	२४३८	सारस्वत धातुपाठ	हर्षकीर्ति	,,	१७६३	११	विक्रमपुर मे लिखित
१३८	२६६५	सारस्वत धातुपाठ	,,	,,	१७३४	८	
१३९	३३५० (१)	सारस्वत धातुपाठ		,,	१७वीं श	१–७	
१४०	३५८६	सारस्वत धातुपाठ	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८वीं श,	४	
१४१	२४३३	सारस्वत धातुपाठ		,,	१७४४	५	जेसलमेरु मे लिखित
१४२	४४२	सारस्वत धातुपाठ बालावबोधसहित		मू०सं० वा०गु०	१७५६	७	
१४३	३५८७	सारस्वत धातुपाठ व्याख्या		संस्कृत	१८७६	१०	नागोर मे लिखित
१४४	२८६६	सारस्वत धातुपाठ सटीक	हर्षकीर्ति टी०स्वोपज्ञ	,,	१७६३	७८	
१४५	४३३	सारस्वत धातुपाठ सबालावबोध		सं०राज० गुज०	१७वीं श.	४	
१४६	२४३७	सारस्वत धातुपाठ सबालावबोध त्रिपाठ		मू०सं०	१७वीं श.	४	
१४७	२६६६	सारस्वत धातुपाठ सविवरण	हर्षकीर्ति वि०स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८१५	६१	यशोवती नगरी मे लिखित।
१४८	३५६४ (३)	सारस्वतपचसंधि		,,	१८६१	१–१७	बगड़ीनगर मे लिखित।
१४९	३३८६	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७२४	४५	फुलेथनगर मे लिखित।
१५०	३३४३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७८६	५८	
१५१	३३४४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७३२	५५	मेहरानगर मे लिखित, आख्यात कृदन्त-प्रक्रिया
१५२	२६५६	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७वीं श	३३	
१५३	३०६३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१९वीं श	७४	आख्यातप्रक्रिया पर्यन्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२८६८	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	५५	
१५५	२४२१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८३८	७५	
१५६	१६०५	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७वीं श.	४८	
१५७	१६६४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८१८	७२	मांडवी मे लिखित।
१५८	४६७	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७२०	५६	अंजार नगर में लिखित।
१५६	१८६१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१६वीं श.	७७	स्यादिप्रक्रिया पर्यन्त।
१६०	३५८०	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१७वीं श.	६१	
१६१	३१५४	सारस्वतप्रक्रिया (कृदंत)	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१६वीं श.	८१	
१६२	२६६०	सारस्वतप्रक्रिया टिप्पणसहित	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१४४५	११७	राजनगर में लिखित
१६३	४६४	सारस्वतप्रक्रियाटीका	महीदास	,,	१६१३	४४	कृदन्तप्रक्रिया।
१६४	४६५	सारस्वतप्रक्रियाटीका	,,	,,	१६१२	११३	आख्यात प्रक्रिया।
१६५	४६६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	,,	,,	१८वीं श.	११२	,, ,,
१६६	४५६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	,,	,,	१८०३	२२	आख्यातपर्यन्त।
१६७	१३२३	सारस्वतप्रक्रिया प्रथमा वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८१४	१०१	नवानगर मे लिखित।
१६८	१३२४	सारस्वतप्रक्रिया द्वितीया वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८०२	११६	नौतनपुर मे लिखित
१६६	४५०	सारस्वतप्रक्रिया बाला-वबोधसहित	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य	,,	१८१३	४८	स्याद्यन्त, प्रथमपत्र अप्राप्त।
१७०	१६१३	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०पुञ्जराज	,,	१६५४	६७	रामपुरा में लिखित
१७१	१६१४	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०पुञ्जराज	,,	१५६८	६२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७२	१५४८	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	संस्कृत	१७३२	१६८	चक्रापुरी में लिखित
१७३	३३४६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	,,	१७०४	१५५	श्रीयशवंतसिंहजी शासित जावाल-पुर में लिखित।
१७४	७६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चद्रकीर्ति	,,	१७२७	६८	
१७५	२६५७	सारस्वतप्रसाद	भट्टवासुदेव	,,	१८७५	११०	रचना सं० १६३४। कोटला मे लिखित।
१७६	२६६१	सारस्वतभाष्य	काशीनाथ	,,	१८६०	५६	
१७७	१५४७	सारस्वतलघुभाष्य	रघुनाथनागर	,,	१७६८	२५२	कर्त्ता हाटकेशपुर निवासी थे। २१६वें पत्र के प्रथम पृष्ठ मे पूर्वार्द्ध पूर्ण, उसी स्थान पर सवत है। उत्तरार्द्ध अपूर्ण
१७८	२१६	सारस्वतवृत्ति	ज्ञानेन्द्रसरस्वती	,,	१६वीं श	२६	स्त्रीप्रत्यय पर्यन्त
१७९	४०५	सारस्वतवृत्ति सिद्धान्त-रत्नावली	माधव	,,	१६६४	११२	नवानगर म लिखित
१८०	४३२	सारस्वतसारप्रदीपिका टीका	जगन्नाथ	,,	१६७४	५६	
१८१	४४६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१७५७	७	पाटण में लिखित
१८२	२४२७	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	३	
१८३	२६५८	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श	२	सप्तशतसूत्राणि
१८४	३१००	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श	८	
१८५	३०८८	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	४	
१८६	३१५६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६०७	११	
१८७	३३४२	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६६१	४	श्रीरायसिंह के शासन में लिखित।
१८८	३३५२	सारस्वताख्यातवृत्ति	महीदास	,,	१८वीं श.	८५	प्रथम पत्र मे श्रीदेवी का चित्र है।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८६	१६८३	सिद्धशब्दरूपमाला	वररुचि	संस्कृत	१८८२	८	
१९०	४३१	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि	हेमचंद्राचार्य	,,	१५०४	३७	चतुर्थाध्याय पर्यन्त। भाकपद्र नगर में लिखित।
१९१	४३५	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	१५वीं श.	३६	चतुर्थाध्याय पर्यन्त।
१९२	४३६	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	,, ,,	१६से७७	द्वितीयाध्याय से पचमाध्याय पर्यन्त।
१९३	३३६३	सिद्धहैमशब्दानुशासन दशपादढुंढिका		,,	१७वीं श.	८८	पत्र १–२ अप्राप्त।
१९४	३५४०	सिद्धहैमशब्दानुशासन धातुपाठ		,,	१५वीं श.	६	
१९५	३३६४	सिद्धहैमशब्दानुशासन प्राकृतव्याकरणढुंढिका	उदयसौभाग्य	,,	१७वीं श	१७२	
१९६	४०४	सिद्धान्तकौमुदी	भट्टोजीदीक्षित	,,	१९वीं श.	३२६	
१९७	३३६६	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१७वीं श.	२०५	
१९८	३५८४	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१९वीं श.	२६८	
१९९	१२	सिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्ध	,,	,,	१८५७	१५५	मोतीमहल मे लिखित
२००	३५९१	सिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्ध	,,	,,	१९वीं श.	२१०	
२०१	४२८	सिद्धान्तकौमुदी टिप्पण सहित	,,	,,	१८२७	१८६	सूरेत(सूरत) बिन्दर में लिखित।
२०२	२२२	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या		,,	१९वीं श.	७६	अव्ययपर्यन्त तत्व-बोधिनी व्याख्या।
२०३	३१०५	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या तत्वबोधिनी		,,	,, ,,	१२६	समासाश्रयविधि-पर्यन्त।
२०४	१८५०	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	,,	१८५०	३५	कृदन्तप्रक्रिया
२०५	१६११	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१७वीं श	५२	
२०६	२४२०	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१९वीं श	६०	तृतीया (कृत्) वृत्ति।
२०७	२८६६	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१८५२	१०७	
२०८	३११०	सिद्धान्तचन्द्रिका		,,	१९वीं श.	१६	विभक्त्यर्थ तथा समासप्रक्रियामात्र
२०९	२४४१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध		,,	१८वीं श.	३६	तद्धितप्रक्रिया पर्यन्त।
२१०	३०७६	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	,,	२०वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२११	३३५१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध सटिप्पण	रामचन्द्राश्रम	संस्कृत	१७५५	२४	
२१२	२४४२	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	,,	१७६५	७१	
२१३	३५८२	सिद्धान्तचन्द्रिका ख्यातवृत्ति	शङ्कर	,,	१६०६	४१	योधदुर्ग में लिखित।
२१४	१६०८	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामाश्रम	,,	१७५३	८५	
२१५	४६२	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामचन्द्राश्रम	,,	१८वीं श.	१०१	
२१६	३३६१	सिद्धान्तचन्द्रिका तत्वदीपिकाव्याख्या	शकर	,,	१८वीं श.	८२	सं० १७४१ में रचित, रियां में लिखित।
२१७	३५८८	सिद्धान्तचन्द्रिका पचसंधिव्याख्या	रघुनाथ	,,	१८वीं श.	४२	
२१८	३५७७	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या सटिप्पण पूर्वार्ध	सदानद	,,	१६०२	८६	सेरगढ़ में लिखित।
२१९	३५७८	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या सटिप्पण उत्तरार्ध	,,	,,	१६०२	११४	
२२०	३३६८	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	,,	१८६२	४८	सुरगढ़ में लिखित।
२२१	३३६६	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण उत्तरार्ध	,,	,,	१८६१	६६	,, ,,
२२२	२४२८	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति पूर्वार्ध	सदानद	,,	१६वीं श.	१२४	
२२३	२५२२	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति उत्तरार्ध	,,	,,	१६२१	१२५	झूझूग्राम मे लिखित
२२४	२४२६	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति उत्तरार्ध	,,	,,	१६वीं श.	१२७	
२२५	३३५० (२)	सेट्अनिट्कारिका		,,	१७वीं श	७ वॉ	
२२६	३५६०	स्यादिशब्दसमुच्चय	अमरचन्द्र	,,	१८४७	२	मरतविंदर में लिखित।
२२७	४४७	हैमधातुपाठ	हेमचन्द्र	,,	१५वीं श.	३	
२२८	४३४	हैमधातुपाठसावचूरि पचपाट	,,	,,	१५वीं श.	६	
२२९	३३६५	हैमधातुपारायण	,,	,,	१७वीं श	१२७	
२३०	१६१६	हैमविभ्रम	देवसूरिशिष्य	,,	१५वीं श.	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३	५२८	अभिधानचिन्तामणि	हेमचन्द्र	संस्कृत	१६वीं श.	१३१	शेषकांड
१४	५३६	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१८वीं श.	६५	
१५	५४२	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१७७७	७५	गूर्जर भाषा वीजक सहित। कोट्टडा-नगर में लिखित।
१६	५४३	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१७६४	८६	कराडिया ग्राम में लिखित।
१७	२४४५	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१८वीं श.	५५	पत्र ४ था अप्राप्त।
१८	३४०१	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१७४४	४८	
१९	१११६ (२)	अभिधानचिन्तामणि	,,	,,	१८वीं श.	६५	शेष सहित
२०	१७२६	अभिधानचिन्तामणि सटीक त्रिपाठ	हेमचन्द्र टी० स्वोपज्ञ	,,	१६५८	१६३	
२१	३४०२	अभिधानचिन्तामणि सटीक	हेमचन्द्र टी० स्वोपज्ञ	,,	१७वीं श.	१८०	
२२	५३८	अभिधानचिन्तामणि सावचूरि पचपाठ	हेमचन्द्र	,,	१६वीं श.	६३	
२३	४०१	अमरकोश	अमरसिंह	,,	१५४८	६२	मुनि विवेककलश-लिखित।
२४	१२५३	अमरकोश	,,	,,	१८६६	५७	
२५	१३३६	अमरकोश	,,	,,	१८०४	१०५	नवीनपुर मे लिखित
२६	२४४४	अमरकोश	,,	,,	१८८६	१२८	कृष्णगढ में लिखित
२७	२८५०	अमरकोश	,,	,,	१८वीं श	३६	अपूर्ण
२८	२६०२	अमरकोश	,,	,,	१८८३	२६	
२९	३५६५	अमरकोश	,,	,,	१८६२	७३	कृष्णगढ मे लिखित
३०	३५६६ (१)	अमरकोश	,,	,,	१८६२	१–११०	दैत्यारि दुर्ग में लिखित।
३१	२१	अमरकोश प्रथम काण्ड	,,	,,	२०वीं श.	४१	पत्र १, १४ तथा २२ वा अप्राप्त
३२	२६४३	अमरकोश प्रथम काण्ड	,,	,,	१६वीं श.	१७	
३३	३०८७	अमरकोश प्रथम काण्ड	,,	,,	,, ,,	४२	
३४	३०६६	अमरकोश प्रथम काण्ड	,,	,,	,, ,,	१७	
३५	१५५	अमरकोश द्वितीय काण्ड	,,	,,	१६१२	५७	
३६	३०७८	अमरकोश द्वितीय काण्ड	,,	,,	१६वीं श.	३७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७	३३३०	अमरकोश तृतीयकाण्ड	अमरसिंह	संस्कृत	१६वीं श.	२५	
३८	३६०२	अमरकोशटीका प्रथम काण्ड	भानुजीदीक्षित	,,	,, ,,	१००	
३९	३५६२	अमरकोशटीका प्रथम काण्ड	,,	,,	,, ,,	७३	
४०	३५६३	अमरकोशटीका द्वितीय काण्ड	,,	,,	,, ,,	२१०	
४१	३६०३	अमरकोशटीका द्वितीय काण्ड	,,	,,	,, ,,	२१६	
४२	३५६४	अमरकोशटीका तृतीय काण्ड	,,	,,	,, ,,	७०	
४३	३६०४	अमरकोशटीका तृतीय काण्ड	,,	,,	,, ,,	६७	
४४	३६	अमरकोश सटीक त्रिपाठ	मू० अमरसिंह टी० भानुजी दीक्षित	,,	१७वीं श.	४०	अपूर्ण प्रति।
४५	५३४	अमरकोशोद्घाटन	क्षीरस्वामी	,,	१६वीं श.	५७	प्रथम काड
४६	११५७	एकाक्षरकोश	मनोहर	,,	१८८४	२	
४७	१११६ (४)	एकाक्षरनाममाला	सुधाकलश	,,	१८वीं श.	६५से६७	
४८	२४४६	एकाक्षरनाममाला		,,	१७वीं श।	५वा	
४९	५२४	एकाक्षरनाममाला	सौभरि	,,	१८१०	४	
५०	३३५६	एकाक्षरनाममाला	विश्वशंभु	,,	१७वीं श	३	योधपुर मे लिखित।
५१	५३०	एकाक्षरनाममाला	रतनूवीरभाण	,,	१८५६	२	
५२	५२३	एकाक्षरनाममाला	अमरकवि	,,	१६वीं श	१	
५३	१११६ (३)	एकाक्षरनाममाला	,,	,,	१८वीं श	६५वा	
५४	३५६६ (२)	एकाक्षरनाममाला	अमरकवीन्द्र	,,	१८६२	११०—१११	दैत्यारि दुर्ग मे लिखित
५५	५४४	एकाक्षरनाममाला सार्थ	अमरकवि	,,	१८८३	५	मानकुआ मे लिखित
५६	२४४६	एकाक्षरनाममाला	कालीदास व्यास	,,	१६२४	६	
५७	२४५०	एकाक्षरनाममाला	,,	,,	१६वीं श.	७	
५८	३५४१	एकाक्षरनाममाला	कालीदास दामोदरत्मज	,,	१८वीं श.	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५९	१७७१	गणितनाममाला	हरिदत्त	संस्कृत	१८१४	४	भुजनगर में लिखित
६०	२४५१	गणितनाममाला	,,	,,	१७वीं श.	७	
६१	६२६	ज्योतिषनाममाला	,,	,,	१८६९	६	
६२	५२२	भाषानाममाला	नरसिंह	ब्रज०	१८५६	२०	
६३	१७२६	नाममाला	नंददास	,,	१९२०	१०	
६४	५२५	नाममाला	धनंजय	संस्कृत	१८१५	१२	भुजनगर मे लिखित
६५	३३५३	नाममाला	,,	,,	१६८८	१३	
६६	१६६	निघण्टु		,,	१८३१	५३	
६७	३८२५	निघण्टु	धन्वतरि	,,	१८८८	४४	जैसलमेरु मे लिखित
६८	३८४०	निघण्टु	,,	,,	१७७५	२७	रतनपुरी में लिखित
६९	३८४७	निघण्टु	,,	,,	१७६४	२७	किंचित् अपूर्ण
७०	१७२७	निघण्टुनाममाला		,,	१९वीं श.	२०	
७१	३५३१	निघण्टुनाममाला	धनंजय	,,	१६४३	५	प्रथम परिच्छेद पर्यन्त
७२	७१८	निघण्टुनाममाल	धन्वंतरि	,,	१७८८	७४६	
७३	२४००	निघण्टुशास्त्र		,,	१९वीं श.	२६	
७४	५४०	पाईयलच्छीनाममाला तथा अनेकार्थनाममाला प्रथम कांड	पं० धनपाल	प्राकृत	१८वीं श.	१०	रचना सवत्-१०२९, सुन्दरी नामक बहिन के लिये रचना की।
७५	५२९	पारसातनाममाला	कुंअरकुशल	ब्रज हि०	१८५७	३५	
७६	२४४८	बृहत्कर्णाभरणकोश	हरिचरणदास	,,	१९०५	५७	सं० १८३८ मे चैनपुर मे रचित।
७७	२७८८	मातृका निघण्टु	महीदास	संस्कृत	१८६५	५	पुष्करारण्यस्थजाट कुंज में लिखित
७८	३०९४	मातृका निघण्टु (एकाक्षरकोश)		,,	२०वीं श	३	
७९	५२५	मानमजरीनाममाला	नन्ददास	ब्रज हि०	१८७७	१२	मानकूआ मे लिखित
८०	५३६	मानमंजरी नाममाला	,,	,,	१८वीं श.	१०	
८१	११२६ (२)	मानमंजरी नाममाला	,,	,,	१८२७	१२से२३	
८२	१८७६ (२)	मानमजरी नाममाला	,,	,,	१८वीं श.	९७-१०८	गुटका
८३	३५९७	मानमजरी नाममामा	,,	,,	१८३३	६	वालोतरा में लिखित
८४	३६००	मानमजरी नाममाला	,,	,,	१८६२	१३	कंटालीया में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८५	३६०६	मानमंजरीनाममाला	नन्ददास	व्रज०हि०	१८६५	१८	सुरजगढ़ में लिखित
८६	३६०८	मानमंजरीनाममाला	,,	,,	१८४१	६	पत्तन मे लिखित।
८७	५३२	मानमजरीनाममाला तथा रसमंजरी	,,	,,	१७६८	२४	
८८	२४४७	लघुकर्णाभरणकोश	हरिचरणदास	,,	१८८४	१६	अजमेर मे लिखित
८६	२८६३ (६३)	वस्त्रपल्लवी		सस्कृत	१७वीं श.	१६०वा	दो श्लोक हैं।
६०	१५७८ (१)	शारदीयानाममाला	हर्षकीर्ति	,,	१६वीं श.	२४	
६१	३५६८	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८६४	२४	सुरजगढ़ मे लिखित
६२	३६०१	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८०७	१३	सवराड़ में लिखित
६३	३६०५	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८३१	१३	रीया गांव मे लिखित
६४	३६०७	शारदीयानाममाला प्रथम काण्ड	,,	,,	१८३६	११	पाली में लिखित।
६५	५२६	शेषनाममाला	हेमचन्द्र	,,	१८५८	१०	मानकुआ में लिखित
६६	२४४६ (१)	शेपसग्रहसारोद्धार	,,	,,	१७वीं श	१-५	
६७	२०५६	श्रुतिभूषण	हरिचरणदास	व्रज०हि०	२०वीं श	१३	एकाक्षर एव कान्त खान्त शब्दों से षान्त शब्द पर्यन्त, पश्चात् किंचित अपूर्ण।
६८	२७४१	सदाशिवकलाषोडशक		सस्कृत	२०वीं श.	१	
६६	३५६१ (२)	सरस्वतीनाममाला	महादास भाट	व्रज०हि०	१७२६		अत्य १३ पत्र त्रुटित
१००	११२०	सुबोधचन्द्रिका अनेकार्थनाममाला	फकीरचद चौहाण	,,	१८२८	६०	एकाक्षर अनेकाक्षर सोभरीनाममाला के आधार से संवत् १८०० में रचित। पाप. खाख. र में लिखित।
१०१	५३३	हरिजसनाममाला	रतनू हमीर	राज०	१८८१	२८	मानकुआ ग्राम मे लिखिन। स० १७७६ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०२	७६८	हरिनाममाला		संस्कृत	१६वीं श.	३	हरि शब्दार्थ द्योतक शब्दों का संग्रह।
१०३	७६०	हरिनाममाला	बलराज (शंकराचार्य)	"	१६०३	१	हरिशब्द के पर्याय-वाची शब्दों के पद्य हैं।
१०४	१८८२	हरिनाममाला		ब्रज	१६वीं श.	७६–८१	

(११) ज्योतिष–गणितादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	६३५	अकडमचक्र		संस्कृत	१७०७	१	
२	२५४५	अकडमचक्रविधि		,,	१८३३	१	सूरत में लिखित
३	२५६७	अकडमचक्रविधि		,,	२०वीं श.	१	
४	१७६७	अक्षयतृतीयाविचारादि		रा०गु०	१९वीं श.	१	
५	३८०२	अक्षरचूडामणि		सं०	१८वीं श.	६	उदेपुर में लिखित।
६	६२१	अगस्त्योदय तथा शुक्रोदय विचार		रा०गु०	१९वीं श.	१	
७	१७६४	अङ्गविद्या		स०	,, ,,	१	
८	२८६३ (७६)	अङ्गविद्या		,,	१७वीं श.	१४१वां	
९	११२३ (१७)	अङ्गस्फुरणविचार		,,	,, ,,	७८वां	
१०	२८६३ (१११)	अधिकमासविचारादि		सं०रा० गु०	,, ,,	१६८वां	
११	३७४२	अबयदीशकुनावली		रा०	१८वीं श	३	
१२	३७५८	अबयदीशकुनावली	सतोदास	हि०	१८८२	२४	विक्रमपुर में लिखित
१३	३७२१	अयनांशकरणविधिआदि		रा०गु०	१९वीं श.	३	
१४	१७५३	अर्घकाण्ड		संस्कृत	१८वीं श.	१४	किंचित् अपूर्ण
१५	२६४४	अर्घकाण्ड		,,	१९वीं श.	१५	पत्र ६ ठा अप्राप्त।
१६	३७७६	अर्घकाण्ड	हेमप्रभ	,,	१८वीं श.	१६	पत्र १३ वां अप्राप्त।
१७	२०	अर्घदीपक		,,	१९वीं श.	१४	धान्यादि मूल्य के विषय में हानि वृद्धि द्योतकप्रकरण हैं।
१८	२८६३ (४६)	अर्घप्रकरणवर्णन		रा०गु०	१७वीं श.	८८वां	
१९	२८६३ (६५)	अश्लेषाविचार		सं०	,, ,,	१३२वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०	३२६२	अष्टचत्वारिंशत्सहमानि		संस्कृत	१८वीं श.	१	
२१	२५६१	अष्टाविंशतियोग तथा द्वादशभावफल		,,	१६वीं श.	५	
२२	६५३	अष्टोत्तरीदशाफल		,,	,, ,,	६	
२३	३२३८	अष्टोत्तरीमहादशाफल		,,	१८७४	१६	
२४	१६६५	अष्टोत्तरी दशाफल		,,	१७वीं श.	४	
२५	३४४८	आरंभसिद्धि सटीक	मू० उदयप्रभ टी० हेमहंस	,,	१६६२	११८	स० १५१४ मे आशा पल्ली मे टीका रचना
२६	२८६३ (१०४)	आषाढीपूर्णिमा विचार आदि		सं०रा०	१७वीं श.	१६४वा	
२७	३२३६	उपकरणविधि आदि		गु०	१६वीं श.	६	भुजनगर मे लिखित
२८	११६३	उपदेशसूत्र	जैमिनी	स०	२०वीं श.	६	
२९	१५५६	करणकुतूहल	भास्कर	,,	१८वीं श	८	
३०	६०८	करणकुतूहल	,,	,,	१७२५	१०	ब्रह्मसिद्धान्ततुल्य
३१	६६१	करणकुतूहल	,,	,,	१८वीं श.	१०	
३२	६८४	करणकुतूहल	,,	,,	१६वीं श	२२	
३३	३३७६	करणकुतूहल		,,	१८३६	७	
३४	३७६७	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) कोष्टकपष्ठाधिकार		रा०	१८वीं श	६	
३५	३७५६	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) भापा		,,	,, ,,	२६	
३६	३७५३	करणकुतूहल मकरन्द-टीका सहित	भास्कराचार्य मू० श्रीपति	स०	१८८१	२०	फलवृद्धि मे लिखित
३७	२८६७	करणकुतूहल मकरन्द-टीकायुक्त	मू० भास्कर श्रीपति	,,	१८वीं श.	१६	अपूर्ण
३८	५८६	करणकुतूहलवृत्ति	सुमतिहर्ष	,,	,, ,,	२६	
३९	३७२७	करणकुतूहलवृत्ति	,,	,,	१८५२	३७	भास्कराचार्य रचित टीका सोजतनगर मे लिखित
४०	३४५६	करणकुतूहलवृत्ति	,,	,,	१७७४	२५	पत्र १, २ अप्राप्त
४१	३४५२	करणकुतूहलवृत्ति	,,	,,	१८वीं श.	२४	
४२	६७७	करणशार्दूल सारिणीसह	कल्याण	,,	१७३०	३५	मगलपत्तन में रचिता नवानगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	३२१६	कर्पूरचक्रविधि		संस्कृत	२०वीं श.	५	
४४	१४०३	कर्मविपाक		गूर्जर	१६वीं श.	७	
४५	१४४४	कर्मविपाक		,,	१६१६	१५	
४६	३८१७	कर्मविपाक		राज०	१८१६	५	रोहिठ मे लिखित।
४७	३७१०	कलकी जन्म पत्री विचार		सं०	१६वीं श.	१	
४८	२५३५	कष्टावली		रा०	,, ,	१	नक्षत्रवार के योग से प्ररूपिता।
४९	२८६३ (८०)	काकपिंडविचार		स०	१७वीं श.	१४३	पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है।
५०	२८६३ (८१)	काकस्वरस्वरूप		रा०गु०	,, ,,	१४२	पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है।
५१	६६५	कामधेनुटिप्पणिका		स०	१६वीं श	५	
५२	३२३१	कामधेनुपद्धति		,,	१६२५	२०	
५३	२८६३ (१०६)	कूर्मचक्र		,,	१७वीं श.	१६६-१६७	
५४	१३८५	कूर्मचक्र तथा दीपस्थापन विधि		,,	१६वीं श	१	
५५	३७६०	केशवीपद्धत्युदाहरण टीका	विश्वनाथ	,,	१८४७	४३	शाके १५४० मे रचित।
५६	३०८४	कौतुकलीलावती		,,	१६वीं श.	४	
५७	११	खंडखाद्यक	ब्रह्मगुप्ताचार्य	,,	१७६४	१४	
५८	२८६३ (६६)	खातचक्रादिविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१३२वां	
५९	६३७	खेटभूषण बालावबोध-सहित	रामचन्द्र	मू०सं० बा०रा०गू	१६वीं श	१७	सारणी सहित
६०	१६६६	खेटभूषण		सं०	१७वीं श.	१	
६१	३४४०	गणितग्रन्थ साठीसो दोहा	महिमोदय	रा०	१७५७	६	जोवनेर मे लिखित सं० १७३७ के राखी-दिनके रोज रचित।
६२	३७३२	गणितमकरन्द	रामदास	स०	१८६६	२५	जालोरगढ़ में लिखित ग्रन्थकार वडनगर निवासी थे
६३	२००६	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	,,	१७वीं श.	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेप
६४	३००७	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	संस्कृत	१५१३	६	कर्कंरपुर में लिखित
६५	२००५	गणितसार सटीक	,,	मू०सं० टी रा गु	१६वीं श.	५	
६६	२००७	गणितसार सटीक	,,	सं०	१४४७	३१	
६७	६८१	गणितसार सार्थ	शंभुनाथ (महादेव)	अ०रा० गु०	१८वीं श.	८	
६८	३८११	गतेष्टकरणविधि		रा०	१६वीं श.	२	नागोर में लिखित।
६६	३२४७	गणितचन्द्रिका	फकीरचद	व्र०हि०	१८१६	२०	भुजनगर में लिखित
७०	१८६०	गर्गमनोरमाटीका		संस्कृत	१८७२	१२	
७१	५३	गिरिधरानन्द	वेदांगराय	,,	१६वीं श	७५	१६वां अध्याय १६५ श्लोक तक, पश्चात् अपूर्ण। पत्र ६० वा नहीं है। अजमेर नृपति गिरिधर की आज्ञा से रचित। आदि के २३ पद्यों मे गौड़ नृपवंशवर्णन है।
७२	३५६४ (५)	गुरुचार		रा०	१८६१	२३-३२	वगड़ी नगर मे लिखित।
७३	६४६	गुरुचारादि		स.रा गु.	१६वीं श.	६	
७४	११२५ (?)	गुरुचारादि		,,	१८२७	५-१६	गुटका।
७५	२५४१	गुरुफल		०	१७१६	२	नारदपुरी में लिखित
७६	१६८४	गुरुविचार		रा०गु०	१७वीं श.	३	
७७	३१७७	गूढप्रश्नप्रकाशन		सं०	१८६७	५	
७८	६७२	गृहगोधाविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१	
७६	५५	गोलाध्याय		सं०	१६वीं श.	१३से५८	अपूर्ण
८०	२८६३ (६३)	ग्रहकेवली लग्नकेवली तथा नक्षत्रकेवली		,,	१६२८	१३०वां	
८१	६४५	ग्रहणलिखनानुक्रम	नारायण	,,	१८२६	३७	स० १५८२ मे ग्रन्थकार रचित कृति नष्ट (?)होने से, तदनतर ग्रथित कृति विस्तृत होने से प्रस्तुत रचना स० १६१६ में कपिला में की।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८२	६१८	ग्रहणविचार		रा०गु०	१६वीं श.	३	
८३	१७७७	ग्रहणविचार		,,	१६वीं श.	२	
८४	२५७४	ग्रहणविचार		रा०	१६वीं श	२	
८५	६४८	ग्रहणसाधन		रा०गु०	,, ,,	२	
८६	६७४	ग्रहणादि अनेक विचार		,,	,, ,,	६	
८७	४११	ग्रहणार्कज्ञान	ब्रह्मगुप्त	सं०	१८४०	८	
८८	३७०६	ग्रहभावप्रकाशताजिक	पद्मप्रभ	,,	१७वीं श	११	
८६	२५१४	ग्रहभावफल		,,	१६वीं श.	६	
६०	२८६३ (१४)	ग्रहभावफल (पद्य)		रा०गु०	१७वीं श.	६वां	
६१	६२१	ग्रहलाघव	गणेश	स०	१८५६	२०	नदिग्राम में रचित।
६२	६५८	ग्रहलाघव	गणेशदैवज्ञ	,,	१८२७	१६	नदिग्राम में रचित। भुजनगर मे लिखित
६३	३१५७	ग्रहलाघव	,,	,,	१६०३	३५	
६४	३४५४	ग्रहलाघव	,,	,,	१७३३	१०	
६५	३७७६	ग्रहलाघव		,,	१८५७	७	६ वां तथा १० वा अधिकार मात्र। पांन राहीवर में लिखित
६६	७०१	ग्रहलाघव उदाहरण-वृत्तिसह त्रिपाठ	मू० गणेशदैवज्ञ टी० विश्वनाथ दैवज्ञ,	,,	१६वीं श.	१०३	पत्र पन्द्रहवां नहीं है। टीका कारने आदि में ग्रन्थकार की अन्य कृतियों का नामोल्लेख दिया है।
६७	५८५	ग्रहलाघवटीका	विश्वनाथ	,,	१७वीं श	६०	सिद्धान्तरहस्योदाहरण टीका। गोलग्राम मे रचित।
६८	५६७	ग्रहलाघव टीका	विश्वनाथ	,,	१८२७	३५	सिद्धान्तरहस्योदाहरण टीका। गोल-ग्राम में रचित।
६६	३७८७	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका			१८५१	३२	मेदिनीपुर में लिखित।
१००	३७८८	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका	दिनकर	,,	१८२०	२३	रूपनगढ़ मे लिखित ग्रन्थकार वारेजा-ग्राम निवासी थे।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०१	३२१४	ग्रहलाघवसारणीविधि		रा०गु०	१६२८	६	भाथोला में लिखित
१०२	६२८	ग्रहशीघ्रसिद्धि	त्रिविक्रमदैवज्ञ	सं०	१८८४	६	स० १७७६ में नलिनीपुर में रचित।
१०३	१५६०	ग्रहसिद्धिप्रकरण	महादेव	,,	१८वीं श.	२	
१०४	२०००	ग्रहसिद्धिप्रकरण	,,	,,	,, ,,	२	
१०५	३२४८	ग्रहस्पष्टकरणविधि		रा०	,, ,,	६	
१०६	१६८३	चक्रावली		स०	१८२३	२२	
१०७	२८६३ (६१)	चतुरक्षरपासाकेवली		,,	१६२२	११५से १२३	राजलदेसर ग्राम मे मुनि हीरकलश ने लिखी।
१०८	२८६३ (१३)	चद्रगुप्तस्वप्नफल		रा०गु०	१७वीं श.	६ वां	
१०९	६६१	चन्द्रग्रहणाधिकार		स०	१६वीं श.	५	करणकेशरी से उद्धृत।
११०	६८७	चन्द्रविम्रहणटिप्पणोदाहरण		,,	१८वीं श	८	करणकेशरीगत।
१११	२८६३ (१७)	चद्रराशिनिरूपण आदि		,,	१७वीं श	११ वां	
११२	३८०६	चद्रसूर्यग्रहण सुगमप्रकार		,,	१६वीं श.	४	
११३	२२४	चद्रार्कीसूत्र	दिनकर	,,	,, ,,	२	
११४	२५८४	चद्रार्की	,,	,,	१६०४	४	
११५	३२५३	चंद्रार्की	,,	,,	१६वीं श	१	
११६	३८१५	चद्रार्की		,,	,, ,,	२	
११७	२५८२	चद्रार्की टीका		,,	१८२८	६	मोढज्ञातीय दिनकर कृत चद्रार्की की टीका है।
११८	३१४१	चद्रोन्मीलन		,,	१७८७	२५	
११९	६६३	चमत्कारचिन्तामणि	नारायण	,,	१६वीं श	१३	
१२०	११६२	चमत्कारचिन्तामणि	वैद्यनाथ	,,	१५६२	२६	
१२१	३१२८	चमत्कारचिन्तामणि		,,	१६वीं श	१२	
१२२	३७६८	चमत्कारचिन्तामणि		,,	१८६०	६	वगडीद्र ग में लिखित
१२३	३१३०	चमत्कारचिन्तामणि सटीक	मू० नारायण टी० धर्मेश्वर	,,	१६१२	२५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२४	३१६८	चमत्कारचिन्तामणि सटीक त्रिपाठ	मू० नारायण	संस्कृत	१६वीं श.	१६	
१२५	६५५	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक	मू० राजऋषि	स०स्त० रा०गु०	१७८६	१२	स्तंभतीर्थ में रचित।
१२६	१७८७	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर (?)		स०स्त० रा०गु०	१७४२	१५	पत्तन में लिखित।
१२७	३२२६	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर		स०स्त० रा०गु०	१६१६	१६	
१२८	३२६६	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक		स०स्त० रा०गु०	१७६८	१४	
१२९	३७६७	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक		स०स्त० रा०गु०	१८१०	१२	
१३०	३१७१	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		अ०रा०	१८८४	४४	
१३१	३७६८	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		,,	१८७७	३०	देवली में लिखित
१३२	६११	चमत्कारचिन्तामणि-सार्थ तथा द्वादशभावफल	नारायण	सं०अ० रा०गु०	१८०८	१३	
१३३	१९८५	चैत्रार्घकांड	हेमप्रभ	स०	१३०५	१६	प्रति १५ वीं श० की ज्ञात होती है।
१३४	२८६३ (१०८)	छायाज्ञान		रा०गु०	१७वीं श.	१६५वां	हीराक (हीरकलश) लिखित।
१३५	३७४४	जगद्भूषणसारिणी	हरिदत्त	स०	१९वीं श	८८	शाके १५६० में रचित
१३६	३७६०	जगद्भूषणसारिणी		सं०रा०	१९वीं श.	७१	
१३७	६२०	जन्मकुंडलीविचारादि		रा०	१९वीं श	६	
१३८	२८८२	जन्मपत्रीगणितक्रम		स रा गु	१९वीं श.	२६	
१३९	६३८	जन्मपत्रीपद्धति		सं०	१८२२	१६	माडवीविन्दर में लिखित।
१४०	२०१०	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१७वीं श	७६	
१४१	३५४६	जन्मपत्रीपद्धति		स०रा०	१८७६	१५५	पल्लिका मे लिखित।
१४२	३७६०	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१८४७	७६	
१४३	३७०५	जन्मपत्रीपद्धति	हरजीत्	स रा गु	१८वीं श.	६६	योधांका वराटीया ग्राम में लिखित।
१४४	५६०	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	स०	१८५४	१३६	स० १७५१ में वेलाकूल में रचित। माडवी विन्दर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४५	३७९१	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	सं०	१८५६	१६६	सं० १७५१ में वेला कूल में रचित। जेशलमेरू मे लिखित
१४६	३४३६	जन्मपत्रीपद्धति (मासागरी)	मानसागर	"	१७६८	६६	कंटालियानगर में लिखित।
१४७	३७४७	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१८६२	१२७	फूलाजग्राम मे लिखित।
१४८	३७६३	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१७६०	६४	सुद्धदतीनगर मे लिखित।
१४६	३७६२	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८१८	१३०	मेडता मे लिखित।
१५०	६१०	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८०८	१०३	वाहडमेर मे लिखित
१५१	६३	जन्मपत्रीलिखनक्रम	विश्वनाथ	"	१८००	३५	देवपुरी मे लिखित।
१५२	३४४६	जन्मसार			१६७६	७५	गागुरडाग्राम मे लिखित।
१५३	७	जन्मेष्टकालशुद्धि (इष्टदर्पण) निषेकतादाहरण			१६वीं श	८	आदि श्रीमद्व्रजजन-वल्लभचरणसरोज प्रणम्याहम्। जन्मेष्ट कालशुद्धि यवनैरुदिता निबन्धामि।
१५४	३५६४ (७)	जमानारा दूहा	महामाई वायक	रा०	१८६१	३५,४३	वगड़ी मे लिखित।
१५५	१६६३	जातककर्मपद्धति	श्रीधराचार्य	स०	१५७१	६	
१५६	२५२३	जातककर्मपद्धति	श्रीपति	"	१८वीं श	६	
१५७	२५२६	जातककर्मपद्धति	"	"	१७०७	६	
१५८	३३७१	जातककर्मपद्धति	"	"	१६१२	१३	चित्रकूट में लिखित।
१५६	३७८२	जातककर्मपद्धति (श्रीपतिकृत) वृत्ति	कृष्णदैवज्ञ	"	१८८१	६४	फलवर्धिपुर मे लिखित।
१६०	१७७५	जातककर्मपद्धति सटीक	श्रीपति टी० कृष्णदैवज्ञ	"	१६वीं श	४५	अपूर्ण
१६१	३२५८	जातकपद्धति सस्तवक	ढुँढिराज	मू स स्त रा गू	१८वीं श	१३	
१६२	३११६	जातकभूषण	"	"	१७७४	१००	मनोहरपुर मे लिखित
१६३	२५४४	जातकलक्षण	"	"	१६वीं श	४	देवपुरनगर मे लिखित
१६४	४०	जातकसार		"	१६१६	१०	गुटकाकार है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६५	१८५५	जातकसारोद्धार	माधवाचार्य	स०	१९वीं श.	४०	द्वादशभाव-विचारात्मक अंश है।
१६६	३७६१	जातकाभरण	ढुँढिराज	"	१८१८	६१	मेडता में लिखित।
१६७	३७४५	जातकाभरण	"	"	१८५६	५९	
१६८	२९४५	जातकाभरण	"	"	१९वीं श.	६४	अपूर्ण
१६९	९४	जातकालंकार	गणेशदैवज्ञ	"	१८वीं श	११	सं० १५३५ में ब्रह्मपुर में रचित।
१७०	२८८८	जातकालंकार	गणेशदैवज्ञ	"	१८५२	१९	शाके१५५५में रचित
१७१	३०७४	जातकालकार सटीक	मू० गणेश टी० हरिभानु	"	१९०२	२५	शाके १५५५ मे सूर्यपुर में मूल रचित खडेला मे लिखित।
१७२	२५८३	जोगवत्रीसी	सोम	रा०गू०	१८वीं श	१	अंत मे लेखक ने स्वरो-दयविचार लिखा है.
१७३	३७१२	ज्ञानप्रदीप केरलवृंदावन		स०	१७१६	२१	
१७४	९९२	ज्ञानप्रदीपक		"	१९वीं श	२	
१७५	२८९३ (१०३)	ज्येष्ठप्रतिपदाविचार		"	१७वीं श	१६३	चार श्लोक हैं
१७६	३५४७ (३)	ज्योतिषदूहा		रा०	१९वीं श.	१ ला	
१७७	३५४७ (११)	ज्योतिषदूहा		"	१९वीं श	८९-९०	
१७८	१७५६	ज्योतिषप्रकीर्णक		स०ब्र०	१९२४	८	
१७९	३७७३	ज्योतिषप्रकीर्णक		सं०रा०	१९वीं श	१४	
१८०	२५७६	ज्योतिपरत्नमाला	श्रीपति	सं०	१७०२	२२	
१८१	३२९८	ज्योतिपरत्नमाला	"	"	१७८१	६४	
१८२	३७०६	ज्योतिषरत्नमाला	"	"	१७९५	४७	
१८३	३३७०	ज्योतिपरत्नमाला सटीक पचपाठ	" टी० महादेव	"	१६वीं श	५६	
१८४	४१४	ज्योतिपरत्नमाला वालावबोधसहित	मू० श्रीपति	स बा रा	१७४३	५९	
१८५	३०२३	ज्योतिषरत्नमाला सबालावबोध	मू० श्रीपति	"	१७०१	६६	जालुरनगर में लिखित।
१८६	१९८९	ज्योतिपरत्नमाला सस्तबक	श्रीपति	मू स स्त रा गू	१६९६	५४	जाबालपुर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१८७	१८६६ (२)	ज्योतिपरत्नमाला सार्थ	श्रीपति	मू सं.स्त. रा०गु०	१६वीं श.	१-१०७	
१८८	३७०७	ज्योतिपरत्नमाला सार्थ	,,	मू.स स्त. रा०गु०	१७८६	५३	
१८९	३७२५	ज्योतिपरत्नमाला सार्थ	,,	मू सं स्त रा०गु०	१८५०	५२	पत्र १५,१६वां अप्राप्त रतलाम में लिखित
१९०	३७३५	ज्योतिपरत्नमाला सार्थ	,,	मू स स्त रा०गू०	१७६७	५३	रतनपुरी मे लिखित विक्रमनगर मे बालावबोध रचना।
१९१	६४२	ज्योतिप विचार		स रा गु	१६वीं श	१०	
१९२	२५७५ (१)	ज्योतिप विचार		,,	१८वीं श.	१-११	
१९३	३४३६	ज्योतिप विचार	हर्षकीर्ति	सस्कृत	१६६३	२३	
१९४	११२५ (४)	ज्योतिपश्लोकसंग्रह		,,	१८२७	६५-६८	
१९५	५८८	ज्योतिपसग्रह	नीलकंठ	,,	१८वीं श.	५३	रचना सं० १७२०
१९६	२५१६	ज्योतिपसार	मुंजादित्य	,,	१७१४	५	
१९७	२५५३	ज्योतिपसार	भगवद्दास	व्र०हिं०	१८२८	२७	सं० १६६४में शाहजहां के शासन मे रचित
१९८	६३२	ज्योतिषसार दुहा	मेघराज	रा०गु०	१८६६	४	क्षत्रिय गोवर्धन के लिये स० १७२३ मे भैंसरोड़ में रचित।
१९९	२७४१	ज्योतिपसारशास्त्र		रा०गु०	१८४६	१४	
२००	१५५७	ताजिक	सम (र)सिंह	,,	१६वीं श.	४७	
२०१	२६१६	ताजिक	नीलकठ	स०	१८४०	४६	पत्र ४ था तथा ८से १० अप्राप्त
२०२	२६३६	ताजिक	,,	,,	१६०८	४२	
२०३	३७१७	ताजिक	,,	,,	१६वीं श	४८	शाके १५०६ में रचित।
२०४	३०	ताजिक (सज्ञातत्र) सटीक	मू० नीलकठ टी० विश्वनाथ	,,	१८७६	५१	टीकाकार ने आदि में अपना विस्तृत परिचय दिया है।
२०५	४०६	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	सस्कृत	१८वीं श	३	
२०६	४१०	ताजिकपद्मकोश	,,	,,	१८३७	१६	सावरदा ग्राम में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०७	६०६	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	संस्कृत	१७वीं श.	३से६	
२०८	५६४	ताजिकसार	हरिभट्ट	„	१७६८	२१	सिणधरी में लिखित
२०९	६०९	ताजिकसार	„	„	१७२९	३०	रायधनपुर मे लिखित
२१०	१९९९	ताजिकसार	„	„	१६६४	२३	
२११	२००२	ताजिकसार	„	„	१७वीं श.	२६	
२१२	२८७१	ताजिकसार	„	„	१८वीं श.	१७	
२१३	२९०९	ताजिकसार	„	„	१७७४	५६	पत्र ९वां अप्राप्त
२१४	६६४	ताजिकसार सार्थ	„	सं०अ० रा०गू०	१८१९	५७	भुजनगर में लिखित
२१५	३७२६	ताजिकसार सार्थ	„	सं०अ० रा०गू०	१८६९	३९	सोभत में लिखित।
२१६	१५०	ताजिकसार टीका	सामन्त	सं०	१९९६	६७	सं० १६७७ मे विष्णु-दास नृप के शासन में पेरवा मे रचित।
२१७	६६७	ताजिकसार टीका	„	„	१८वीं श	२५	सं० १६७७ में रचित
२१८	३००१	ताजिकसार टीका	„	„	१७५९	३३	
२१९	३३७२	ताजिकसार टीका	„	„	१७२०	२३	मेडतानगर में लिखित
२२०	३४३७	ताजिकसार टीका	„	„	१७६३	१५	श्री विष्णुदास शासित खेरवा में स० १६७७ में रचित
२२१	३७३३	ताजिकसार टीका	„	„	१८०९	२२	आकासादाग्राम में लिखित।
२२२	३७५२	ताजिकसार टीका	सुमतिहर्ष	„	१८वीं श	२२	श्री विष्णुदास शासित खेरवानगर में स० १६७७ में रचित
२२३	२९३२	ताजिकसुधानिधि	नारायण	„	१९वीं श.	४९	अपूर्ण
२२४	६६६	तिथिकल्पद्रुमसारणी	कल्याण	„	१८१९	१०	भुजनगर में लिखित
२२५	२००३	तिथिचूडामणि	रामचन्द्र	„	१९६४	१	उन्नतदुर्ग में रचित।
२२६	६७६	तिथिनक्षत्रफलादि		स०रागू०	१८वीं श	६	
२२७	६५२	तिथिसारणी (ब्रह्मपक्षे)	त्रिविक्रम	स०	„ „	६	
२२८	६६५	तिथिसारणी		„	१८२१	९	रायधणपुरमें लिखित
२२९	३१९५	तिथिसारणी	केवलराम	„	१९वीं श.	३	
२३०	३२४९	तिथिसारणी (गगाप्रकाश)	मनोहर	„	१८६२	५	लकूटपरमे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३१	२५८१	तिथ्यानयनटीका		रा॰गू॰	१८वीं श.	१	
२३२	३८१६	त्रिपष्ठि		सं० रा॰	१६वीं श	६	
२३३	२८६३ (८७)	दशा विचारकोष्ठक		रा॰गू॰	१७वीं श.	१४६ वां	
२३४	६१६	दिनकरी सारणी	दिनकर	सस्कृत	१६वीं श.	३१	
२३५	२८६३ (१२०)	दिनमानकुलक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श.	१७५–७६	स. १६१५ में वेलासर में रचित।
२३६	६६२	दोपावली		,,	१८७५	३	
२३७	१७८५	दोपावली		रा०	१८वीं श.	६	
२३८	३५५४ (१६)	दोपावली		,,	१६वीं श	२७वां	
२३६	३२५२	द्वादशभावप्रश्नलग्नादि-विचार		सं०	१८वीं श.	१	
२४०	६१२	द्वादशभावफल		,,	१७३७	६	
२४१	१७८२	द्वादशभावफल		,,	१६वीं श.	२	
२४२	१७८३	द्वादशभावफल		,,	१८वीं श.	१७	
२४३	१७६१	द्वादशभावफल		,,	,,	४	
२४४	१७६२	द्वादशभावफल		,,	,,	१०	
२४५	१६६४	द्वादशभावफल		रा०	१७वीं श.	४	
२४६	३८०३	द्वादशभावफल		सं०	१७६३	३	
२४७	२८१३	द्वादशभावफल		रा०	१८वीं श	१४	
२४८	२५५८	द्वादशभावफल तथा मु थाफल		सं०	१८६६	६	नागोर में लिखित
२४६	१२१४	द्वादशभाव फल लेखन पद्धति		,,	१७६६	११	
२५०	२५३६	द्वादशभावविचार		,,	१६वीं श	१	
२५१	२८६३ (८४)	नक्षत्र विचारादि		सं रा गु	१७वीं श.	१४५	१४८वा पत्र का अर्ध भाग नष्ट है
२५२	११२३ (६)	नक्षत्रशकुनावली		रा० गु०	,,	५६–६०	
२५३	३७७४	नक्षत्रशकुनावली		रा०	१६वीं श	१	
२५४	३३४४	नरपतिजयचर्या	नरपति	स०	१७३४	५१	हर्षपुर मे लिखित
२५५	३५०१	नरपतिजयचर्या	नरपति	,,	१६वीं श	१६०	पत्र ७४वां अप्राप्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२५६	३८००	नरपतिजयचर्या	नरपति	संस्कृत	१८वीं श.	४६	
२५७	१७६०	नवग्रहचक्र गजचक्र अश्वचक्र रथचक्र		,,	१६वीं श.	३	पद्य रचना है।
२५८	२५३०	नवग्रहद्वादशभाव-दृष्टिफल		,,	१८४७	४	
२५९	२३७७ (१)	नवग्रहभावफल		,,	१८०७	१से४६	गुटका
२६०	४०८	नष्टजन्म तथा मृत्युज्ञान		,,	१६वीं श	२	
२६१	१६८७	नष्टजन्मविचार		रा०गु०	१७वीं श.	६	
२६२	६०६	नष्टजातक		स रा गु.	१६वीं श	२	
२६३	१७८६	नष्टजातक		संस्कृत	१८वीं श.	१	
२६४	६६८	नष्टज्ञान		,,	,, ,,	२	
२६५	५८७	नारचन्द्र	नरचन्द्राचार्य	,,	१६वीं श	३०	
२६६	६०५	नारचन्द्र	,,	,,	,, ,,	४	
२६७	१६८०	नारचन्द्रज्योतिष	,,	,,	१७वीं श.	२५	
२६८	६७५	नारचन्द्र प्रथमपरि-च्छेदटिप्पण	सागरचन्द्र	,,	१८वीं श	१५	
२६९	१६६७	नारचन्द्रज्योतिष टिप्पण	,,	,,	१६६३	४३	
२७०	२५७७	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१७५४	६	
२७१	३००८	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१६६४	३७	
२७२	३४३८	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१७वीं श	२६	प्रथम पत्र अप्राप्त
२७३	३७३७	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण	,,	,,	१६वीं श	२०	,, ,,
२७४	३७७०	नारचन्द्रटिप्पण	सागरचन्द्र	,,	१८०६	२६	
२७५	६६०	नारचन्द्र सस्तवक	नरचन्द्र	स०स्त० रा०गु०	१७२४	२८	
२७६	३७२८	नारचन्द्र सस्तवक प्रथम प्रकरण	,,	स०स्त० रा०गु०	१८वीं श	३२	
२७७	३७८३	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तवक	,,	सं०स्त० रा०गु०	१७६५	४३	
२७८	३७६६	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तवक	,,	सं०स्त० रा०गु	१७६२	३१	सिरोही में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७६	८	पचपत्तिनिदर्शन		सं०	१६वीं श.	५	अते-पारिजाताख्य शास्त्रे स्मिन् खंडेरत्ना-कराभिधे प्रश्नशास्त्र-मिदंप्रोक्तं चतुर्था-ध्यायसंज्ञितम् ।
२८०	३०६१	पचपत्ती		"	१८वीं श.	२	
२८१	६६६	पंचमहापुरुपलक्षण		"	" "	१	
२८२	३१८१	पंचांगग्रहानयनाधिकार	रामचन्द्र	"	१८५०	५	रामविनोदातर्गत
२८३	६१४	पचागग्रहानयनाधिकार	"	"	१७४३	२	रामविनोदसे उद्धृत
२८४	६५१	पंचांगपत्ररचना	कल्याण	"	१८०७	१७	
२८५	३२५४	पचांगपत्रानयनसारणी	सदाशिव	"	१७६१	२४	
२८६	६६०	पंचांगफल		"	१६वीं श.	५	
२८७	५६६	पंचांग सारणी	सदाशिव	"	१७३५	१६	
२८८	३१	पद्मकोश		"	१८१६	१३	
२८६	३१३५	पद्मकोश		"	१६वीं श.	६	
२६०	३७१५	पद्मकोश ताजिक		"	१८वीं श.	४	
२६१	११२३ (१८)	पल्लीशरटपतनविचार		"	१७वीं श	७८ वा	
२६२	१७	पल्ली शरटशान्ति विधान (निमित्त)		"	१६वीं श.	३	आदि-अथातः संप्र-वक्ष्यामि शृणु शौनक यत्नतः। पल्ल्याः प्रपतन चैव शरटस्यप्ररोहणम्
२६३	२००	पवनविजय (स्वरोदय-शास्त्र) अर्थ सहित		अ॰गू॰	" "	४१	
२६४	१७७२	पवन विजय ग्रन्थ		स०	१८७३	६	
२६५	२८६३ (७२)	पाचगाथा शकुनावली		प्रा.रा.गु	१७वीं श.	१३५-१३६	
२६६	२५६६	पातशाहनामोपरि शकुनावली		रा०	१६०८	२	
२६७	१८६७	पाराशरसूत्र		स०	१६वीं श	३५	
२६८	३२६५	पाराशरीभापाटीका	परमसुखदैवज्ञ	रा०	" "	८	स० १६६८ मे रचित
२६६	४६	पाराशरी सटीक		सं०	१८६४	१५	
३००	३१७६	पाराशरीवचनिका (उडुप्रदीप)		व्र०हिं०	१६०१	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०१	६५७	पासाकेवली	गर्गऋषि	स०	१८४७	६	मांडवीबंदर में लिखित
३०२	२८६३ (६२)	पासाकेवली	गर्गऋषि	"	१६६२	१२४ से १३०	मुनिहीर कलश लिखित
३०३	३५५४ (१७)	पासाकेवली		रा०	१६वीं श	२७–२८	
३०४	२३६८ (६)	पासाकेवली भाषा		"	१८४६	४१–४६	
३०५	२५३८	पुरुष-स्त्री जन्मकुंड-लिकाविचार		सं०	१६वीं श	१	
३०६	२५५४	पूनिमविचार आदि		रा०	"	१६	
३०७	२५६०	पूनिमविचार आदि		"	१८६४	२४	नागोर में लिखित
३०८	२३	प्रतोदयत्र सटीक त्रिपाठ	मू. गणेशदैवज्ञ टी ग्रथकार शिष्य	स०	१६वीं श	६	
३०९	१७६६	प्रश्नकालज्ञानादि		रा गु स	"	१	
३१०	१७६२	प्रश्नचिन्तामणि		सं०	१८२२	४	
३११	१६६२	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१७वीं श	३	
३१२	३०६७	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१६वीं श	५	
३१३	३१२६	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१८२७	६	
३१४	२५३४	प्रश्नज्ञान		"	१६वीं श	१	
३१५	२८६३ (१०)	प्रश्नज्ञान		"	७वीं श	५वां	
३१६	१७४६	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	"	२०वीं श	१०	
३१७	३७८५	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	"	१७६३	५	मन्दसोर के खलचीपुरा में लिखित।
३१८	२६१४	प्रश्नरत्नटिप्पणी	नन्दराम	"	१८५०	३५	पत्र १ से ६ अप्राप्त
३१९	२५६२	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नदराम टी० स्वोपज्ञ	"	१६वी श	४६	
३२०	३७३६	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नदराम टी० स्वोपज्ञ	"	१८८७	२५	मू० रचना सं० १८०८, टिप्पन रचना स० १८२७ सुभट्टपुर में लिखित
३२१	६४१	प्रश्नविज्ञान	महादेव	"	१६वीं श	६	
३२२	३१३१	प्रश्नविद्या	गर्ग	"	"	४	
३२३	३१६६	प्रश्नविद्या	गर्ग	"	१६०३	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२४	११५६	वैष्णवशास्त्र	नारायण	सं०	१८०४	२३	सवाई जयपुर में लिखित।
३२५	३०४४	वैष्णवशास्त्र ताजिक	,,	,,	१८३३	३२	कल्याणपुरी में लिखित।
३२६	३११६	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	,,	,,	१६वीं श.	३६	
३२७	३१६०	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	,,	,,	१६वीं श.	७४	
३२८	३७०४	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	नारायणदास	,,	१८८५	७५	
३२६	१८५३	प्रश्नसंग्रह		,,	१६वीं श.	१७	
३३०	२१	प्रश्नसार	हयग्रीव	,,	१८७४	१४	
३३१	३७८४	प्रश्नसार	,,	,,	१८४३	११	
३३२	३८०१	प्रश्नसार	,,	,,	१८८०	१	
३३३	११२३ (२१)	प्रस्थानमासदिनफल		रा०गु०	१७वीं श	८० वां	
३३४	१८६६ (१)	प्रेमज्योतिष	महिमोदय	रा०	१८१८	१–१५	गुटका। स० १७३३ के रक्षाबंधनदिन के रोज रचना।
३३५	१७५४	बारमासफल वक्रग्रह-फल संक्रान्तिफल साठसंवच्छर		,,	१८७२	१८	गुटका। भुजनगर में लिखित।
३३६	६१२	बालजातक	हरिदत्त	सं०	१८वीं श	४	
३३७	६८८	बालजातक		,,	१६वीं श	५	
३३८	१७८१	बालजातक		,,	,, ,,	८	
३३६	६१५	बालबोध		,,	,, ,,	६	
३४०	६४७	बालबोध ज्योतिष	मुजदित्य	,,	१८३७	२३	
३४१	६६६	बालबोध	,,	,,	१८वीं श	६	
३४२	१७६३	बालबोध	,,	,,	१७७८	१०	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४३	७५११	बालबोध ज्योतिष	,,	,,	१६वीं श.	६	अपूर्ण
३४४	२८८०	बालबोध ज्योतिष	,,	,,	,, ,,	२७	
३४५	१६८८	बालविवेकिनी	नान्हिदत्त	,,	१७वीं श	४	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४६	१८८८	बालावबोध श्लोक	सहजानदस्वामी	,,	१६वीं श	७	
३४७	२८६३ (१०१)	बिघडीया	हीरकलश	रा०गु०	१७वीं श.	१६३वां	
३४८	३१२७	बृहज्जातक	वराह	स०	१८४३	३६	
३४६	१६८६	बृहज्जातकविवृति	उत्पलभट्ट	,,	१७वीं श	३६	अध्याय ८से १७ तक

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३५०	१७७६	बृहज्जातक विवृतिसहित उत्तरार्ध	मू० वराहमिहिर वि उत्पलभट्ट	रा०	१८वीं श	७६	टीका रचना काल शाके ८८८
३५१	२६००	बृहज्जातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टी० महीदास	रा०	१८५८	६४	सवाई जयपुर मे लिखित। शाके १५२० मे टीका रचना। पत्र ११ से १४ अप्राप्त।
३५२	३०७३	बृहत्संहिता	वृद्धवसिष्ठ	स०	१८५८	१२१	जगन्मोहन नामक तृतीयस्कंध मात्र
३५३	३३७५	बृहत्संहिता	वराह	”	१६३५	१५१	
३५४	२६२८	बृहत्संहिता सटीक	मू. वराह टी० उत्पलभट्ट	”	१६वीं श	४४	अपूर्ण। पत्र १ से २ अप्राप्त
३५५	२६२६	बृहत्संहिता	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	”	”	४३६	अपूर्ण। पत्र १ से १०३ तथा ३६० से ३८७ तक अप्राप्त।
३५६	२५१८	ब्रह्मतुल्य टीका		”	१७१५	३३	जाबालपुर मे लिखित।
३५७	६३६	ब्रह्मतुल्य सारणी		”	१६वीं श	४	
३५८	३७४०	भडली दूहा		रा०	”	८	
३५६	३५६४ (८)	भडली पुराण		”	”	१–३३	गुटका
३६०	१८७७	भडली पुराण		”	१६वीं श	६	अपूर्ण।
३६१	३७५७	भडली विचार		”	”	१५	
३६२	५६८	भड्डली वाक्य दूहा	भड्डली	रा हि.	१८वीं श	४	
३६३	२५३३	भवानीजीवायक जमानारा दूहा		रा हि.	१८६३	६	
३६४	२२०६	भवानीवायक		”	१८७७	३	लाडुली भभुनगर मे लिखित, १०० पद्यमय रचना है।
३६५	३२२५	भावाध्याय	देवेन्द्र कवि	स०	१८६२	१५	
३६६	६२७	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	”	१७६६	१७	
३६७	१८१८ (२)	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	”	१८००	६–१२	शुद्धदंती में लिखित।
३६८	१८५७	भुवनदीपक	पद्मनाभ	”	१८वीं श	१३	
३६६	२०१०	भुवनदीपक		”	१६६१	१७	लघुकडि मे लिखित।
३७०	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	”	१८०७	६	देलवाडानगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७१	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	संस्कृत	१६वीं श.	१३	
३७२	७५५०	भुवनदीपक टीका	”	”	२०वीं श.	३८	
३७३	३७६६	भुवनदीपक टीका		”	१८वीं श	२६	पद्मप्रभीय भुवन दीपक की टीका
३७४	३००५	भुवनदीपकावचूरि		”	१६वीं श.	४	भुजपुर मे लिखित
३७५	६१७	भुवनदीपक सस्तवक	पद्मप्रभ	सं०स्त० रा०गु०	१६वीं श	१४	
३७६	६७२	भुवनदीपक सस्तवक	मू० पद्मप्रभ	सं०स्त० रा०गु०	१८वीं श.	१०	
३७७	७५१२	भुवनदीपक सस्तवक	”	सं०स्त० रा०गु०	१८१७	१०	
३७८	३७६६	भुवनदीपक सस्तवक	”	स०स्त० रा०गु०	१६वीं श.	१५	
३७९	२५७	भोमादिग्रहस्पष्टविधि	आशाधर	स०	१७०८	१	
३८०	५९६	भ्रमस्यग्रहकोष्टकाणि	त्रिविक्रमद्विज	”	१८१८	१६१	माडवी बदर मे लिखित ।
३८१	३१०९	मकरन्दविवरण	दिवाकर	”	१६वीं श.	११	
३८२	२८६३ (८३)	मडलविचार		”	७वीं श	१४४-१५	
३८३	६४०	मनकेवलीशकुनावली		”	१७८८	१	
३८४	३४४३	मनोनन्दन सटिप्पण	हरिवंश	”	१७वीं श	७	
३८५	२५	मयूरचित्र		”	१८४८	१७	धान्यादिमूल्य हानि वृद्धिविचार तथा प्रवृष्टिविचारादि की प्ररूपणा है पत्र २ रा तथा ३ रा नहीं है।
३८६	२८६६	मयूरचित्रक		”	१६वीं श	१६	अपूर्ण
३८७	२६०७	मयूरचित्रक	नारदमुनि	”	१८५०	२३	पत्र २१ वां अप्राप्त
३८८	१७७०	महादशाविचार		”	१६वीं श	३	
३८९	६२५	महादेवी	महादेव	”	” ”	३	
३९०	६७०	महादेवी	”	”	१८२६	१	
३९१	२००४	महादेवीग्रन्थकोष्टकानि		”	१७वीं श	३६	
३९२	३५७८	महादेवीलघशोपोपरि		”	१८वीं श	५	
३९३	३७४३	महादेवीसारणी		”	१६वीं श	७६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६४	३७४६	महादेवी सारणी		सं०	१८६१	६२	
३६५	३७५६	महादेवी सारणी		”	१८४८	१५२	
३६६	३७८६	महादेवी सारणी		रा०	१६वीं श	७६	नागोरनयर में लिखित
३६७	३५६७ (३२)	महामायावाक्य आदि		”	”	१७७–१८०	
३६८	१७८८	मातृहानियोगादि		सं०	”	७	
३६६	१८५२	मासप्रवेश दिनप्रवेशफल		”	१७७५	१०	सालपुरा नगर में लिखित
४००	६८६	मासफलानि		सं.रा गू.	१८वीं श.	३	
४०१	६७६	मुंथाफलआदि		सं०	”	१	
४०२	३१५०	मुंथाभावफल		”	१८३८	३	
४०३	१७४	मुष्टिचक्र (दोषावली) अर्थसहित)		सं० रा०	१६१४	१०	
४०४	११२३ (१०)	मुष्टिज्ञान		रा० गू०	१७वीं श	६१ वां	
४०५	२५३१	मुष्टिज्ञान		”	”	१	
४०६	२५२०	मुहूर्त		”	१६वीं श.	२	
४०७	२५२१	मुहूर्त		”	”	२	
४०८	२५३७	मुहूर्त		रा०	१८वीं श	१	
४०६	२५५६	मुहूर्त		”	१८७६	२	
४१०	२६३१	मुहूर्तकल्पद्रुम	विट्ठलदीक्षित	सं०	१६०६	५७	
४११	२११५	मुहूर्तगणपति	गणपति	”	१६वीं श	६१	अपूर्ण
४१२	६४४	मुहूर्तचिन्तामणि	दैवज्ञ राम	”	”	६	नक्षत्रप्रकरण पर्यन्त
४१३	३११२	मुहूर्तचिन्तामणि	रामदैवज्ञ	”	१८६६	५६	
४१४	३४५५	मुहूर्तचिंतामणि	रामदैवज्ञ	”	१६६६	३०	
४१५	२६४१	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी० गोविन्द	”	२०वीं श	६३	पत्र ३२,३३,३४ तथा ४८वां अप्राप्त शुभाशुभप्रकरण पर्य्यन्त
४१६	३०६२	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधारा टीका सहित	मू० राम टी. गोविन्द	”	”	२०	गोचरप्रकरण
४१७	३०६३	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी गोविन्द	”	१६०६	२७	सक्रांतिप्रकरण
४१८	३०६५	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	”	२०वीं श	३४	नक्षत्रप्रकरण। अपूर्ण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४१९	५८६	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८२८	६०	प्रमिताक्षरा टीका सं० १५२२ वाराणसी में रचित। भुजनगर में लिखित
४२०	५९२	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१८४२	२४६	प्रमिताक्षरा टीका देखो नं० ५८६
४२१	४१३	मुहूर्तचिन्तामणि उत्तरार्ध	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१९वीं श.	८१	विवाह प्रकरण से अन्त तक वाराणसी में शाके १५२२ मे रचित।
४२२	२६२७	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक पंचम प्रकरण		"	१९वीं श	४४	अपूर्ण
४२३	११६१	मुहूर्तदीपक	महादेव	"	१८८०	१२	
४२४	१४७	मुहूर्तदीपक व्याख्या सहित त्रिपाठ	"	"	१९वीं श	६३	
४२५	३१४८	मुहूर्तदीपक सटीक	"	"	१९००	२१	
४२६	६१६	मुहूर्तमार्तण्ड	नारायण	"	१९वीं श.	३१	शाके १४९३ में उदकटाग्राम मे रचित। मांडवि बिन्दर में लिखित।
४२७	३२२०	मुहूर्तमार्तण्ड	"	"	१७वीं श.	२५	शाके १४९३ में रचित
४२८	६५०	मुहूर्तमुक्तावली	हरि	"	१९वीं श.	११	नाडाप (य) ग्राम में रचित।
४२९	२५१५	मुहूर्तमुक्तावली		"	१८६३	३	
४३०	२५१६	मुहूर्तमुक्तावली	हरि	"	१८७०	८	कर्त्ता का निवास स्थान नापाठग्राम था
४३१	३१२२	मुहूर्तमुक्तावली	"	"	१९०२	८	
४३२	६२२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक	"	मू.सं.स्त. रा गू.	१९वीं श.	६	नाडायग्राम में रचित
४३३	६५६	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक	"	मू सं स्त. रा गू	१८८२	९	नाडायग्राम मे रचित। राधनपुर में लिखित।
४३४	२३७७ (२)	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक		मू.सं स्त रा.गू.	१९वीं श.	४६-६३	अपूर्ण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३५	२५२५	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक	मू० भास्कर	मू०सं० स्त०रा०	१६वीं श.	१०	
४३६	२५४२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक		मू० सं० स्त०रा०	१८७३	१४	अगस्तपुर में लिखित।
४३७	३२३५	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक		मू०सं० स्त०रा०	१८६५	५	राधणपुर में लिखित।
४३८	१७८४	मुहूर्तविचार सार्थ		मू०सं० स्त०रा०	१६वीं श.	१६	
४३९	२५७०	मुहूर्तसार सावचूरि पचपाठ		सं०	१६वीं श.	३	
४४०	३२६५	मुहूर्तानि		रा०गु०	१७वीं श.	१	
४४१	२८८३ (६४)	मूलनक्षत्रविचार आदि		,,	,,	१३१ वां	
४४२	२२०८	मेघवावनी	मेघराज	रा०	१८४६	२	अहिपुर नगर में लिखित रचना सं० १७२३
४४३	१७८६	मेघमाला		रा०गु०	१६वीं श.	५	गुटका
४४४	१७६८	मेघमालादि		सं०रा०	,,	३३	ज्योतिष सबन्धी अनेक विचार हैं अंत में कागपरीक्षा है
४४५	२५२२	मेघमाला सत्रस्तक		मू०सं० स्त.रा गु.	१७८६	२७	पत्र २६ वां अप्राप्त
४४६	६३०	मेघमाला सार्थ		मू०स० स्त.रा.गु.	१८वीं श.	१५	
४४७	१८६६ (३)	मेघावलीविचार		हि०	१६वीं श.	१–११	
४४८	६३६	यवनजातक		सं०	१८२०	३	मांडवी बन्दिर में लिखित।
४४९	६४३	यवनजातक		,,	१६वीं श	६	
४५०	६६६	यात्राभाव		,,	१८वीं श	१	
४५१	२८६३ (७६)	युद्ध वर्षादिविचार पद्य		रा०गु०	१७वीं श.	१४२ वां	
४५२	३२१०	योगफल		सं०	१६वीं श	२	
४५३	३८८१	योगयात्राटीका	उत्पलभट्ट	,,	१८२३	६८	मूलकर्ता वराह

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५४	६८०	योगाध्याय	भट्टकेदार	सं०	१८०१	१२	सिणधरी में लिखित रत्नदीपकगत
४५५	१३६७	योगाध्याय	गणपति		१८७४	११	ग्रथकारकृतरत्न प्रदीपकग्रंथान्तर्वर्ती। झुडा मे लिखित।
४५६	३८१२	योगिनीदशाफल			१८वीं श	६	
४५७	११२३ (८)	रघुवंशशाकुनावली			१७वीं श	५८-५६	
४५८	१७५७	रघुवंशशकुनावली		रा गुसं	१६वीं श	४	
४५६	२२६३	रत्नदीपक	गणपति	सं०	१८वीं श	१०	किंचित् अपूर्ण।
४६०	३४४१	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१८वीं श.	८	
४६१	३७०८	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१८२४	६	
४६२	३३७३	रमल	राम	"	१७वीं श.	६	पद्यरचना
४६३	३७१३	रमल	राम	"	१८६३	८	कृष्णगढ़ में लिखित
४६४	३७१६	रमल		"	१८८०	६	नाथारा मे लिखित
४६५	१७८०	रमलग्रन्थ		रा० गु०	१८८१	३०	जीर्णप्रति है। सांड वी विन्दर मे लिखित।
४६६	३७३१	रमलतन्त्रभाषा		रा०	१८६७	१५	पल्लि कापुरी मे लिखित।
४६७	३७२२	रमलतन्त्रभाषा गद्य		"	१६वीं श	१७	
४६८	३०३६	रमलप्रश्न		हि०	१८८७	५६	पत्र २, ३ तथा ८ वां अप्राप्त। अंत्य पुष्पिका-इति मुसललसानी भाषा कोरमल
४६६	३७१४	रमलप्रश्नतन्त्र	चिंतामणिपडित	सं०	१८८२	२५	नागपुर मे लिखित
४७०	३८	रमलप्रश्नसंग्रह		"	१६वीं श	१६	
४७१	१५७४	रमलशकुनविचार		रा०	१८७७	३	
४७२	६७१	रमलशाकुनावली		"	१८०१	४	
४७३	३५०४	रमलसार संग्रह		सं०	१८६१	५०	
४७४	३२६१	रश्मिकरणद्वादश भावफल		"	१८वीं श	५	
४७५	३२१८	रात्रि दिनसहमविधि		"	१६वीं श	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	१६	रामविनोद	रामचंद्र	संस्कृत	१६२२	३६	अर्गलपुरमें लिखित, पत्र १ से ६ नहीं है, अकबरशाह के महामात्य महाराजा रामदास की प्रेरणा से रचित।
४७७	२५६८	रामायण दोहा शकुनावली		प्र० हि०	२०वीं श	१	
४७८	२५३६	राहुविचार		रा० गु०	१९वीं श.	१	
४७९	३०८९	लग्नचन्द्रिका	काशीनाथ	सं०	१८८४	३४	
४८०	३४४२	लग्नचन्द्रिका	,,	,,	१७४६	१४	तडाग्राम में लिखित
४८१	२५६६	लग्नदोषावली		रा०	१८८१	३	
४८२	३४४६	लग्नपरीक्षा		स०	१७वीं श.	८	आरंभसिद्धिगत।
४८३	६८३	लघुजातक	वराह	,,	१८वीं श.	७	
४८४	१६६१	लघुजातक	,,	,,	१७वीं श.	६	
४८५	३१६७	लघुजातक	,,	,,	१८१६	१४	
४८६	३२५७	लघुजातक	,,	,,	१६वीं श	६	
४८७	२५२७	लघुजातक टीका	महेश्वर	,,	१७०५	२३	
४८८	६६३	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	,,	१८वीं श.	२२	शिष्यप्रियानामक टीका
४८९	३४४५	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	,,	१७वीं श.	२४	
४९०	५६३	लघुजातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	,,	१७२४	१७	
४९१	३७८१	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	,,	१८७५	२८	विक्रमपुर में लिखित
४९२	२००१	लघुजातक सटिप्पण	वराहमिहिर	,,	१६६६	६	जावालपुर मे लिखित
४९३	२५७१	लघुजातक सटिप्पण	उत्पलभट्ट	,,	१८२४	११	कृष्णगढ़ मे लिखित
४९४	२६६	लीलावतीगणित	भास्कराचार्य	,,	१८६४	४५	
४९५	६७८	लीलावतीगणित	,,	,,	१७४७	४५	भुजपुर में लिखित
४९६	१५५६	लीलावतीगणित	,,	,,	१५वीं श.	१३	
४९७	२५६५	लीलावतीगणित	,,	,,	१७१५	२२	
४९८	२०८८	लीलावतीगणित सटीक	,, गंगाधर	,,	१६६८	४८	
४९९	१८६४	लीलावतीगणित भाषा	मोहनमिश्र	ब्र० हि०	१६वीं श	३०	सं० १७१४ में रचित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५००	३५६४ (२)	लीलावती गणितभाषा पद्य	लालचन्द	रा०	१८६१	१ ३५	वगडीपुरवर में लिखित। सं० १७३६ में बीकानेर में रचित
५०१	३७१८	लीलावती गणितभाषा पद्य	"	रा०	१८४५	२१	सं० १७६१ में गुढा ग्राम में रचित। सरीयारीग्राम मे लिखित प्रस्तुत रचना बीकानेर में सं० १७३६ में ही हुई है। जो कि१८ पेज पर समाप्त हो जाती है। शेष तीन पेजों मे अक पाश प्रस्तारादि-गणित लीलावती लिखी गयी है । जिसका रचना काल सं० १७६१ तथा रचना स्थल गुढा ग्राम है।
५०२	३७२३	लीलावती गणित भाषा पद्य	"	रा०	१९वीं श	१५	सं० १७३६ मे बीकानेर मे रचित। संख्या ३७१८की रचना और प्रस्तुत रचना एक है प्रशस्ति में वैशिष्ट्य है
५०३	३५६७ (८)	लेखा		"	१९वीं श.	१०७-१०८	
५०४	६३१	वर्षफलगणितादि		सं.रा.गु	१८वीं श.	६	
५०५	३७८०	वर्षफलपद्धति (केशव कृत) टीका	विश्वनाथ	सं०	१८५५	१५	मीरीमहंकावती नगरी मे लिखित।
५०६	१९८२	वर्षफलप्रकरण	मणिस्था.?)चार्य	"	१७वीं श.	४	
५०७	१७५५	वर्षफल भडलीवाक्य शानसंवत्सरसमुद्रकल्पादि		रा०स०	१९वीं श.	१०२	गुटका
५०८	१७६१	वर्षवेसाडवाविधि तथा द्वादशभावफल		"	१९वीं श	२	
५०९	२८९३ (११०)	वर्षराजाफल आदि		सं.रा.गू.	१७वीं श	१६७वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५१०	३३३५	वसन्तराजशाकुनभाषा		रा०	१८५०	१७६	
५११	३४५१	वसन्तराजशाकुन	वसन्तराज	सं०	१६९६	८३	
५१२	६०	वसन्तराजशाकुनसटीक त्रिपाठ	वसन्तराज टी०भानुचन्द्र	”	१८२७	१८४	सवाईजयनगर में लिखित।
५१३	१५५८	वाराहीसंहिता	वराहमिहिर	”	१७६५	८५	
५१४	३७६९	विवाहदोष (पटल)		”	१९वीं श.	८	
५१५	२५१७	विवाहदोष गद्य		रा०	१९वीं श	६	
५१६	६००	विवाहपटल		सं०	१८वीं श	६	
५१७	६०७	विवाहपटल		”	१७५६	९	रायधनपुर में लिखित।
५१८	१९९८	विवाहपटल		”	१६७७	८	राणीवाड़ा मे लिखित
५१९	२५०३	विवाहपटल		”	१८९८	१५	
५२०	३२५०	विवाहपटल		”	१८०६	११	
५२१	३०७४	विवाहपटल		”	१९वीं श	१९	
५२२	३७१६	विवाहपटल		”	१८६६	२५	सोमत में लिखित।
५२३	३७५४	विवाहपटल		सं.रा.गू.	१८३४	१२	
५२४	३८१८ (१)	विवाहपटल		सं०	१८००	१से६	शुद्धदंती में लिखित
५२५	२५८०	विवाहपटल(षट्पंचाशिका)		”	१६८५	६	
५२६	६८२	विवाहपटल चौपाई	अभयकुशल	रा०गू०	१९वीं श.	६	
५२७	५६५	विवाहपटल (बालावबोध सहित)		मू.सं.बा. राज०गू०	१८वीं श	११	
५२८	३७३४	विवाहपटल बालावबोध सहित	वा०अमरसाधु सोमसुन्दरशिष्य	मू स.बा राज गू.	१८१९	३२	कंटालियाग्राम में लिखित।
५२९	३७६२	विवाहपटल भाषा पद्य	मतिकुशल	मू.मं.बा. राज गू	१८३०	४	
५३०	६९४	विवाहपटल सस्तवक		मू स.स्त. राज.गू.	१८११	२४	रापुर (कच्छवागड) में लिखित।
५३१	३६२०	विवाहपटल सस्तवक		मू०सं० स्त०रा०	१९वीं श	१३	
५३२	३६२४	विवाहपटल सस्तवक		मू०सं० स्त०रा०	” ”	१८	
५३३	३७५५	विवाहपटलसार्थ		मू०सं० अ०रा०	१८४९	१४	
५३४	३६७७	विवाहप्रकरण		सं०	१९वीं श	६	काशीनाथ कृत शीघ्रबोधान्तर्गत

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३५	६४६	विवाहवृन्दावन	केशवार्क	सं०	१७४३	१६	आवलियालाग्राम में लिखित।
५३६	२८६८	विवाहवृन्दावन सटीक	केशव (?)	"	१८३२	४०	पत्र १ से ६ अप्राप्त
५३७	२८६३ (१०५)	विविधमुहूर्तनक्षत्र विचार		रा०गू०	१७वीं श.	१६४-१६५	
५३८	३०५६	वृत्तशत	महेश्वर	सं०	१६वीं श	१८	
५३९	३१११	वृद्धयवनजातक	मीनराज	"	१६वीं श	२६६	अन्त्य २६७ व २६८ पत्र अप्राप्त।
५४०	११५३	वृद्धयावन		"	१७५१	५३	
५४१	१७६५	वृष्टिज्ञान		"	१६वीं श	१	
५४२	२५७८	शकुनविचारचक्रयुक्त		रा०	"	१	२ दिशा के शकुन
५४३	३५०६	शकुन सप्तक पद्य	तुलसीदास	व्र० हि०	"	२२	पत्र २०, २१ वा अप्राप्य।
५४४	२८६३ (५३)	शकुनावली		हि०	१७वीं श	६७-६८	
५४५	३५७५ (३४)	शकुनावली (पासाकेवली)		रा०गू०	२०वी श	१५४-१६३	
५४६	२८६३ (२८)	शात्रीदिनप्रहर मुहूर्त घड़ीसंख्या चौपाई		"	१७वीं श	६४ वां	
५४७	३७१५	शतसंवच्छरी		रा०	१८२७	१६	शतसंवच्छरी पूर्ण करके लेखक ने दश अवतार के कवित्त लिखे हैं।
५४८	१७५०	शतसंवच्छरी तथा भडलीवाक्य		रा०	१८६८	२२	
५४९	६०२	सतसंवच्छरी तथा राशिफल		रा० गू०	१७वीं श	१२	शतसंवत्सरी स.१७०१ से १७६६
५५०	३५६३ (६)	शनिचार		रा०	१८६१	३३-३४	वगड़ी ग्राम में लिखित।
५५१	१७७८	शनिपुत्तलकविचारादि		"	१८वीं श	२	भुजनगर मे लिखित।
५५२	११२५ (१)	शिवालिखित		सं०गू०	१८२७	१-४	गुटका।
५५३	२५४६	शिवालिखित		सं०	१६वीं श	१	
५५४	२५२५	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१७५०	१८	
५५५	२५२६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१६वीं श	३०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५५६	३७३६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	संस्कृत	१८३८	२७	बीदासर में लिखित
५५७	३८१४	शीघ्रबोध	,,	,,	१६वीं श.	२७	अंत्य दो पत्रों में द्वादशभावफल लिखा है
५५८	२५५७	शीघ्रबोध सार्थ	,,	सं.अ.रा.	१६००	५१	चूरूनगर में लिखित
५५६	३१२१	शीघ्रबोध सार्थ	,,	,,	१६वीं श.	८८	पत्र ७६वां अप्राप्त
५६०	२८६३ (१०७)	शुक्रास्तोदयविचार		सं.रा गु.	१७वीं श.	१६५वां	
५६१	२००६	श्रीपतिपद्धतिटिप्पणक		सं०	१७८७	३५	
५६२	२८६३ (८७)	श्वानचेष्टाविचार		रा०गु०	१७वीं श	१४३–१४४	१४३ वां पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है
५६३	२८६३ (७५)	श्वानशकुनविचार		,,	१७वीं श	१४०–१४१	
५६४	६५६	षट्पंचाशिका	पृथुयशा	सं०	१८४८	३	मांडवी में लिखित।
५६५	६७३	षट्पंचाशिका	,,	,,	१६वीं श.	४	
५६६	१२०६	षट्पंचाशिका	,,	,,	१७३२	७	
५६७	३७३८	षट्पंचाशिका	,,	,,	१७६१	१	
५६८	३८०६	षट्पंचाशिका	,,	,,	१७७०	२	
५६६	१७५१	षट्पंचाशिका सटीक	पृथुयशा टी० उत्पलभट्ट	,,	१६वीं श.	८	प्रथम पत्र अप्राप्त
५७०	२५६३	षट्पंचाशिका सटीक	पृथुयशा टी०उत्पलभट्ट	,,	१८४४	१५	
५७१	२५७६	षट्पंचाशिका सटीक	पृथुयशा टी०उत्पलभट्ट	,,	१७५४	६	
५७२	३४४७	षट्पंचाशिका सबालावबोध	पृथुयशा	सं०बा० रा०गु०	१८वीं श.	११	
५७३	३७३०	षट्पंचाशिका सार्थ		सं०अ० ब्र०हि०	१८४७	१०	लयां मे लिखित।
५७४	३८०७	षट्पंचाशिका सार्थ		सं०अ० रा०	१८४७	५	नागोरनगर मे लिखित।
५७५	३३७४	षट्पंचाशिका सावचूरि पंचपाठ		स०	१५वीं श	३	
५७६	३२५१	षड्बलवार्ता		गू०	१७७६	५	श्रीपति पद्धतिटीका के आधार से रचित पत्तननगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५७७	१७७६	षड्वर्गफल		सं०	१८२०	६	मांडवी वन्दिर में लिखित।
५७८	३१३७	षड्वर्गफल		"	१६वीं श	६	
५७६	३७७१	षड्वर्गफल		"	"	१०	हिल्लाजजातकगत
५८०	६०१	षष्टिसंवत्सरफल		रा० गू०	१८वीं श	१३	
५८१	६५४	षष्टिसंवत्सरफल		"	१८७१	१७	
५८२	१७७३	षोडशयोगवर्णन सटीक		सं०	१८८२	२०	भुजनगर में लिखित
५८३	३८०८	षोडशयोगविचार तथा गुरुचार		रा०	१६वीं श	६	नागौर मे लिखित।
५८४	६	सकेतकौमुदी	हरिनाथ भट्टाचार्य	सं०	१६२१	१४	
५८५	२५४३	संक्रान्तिफल		रा० गू०	१७५४	१	
५८६	३५०४	संक्रान्तिफल		स०	१६वीं श.	११	
५८७	३८०४	सक्रान्तिफल आदि		सं० रा०	१७३०	५	कुवडा ग्राम में लिखित।
५८८	२५४०	संक्रान्तिफल तथा पूनमविचार		रा० गू०	१६वीं श	२	
५८६	३२१७	सज्जनवल्लभ	भानुपंडित	सं०	१६१३	१४	वांकानेर में लिखित
५६०	२६२६	संज्ञाविवेकविवृति	माधव	"	१६वीं श	४४	अपूर्ण। नीलकठकृत ताजिकग्रंथ के संज्ञा-विवेक नामक प्रथम प्रकरण की टीका है।
५६१	३१६१	सन्तानदीपिका		"	१८०८	११	
५६२	११५५	समरसार	रामचन्द्र सोमयाजी	"	१८३६	६	
५६३	२१३	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	१६वीं श	४२	
५६४	३१३६	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	"	२६	ग्रन्थ का मुख्य विषय युद्धजयोपाय है टीकाकार मूल ग्रन्थकार का छोटा भाई है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५९५	२६२५	समाविवेक विवृति	माधव	सं०	१६वीं श	३३	अपूर्ण, नीलकंठकृत ताजिकग्रंथके समा-विवेक नामक द्वितीय प्रकरण की टीका है।
५९६	१४६६	सर्वार्थचिन्तामणि	वेंकटेशशिष्य	सं०	१६०३	१००	चुडा मे लिखित।
५९७	६३३	सहमफलस्पष्टाध्याय		रा०	१६वीं श	१	
५९८	३२३६	सहमानि		स० रा०	१७८४	२	
५९९	३२९४	सवत्सरसार		सं०	१८६२	२२	
६००	३१६६	संवत्सराद्यानयनविधि		"	१६वीं श	१३	
६०१	२५५६	साठसवच्छरदोहा		रा०	१६०६	१२	
६०२	२८३७	साठसवच्छरफल		"	१८६०	४५	
६०३	३५६४ (४)	साठसवच्छरफल		"	१८६१	१–२२	
६०४	५६१	साठसंवच्छरी		"	१७वीं श.	५	
६०५	१७५२	सामुद्रिक		स०	१७८५	६	
६०६	१६८१	सामुद्रिक		"	१८वीं श	५	
६०७	३२६०	सामुद्रिक		"	१७७३	५	
६०८	३८०५	सामुद्रिक		"	१६वीं श	६	
६०९	११३२	सामुद्रिक दोहा चौपाई	सुमतिसुम(?)	ब्र० हि०	"	१०	अजैलाप के विनोदार्थ रचना
६१०	६२३	सामुद्रिक भाषा पद्य		"	"	८	
६११	८४५	सामुद्रिक भाषा बंध		"	"	८	
६१२	२५७२	सामुद्रिक शास्त्र गद्य		रा०	१७७४	४	
६१३	२५६४	सामुद्रिक सबालावबोध		मू सं बा. रा० गु०	१६६८	१३	
६१४	३४५०	सामुद्रिक सबालावबोध		मू सं बा रा०गू०	१७वीं श	२३	
६१५	३४५३	सामुद्रिक सबालावबोध		मू स बा रा०गू०	१५३१	६	प्रथम पत्र अप्राप्य
६१६	१८८६	सामुद्रिक सार्थ		मू स अ. रा० गू०	१६वीं श	८१	गुटका। ७५ वां पत्र में सामुद्रिक पूर्ण होता है।
६१७	२५३२	सामुद्रिक सार्थ		मू स अ. रा० गु०	"	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६१८	३०१२	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ. रा० गू०	१७वीं श.	१५	
६१६	३५२७	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ. रा० गू०	१७८१	५	भुजनगर में लिखित।
६२०	३२८०	सारणी			१८वीं श.	१५०	
६२१	३२२६	सारसंग्रह	मुंजादित्य	सं०	१६०४	३०	राधनपुर में लिखित
६२२	१७६०	सारसंग्रह सबालावोध		मू.सं.वा. रा० गू०	१८११	२८	
६२३	३७०१	सारसंग्रह सार्थ	मू. महादेवभट्ट	मू सं.अ. रा०,गू०	१७६७	२५	धमड़कानगर मे लिखित।
६२४	१६६०	सारावली	कल्याण	स०	१७वीं श.	२	
६२५	३०५६	सारावली	कल्याण वर्मा	"	१६वीं श	८५	
६२६	१८६८ (५)	सावण	मालदेवजी	रा०	१७६३	१–१३	गुटका। (पर्वतसर में लिखित) इसके पांच पन्ने तो ठीक अवस्था मे है अन्तिम ८ पेज आपस में ऐसे चिपके हुए हैं जिन्हें खोल कर पढ़ना भी असम्भव है।
६२७	३७५१	साहाकाढणरा दूहा	मोतीराम	"	१६वीं श	३	सं. १८३२ मे रचित।
६२८	२६१३	सिद्धांतरहस्योदाहरण	विश्वनाथ	सं०	१८४८	७२	पत्र ७१वां अप्राप्त।
६२६	२६१०	सिद्धान्तशिरोमणि	भास्कराचार्य	"	१८६१	६०	पत्र ३,४ अप्राप्त
६३०	२६६	सिद्धान्तशिरोमणि (खेटकर्म ब्रह्मतुल्योदाहरण)	भास्कराचार्य	"	१६१५	१७	
६३१	२६३८	सिद्धांतशिरोमणिसटीक	भास्कराचार्य टी कृष्णदैवज्ञ	" "	१८वीं श	३२	अपूर्ण।
६३२	२६४०	सिद्धांतशिरोमणिसटीक	"	"	२०वीं श.	१३६	
६३३	२८६३ (१६)	सुभिक्षादिवर्णन पद्य		रा० गू०	१७वी श	१० वां	
६३४	८१४	सूक्ष्मारोदय (शिवस्वरोदय)	सार्थ	मू सं.अ. रा० गू०	१८८२	३३	भुजनगर में लिखित
६३५	१७६६	सूतिकाध्याय जातककुंडली विचार षड्वर्गविचार		सं०	१६वीं श	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३६	६३४	सूर्यचन्द्रपर्वाधिकार	भास्कर	सं०	१८वीं श	१	करणकेशरीगत
६३७	६२	सूर्यसिद्धांत		"	१६वीं श.	१८	
६३८	२८८३	सूर्यसिद्धान्त		"	शा.१६३६	२४	
६३९	३७११	सूर्यसिद्धान्त गोलाध्याय		"	१६१३	१६	श्रीउदयसिंघजीशासित चित्रकूट मे लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त
६४०	१७६३	स्त्रीकुंडलिकाविचार		रा०	१६वीं श	१	
६४१	२८६३ (७७)	स्त्रीगर्भनिर्णय		सं०	१७वीं श.	१४१ वां	
६४२	३५५०	स्त्रीजन्मकुंडलिकाफल		"	१६वीं श	११	
६४३	२५५२	स्त्रीजन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	"	१८५०	३	सं० १७५१ में वेलाकूल मे रचित
६४४	२५५१	स्त्रीजन्मपत्री फल		"	१६वीं श	३	
६४५	६०३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१७८६	१२	गूर्जरपत्तन में रचित प्रथम पत्र नहीं है।
६४६	६८६	स्त्रीजातक		"	१७वीं श	६	
६४७	१८५६	स्त्रीजातक	विश्वनाथ	"	१७६७	८	सवाई जयपुरमे लिखित
६४८	३७४८	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१८७६	३७	ग्रन्थकार गूर्जरपत्तन निवासी थे।
६४९	३७६३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१६वीं श	१२	ग्रंथकार का निवास स्थान गुर्जरपत्तन था। पत्र ८ वां में प्रकरण पूर्ण होने के बाद लेखक ने स्त्री कुडलिका विषयक काव्य लिखे हैं
६५०	३७६४	स्त्रीजातक सटीक		"	१८४८	१०	चमत्कार चिन्तामण्यन्तर्गत। सरीयारी मे लिखित।
६५१	३७६४	स्त्रीजातक सार्थ		मू०स० अ०रा०	१८५२	१६	
६५२	३२	स्वप्नाध्याय		सं०	१८वीं श	४	प्रकरणकर्ता हरिदास का शिष्य व पुत्र होगा, अन्त्य पृष्ठ खराब होने से अस्पष्ट है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६५३	३०११	स्वप्नाध्याय		सं०	१६वीं श.	१	
६५४	३१८६	स्वप्नाध्याय		"	१७६०	५	
६५५	१५४७	स्वरोदय (नरपतिजयचर्या)		"	१८८०	४६	
६५६	१७५६	स्वरोदय	चरनदास	व्र०हि०	१६०२	१४	भुजनगर में लिखित कर्ता का नाम रनजीत था, उनके गुरु सुखदेवजी ने बदल कर चरनदास रखा सं० १६०७ में रचित
६५७	२५१०	स्वरोदय	चिदानंद	रा०	१६११	२१	
६५८	३०८६	स्वरोदय		सं०	१८वीं श.	६	
६५६	३०२६	स्वरोदय भाषा पद्य	चरनदास	व्र०हि०	१६वीं श	८	
६६०	३७०२	स्वरोदयशास्त्र	जीवनाथ	सं०	१७वीं श	१३	
६६१	२५४८	हस्तरेखा चित्र		रा०गु०	१६वीं श.	१	
६६२	१७४८	हंसचक्र		सं०	१६वीं श	२	
६६३	२६३०	हायनरत्नटीका	बलभद्र	"	१६वीं श.	११०	अपूर्ण। पत्र १, १५ से २० तथा ५८ वां अप्राप्त।
६६४	३०४०	हिल्लाजताजिक		"	१६०८	२४	
६६५	६८५	होराप्रदीप सार्थ		मू.सं.अ. रा गु.	१६वीं श.	५	
६६६	३२२१	होराप्रदीपक सार्थ		मू सं अ. रा.गु.	१८६२	१०	
६६७	१७५८	होलीविचार कार्तिक शुक्ला ५ विचारादि		व्र.हि.गु.	१६वीं श.	१	

(१३) छंद-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	५६६	अनुप्रासकथन		व्रज हि०	१६वीं श.	२	
२	५७६	अनुप्रासकथन		,, ,,	,, ,,	७	
३	५८१	अष्टगणविचार		,, ,,	,, ,,	३	
४	२८६३ (२३)	गणविचारचोपाई	हीरकलश	राज०	,, ,,	१३ वां	
५	२४५६	गणसिद्धिप्रकार		संस्कृत	,, ,,	३	अपूर्ण
६	२४५६	गाथालक्षण सटीक		मू० प्रा० टी० सं०	१७वीं श.	८	अपूर्ण
७	५७८	छंदरतनमाला	कविभोलानाथ भट्ट	व्र० हि०	१६वीं श.	१	
८	५८०	छंदशृंगार	महासिंघ सेवग	,, ,,	१८७६	२०	सं० १८५५ में मेरता में रचित।
९	२४६०	छंदसूची पद्य	साधुराम	,, ,,	१८६७	४	कृष्णगढ़ में लिखित।
१०	५७१	छंद कोश	रत्नशेखर	प्राकृत	१८वीं श	७	
११	१६७३	छंदःकोश		,,	१५५४	८	
१२	३६५८	पिंगल		अपभ्रंश	१८वीं श.	३६	नागडी ग्राम में लिखित।
१३	२४५७	पिंगलग्रन्थ	सूरत	व्रज हि०	१९०२	२७	कृष्णगढ़ में लिखित।
१४	५७६ (१)	पिंगलभाषाजन्मपत्रिका पद्य आदि		,, ,,	१८२६	६-८	गूढा में लिखित।
१५	२३६४ (१)	पिंगल सटीक		राज०	१६वीं श.	४७	
१६	८८६	रघुनाथरूपक	मंछाराम सेवक	,,	१६वीं श.	७६	सं० १८६७ में जोधपुर में रचित।
१७	२३६४ (२)	रूपदीपक पिंगलभाषा	भवानीदास पुष्करणा	रा० गू० व्रज हि०	१८५८	७	रचना स० १७७६

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८	५७६ (१)	रूपदीपक	जैकिसन	ब्र०हि०	१८२६	१-५	सं० १७०६ में रचित गूढा में लिखित।
१९	२४५८	रूपदीपपिंगल		”	१९७३	६	सं० १७७६ में रचित
२०	५७४	वर्णपताकामेरुविधि		”	१८वीं श.	८	
२१	५८४	वर्णपताकामेरुविधि		”	१९वीं श.	८	
२२	११७० (१)	वृत्तचन्द्रिका	गदाधर	ब्रज०	” ”	१५	
२३	५८३	वृत्तमौक्तिक	चन्द्रशेखर कवि	संस्कृत	१७वीं श	१०	
२४	५७२	वृत्तरत्नाकर	भट्टकेदार	”	१८वीं श.	१२	
२५	५७५	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८३६	१२	
२६	१७३१	वृत्तरत्नाकर	”	”	७वीं श.	८	
२७	१९७२	वृत्तरत्नाकर	”	”	१५वीं श.	५	
२८	१९७४	वृत्तरत्नाकर	”	”	१९६१	१०	
२९	२४५४	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८१२	६	रिणी में लिखित।
३०	२४५५	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८वीं श.	११	
३१	२४६८ (१)	वृत्त त्नाकर	”	”	१७वीं श.	१-७	
३२	५८२	वृत्तरत्नाकर टीका	सोमचन्द्र	”	” ”	२७	
३३	३४०२	वृत्तरत्नाकर टीका	”	”	” ”	२१	रचना सं० १३२९ (?)
३४	३६५४	वृत्तरत्नाकर टीका	”	”	” ”	२४	
३५	३६५७	वृत्तरत्नाकर टीका	”	”	१८वीं श	३८	सं० १३२९ में रचित
३६	३००४	वृत्तरत्नाकर सटिप्पण	केदारभट्ट	”	१५वीं श	५	
३७	५६८	वृत्तरत्नाकर सटीक त्रिपाठ	मू० भट्टकेदार टी० समयसुन्दर	”	१८३१	१८	सं० १६९४ मे रचित
३८	१९७९	वृत्तरत्नाकर सटीक	समयसुन्दर	”	१९९६	३५	टीका रचना संवत् १६९४ जालोर में।
३९	३६५३	वृत्तरत्नाकर सटीक	”	”	९वीं श.	३१	
४०	३६५६	वृत्तरत्नावली	चिरंजीव	”	१८१९	८	यशवंतसिह नृपति के विनोदार्थ रचित मकसूदाबाद में लिखित।
४१	५७०	श्रुतबोध	कालिदास	”	१९वीं श.	२	भुजनगर में लिखित
४२	५७३	श्रुतबोध	”	”	” ”	३०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	१६७५	श्रुतबोध	कालीदास	संस्कृत	१७वीं श.	३	
४४	१६७६	श्रुतबोध	"	"	" "	२	
४५	३००३	श्रुतबोध टीका		"	१८वीं श.	१	कालीदास रचित श्रुतबोध की टीका।
४६	१६७७	श्रुतबोध सटीक	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१८५८	८	आडिसरनगर में लिखित।
४७	२४५२	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१७वीं श.	५	माणिक्यमल्ल क्षिति-पाल के सन्तोषार्थ टीका रचना।
४८	२४५३	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी० हंसराज मुनि	"	१८वीं श.	८	
४९	३६५५	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी मनोहरशर्मा	"	१८२५	७	अजयदुर्ग में लिखित
५०	१६७८	श्रुतबोध बालावबोध सहित त्रिपाठ	मू० कालीदास बा० नेत्रसिंह	"	१७३४	६	मेडता में लिखित।
५१	५७७	श्रुतबोध सार्थ त्रिपाठ	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१८५८	६	रापुर रायपुर (कच्छ-वागड) में लिखित

(१४) संगीत-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५५७ (५)	रागमाला		ब्रज हिन्दी	१७६१	७३–७४	
२	२८३२ (७)	रागविलास		,,	१७७४	६८–१०२	गुटका
३	८४७	रागसागर (गद्य)		राज०	१६वीं श	६	
४	७५२८	सगीत रत्नाकर चतुर्थाध्याय	शार्ङ्गदेव	संस्कृत	,, ,,	२१	
५	२६५४	संगीतराज (फोटोकापी)	कुम्भकर्ण	,,	१६वीं श.	प्लेट ५०८	दो विभाग हैं। पहले विभाग की प्लेट २२० और दूसरे विभाग की प्लेट २८८ एवं कुल ५०८ प्लेट हैं।

(१५) कामशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७३७	अनंगरंग	कल्याण	सं०	१७०१	६	
२	१८७६ (४)	अनंगरंग		"	१८वीं श.	१४२–१५३	अपूर्ण गुटका
३	७३६	कामसमूह		"	"	२३	पत्र १, २ नहीं है ।
४	५२	कामसूत्र	वात्स्यायन	"	२०वीं श	३३	अपूर्ण प्रति है पत्र २५ वां अप्राप्त ।
५	२३७६	कामसूत्र सटीक	वात्स्यायन	"	१६४५	२०४	टीका जयमंगला–नामक
६	७४०	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज	१८वीं श	६	
७	२२६८	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि	१६वीं श	१०	वालिम में लिखित
८	१८६८ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि	१७६१	१–१८	गुटका पर्वतसर में लिखित ।
६	३५६० (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	१७६५	१–१८	
१०	१८११	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि	१६वीं श	६	
११	१६०२ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि	"	१–४७	
१२	१८३८	कोकसार चौपई सस्तबक	मू आनन्दकवि	ब्रज हि	१६००	६१	गुटका
१३	७३६	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज. गू	१६१२	११	
१४	७३८	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज. गू	१८१४	१२	
१५	१८३४	कोकशास्त्र	नरबद	राज. गू	१८वीं श	५	मात्र १०वां प्रकार।
१६	१८३३	रतिप्रमोद	जगन्नाथ	राज	१८५७	२२	सं० १८२२ में जैसलमेर में रचित

(१६) काव्य नाटक चम्पू

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१८८०	अभिज्ञानशाकुन्तल	कालीदास	संस्कृत	१९वीं श.	२६	तृतीयांक पर्यन्त, खण्डित प्रति।
२	३३१६	अभिज्ञान शाकुन्तल	,,	,,	१७२७	३७	
३	६८	अर्थरत्नावली (अष्टलक्षार्थी) टीका	समय सुन्दर	,,	१६६३	४३	"राजानोद्ददते सौख्यम्" इस चरण के आठ लाख अर्थ हैं।
४	२३७६ (७)	अष्टपदी	जयदेव	,,	२०वीं श.	१से१२	गीत गोविन्दगत।
५	४३	आनन्दवृन्दावन चम्पू सटीक त्रिपाठ	मूल कर्णपूर टीका (?)	,,	१९१२	४८९	टीकानाम आनन्द-वर्तिनी, सुखवर्तिनी
६	११४५	ऋतुसंहार	कालीदास	,,	१८५७	३७	
७	८०४	कमला भारती संवाद	मधुसूदन भट्ट	,,	१९वीं श.	२	
८	१९४८	कर्पूरमंजरीनाटिका	राजशेखर	प्राकृत	१६५३	८	
९	२९७२	कर्पूरमंजरीनाटिका टीका		संस्कृत	१६३५	१०	
१०	२९८८	कादंबरी पूर्व खण्ड	वाणकवि	,,	१७वीं श.	८५	
११	१८३९ (१)	कान्हगुजरीझगड़ा		ब्र०	१८३०	२-८	आद्य पत्र १ अप्राप्त गुटका
१२	४८८	किरातार्जुनीयकाव्य	भारवि	संस्कृत	१७०४	६०	अन्त्यपत्र सुशोभन है। सूरतिबिंदर मे लिखित।
१३	५०८	किरातार्जुनीयकाव्य	,,	,,	१८१६	८०	भुजङ्गंग में लिखित
१४	१८५४	किरातार्जुनीयकाव्य	,,	,,	१७८८	८३	
१५	१९७१	किरातार्जुनीयमहाकाव्य	,,	,,	१७८९	५४	
१६	२८७२	किरातार्जुनीयकाव्य	,,	,,	१८२६	५७	वलाहूवपुर मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	३४०४	किरातार्जुनीयकाव्य	भारवि	सं०	१६वीं श.	४४	प्रथम पत्र अप्राप्त
१८	१६५३	किरातार्जुनीयकाव्य टीका	मल्लिनाथ	"	१७३१	२१२	पत्र १से७ अप्राप्त श्रीमत्कर्णी में लिखित
१९	३५४२	किरातार्जुनीयपंचदशम सर्ग टीका	प्रकाशवर्ष	"	१७वीं श.	१३	
२०	३४०५	किरातार्जुनीयलघुटीका		"	१७२८	१२५	
२१	२६७८	किरातार्जुनीयलघुटीका सहित त्रिपाठ	भारवि	"	१६१६	१००	दंतीपाटक में लिखित।
२२	४८३	किरातार्जुनीयकाव्य सटिप्पण	भारवि	"	१५६६	५३	आसलकोटनगर में लिखित।
२३	११५२	कुतुबशात		रा०	१५७०		
२४	१५४५	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	सं०	१४८२	१७५	
२५	४७६	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	"	१४६२	११६	
२६	१६४६	कुमारविहारशतक	रामचन्द्र	"	१६वीं श.	५	
२७	१६४२	कुमारविहारशतक		"	१८वीं श	१३	
२८	२४८४	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७२३	२४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
२९	२८७५	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१८२७	२७	वी (वी) क्रमपुर में लिखित।
३०	१५२७	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१५३०	३०	अष्टमसर्ग पर्यन्त
३१	१५२६	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१५२६	६३	जीर्णप्रति
३२	५१४	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७वीं श	५४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३३	४६५	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७५२	१७	सप्तमसर्ग पर्यन्त अनूपपुरा में लिखित
३४	२८२	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१४३१	६३	अष्टमसर्ग पर्यन्त। पुष्पिका 'स्वस्ति सं. १४३१ वर्षे द्वितीय श्रावण शुदि १४ शुक्रे अद्ये हमूंदरडीग्रामे राजश्रील्लप्रतिप्रतौ मेदपाटज्ञातीयपं राउल-सुत पं राववेणकुमार। सभवकाव्यपुस्तको लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३५	२७१	कुमारसम्भव काव्य टीका	मल्लिनाथ	संस्कृत	१८वीं श.	७०	सप्तम सर्ग पर्यन्त पत्र १४ वां अप्राप्त
३६	१६५४	कुमारसभव काव्यटीका	,,	,,	१६१२	१२०	सप्तम सर्ग पर्यन्त देलवाडा मे लिखित
३७	३६३३	कुमारसंभव काव्यटीका		,,	१८वीं श	४३	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३८	५०७	कुमारसभव काव्यटीका	चारित्रवर्धन	,,	१८०५	३८	प्रथम पत्र अप्राप्त रचना सं० १८०५ अरडकमल्ल की प्रार्थना से टीका रचना।
३९	३३५८	कुमारसभव काव्य लघु टीका सहित त्रिपाठ	मू०कालीदास	,,	१९वीं श.	७६	अष्टम सर्ग पर्यन्त
४०	४०७	कुमारसभव काव्य सटीक त्रिपाठ	,,	,,	१६६०	६७	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४१	२६७७	कुमारसंभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास टी०मल्लिनाथ	,,	१७१२	३६	सप्तमसर्ग पर्यन्त पट्टभेद नगर में लिखित।
४२	२६७६	कुमारसंभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास	,,	१६वीं श.	३०	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४३	३३६०	कुमारसंभव काव्य सावचूरि द्विपाठ	मू०कालीदास	,,	१७वीं श	४६	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४४	३३६४	कुमारसभवाष्टमसर्ग सावचूरि पचपाठ	,,	,,	१६वीं श.	८	
४५	८८	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज (पीथल)	व्रज	१९वीं श.	१५	
४६	६१४	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज (पीथल)	,,	१७५०	२०	रचना स० १६३७ भुज मे लिखित
४७	८६७	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज	,,	१८६७	३४	
४८	१८३५	कृष्णरुक्मणीवेली पद्य टीका सहित	पृथ्वीराज (पीथल) टी० गोपाललाहौरी	,,	१८वीं श	२०	मूल रचना सवत् १६३८ (?) पद्य रचना सं० १६४४।
४९	३७४३	कृष्णरुक्मणीवेली पद्यवालावबोधसहित	मू०पृथीराज वा०जयकीर्ति	मू०व्रज वा०राज०	१७६८	३५	मूल रचना सवत् १६३८ सं० १६८६ में बीकानेर में बालावबोध रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५०	३६४२	कृष्णरुक्मणीवेली बालावबोधसहित	पृथ्वीराजकल्याणमलोत, बा. शिवनिधान	मू. ब्र. बा. रा.	१७३८	८१	मू. रचना सं. १६३७ बाला. र. स. १६४४ (?)
५१	३५५७ (२)	कृष्णरुक्मणीवेली सटीक	मू पृथ्वीराज कल्याणमलोत	राज०	१७६१	१–६६	जोधपुर में लिखित। मू रचना सं १६३८
५२	३५४८ (४)	कृष्णरुक्मणीवेली सबालाबोध	मू. पृथ्वीराज बा. जयकीर्ति	मू. ब्र.हि. बा. रा.	१८वीं श.	१–७३	सं० १६८६ मे बीकानेर मे बालावबोध रचना। पेजलदी तिमरी में लिखित।
५३	२०६६	कृष्णरुक्मणीवेली सस्तवक	मू पृथ्वीराज (पीथल) स्त. शिवनिधान	मू रा.	१७६६	३३	न्यग्रोधनगर मे लिखित। मू. रचना सं० १६३८।
५४	१८६८ (१४)	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	पृथ्वीराज (पीथल) कल्याणमलोत	मू ब्र. अ. रा.	१७६२	१–६७	गुटका। अद्रिशार मे लिखित।
५५	२०७०	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	मू. पृथ्वीराज (पीथल)	मू. ब्र. अ. रा.	१७२२	४६	चहूआण श्री राजसीजी के शासन में सोहीगांम में लिखित। स. १६३८ में रचित।
५६	२४७४	खण्डप्रशस्ति सटिप्पण		सं०	१७वीं श	१२	
५७	२८७७	खण्डप्रशस्ति (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ	टी. गुणविनय	”	१६७२	२६	सं. १६७१ में टीका रचना।
५८	१८७०	गीतगोविन्द	जयदेव	”	१६वीं श	११५	गुटका।
५९	१६०१	गीतगोविन्द	जयदेव	”	१६वीं श	५८	
६०	२८५८	गीतगोविन्द	जयदेव	”	१६वीं श	४६	पत्र २३ वां तथा २७ वां अप्राप्त।
६१	३०७६	गीतगोविन्द सटीक त्रिपाठ	मू जयदेव	”			
६२	२३६२ (१)	गीतगोविन्द सार्थ	मू. जयदेव	स अ.रा	१८२८	५४	गुटका। रूपनगर में लिखित पत्र ३५ से ४१ तक नष्ट।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३	६०८	गीतगोविन्द बालावबोधसहित	मू. जयदेव	मू सं.बा. रा०गु०	१८वीं श.	२६	
६४	१७०२	घटखर्परकाव्य सटीक		सं०	१८७५	७	
६५	२४६६	घटखर्परकाव्य सटीक त्रिपाठ		”	१७वीं श	२	
६६	३४११	घटखर्परकाव्य सटीक	मू कालीदास टी शंकरसूरि	”	१८वीं श	४	
६७	३४१९	घटखर्परकाव्य सटीक	मू कालीदास	”	१७वीं श	६	
६८	२३६२ (१०)	जगनबत्तीसी	जगन पुष्करणा	ब्र० हि०	१७७९ (४)	८	राजाराम रघुवीर की बत्तीसी
६९	१५३१	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	सं०	१५१८	८५	
७०	१९६४	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	”	१६वीं श	७५	
७१	१९६५	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	”	१४६१	५५	शोधित प्रति है।
७२	१९६२	दशावतारवर्णन (खण्ड प्रशस्ति (?)		”	१७वीं श	१०	सिरोही में लिखित।
७३	२१६१	दुगोलीगांवरी गजल	अर्जुनचन्द्र	०	१९३४	५	रचना सं. १९२९
७४	२४६७	दुर्घटकाव्य सटीक		सं०	१७७६	१३	अहम्मदपुर में लिखित।
७५	३२८७	दुर्घटकाव्य (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ		”	१८८६	५	
७६	२९७०	दूतागद नाटक	सुभट	”	१५वीं श	४	
७७	३२०९	दूतांगद नाटक	सुभट कवि	”	१७वीं श	४	
७८	३६३७	दूतागद नाटक	सुभट कवि	”	१८५०	६	नागपुर में लिखित।
७९	२३९७ (४)	नखशिख वर्णन	केशवदास	ब्र०हि०	१९वीं श	९०–१०६	
८०	३९८४	नखशिख वर्णन सार्थ	मू. केशवदास	मू ब्र हि. अ रा	१७५९	२३	रसिकप्रियान्तर्गत बालोत्तरानगर में लिखित।
८१	२९८७	नलोदय		सं०	१५२८	७	
८२	३०८३	नवरत्नकाव्य		”	१९वीं श	२	
८३	३५९९ (३)	नवरसकाव्य	नारायणदास भरुची	गू०	१७वीं श	८–२६	
८४	२५०६	नगराजशतक	नागराज	सं०	१६वीं श	११	
८५	१८८६ (१४)	नीतिमंजरी	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	१९वीं श.	६३–३३	भर्तृहरिनीतिशतक पर भाषा काव्य।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६	२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	श्रीहर्ष	संस्कृत	१६वीं श.	५५	सप्तम सर्ग पर्यन्त
८७	४०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	”	”	१६वीं श.	७८	अन्त्य पत्र (७९वां) अप्राप्त।
८८	१५२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	”	”	१५१६	१८५	
८९	१६३७	नैषधीयचरितमहा-काव्य	”	”	१५वीं श	१४५	सर्ग १५ पर्यन्त १६वां अपूर्ण
९०	१६८२	नैषधीयचरितमहा-काव्य प्रथम सर्ग टीका	नारायण	”	१८४७	६२	भृगुपुर मे लिखित।
९१	१५३६	नैषधीयचरित सटिप्पण	श्रीहर्ष कवि	”	१५०१	१३७	वीरपुर मे लिखित।
९२	३६०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	मू० श्रीहर्ष	”	१६वीं श.	१८	
९३	३६१०	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक द्वितीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१६वीं श	१६	
९४	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक तृतीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	” ”	२१	
९५	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक त्रिपाठ चतुर्थ सर्ग	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१८८८	१५	भट्टपुर में लिखित।
९६	३६१३	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक पंचम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१८८८	२२	
९७	३६१४	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक षष्ठ सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१८८९	१८	
९८	३६१५	नैषधीयचरितमहा-काव्य सप्तम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१६वीं श.	१६	
९९	३६१६	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक अष्टम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	”	१६वीं श	२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१००	३६१७	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक नवम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	संस्कृत	१८८८	४०	
१०१	३६१८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक दशम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१८८८	३२	
१०२	३६१९	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक एकादश सग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	२८	
१०३	३६२०	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक द्वादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० ना ायण	„	१९वीं श	२५	
१०४	३६२१	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक त्रयोदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	१८	
१०५	३६२२	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक चतुर्दश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	१६	
१०६	३६२३	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक पंचदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	१६	
१०७	३६२४	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक षोडश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१८८६	२३	
१०८	३६२५	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक सप्तदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श	३७	
१०९	३६२६	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक अष्टादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	२४	
११०	३६२७	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक एकोनविंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	„	१९वीं श.	१८	

अनंत चराचर गुरुः श्रीनारायणः प्रीयतां ॥ ग्रंथ संख्या ॥ ८९८४ ॥ अनंतपर्वसमा
प्ते विख्याति ॥ न अश्वायमाश्वः श्लोकाः ॥ ततोऽब्रवीन्मयः पार्थं वासुदेवश्च सांजलि [illegible]
प्रांजलिः [illegible] याचाचा [illegible] यिचा पुनः पुनः ॥ शिवमस्तु सर्वजगतः परहित [illegible]
रता भवंतु भूतगणाः ॥ दोषाः प्रयांतु नाशं सर्वत्र सुखी भवतु लोकः ॥ अज्ञाना [illegible]
णः संतु [illegible] सं [illegible] प्रधनाः [illegible] संतु संतोजीवंत्वस्ते ततं ॥ स्वस्ति [illegible]
वत् १५०५ वर्षे शाके १३७० प्रवर्त्तमाने दक्षिणायने शिशिरऋतौ महामांगल्य [illegible]
सहस्रे मासि शुदि पाक्षे प्रतिपतिथौ गुरुवासरे [illegible] नेषधमु [illegible] वसता [illegible]
शांतिसरोजिनी विकस्वतो ज्योति श्री जयशर्मणः [illegible] कर्मलोकनाथ [illegible]
[illegible] तथा [illegible] शिष्य [illegible] वाचनार्थं ॥ तथा [illegible] दिनो दाय श्रीमहाभा
रतीयं आदिमं [illegible] लिखितं लिलिख ॥ चिरं नंदतु [illegible] प्रसादात् ॥ श्री ॥ श्री ॥

ग्रन्थ सख्या ४२६ ।

महाभारत
विक्रम सवत् १५०५ मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१११	३६२८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक त्रिशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी. नारायण	सं०	१६वीं श.	२०	
११२	३६२६	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक विंशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी नारायण	"	१८८६	३१	
११३	३६३०	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक द्वाविंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्री हर्ष नारायण	"	"	२७	
११४	१६२८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सावचूरि पचपाठ	मू. श्री हर्ष	"	१६६७	१००	सुशोधित प्रति।
११५	८६	पउमचरियं	विमलसूरि	प्रा०	१६वीं श	२५३	प्रथम और अन्त्य पत्र नव्य लिखा है।
११६	१६४३	पद्मानन्दकाव्य	अमरचन्द्रसूरि	सं०	१८वीं श.	७	अष्टमसर्गमात्र
११७	४७६	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	१७वीं श	६	
११८	२६७३	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	"	७	
११९	३३१३	प्रबोधचन्द्रोदयनाटक सटीक त्रिपाठ	मू. कृष्णमिश्र टी रामदास दीक्षित	" " "	१६६०	७०	हरिपुर में लिखित
१२०	१६५२	बाल भारत	अमरचन्द्र	"	१७वीं श	२११	
१२१	१६६६	बालरामायणोद्धार		"	१६वीं श.	२	
१२२	२१६२	बिहारीसतयासार सिंगाररसपुंजसतक		ब्र. हि.	१६३३	५	
१२३	२३४	महानाटक	हनुमत्कवि	सं०	१७२६	७	
१२४	२६४६	महानाटक	हनुमत्कवि	"	१६वीं श	६६	अपूर्ण। पत्र १, २ अप्राप्त।
१२५	३५०२	महानाटक सटीक	हनुमत् टी० मोहनदास मिश्र	"	"	१५६	पत्र २६ वां अप्राप्त
१२६	६८	महाभारत (हरिवंश)	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	४१	कैलाशयात्रा
१२७	१०६	महाभारत अश्वमेधपर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	"	१२८	
१२८	४२६	महाभारत आदिपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१५०५	३३४	पत्र १ से २६ अप्राप्त नैषधपुर मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	१०७	महाभारत आश्रम-वासिकपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१८२६	२५	
१३०	१०२	महाभारत ऐषिक पर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	१०	
१३१	१०१	महाभारत गदापर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१८००	६६	
१३२	१०६	महाभारत प्रास्थानिक पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	४	
१३३	१०८	महाभारत मौशल पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	७	
१३४	१८८८	महाभारत विराट् पर्व	शिवदास	ब्र०हि०	१६वीं श	१६	अपूर्ण
१३५	७४१	महाभारत शान्ति पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	सं०	१६वीं श.	१३७	अपूर्ण
१३६	१००	महाभारत शान्ति पर्व (राजधर्म आपद्धर्म) सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	२४०	
१३७	१०५	महाभारत शान्ति पर्व सटीक (मोक्षधर्म)	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	४३३	
१३८	६७	महाभारत सटीक (हरिवंश)	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	५३५	
१३६	६६	महाभारत सटीक आनुशासनिक पर्व (दानधर्म)	कृष्णद्वैपायन व्यास टी० नीलकंठ	,,	१६वीं श.	३११	
१४०	१८८७ (१४)	महाभारत सटीक त्रिपाठ अश्वमेध पर्व	,, ,,	,,	१६वीं श.	६५	पत्र १०वां अप्राप्त
१४१	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्ति पर्व आपद्धर्म	,, ,,	,,	१६वीं श.	६५	
१४२	१८८७ (२०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आरण्यधर्म (वनपर्व)	,, ,,	,,	१६वीं श	४३८	पत्र १ से १०१ अप्राप्त।
१४३	१८८७ (१०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आश्रमवासिक पर्व	,, ,,	,,	१८वीं श	२८	
१४४	१८८७ (३)	महाभारत सटीक त्रिपाठ उद्योगपर्व	,, ,,	,,	१७६०	३०४	पत्र १५१ से २०६ अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४५	१६७४	महाभारत उद्योगपर्व अपूर्ण	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१७वीं श.	७०से१३३	
१४६	१८८७ (८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ ऐषिकपर्व	मू. कृष्णद्वैपायन टी० नीलकंठ	,,	१७९०	८	
१४७	१८८७ (५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ कर्णपर्व	मू. कृष्णद्वैपायन टी० नीलकंठ	,,	१७८६	१२६	
१४८	१८८७ (७)	महाभारत सटीक त्रिपाठ गदापर्व	मू. कृष्णद्वैपायन टी० नीलकठ	,,	१७९१	५४	
१४९	१८८७ (४)	महाभारत सटीक द्रोणपर्व	,,	,,	१७९१	२७५	
१५०	१८८७ (६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ मौशलपर्व	,,	,,	१८वीं श.	११	
१५१	१८८७ (२)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विराट्पर्व	,,	,,	१८वीं श.	७६	
१५२	१८८७ (१३)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विशोकपर्व	,,	,,	१९वीं श.	५	
१५३	१८८७ (६)	महाभारत सटीक शल्यपर्व	,,	,,	१७९०	४५	
१५४	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व–दानधर्म	,,	,,	१९वीं श.	१००	अपूर्ण
१५५	१८८७ (१७)	महाभारत सटीक शान्तिपर्व-मोक्षधर्म पूर्वार्द्ध	,,	,,	१९वीं श.	३००	
१५६	१८८७ (१८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व मोक्ष-धर्म उत्तरार्द्ध	,,	,,	१९वीं श	३०१से ५७३	
१५७	१८८७ (१५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व राजधर्म	,,	,,	१९वीं श.	२१०	पत्र १७९वा अप्राप्त
१५८	१८८७ (१)	महाभारत सटीक त्रिपाठ सभापर्व	,,	,,	१८वीं श	१२४	अन्त्य १२५ वा पत्र अप्राप्त।
१५९	१८८७ (१३)	महाभारत सटीक सौप्तिकपर्व	,,	,,	१८०८	२०	
१६०	१८८७ (११)	महाभारत सटीक स्त्रीपर्व	,,	,,	१८वीं श	२०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र सख्या	विशेष
१६१	४२७	महाभारत सभापर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१६"५ (१५५५)?	१०६	सानन्द ग्राम में लिखित।
१६२	१०३	महाभारत सौप्तिकपर्व सटीक	मू कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	२१	
१६३	१०४	महाभारत स्त्रीपर्व	"	"	"	२०	
१६४	११०	महाभारत स्वर्गारोहण पर्व	"	"	"	१५०	
१६५	२६७४	मुरारिनाटकटिप्पण		"	१५वीं श	३३	
१६६	४७८	मेघदूत	कालीदास	"	१६५१	१७	
१६७	५००	मेघदूत	कालीदास	"	१६वीं श.	१०	
१६८	५०१	मेघदूत	कालीदास	"	१८६२	१७	मांडवी बिन्दर में लिखित।
१६९	१६४५	मेघदूत	कालीदास	"	१६२८	६	
१७०	२४७३	मेघदूत	कालीदास	"	१८४३	६	
१७१	२८७४	मेघदूत	कालीदास	"	१८५३	१३	
१७२	२६८४	मेघदूत	कालीदास	"	१७वीं श	१६	
१७३	३६३६	मेघदूत	कालीदास	"	१७६८	८	आऊआ मे लिखित
१७४	३५३२	मेघदूत कल्पलता व्याख्या सहित	मू. कालीदास	"	१६५३	२०	साचुर में लिखित।
१७५	२३०	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	१६वीं श	६०	संजीवनी टीका
१७६	४६६	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	१८वीं श	२७	संजीवनी टीका
१७७	३६३५	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	"	१६	
१७८	४६८	मेघदूत सटिप्पण	मू कविकालीदास	"	१५वीं श	६	
१७९	५०५	मेघदूत सटिप्पण	"	"	१८वीं श.	२२	
१८०	३३६१	मेघदूत सटिप्पण	कालीदास	"	१५४८	७	
१८१	४७४	मेघदूत सटीक	कालीदास	"	१६वीं श.	१६	
१८२	१५४१	मेघदूत सटीक	मू कालीदास	"	१७वीं श	३२	
१८३	३४३१	मेघदूत सटीक	मू कालीदास	"	१८वीं श	२२	
१८४	२६८५	मेघदूत सावचूरि पचपाठ	मू कालीदास	"	१७वीं श	१७	
१८५	२६८६	मेघदूत सावचूरि पचपाठ	मू कालीदास	"	१६५८	१५	झाकग्राम मे लिखित।
१८६	३४०६	मेघदूत सुखलतावृत्ति	मू कालीदास	"	१८वीं श	१७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८७	२६७१	मोहपराजय नाटक	यशःपाल	संस्कृत	१५वीं श	१७	प्रथम पत्र अप्राप्त
१८८	१६६८	यशोधरचरित्र	माणिक्यसूरि	,,	१६६२	३०	
१८९	१६६१	युधिष्ठरविजयमहाकाव्य सटीक	मू० वासुदेव टी० रत्नकंठ-राजानक	,,	१८वीं श.	७१	सप्तम आश्वास पर्यन्त ।
१९०	४७	रघुवशमहाकाव्य	कालीदास	,,	१६०२	६६	
१९१	१५२५	रघुवंशमहाकाव्य	,,	,,	१५वीं श	१००	
१९२	२८७६	रघुवशमहाकाव्य	,,	,,	१६६५	५१	
१९३	२६०२	रघुवशमहाकाव्य	,,	,,	१८८४	६१	पत्र ३१ से ३५ अप्राप्त ।
१९४	३१२०	रघुवंशमहाकाव्य	,,	,,	१८६१	११४	जयपुर में लिखित
१९५	३६३२	रघुवशमहाकाव्य	,,	,,	१६वीं श.	६४	प्रथम पत्र अप्राप्त
१९६	२११	रघुवंशमहाकाव्य नवमसर्ग सटीक	मू०कालीदास टी०मल्लि-नाथसूरि	,,	१६वीं श	२७	
१९७	१६५७	रघुवंशमहाकाव्य सटीक	मू०कालीदास टी०मल्लिनाथ	,,	१७वीं श.	१४५	१६ सर्ग पर्यन्त १७ वां अपूर्ण ।
१९८	१६७०	रघुवंशमहाकाव्य सटीक त्रिपाठ	कालीदास	,,	१६वीं श	३५३	
१९९	२६७५	रघुवशमहाकाव्य सटीक त्रिपाठ	मू०कालीदास टी०श्रीवल्लभ	,,	१६४४	६८	राव श्री दुर्गाजी के शासन मे रामपुरा मे लिखित ।
२००	४६७	रघुवशमहाकाव्य टीका	मल्लिनाथ	,,	१८५६	७६	६ सर्ग पर्यन्त भुजनगर मे लिखित।
२०१	३६३१	रघुवशमहाकाव्य टीका	मल्लिनाथ	,,	१८८८	१४०	सुभट्टपुर मे लिखित
२०२	२८७३	रघुवंशमहाकाव्य टीका	समयसुन्दर	,,	१८०६	१८४	स० १६६२ मे स्तम्भ तीर्थपुर मे रचित ।
२०३	४८६	रघुवशमहाकाव्य टीका	,,	,,	१७०२	८४	हालारदेशे वणथली ग्राम मे लिखित ।
२०४	५०६	रघुवशमहाकाव्य टीका	गुणविनय	,,	१६वीं श.	२२५	सं० १६६७ में स्तभतीर्थ मे रचित अकब्बर के शासन काल में विक्रमपुर मे सं० १६४६ में रचित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०५	१५४४	रघुवंशमहाकाव्य लघु टीका	जनार्दन	सं०	१६वीं श.	२२०	
२०६	२६६	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणी सहित	मू. कालीदास	मू. सं. टी.रा.गू.	१७नीं श.	७२	
२०७	१६६५	रघुवंशमहाकाव्य सावचूरि प्रथम सर्ग	मू. कालीदास अ सुमतिविजय	स०	१६वीं श	१७	
२०८	३३५७	रघुवशमहाकाव्य सावचूरि	मू कालीदास	"	१६६०	१०६	
२०६	४७०	रघुवशसर्ग परिचय		"	१७वीं श	२	
२१०	२९६८	रसिकमनमोदिका	सुखदान	ब्र. हि.	"	३५	
२११	२४६३	राक्षसकाव्य	कालीदास	सं०	"	४	
२१२	१६६७	राक्षसकाव्य सटिप्पण	मू 'कालीदास	"	१८७५	८	
२१३	३०२८	राधिकानखसिख वर्णन	केशवदास	ब्र. हि.	१८वीं श	१२	
२१४	३६८६	रामआज्ञा	तुलसीदास	"	१६वीं श.	१८	
२१५	१८४७	रामआज्ञासुगुणप्रबन्ध	तुलसीदास	"	१८४०	१६	
२१६	५०६	रामकृष्णकाव्य	पंडित सूर्य	स०	१६वीं श	३	
२१७	८६१	रामचरितमानस	तुलसीदास	ब्र. हि	"	७३	
२१८	१८६५	रामचरितमानस	तुलसीदास	"	१८४७	१७२	कवित्तवध
२१६	१२३६	रामचरितमानस लंकाकांड	तुलसीदास	"	१८८५	५३	पत्र ३, ४ तथा २३ वां अप्राप्त।
२२०	३०५५	रामायण बालकांड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	स०	१६वीं श.	६	
२२१	३१४७	रामायणबालकांड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	"	"	१०	
२२२	८६८	लखपति (कच्छनरेश) मंजरी नाममाला	कुंअर कुशल	ब्र	"	१२	सं० १७६४ में रचित कच्छनरेशवंश वर्णन
२२३	११२१	लखपतिमजरी नाममाला	कुअर कुशल	ब्रज.	१८२३	१३	भुजनगर मे लिखित। भुजनरेश के वश वर्णनमयकृति है।
२२४	१८६3	लगनपच्चीसी	जगदीश भट्ट	ब्र. हि.	१८५६	१८	गुटका सवाई जय-नगर मे लिखित। सवाई प्रतापसिंहजी की आज्ञा से रचना
२२५	५१०	लटकमेलकप्रहसन	शखधर	स०	१६वीं श.	१६	प्रथम पत्र नहीं है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२६	१६५०	लटकमेलकप्रहसन	शंखधर	संस्कृत	१७वीं श.	१२	
२२७	१७०७	वाग्भूषणशतक	रामचन्द्र टी० स्वोपज्ञ	”	१६११	१३	
२२८	२६२	वासुदेवस्तुतिश्लोक पचार्थी टीका सहित		”	२०वीं श	३	वासना वासुदेवस्य वासितं भुवनत्रयम् । सर्वभूतनिवासीनां वासुदेव नमोऽस्तुते इस श्लोक के पाच अर्थ हैं ।
२२९	१५३०	वासुपूज्यचरित्र-महाकाव्य		”	१५२०	२०१	
२३०	११६४	विदग्धमुखमण्डन	धर्मदास	”	१८६०	१६	
२३१	१९२३	विदग्धमुखमण्डन	”	”	१७वीं श.	१३	
२३२	१९३५	विदग्धमुखमण्डन	”	”	१४९३	८	
२३३	४९७	विदग्धमुखमण्डनटीका	शिवचन्द्र	”	१८वीं श.	५४	
२३४	११४६	विदग्धमुखमण्डन सटीक	मू० धर्मदास टी०विनयसागर	”	१९वीं श	१०५	सं० १६६९ में तेजपुर में टीका रचना। शक्तिपुर में लिखित।
२३५	४८०	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि त्रिपाठ	मू० धर्मदास	”	१६७६	२१	
२३६	१७०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पचपाठ	” अ० सहदेव	”	१७वीं श	१७	
२३७	३१०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पचपाठ	मू० धर्मदास	”	” ”	९	
२३८	१९३१	विदग्धमुखमण्डन सावचूर्णि	”	”	१५वीं श.	१५	
२३९	४७१	विद्वज्जनाभिरामकाव्य सटीक	मू०कालीदास	”	१९वीं श	७	
२४०	२३६७ (७)	विरहमंजरी	नन्ददास	”	” ”	१४२से १५०	
२४१	१८८६ (१)	विरहसलिता	सवाई-प्रतापसिंहजी	”	” ”	१से३	रचना सं० १८५०।
२४२	१९५९	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध	पुरुषोत्तम	”	१७९९	४८	
२४३	१९६०	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध टीका	महीधर	”	१७९९	९७	स० १६५७ में गिरीशपुरी में लिखिता

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४४	२२६५	विसरभंजन	सिवदान	राज०	२०वीं श.	२	
२४५	६३	शतार्थकाव्य सटीक	सोमप्रभ टी. स्वोपज्ञ	स०	१६६३	२६	एकवृत्त के सौ अर्थ है।
२४६	५०२	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	"	६३	१० म सर्ग पर्यन्त। भुजमहादुर्गं मे राजानन्दलिखित।
२४७	१५२८	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	१५१४	११६	श्रीमदणहल्लपुर-पत्तने ढढेरवाटके श्री जयप्रभ सूरिणा स्वहस्तेन मुनि पूर्ण-कलशपठनार्थं लिखिता
२४८	२६७६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८वीं श	५६	
२४९	३०७५	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८८६	११४	
२५०	३३५६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१६वीं श.	६५	१६वां सर्ग पर्यन्त।
२५१	५११	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८०४	२६७	
२५२	५१५	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८६६	१०६	११ वे सर्ग पर्यन्त। राधणपुरनगर मे लिखित।
२५३	१७०४	शिशुपालवध टीका	दिनकर मिश्र	"	१८वीं श	६०	१० वां सर्ग पर्यन्त।
२५४	३६३४	शिशुपालवध टीका	श्री वल्लभ	"	१८३८	२३४	विजयसिंह शासित वांता मे अमृतसागर द्वारा लिखित।
२५५	२६८०	शिशुपालवध सटिप्पण	मू. माघकवि	"	१७०४	६७	
२५६	२६८१	शिशुपालवध सटीक त्रिपाठ	मू. माघकवि टी वल्लभ	"	१७०१	१६२	विक्रमपुर मे लिखित १५ वे सर्ग के ६ वे श्लोक पर्यन्त टीका लिखित है। वहीं पत्र ११४वे के प्रांत में लेखक ने इस प्रकार पुष्पिका लिखी है 'स. १६६४ जेठ वदि १४ दिने वीकानेर मध्ये।'

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२५७	४७५	शीलदूत	चारित्रसुन्दर	संस्कृत	१६वीं श	६	मेघदूत चतुर्थपाद समस्या पूर्विबद्ध
२५८	५०	शृंगारतिलक	कालीदास	,,	१७वीं श	३	
२५९	११३३	सतसया	विहारीदास	ब्र०हि०	१८वीं श	२७	
२६०	११३५	सतसया	,,	,,	१७१५	११०	संवत् १७०२ में आगरा में रचना। सुभटपुर मे लिखित
२६१	१८५९	सतसया	,,	,,	१८५७	२६	
२६२	१८६८ (१)	सतसया	,,	,,	१७६१	१–३६	गुटका। (पर्वतशर मे लिखित)
२६३	१६००	सतसया (ड)	,,	,,	१८२४	८६	शाकम्भरी में लिखित।
२६४	१६०२ (२)	सतसया (ड)	,,	,,	१६वीं श.	१–५३	
२६५	२०७६	सतसया	,,	,,	१८वीं श	२०	
२६६	२१८८	सतसया	,,	,,	१८७७	३६	कृष्णगढ़ मे मगनीराम कवि ने लिखी।
२६७	२२१४	सतसया	,,	,,	१८वीं श	१३	रचना स० १७१६।
२६८	२२७३	सतसया	,,	,,	१८७०	३४	मेडता मे लिखित।
२६९	२२८५	सतसया	,,	,,	१८३८	३०	
२७०	२३६३	सतसया	,,	,,	१८१५	५५	प्रथम पत्र अप्राप्त गुटका।
२७१	२८३२ (२)	सतसया	,,	,,	१७७४	२२से८०	गुटका
२७२	३३८२	सतसया अर्थ सहित	,,	,,	१७८७	७६	उदयपुर मे लिखित
२७३	८४६	सतसया टिप्पणीसहित	,,	,,	१८५६	४६	
२७४	८४८	सतसया पद्यटीका-सहित	मू० विहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८५८	१५०	मधुपुरीगांव में टीका रचना
२७५	२३६६	सतसया सटीक	बिहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८२३	१६२	गुटका, स० १७८२ मे मधुपुरी गांव में टीका रचना।
२७६	२२८१	सतसया सटीक त्रिपाठ	विहारीदास टी०हरिचरन-दास	,,	१८३५	१३४	सं० १८३४ में टीका की रचना। रूपनगर मे लिखित, प्रथम पत्र अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७७	८५६	सतसया संस्कृत टिप्पण सहित	विहारीदास टी०नान्हाव्यास	ब्र०हि० टी०सं०	१८०५	७६	श्रुतबोध नामक टिप्पण।
२७८	२०६८	सतसया सार्थ पंचपाठ	विहारीदास	ब्र०हि०	१७६३	४८	सं० १७४२ में बुरहानपुर में रचित, पत्तन में लिखित।
२७९	८७६	सतसया टिप्पण अनवरचन्द्रिका नाम	मू०विहारी	,,	१८वीं श.	६	आदि के तेरह प्रकाश नहीं हैं, १४, १५, १६ प्रकाशमात्र।
२८०	२३०२	सतसया टीका	गिरधर	,,	२०वीं श.	८	अपूर्ण
२८१	२२३७	सतसया सूची	मगनीराम	,,	१९२१	६	देहका नाम और वर्णकथन युक्त।
२८२	२६८६	स्वप्न वासवदत्ता टीका	नारायण	सं०	१७३०	३६	भुजनगर में लिखित।

(१७) रसालंकारादिशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१४६	वृत्तिवार्तिक	अप्पय्यदीक्षित	संस्कृत	१६१०	१८	
२	२२६६	अमरचन्द्रिका	सूरतमिश्र	व्र०हि०	१८२०	८७	विहारीदासकृत-सतसया की टीका है। जोधपुरनरेश श्री अभयसिंहजी के अमात्य अमरसिंहजी की प्रार्थना से रचित।
३	२३३८	अलंकारभेद कवित्त	खुसराम	,,	२०वीं श	८	अपूर्ण।
४	५७२२	अलंकारशास्त्र		प्राकृत	१५वीं श	४२	अपूर्ण।
५	२३६७ (३)	अष्टजाम	देवदत्त	व्र०हि०	१९वीं श	७२से९०	
६	२४६१	उज्ज्वलनीलमणि		संस्कृत	१६५०	५०	
७	३७	कविकर्पटीक	शंखधर	,,	१६वीं श.	१०	(छन्दोऽनुवर्ती)
८	१	कविकल्पलता	देवेश्वर	,,	१७वीं श	६७	पत्र १ से ५ व २६ वा नहीं है।
९	३२८६	कविकल्पलता	देवेश्वर	,,	१८८३	३२	मांडवी बिंदर मे लिखित।
१०	११६६	कविकुलकंठाभरण सटीक	मू. दूलाराय	व्र टी हिं	१९वीं श	२८	
११	८६०	कविप्रिया	केशवदास	व्र०हि०	१८३१	१२७	भुजनगर मे लिखित।
१२	३६६४	कविप्रिया सटिप्पण	केशवदास	व्र०हि०	१७५७	७८	स्तम्भ तीर्थ मे लिखित, प्रारम्भ मे इन्द्रजीत नृपति का विस्तृत वंशवर्णन है। सं० १६५८ मे रचित।
१३	१७२१	कविरहस्य (अपशब्द भाषाख्य काव्य) टीका सावचूरि	हलायुध टी. रविधर्म	संस्कृत	१६वीं श	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१४	१५४३	कविरहस्य (अपशब्द भाषाख्य) टीका सावचूरि	मू. हलायुध टी रविधर्म	सं०	१६६३	११	
१५	२२३४	कविवल्लभ	हरिचरनदास	ब्र०हि०	१८८४	७३	स० १८३९ मे रचित
१६	२२६७	कविवल्लभ	हरिचरनदास	”	१८८६	१२७	स० १८३९ मे रचित कृष्णगढ़ में लिखित।
१७	४८२	कवि शिक्षा	अमरचन्द्र	स०	१७वीं श.	११०	
१८	२४८२	काव्यकल्पलता	अमरचन्द्र	”	१७६६	१२	
१९	३६३९	काव्यकल्पलतावृत्ति	अमरचन्द्र	”	१९वीं श.	४४	दधिपद्रपुरमें लिखित।
२०	१८५१	काव्यप्रकाश सटीक	मू मम्मट	”	”	१५	अपूर्ण।
२१	१६७५	काव्यप्रकाशसकेत	मम्मट	”	”	८९	
२२	११२९	काव्यसिद्धांत	सूरतमिश्र	ब्र०हि०	”	९	
२३	२२६३	काव्यसिद्धांत	सूरतमिश्र	”	१९२५	१६	कृष्णगढ मे लिखित स. १७९८ मे रचित।
२४	११२८	काव्यसिद्धांत सार्थ	सूरतमिश्र	”	१८०२	१३	स. १७९८ मे रचित, महाराजकुमार लखपतजी (कच्छ राजपुत्र) के पठनार्थ लिखित।
२५	५१३	काव्यालंकार (शृंगारालंकार)	बलदेव	स०	१८वीं श	४	
२६	२८	कुवलयानन्द	अप्पय्यदीक्षित	”	१७वीं श	७१	
२७	३४२२	कुवलयानन्दटीका (अलकारचन्द्रिका)	वैद्यनाथ	”	१८वीं श	८१	
२८	२१८७	खुमविलास	खुमराम (मगनीराम)	ब्र०हि०	१९०८	९५	स १९०४ मे रचित साढैछामठ पत्र ग्रथकार के पुत्र बलदेव द्वारा लिखित, अन्तिम भाग ग्रथकार द्वारा लिखत स्वकीय पुत्र बलदेव के निमित्त रचित। ग्रथ के प्रांत मे मेडता के राजवंश का वर्णन है।
२९	२१८१	खुमविलास	खुमराम (मगनीराम)	”	२०वीं श	८७	अपूर्ण।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०	२२४६	खुसविलास	खुसराम मगनीराम	ब्र०हि०	१६०८	७१	रचनासं०१६०४, ग्रन्थकार ने अपने पुत्र बलदेव के लिए यह प्रति कृष्णगढ़ में लिखी।
३१	२८३	चन्द्रालोक	जयदेव	संस्कृत	१६वीं श.	२६	कृष्णगढ में लिखित
३२	२४७६	चन्द्रालोक		„	१६२४	१३	
३३	२४७५	चन्द्रालोकटीका	महादेव	„	१७४८	१२	
३४	१६६६	चन्द्रालोकसटीक त्रिपाठ	मू० जयदेव टी० भट्टाचार्य	„	१६०१	४५	
३५	२२६१	जलवयशहनशाहइश्क	जयकवि	ब्र०हि०	२०वीं श	१६	अपूर्ण
३६	२२८६	जलवयशहनशाहइश्क प्रकाशिकाटीकायुक्त	जयकवि टी० स्वोपज्ञ	„	१६४५	२१	सं० १६४५ मे कृष्णगढ़(हरिदुर्ग)मे रचित, स्वय कर्ता द्वारा लिखित।
३७	१८०७	दृष्टिनिरूपण	भगवद्दास	„	१६वीं श.	११	ग्रन्थकारकृत शृंगारसिंधु का ६ वा कल्लोल।
३८	२३४३	नायकभेदवर्णन-प्रश्नोत्तर	•	„	२०वीं श	६	
३९	२३३७	परतापपचीसी	शिवचद	„	१६१६	५	अजमेर मे लिखित।
४०	२५५५	पिंगलशास्त्र	हरिराम	„	१६७८	१६	छंदरतनावली, स० १७६५में रचित।
४१	२२६६	भावशतक	नागराज	सं०	१८३७	२२	कृष्णगढ में लिखित।
४२	२२३८	भाषादीपक	हरिचरनदास	ब्र०हि०	१८८६	१८	स० १८४४ मे रचित।
४३	८५६	भाषाभूषन	जसवतसिह	„	१८५६	१८	प्राग में लिखित।
४४	६३० (७)	भाषाभूषन	„	„	१६वीं श.	६-१०	
४५	२१५५	भाषाभूषन	भूषण	„	„ „	२३	
४६	१८४८	भाषाभूषन		„	१८०६	११	
४७	२२६४	भाषाभूषन	हरिचरनदास	„	१६०५	१५	कृष्णगढ मे लिखित।
४८	२६८३	रघुवशादि महाकाव्य-दुर्घटानि	राजकुंडकवि	स०	१८वीं श.	३३	
४९	१५४०	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	„	१७वीं श.	२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५०	२४६४	रसतरगिणी	भानुदत्तमिश्र	सं०	१८८६	४७	कृष्णगढ़ में लिखित।
५१	३४१४	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	,,	१७१४	१४	डीडवाणपुर में लिखित। द्वितीय पत्र अप्राप्त।
५२	२०५	रसतरगिणी सटीक त्रिपाठ	भानुदत्तमिश्र	,,	१६वीं श	१२६	रचना स० १८४१।
५३	२२४१	रसनिबध	खुसराम	ब्र०हि०	१६१४	१२	स. १६१४ में अज-मेर में रचित, और स्वयकर्ता द्वारा लिखित, कर्ता ने अन्त में अपने दो नामो का इस तरह पृथक्करण किया है 'न्यात जात व्यवहार मे मगनीराम कहात। कविता छ द प्रबध मे कविखुसराम विख्यात'
५४	२२५१	रसनिबध	खुसराम	ब्र. हि.	१६१४	१८	स १६१४ मे अज-मेर मे रचित और कर्ता द्वारा लिखित प्रथमादर्श, कर्ता कवि वृ दजी के वशज हैं।
५५	२२८६	रसनिबध	खुसराम	,,	१६१४	१२	स० १६१४ मे रचित, ग्र थकार के हस्ताक्षर, कृष्णगढ में लिखित।
५६	२२५०	रसप्रबोध	दौलतकवि	,,	१८४६	३०	स० १८४६ मे रचित प्रथमादर्श है। ग्रथ-कार प्रसिद्ध कवि वृन्दजी के वशज हैं।
५७	२३६६	रसप्रबोध	दौलतकवि	,,	१८४६	३०	सं. १८४६ मे कृष्ण-दुर्ग मे रचित प्रथमादर्श।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५८	२३६७ (८)	रसमंजरी	भानुदत्तमिश्र	संस्कृत	१६वीं श.	१५०से १६८	
५९	२४	रसमंजरी	,,	,,	१६वीं श	१८	
६०	३९३	रसमंजरी	,,	,,	१८५४	१८	
६१	५०२	रसमंजरी	,,	,,	१८२६	२३	भुजनगर में लिखित।
६२	१७१८	रसमंजरी	,,	,,	१६वीं श.	१६	
६३	१९४७	रसमंजरी	,,	,,	१६२०	६	
६४	२४७७	रसमंजरी	,	,,	१८५६	१८	कृष्णादुर्ग में लिखित।
६५	२६६५	रसमंजरी	,,	,,	१७वीं श	१८	जोधपुर में लिखित।
६६	३०६७	रसमंजरी	,,	,,	१८२७	३२	
६७	३६३८	रसमंजरी	,,	,,	१७३५	१६	
६८	१५	रसमंजरी	,,	,,	१६वीं श	७	
६९	११४०	रसमंजरी	कुलपतिमिश्र	ब्र०हि०	१७७६	८६	सं. १७२७ में रचना राजगढ़ में लिखित।
७०	११७० (३)	रसरहस्य	,,	ब्र०	१८वीं श	७०	
७१	२२८८	रसरहस्य	,,	ब्र०हि०	१८०२	५५	सं. १७२७ में आगरा मे रामसिंघजी की आज्ञा से रचित।
७२	२२३५	रसराज	मगनीराम	,,	१९०३	३८	कृष्णगढ़ में लिखित।
७३	२२४८	रसराज	,,	,,	१८८६	५३	कृष्णगढ़ में लिखित, कर्त्ता ने अपने दो नाम इस दोहा से बताए हैं। 'बोलन मैं मो नाम है मगनी-राम सुहात। कवित छंद के बंध में कवि खुसराम विख्यात'।
७४	२८७८	रसराजसटीक	मगनीराम	,,	१९११	३०५	स. १८२२ में रचित
७५	२३४७ (२)	रसवर्णनकवित्त फुटकर		,,	२०वीं श	४-७	
७६	८६८	रसविलास	गोपाल लाहोरी	,,	१८५७	२५	स. १६४४ में मिर-जाखान के विनोदार्थ रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७७	११३४	रसविलास	कृष्ण	व्र०हि०	१७८८	१६२	विहारीकृत सतसया की टीका सं. १७८८ में रचित। कच्छ नरेश देशलजी के कुमार लखपति के विनोदार्थ रचित तथा उनके लिये लिखित प्रति।
७८	८५५	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८५६	६४	भुजनगर में लिखित।
७९	९०६	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८१५	५९	
८०	१६७८	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१७३३	७६	गुटका। साहजिहानाबाद में लिखित।
८१	१८६८ (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१७६१	१–६८	गुटका। पर्वतसर में लिखित।
८२	२०६६	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८वीं श.	१९	
८३	२०७७	रसिकप्रिया	केशवदास	”	”	३१	
८४	२२८७	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१९०५	६२	कृष्णगढ में लिखित।
८५	२३६५	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८५३	१३२	
८६	३०३३	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१७७२	२५	अजितसिंहजी शासित योधपुर में लिखित।
८७	३०३४	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८वीं श.	६३	
८८	३३११	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८०१	६०	
८९	३५६० (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१७९५	३२–११०	
९०	३८५९	रसिकप्रिया	केशवदास	”	१८वीं श	८२	
९१	२२८३	रसिकप्रिया सटीक	मू. केशवदास टी. हरिचरनदास	”	१८७६	१०४	साहिपुरनगर में लिखित।
९२	३०२१	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	व्र.हि. स्त. रा०गू०	१७६२	१४२	
९३	३०२२	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	”	१७३४	४३	स्तबक रचना सं. १७२४ जोधाण में।
९४	३९१३	रसिकप्रिया सस्तबक	मू. केशवदास	”	१८७७	६९	तर्णापुर में लिखित।
९५	१८७६ (२)	रसिकप्रिया सार्थ	मू. केशवदास	व्र०हि० अ०रा०	१७४१	६६	गुटका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९६	८८३	रसिकप्रियागत—केचिदलंकाराः		ब्र	१९वीं श	७	
९७	२३२३	रितुसुखसार	दौलतकवि	ब्र हि.	१८६३	७	सं० १५८५ में सुरगढ़ में रचित, कृष्णगढ़में लिखित।
९८	२९६८	रुद्रटालंकार	रुद्रट	सं०	१५२८	२३	जीर्णप्रति।
९९	२९६९	रुद्रटालंकार टिप्पण	ननिसाधु	"	१५२८	५५	जीर्णप्रति।
१००	२३६७ (६)	रूपमंजरी	नन्ददास	ब्र. हि.	१९वीं श	११६–४२	
१०१	२४६८ (२)	वाग्भटालंकार	वाग्भट	सं०	१७वीं श.	७–१८	
१०२	२४७९	वाग्भटालंकार	वाग्भट	"	१६६४	११	
१०३	४८५	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट टी० सिंहदेव	"	१७वीं श.	२५	
१०४	४९१	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट टी० सिंहदेव	"	"	३०	
१०५	३४१०	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट	"	१७२७	२२	
१०६	१७०८	वाग्भटालंकार	"	"	१९१०	२७	
१०७	२९९३	वाग्भटालंकार सविवरण	"	"	१७वीं श	१५	
१०८	४६१	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१५वीं श	६	
१०९	१९६८	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१५७८	९	
११०	३३६३	वाग्भटालंकार सावचूरि	"	"	१५३३	११	
१११	२९९४	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१४७६	८	
११२	३४०९	वाग्भटालंकारावचूरि		"	१७८३	२७	
११३	२३२०	शब्दवृत्ति (पद्य)		ब्र. हि.	२०वीं श.	७५	अपूर्ण।
११४	८६१	शिखनख (पद्य)	राम	"	१९वीं श	३	
११५	८५७	शिखनख वर्णन	बलिभद्र	"	१८५०	८	भुज में लिखित।
११६	२३६७	शिखनखवर्णन	"	"	१९वीं श	५५–७१	
११७	११६८	शिखनख सटीक	मू बलिभद्र टी मनीराम	"	"	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११८	११३८	सिखनखवर्णन सार्थ	मू० केशवदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१६	
११६	५१२	शृङ्गारतिलक	रुद्रट	सस्कृत	१८वीं श.	१५	
१२०	२६६६	शृङ्गारतिलक	रुद्रटभट्ट	,,	१८वीं श.	१०	
१२१	२२८४	शृङ्गारविलासिनी	देवदत्त	,,	१८४८	७	रचना स. १७५७।
१२२	२२६४	साहित्यसार	व्रजनाथ	ब्र०हि०	१८३६	३३	सं १८०५ में रूप-नगर मे रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
१२३	८५१	सुन्दरसिंगार	सुन्दरदास	,,	१६०७	३२	
१२४	१८८५ (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७६१	१–५०	गुटका। प्रथम पत्र अप्राप्त। सवाई जयपुर में लिखित।
१२५	१६०३	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८५२	५६	गुटका।
१२६	२०७३	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०६	३६	
१२७	२२७०	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०१	३६	जांहानावाद में लिखित। प्रारंभ में शाहजहां का वर्णनहै।
१२८	२३६७ (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१६वीं श.	५५	गुटका।
१२६	२३७२ (२)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८२८	१३२	
१३०	३३१२	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०१	३०	
१३१	३५३६	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७६३	१८	
१३२	३५७० (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७४६	१–५४	पत्तन नगर में लिखित।
१३३	१८७१	सुन्दरसिंगार आदि	,,	,,	१८७२	७४	गुटका। ७१ वें पत्र मे सुन्दरसिंगार समाप्त होता है।

(१८) सुभाषित-प्रकीर्णादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२१७१	अक्षरबत्तीसी दूहा		रा०गू०	१६वीं श.	२	
२	३५६७ (३०)	अधूरा पूरा		रा०	"	१५२–१५४	
३	२१४२ (२)	अधूरैपूरैरादूहा (प्रहेलिका)		"	"	५–६	
४	३११७ (३)	अमरमूलग्रन्थ	कबीर	हिं०	१८२४	६०–६७	
५	६६४	आलोयणछत्तीसी	समय सुन्दर	रा०गू०	१७वीं श	१	संवत १६६८ में अहम्मदपुरमे रचना।
६	३६५६	इन्द्रियपराजयशतक		प्राकृत	"	७	
७	१०७५ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सस्तवक		मु.प्रा.रत. रा०गू०	"	१सेन	
८	१०४७ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सार्थ		"	१६वीं श.	१सेन	
९	११२२ (१६)	इश्कचिमन		रा०	"	१० वां	
१०	२०३६	ईसरशिक्षा	ईसर	रा-गू०	१७वीं श	२	
११	२१६४	उत्पत्तिबहुत्तरी	श्रीसार	"	१८वीं श	१	
१२	२८६३ (१३६)	उपदेशगाथा		प्रा०	१७वीं श.	२४४वां	
१३	२३६० (५)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	ब्र०हिं०	१६वीं श	१६–२८	
१४	११२२ (४१)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	"	"	४८ वां	
१५	८५८	उपदेशबावनी	किसनदास	"	१८८५	१८	
१६	२२१३ (२)	उपदेशसत्तरी	श्रीसार	रा०	१८३८	२–४	पद्य रचना, कालूग्राम मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	३५७५ (४३)	उपदेशसत्तरी	श्रीसार	रा०गू०	२०वीं श.	२११-२१६	
१८	११२२ (१७)	ऊँ (ट) तथा हाथीवर्णन		राज०	१६वीं श	१० वां	
१९	२३३२	ऋतुवर्णन कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श	३	
२०	३५७३ (५७)	कक्काभास	विद्याविलास	रा०	१६वीं श	१५४वां	जीर्ण प्रति।
२१	२०५६	कक्काबत्तीसी	जीवोऋषि	"	" "	२	
२२	२३६८ (१६)	कक्काबत्तीसी		"	" "	६०-६३	
२३	३५६५ (२)	कबीरजी की वाणी	कबीर	ब्र०हि०	" "	१५२-१६२	
२४	३५५७ (१)	कबीरजी की साखी	"	रा०	" "	१-११	
२५	३५७५ (१६)	करमछत्रीसी	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श.	८८-६१	मुलतान में संवत् १६६८ मे रचित।
२६	२०११	कर्पूरप्रकर सावचूरि त्रिपाठ	मू हरिपंडित अ.जिनसागर	सं०	१६६४	५२	पत्तन में लिखित।
२७	३५६७ (१०)	कवित्त		रा०	१६वीं श.	११२वां	
२८	३५६२ (११)	कवित्त		"	२०वीं श.	६७वां	
२९	२३१४	कवित्त		"	१६वीं श	१	
३०	२३२१	कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श	२	
३१	३४३०	कवित्त आदि		रा०	१८वीं श.	३	
३२	३५७० (८)	कवित्त-छप्पय-दूहा		ब्र०रा०	" "	५५-७०	
३३	११२२ (६८)	कवित्त छप्पै		ब्रज०	१६वीं श	८३-८४	
३४	११२२ (६६)	कवित्त-छप्पै-दूहा		रा०	१८८८	८८वा	
३५	३५४६ (३)	कवित्त जेठवारा दूहा आदि		"	१६वीं श	३१-३६	
३६	३५५७ (६)	कवित्त-दूहा		"	१८वीं श	६८-१०१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७	३५६७ (१४)	कवित्त-पद दूहा		रा०	१९वीं श	१२९-१३१	
३८	२३१८	कवित्त प्रासंगिक		ब्र०हि०	,, ,,	१०	
३९	२३५६	कवित्त फुटकर पत्र		,,	२०वीं श०	८	
४०	२१८२	कवित्तबावनी	राजकवि	,,	१९वीं श	६	पत्र ३, ४था अप्राप्त
४१	२०८५	कवित्तबावनी	जिनहर्ष	रा०	१८५७	१०	रचना सं० १७४८।
४२	११२२ (४६)	कवित्त सवैया		ब्र०	१९वीं श.	६५-६६	
४३	१८८२ (२०१)	कवित्त ३		,,	,, ,,	१२९वां	
४४	१८८२ (१६७)	कवित्त ६	जगन्नाथ किशोरदयाल दामोदरदास, तुरसी	ब्र०हि०	,, ,,	१०७-१०८	५ वें कवित्त में छत्तीस रागों के नाम हैं।
४५.	१८८२ (१६५)	कवित्त		,,	,, ,,	१०३-१०४	
४६	१८८२ (१६३)	कवित्त संख्या २३	सुन्दरदास	,,	,, ,,	६५से६७	
४७	२३३६	कवित्त फुटकर		,,	२०वीं श	६	
४८	३०१६	कवित्त सवैया		,,	१८वीं श	२	
४९	२३१६	कवित्तसंग्रह		,,	१८६४	१४	कृष्णगढ़ में लिखित।
५०	२३४०	कवित्तसंग्रह		,,	२०वीं श	७	अपूर्ण।
५१	१८६८	कवित्तसंग्रह	आनंदघन	,,	१९वीं श	३०	अपूर्ण।
५२	२२६६	कवित्तसंग्रह		,,	२०वीं श	१२८	
५३	५७	कवित्त सुभाषित	भूधरदास	,,	१८५६	६से१२ (?)	प्राय. आद्य ५ पत्र अप्राप्त।
५४	३५६२ (२)	कायानगर को कागद		रा०	२०वीं श.	१२-१६	सं० १९०५ में रचित
५५	२३०१	कुण्डलिया	गिरधर	ब्र०हि०	१८६४	६	अजमेर में लिखित।
५६	११३१	कुण्डलियाबावनी	धर्मवर्द्धन	राज०	१८०७	६	रचना सं० १७३४।
५७	२३७४ (८)	क्षमाछत्तीसी	समयसुन्दर	रा०गू०	१९वीं श	२८से३१	
५८	३५७५ (२०)	क्षमाछत्तीसी	,,	,,	२०वीं श.	६१-६६	नागोर मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६	१८६६	गंगजी के कवित्त आदि		ब्र०हि०	१६वीं श.	१५–२२	
६०	३२०२	गाथाकोप (सप्तशती) सटीक	टी. दिवाकर-दास	मू. प्रा. टी. स.	१७वीं श	४०	अहिपुर में लिखित।
६१	६५	गाथासाहस्री		प्रा. स.	१६६५	३२	
६२	३५६२ (५)	गुणसागरग्रंथ (पद्य)		रा०	१६६७	२१–३४	जोवनेर में लिखित।
६३	३५७३ (८)	घोड़ावर्णन तथा वर्षा वर्णन दूहा		"	१६वीं श.	३०–३१	जीर्ण प्रति
६४	२३६८ (८)	चौरासी सीख, प्रास्ताविक आदि		"	"	५१–५५	
६५	२२६०	छप्पै	गुणसागर	ब्र. हि.	१६४१	१४	प्रथम पत्र अप्राप्त।
६६	३६७०	छुटक दूहा		रा०	१६वीं श	३	
६७	२०१८	जसराजबावनी	जिनहर्ष	ब्र. हि.	"	६	सं. १७३८ में रचित।
६८	३६८५	जिनरंगबहुत्तरी	जिनरंग	रा०	१८वीं श.	२	
६६	२८३२ (६)	ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	ब्र०	१७७४	१०३–१०५	गुटका।
७०	६३० (१)	ज्ञानपंचाशिका	हंसराज	"	१६वीं श.	१–५	
७१	८६५	ज्ञानबावनी	हंसराज	"	१८५८	७	मानकुआ में लिखित।
७२	३११७ (२)	ज्ञानसागरग्रथ	कबीर	हि०	१८२४	१–६०	
७३	११२२ (१२)	टाकरपचीसी	टाकर (?)	रा० गू०	१६वीं श.	७ वां	
७४	२२१८ (२)	तरकचिन्तामणी	सुन्दरदास	ब्र०	"	१०–१२	
७५	२२६२	दंपति वाक्यविलास	गुपालकवि	ब्र हि.	१६३२	५२	वृन्दावन मे रचित, अन्त्य ५१–५२ पत्रों में ग्रथ की विस्तृत विषयसूची लिखी है।
७६	३५६५ (१)	दादूदयालजी की वाणी	दादूदयाल	"	१६वीं श.	१–१५२	
७७	१८५२	दादूवाणी		"	"	६६	गुटका।
७८	३५७३ (८७)	दूहा	केसरसिंह जैतावत	रा०	"	८१ वां	जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७९	२३६२ (११)	दूहा कवित्त		ब्र०हि०	१८वीं श.	१	
८०	२८५३	दूहा संग्रह	कबीर	"	१६वीं श.	१५	
८१	१८०३ (७)	दृष्टान्तशत	कुसुमदेव	सं०	"	६-११	
८२	८७०	धर्मबावनी	धर्मसी	व्रज.	१८१५	७	
८३	८८२	धर्मबावनी	धर्मसी	"	१८८२	४	
८४	३५५० (६)	धर्मबावनी	धर्मसी	रा०	१६वीं श.	७५-७६	सं. १७५० में रचित।
८५	३५५५ (२३)	धर्मसिंव बावनी	धर्मवर्धन	"	"	१४६-१४६	सं. १७४३ में रचित।
८६	२५००	धर्मोपदेश प्रास्ताविक श्लोकाः		सं०	"	१४	
८७	२८६३ (५८)	धर्मोपदेशश्लोकाः		"	१६२४	६६-११०	रात्रि भोजन मांस मदिरा द्विदलाहार-त्यागादि के विषय में शांतिपर्वादि ग्रंथों के अवतरण हैं। पत्र १०५ के प्रथम पृष्ठ के अन्त में लि हीरकलस मुनि इस प्रकार पुष्पिका है। सं. १०७वे पत्र मे हैं।
८८	२३३४	नायिकाभेद कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श	७	
८६	२३३१	नायिकाभेद कवित्त आदि		"	"	३	
६०	२३३३	नायिकाभेदवर्णन कवित्त	खुसराम	"	"	३	
६१	२३३५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	२	
६२	२३४५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	११	अपूर्ण।
६३	२३४६	नायिका वर्णन तथा रसवर्णन कवित्त फुटकर		"	"	७	
६४	२८६३ (११६)	निगुणपच्चीसी		स प्रा रा.	१७वीं श	१७२-१७३	
६५	२२७१	नीतिप्रबोध	"	ब्र०हि०	१८७६	१०	सं. १८७६ में अजमेर मे रचित। स्वयं कवि द्वारा लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९६	२२७२	नीतिप्रबोध	खुमराम	व्र०हि०	१९२३	८	कृष्णगढ़ में लिखित।
९७	२४९६	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि टी० श्रीनाथ व्यास	संस्कृत	१९वीं श.	२१	
९८	३६६३	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	"	१८५९	१३	
९९	३९७	नीतिशतकादि शतकत्रय	"	"	१८५६	३९	तक्षिकपुर में लिखित।
१००	६९७	नीति शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१९वीं श.	४२	
१०१	६९८	नीति-शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१८२२	५०	रायपुर मे लिखित।
१०२	७११	नीतिशृंगार-वैराग्य शतकत्रय	"	"	१७वीं श.	१८	चित्रकूट में लिखित।
१०३	२८८९	नीतिशतक-शृंगार-शतक-वैराग्यशतक	"	"	१९वीं श	३८	पत्र १, २, ९, १९ वां अप्राप्त, अपूर्ण।
१०४	३३०१	नीतिशृंगार-वैराग्य-शतक	"	"	१८१२	४५	
१०५	३६६२	नीतिशतक-शृंगारशतक वैराग्यशतक सस्तबक	"	स्त०रा०	१८९०	६०	पाटोदाभौमका ग्राम वीरप्रगना मे लिखित।
१०६	११२२ (६५)	पद्मणीनोछंद	कीको	रा०	१९वीं श	८५ वां	
१०७	११२२ (३४)	पद्मिनी आदि स्त्री वर्णन		व्र०रा०	" "	३३–३५	
१०८	३६६८	पुराणान्पदिष्टोपदेश-सार सार्थ		स०अ० रा०गू०	१८८१	१३	ममोई बिदर में लिखित।
१०९	११२२ (६३)	पुरुपना कुत्रखांणछंद		रा०गू०	१९वीं श	८४ वां	
११०	१८३७	पुरुपनी ७२ तथा स्त्रीनी ६४ कला		"	१७वीं श	१	
१११	२३०० (४)	पुरुपप्रति स्त्री का लेख दूहा बन्ध		रा०	१८७९	१९–३४	आमेर मे लिखित।
११२	३५४७ (१)	पोथी प्रेम दूहा		"	१९वीं श.	१ ला	
११३	३५५५ (५)	पोथी रचा प्रेम दूहा		"	१८२६	१५ वां	कटालिया में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११४	३६७१	प्रज्ञाप्रकाशपट्त्रिशिका	रूपसिंह	सं०	१६वीं श.	५	
११५	३६८ (१५)	प्रहेलिका		रा०	"	४६-५०	
११६	२८६३ (६७)	प्रहेलिका	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	४ था	
११७	११४४ (४)	प्रहेलिका आदि सुभाषित		रा०	१६वीं श.	३२-३५	
११८	७१०	प्रास्ताविक		सं०	१८वीं श	४७	प्रथम पत्र नहीं है।
११६	११२२ (३०)	प्रास्ताविक		रा०	१६वीं श	२८ वां	
१२०	११२२ (३६)	प्रास्ताविक		सं०	"	३५ वां	
१२१	११२२ (४०)	प्रास्ताविक		ब्र. सं.	"	४४-४८	
१२२	११२२ (५४)	प्रास्ताविक		ब्र. रा.	"	७२-७३	
१२३	१८४४	प्रास्ताविक		"	"	४	
१२४	२०२४	प्रास्ताविक		सं०	१८वीं श.	६	
१२५	२३०३	प्रास्ताविक	मगनीराम	ब्र. हि.	२०वीं श.	४	
१२६	२८६३ (६८)	प्रास्ताविक		रा०गू०	१७वीं श	१६२ वां	
१२७	२८६३ (१०)	प्रास्ताविक		"	"	१६३ वां	
१२८	२८६३ (११४)	प्रास्ताविक		सं.प्रा.	"	१६६-१७०	
१२६	२८६३ (१४०)	प्रास्ताविक		सं. रा.	"	२४५-२४७	
१३०	३५६७ (१६)	प्रास्ताविक		रा. सं.	१६वीं श	१३६-१३७	
१३१	३६७३	प्रास्ताविक		रा०	१८वीं श.	६	
१३२	११२२ (३८)	प्रास्ताविक कवित्त		ब्र०	१६वीं श.	३६-४४	
१३३	१८४३	प्रास्ताविक		"	"	४	
१३४	२३०५	प्रास्ताविक कवित्त		"	२०वीं श	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३५	२३५३	प्रास्ताविक कवित्त	खुसराम	व्र०हि०	२०वीं श	२४से४३	त्रुटक अपूर्ण।
१३६	२३५१	प्रास्ताविक (स्फुटकवित्त)	"	"	" "	१०	
१३७	२८६३ (६)	प्रास्ताविक कवित्त		रा०गू०	१७वीं श	५वां	
१३८	२०२६	प्रास्ताविक कवित्त		रा०	" "	७	
१३९	२३४४	प्रास्ताविक कवित्त के फुटकर पत्र		व्र-हि०	१९-२०वीं शताब्दी	२२	
१४०	२३४८	प्रास्ताविक कवित्त तथा पुष्करजी को कवित्त	खुसराम	"	२०वीं श.	७	
१४१	११२२ (५७)	प्रास्ताविक कवित्त दूहा गूढा आदि		व्र रा सं.	१९वीं श.	६९-७१	
१४२	२३४६	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर		व्र०हि०	२०वीं श.	१०	
१४३	२३५२	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर पत्र		"	" "	५१	
१४४	८७१	प्रास्ताविक कवित्त		व्र०	१९वीं श.	४	
१४५	११२२ (६०)	प्रास्ताविक कवित्त		"	" "	८२वां	
१४६	११३०	प्रास्ताविक कवित्त		व्र०हि०	" "	४६	
१४७	११२१ (४२)	प्रास्ताविक कवित्त श्लोक		व्र०स० प्रा०गू०	" "	४६-५२	
१४८	१६९१	प्रास्ताविक काव्य सार्थ आदि		सं०रा०	" "	२	प्रादि अव्ययानि तथा २४ उपसर्ग एव दो कृतियां अधिक हैं।
१४९	२५५० (८)	प्रास्ताविक कुंडलिया बावनी	धर्मवर्धन	रा०	" "	७०-७४	सं० १७३४ में रचित।
१५०	२८६३ (८८)	प्रास्ताविक गाथा श्लोक		प्रा०स०	१७वीं श.	१४६वां	
१५१	१८८२ (१६४)	प्रास्ताविक छप्पय कवित्त (सख्या ४५)	अग्रदास कल्यान तुरसी बिहारीलाल मोहन नंद बलभद्र	व्र०हि०	१९वीं श	६७से १०३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१५२	१८४१	प्रास्ताविक दूहरा		ब्र०हि०	१६वीं श.	३	
१५३	२८३२ (५)	प्रास्ताविक दूहा		राज०	१७७४	४८–८६	गुटका।
१५४	३५६२ (१७)	प्रास्ताविक दूहा		”	२०वीं श.	१३६–१४५	
१५५	३५७३ (४०)	प्रास्ताविक दूहा		”	१६वीं श	१०१वां	जीर्ण प्रति।
१५६	३५७३ (५०)	प्रास्ताविक दूहा		”	”	१२८वां	”
१५७	३६६१	प्रास्ताविक दूहा सवैया आदि		ब्र रा.गू.	”	३३	
१५८	१८४०	प्रास्ताविक दोहा		ब्र०हि०	”	३	
१५९	३५५० (१०)	प्रास्ताविकबावनी		राज	”	७६–८३	स. १७५२ में रचित।
१६०	१७४२	प्रास्ताविक श्लोक		सं०	१८८५	२५	भुजनगर में लिखित।
१६१	२८६३ (१३)	प्रास्ताविक श्लोक		”	१६वीं श.	१६४वां	
१६२	११२२ (४४)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		सं. ब्र.	”	५४–६१	जहांगीरशाह तथा कच्छ नरेसों के कवित्त भी हैं।
१६३	११२२ (५७)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		”	”	७५–८१	
१६४	२८६३ (१२)	प्रास्ताविक श्लोक सस्तबक		स.रा गू	१७वीं श	६ वां	
१६५	७०६	प्रास्ताविक श्लोकादि सार्थ		प्रा० सं० रा०गू०	१७८१	७	गुढ़ा मे लिखित।
१६६	७१२	प्रास्ताविक सस्तबक		सं रा गू.	१८वीं श	१४	
१६७	११२२ (४)	प्रास्ताविक सुभापित		सं०रा०	१६वीं श	२रा	
१६८	११२२ (२४)	प्रास्ताविक सुभापित		ब्र रा	”	१७–२३	
१६९	२३७१ (३)	फुटकर कवित्त		ब्र हि रा.	”	५२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७०	३५६७ (३१)	फुटकर कवित्त		रा०	१९वीं श.	१५५-१७६	वैद्यक यत्र मत्रादि भी लिखा है।
१७१	१८७४	फुटकर कवित्त संग्रह तथा इस्कचमन	गंग आदि अनेक कवि	ब्र०हि०	,, ,,	२४०	गुटका।
१७२	३५५७ (४)	फुटकर दूहा		रा०	१८वीं श.	७२ वां	
१७३	३५६७ (२)	फुटकर दूहा		,,	१९वीं श.	७२-९६	वैद्यक फुटकर भी लिखा है।
१७४	३५५७ (७)	फुटकर दूहा कवित्त आदि		,,	१७९१	७८-८१	
१७५	२०१६	बाजीत फाग कवित्त भमरभूधरमहिनाआदि		ब्र.रा गू.	१८४६	९	मजादर में लिखित।
१७६	१८५८	बाराखडी	पारीखदास	ब्र०हि०	१९वीं श.	४	सं. १८९९ में रचित
१७७	३५६७ (९)	बावन अख्यरो	कानडदास बारठ	रा०	,, ,,	१०९-११२	
१७८	८५०	बावनी तथा बारहमास	किशनदास तथा सुन्दरदास	ब्र०हि०	,, ,,	१७	अत में फुटकर कवित्त हैं।
१७९	३६७४	भर्तहरीयशतकत्रय भापा पद्य	नैनकवि	,,	,, ,,	६४	नृपति अनूपसिंह के पुत्र आनन्दसिंहजी के आनन्दार्थ रचित।
१८०	१०७८	भववैराग्यशतक सस्तबक		प्रा.रा.गू.	१७वीं श.	८	
१८१	१०८०	भववैराग्यशतक सस्तवक		,,	१८वीं श	६	
१८२	१०८४ (२)	भववैराग्यशतक सस्तवक		,,	,, ,,	३८से४४	
१८३	१०४७ (२)	भववैराग्यशतक सस्तवक		,,	१९वीं श.	८से१६	
१८४	२३३६	भावरसादिवर्णन कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श	३५से७०	अपूर्ण।
१८५	२१४२ (३)	मजलस		हि०	१९वीं श.	६-७	
१८६	२३०० (३)	मरद अस्त्रीकुं लिखै तिणरी पैठ दूहाबंध		रा०	१८७९	१४-१८	आमेर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८७	२३०० (२)	मरदप्रति लुगाइरी पैठ [पत्र लेखन] दूहा बंध		रा०	१८७६	४–१४	आमेर में लिखित।
१८८	१८१६	माझ तथा कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श.	८	
१८९	२८९३ (४७)	मारूदेश निन्दागीत		रा० गू०	१७वीं श.	८८ वां	
१९०	२३३०	मुखवर्णन कवित्त आदि		ब्र. हि.	१९वीं श	६	
१९१	११४४ (३)	मूर्खबहुत्तरी		रा०	”	३०–३२	
१९२	८९६	मूर्खाधिकार		रा० गू०	”	२	
१९३	२२५३	मेड़ताका कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श.	१	
१९४	६४	योगशास्त्रान्तर्गतश्लोका:	हेमचन्द्र	सं०	”	३१	
१९५	३५६५ (४)	रजवजीका कवित्त	रजब	ब्र. हि.	१९वीं श	३७०–३७९	
१९६	३५६५ (५)	रजवजीका सवैया	”	”	१८०३	३९८–४०३	
१९७	८७१	राजनीति	जसुराम	ब्र.	१८८१	१६	सं. १८१४ में रचना, मांनकुआ में लिखित।
१९८	११२६ (१)	राजनीति	”	ब्र. हि.	१८२७	१–१२	सं. १८१४ में रचित।
१९९	११३९	राजनीति	देवीदास	”	१९वीं श	४६	
२००	२२६२	राजाश्रेष्ठि आदि के कवित्त	खुसराम आदि	”	२०वीं श.	७०	
२०१	७०२	लघुचाणक्य तथा वृद्धचाणक्य सार्थ		सं० अ. रा.	१८वीं श.	९	
२०२	२३६८ (१८)	लघुचाणक्य राजनीति		सं०	१९वीं श	५५–६०	
२०३	३५५३ (१)	लघुचाणक्य राजनीति		”	”	१३–१५	
२०४	८२२	लघुचाणक्य राजनीति तथा रामरक्षास्तोत्र		”	१८८३	५	मानकुआ में लिखित।
२०५	२३६८ (१)	लघुचाणक्य राजनीति सार्थ		सं०रा०	१९वीं श.	२–२६	गुटका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०६	२४०६	लुकमान हकीमकी नसियत		हि०	१६२५	५	अजमेर में लिखित।
२०७	२४०७	लुकमान हकीमकी नसियत		"	२०वीं श.	४	
२०८	१६८०	वचनामृत	सहजानंदस्वामी	गू०	१६वीं श	१०२	गुटका।
२०६	११२२ (६६)	वणिक छपै		रा०	"	८५ वां	
२१०	२८६३ (४६)	वासप्रास्ताविक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श.	८६ वां	
२११	२८६३ (६६)	विद्वद्गोष्ठी		सं०	"	१६२ वां	
२१२	१७१६	विद्वद्गोष्ठी तथा ज्ञान-क्रियासंवाद		"	१६वीं श.	३	
२१३	५१८	विद्वद्भूषण टिप्पण सहित	बालकृष्ण	"	१८वीं श.	१३	
२१४	२८६३ (११८)	विविधदृष्टांतगीत		रा० गू०	१७वीं श.	१७३ द्वि.	
२१५	२२१८ (३)	विवेकचिन्तामणि	सुन्दरदास	ब्र०	१६वीं श	१२–१३	
२१६	३४२६	वृद्धचाणक्यराजनीति		सं.रा.गू.	१७वीं श.	१०	
२१७	२५०५	वृद्धचाणक्यराजनीति सबालावबोध		रा० गू०	१६५६	५	चकलासी ग्राम में लिखित।
२१८	३५६४ (१)	वृद्धचाणक्य राजनीति सस्तबक		स रा	१८५७	१–४४	बगड़ी में लिखित।
२१६	३५५५ (१०)	वृन्दबहुतरी दूहा	वृन्दकवि	रा०	१६वीं श	१–२	जोधपुर में रचित।
२२०	१८८६ (१६)	वैराग्यमंजरी	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	"	८३–६४	रचना सं. १८५२। भर्तृहरीय वैराग्य शतक पर भाषाकाव्य।
२२१	२२६१	वैराग्यविनोद	खुसराम	ब्र. हि	१६०५	७	स १६०५ मे कृष्ण दुर्ग मे रचित। कर्ता के हस्ताक्षर।
२२२	१८०३ (८)	वैराग्य शतक	भर्तृहरि	स०	१६वीं श	१२–१८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२३	२४६५	वैराग्यशतक	भर्तृहरि	सं०	१६वीं श.	११	
२२४	१७३६	वैराग्यशतक सटीक	"	"	१८६६	२१	
२२५	३१७४	वैराग्यशतक सटीक	टी०घनश्याम मिश्र	"	१६२२ शाके	४७	सं० १८५० मे नारायणपुर में टीका रचना, पत्र ४० वां अप्राप्त।
२२६	३६६५	वैराग्यशतक सटीक		"	१८५६	१६	
२२७	२१२	वैराग्यशतक सटीक त्रिपाठ		"	१६वीं श.	४२	
२२८	१०७५ (२)	वैराग्यशतक सस्तवक		मू.प्रा स्त.रा.गू	१७वीं श.	८से१७	
२२९	१८७६ (३)	वैराग्यशतक सार्थ		मू. सं. अ.रा.	१८वीं श	१०८से ११	गुटका
२३०	२४६८	वैराग्यशतक सावचूरि पंचपाठ		स०	१८वीं श.	११	
२३१	१०८४ (१)	शतकत्रय सस्तवक	मू० भर्तृहरि	"	१८वीं श.	१से३८	
२३२	३१३४ (२)	शतकत्रय सार्थ	"	सं.अ. रा. गू	१६वीं श.	१से४२	
२३३	२३०४	शांतिनत्रक	खुसराम	त्र हि.	१६१४	४	कृष्णगढ़ में लिखित कर्त्ता के हस्ताक्षर।
२३४	१८८६ (१५)	शृंगारमजरी	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१६वीं श.	७३से८३	भर्तृहरीय शृंगार-शतक पर भाषा काव्य।
२३५	७०५	शृंगारवैराग्य मुक्तावली	सोमप्रभाचार्य	स०	१६वीं श	४	
२३६	५६	शृंगारशतक तथा नीतिशतक	भर्तृहरि	"	१८वीं श	८	अपूर्ण, नीतिशतक ६१ वां पद्य तक।
२३७	१२५५	शृंगारशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	"	१६वीं श	३२	
२३८	२४६७	शृंगारशतक	मू० भर्तृहरि टी० धनसार	"	१७३१	११	
२३९	३६६४	शृंगारशतक		"	१८५६	१५	
२४०	३५६७ (२४)	षट्चक्रवैकवित्त		रा०	१६वीं श.	१४५-१४६	
२४१	३५६७ (६)	षड्दर्शन वर्णनकवित्त		"	१६वीं श.	१०५-१०६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४२	१६०२ (१)	सतसया	वृन्दजी कवि	ब्र०हि०	१८४१	१-४१	गुटका।
२४३	२०७६	सतसया	,,	,,	१८१३	२२	
२४४	११३६	सतसया	,,	,,	१६११	७५	सं १७१८(?)मेंरचना।
२४५	११२२ (५३)	सपाईनी जाति		रा०	१६वीं श	७२ वां	
२४६	२२१७ (४)	सप्तव्यसनदूहाकुंडलिया	भीम	,,	८वीं श.	३रा	
२४७	८८२२	सप्तशती	गोवर्धनाचार्य	सं०	१८७२	८०	गुटका।
२४८	११२७	सभाप्रकाश	हरिचरणदास	ब्र०हि०	१६वीं श	५७	स. १८३४ में रचित।
२४९	२२३३	सभाप्रकाश	,,	,,	१८८६	७२	कृष्णगढ़ मे लिखित, सं. १८१४ मे रचित।
२५०	२३४२	सभाप्रकारा के प्रश्नोत्तर		,,	२०वीं श.	२	अपूर्ण।
२५१	८६६	सभासार	रघुराम	,,	१६१४	३२	कवि का निवासस्थान सारङ्गपुर (अहमदाबाद) था।
२५२	२३५०	समस्याकवित्त आदि	मगनीराम	,,	२०वीं श.	४	
२५३	३५६५ (६)	सर्वांगयोगप्रदीपिका	सुन्दरदास	,,	१६वीं श.	३६०-३६८	
२५४	२२००	सवासो सील	धर्मसी	रा०गू०	२०वीं श.	२	
२५५	८७४	सवैया	सुन्दरदास	ब्र०	१६वीं श.	५	
२५६	१८४६	सवैया छन्द स्तोत्र सुभाषित ज्योतिषादि संग्रह		सं०ब्र० रा०गू०	१८४७	१६०	गुटका।
२५७	३५५५ (७४)	सवैया दूहा		रा०	१६वीं श	१४६-१५०	
२५८	११२२ (६४)	संग्रणी स्त्री छंद		रा०गू०	१६वीं श	८४-८५	
२५९	३५७५ (८)	संतोषछत्तीसी	समयसुन्दर	,,	२०वीं श	८५-८८	लूणकरणसर में सं.१६८४ मे रचित।
२६०	६८६	मनोगरत्नायनत्रायनी (ज्ञानचिन्तामणि)	कान्तिविजय	,,	१६वीं श	६	
२६१	२११७ (१)	साखियां	कबीर	हि०	१८७४	१-३८	
२६२	३५५५ (६)	सानवारा दूहा		रा०	१६वीं श	१६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६३	२०४	साहित्यरत्नावली	उदयराम गौड	सं०	१६०६	१०	कर्ता का निवास स्थान ओडग्राम था।
२६४	७०६	सिन्दूर प्रकर	सोमप्रभ	"	१८५२	६	राधणपुर में लिखित।
२६५	७०८	सिन्दूरप्रकर	"	"	१८वीं श.	१३	
२६६	१७४१	सिन्दूरप्रकर सटीक	सोमप्रभ टी. हर्षकीर्ति	"	१७६६	२२	
२६७	६०७	सिन्दूरप्रकर सावचूरि पंचपाठ	सोमप्रभ	"	१६६५	२२	राक्षिपुर में लिखित।
२६८	२५०३	सिन्दूरप्रकरावचूरि		"	१६वीं श	१०	
२६९	३५७५ (३५)	सीमंधरजी को जीवाजी की चिट्ठी		रा०	२०वीं श	१६७–१७३	
२७०	३५५५ (१६)	सिरोही मांडेवी वीका-नेरी जोधपुरी बोलीयां		"	१६वीं श.	१०२ रा	
२७१	२३५६	सिवदास सिरोया आदि के कवित्त फुटकरपत्र		व्र०हि०	२०वीं श.	४७	
२७२	११४४ (२)	सीखबहुत्तरी		रा०	१६वीं श	२८–३०	
२७३	२०७५	सीखामणढाल		"	१७वीं श	३	
२७४	११४२ (१)	सुभाषित		"	१८वीं श	१–१७	
२७५	२५०१	सुभाषित काव्य		सं.प्र रा.	१६वीं श.	६	
२७६	२४६३	सुभाषितगाथा सटीक त्रिपाठ		सं.प्रा	"	५	
२७७	२१५३	सुभाषित दोहा कवित्त		रा०व्र०	१७वीं श	२०	
२७८	८६६	सुभाषित दोहा कवित्त आदि		व्र०	१६वीं श.	१५	
२७९	२२६४	सुभाषित श्लोकाः		सं०	"	४	
२८०	२४६६	सुभाषित श्लोकाः		"	"	५	
२८१	२५०६	सुभाषित संग्रह		"	१८वीं श.	१४	प्रभासपुराणगत
२८२	३२६६	सुभाषित सारोद्धार		"	१५वीं श	४०	
२८३	२५०८	सुभाषितानि		"	१७वीं श	२३	
२८४	३६६०	सुभाषितानि		सं. रा.	"	३	
२८५	३६७२	सुभाषितानि		"	१८वीं श	४	
२८६	३६७५	सुभाषितानि		स.प्र.	१८७७	५	पीन्डूद में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८७	१७४०	सुभाषितावली	सकलकीर्ति	संस्कृत	१७४३	६	
२८८	१७३८	सूक्तमाला	कनकविमल	गू०सं०	१६०६	१५	
२८९	२५०४	सूक्तमाला		सं०	१८६६	१०	पाटण मे लिखित।
२९०	३६६७	सूक्तमाला		गू०	१६१२	१५	
२९१	७०३	सूक्तानि		सं०	१८वीं श.	४	
२९२	२५०२	सूक्तानि		सं०प्रा०	१६वीं श.	१६	
२९३	७०१	सूक्तावली		सं०	१८वीं श.	८	
२९४	७०४	सूक्तावली		„	१८५७	१६	ध्रांग में लिखित।
२९५	१७३६	सूक्तावली		„	१८७२	११	
२९६	२५०७	सूक्तावली		„	२०वीं श.	१४	
२९७	३६६६	सूक्तावली		„	१६वीं श	५	
२९८	३६६६	सूक्तावली		„	१८८६	५१	
२९९	२३०० (१)	स्त्रीप्रतिपुरुप लेख दूहाबंध		रा०	१८७६	१–४	आमेर में लिखित।
३००	२०६६	स्त्रीप्रशंसा आदि		रा.	१७वीं श	१	
३०१	२८६३ (११५)	स्वजनछत्तीसी		सं. प्रा.	„ „	१७०–१७२	
३०२	२८६३ (४८)	हरियालि	हीरकलश	रा.	„ „	८८ वा	
३०३	२८६३ (५०)	हरियालि	हेमाणंद	„	„ „	८६ वां	
३०४	२८६३ (५१)	हरियालि	बील्हा	„	„ „	८६ वां	
३०५	१०४६ (२)	हिंसाष्टक सावचूरि	हरिभद्रसूरि	सं०	१८६६	६१से६३	राधणपुर में लिखित।
३०६	२८६३ (६६)	हीयाली	हीरकलश	रा०	१७वीं श	१३४वां	
३०७	२८६३ (६६)	हीयाली	हेमाणद	„	„ „	१३४वां	वृद्धिपुरी मे रचित।
३०८	२८६३ (७०)	हीयाली	„	„	१६५७	१३५वा	१३५वां मुनि हीरकलश नामदर्शक प्रहेलिका।
३०९	३५१० (४)	हीयाली		„	१८वीं श.	४था	

(१९) शिल्प-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१८६६	राजवल्लभ		सं०	१८वीं श.	४६	अपूर्ण।
२	२२	वास्तुशास्त्र (रूपमंडन)	मंडन सूत्रधार	"	१७६४	१७	गुटकाकार है।
३	३११४	वास्तुसार		"	१६२७	२०	

(१०) आयुर्वेदशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७१६	अजीर्णमंजरी सार्थ		मू. स. अ.रा.गू.	१६०३	६	
२	२३३८	अजीर्णमंजरी	काशीनाथ	सं०	१६वीं श.	३	
३	७१६	अनुपानमंजरी		"	१८५६	११	
४	३००६	अष्टांग हृदय संहिता प्रथम द्वितीय स्थान	वाग्भट	"	१६वीं श.	८५	
५	२३६१	आत्रेयसारसग्रह सस्तवक		"	१६३०	२०१	विदासर में लिखित।
६	२३६८	आनन्दमाला	आनन्दभारती	"	१७५२	३८	
७	२४०५	आयुर्वेद महोदधि	सुखेनदेव (सुषेणदेव)	"	१८०५	१६	कर्ता के हस्ताक्षर।
८	३८२२	आयुर्वेदमहोदधि (अन्नपानविधि)	सुषेणदेव	"	१८२४	२४	सवाई जैपुर में लिखित।
९	८५०	आयुर्वेदमहोदधि	"	"	१८७४	२३	
१०	२४१६	आयुर्वेदशास्त्र	सुश्रुत	"	१७२७	२८	शरीरशास्त्रात्मक विभाग।
११	२८६३ (६२)	औषधपल्लवी		"	१७वीं श	१६० वां	केवल एक श्लोक है।
१२	३८४१	औषधपुराण भाषा (गद्य)		"	१६वीं श	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३	११६२	करावदीन सफाई का नुसखा की वचनिका		हि०	१८६६	३२	पुष्पिका-इति किताब्र करावादीनसफाई का नुस (खा) श्री मनमहाराजाधिराजराजेन्द्र महाराज श्री ईश्वरीसिंहजी आग्या करी लिखा (ख) ई हती तीकी वचनिका हिन्दी में श्रीमन्महाराजाधिराज राजेन्द्र श्रीसवाई प्रतापसिहजी कराई संवत् १८५७ मिती माश्र (घ) सुदि १५। पोथी छंगालालजी फारसी की हींदगीस लीपाई।
१४	३८५६	कल्पस्थान	वाग्भट	संस्कृत	१८वीं श.	६	अष्टांगहृदय सहितागत।
१५	२४११	कालज्ञान		,,	१८७०	६	कृष्णगढ़ में लिखित।
१६	२८६३ (६७)	कालज्ञान		,,	१७वीं श.	१३३-१३४	अपूर्ण। आद्य ३० श्लोक नष्ट।
१७	७१४	कालज्ञान	शंभुनाथ	,,	१८६०	१८	
१८	३८४३	कालज्ञान भाषा पद्य	लक्ष्मीवल्लभ		१८वीं श.	७	१७४१ में रचित।
१९	३४६६	कालज्ञान भाषार्थसहित		सं० रा०	१७११	१६	
२०	७१५	कालज्ञान सस्तबक	मू० शंभुनाथ	मू सं.स्त, रा गू	१८५७	३०	
२१	७१७	कालज्ञान सस्तबक	,,	,,	१७८६	१४	कोटड़ा में लिखित।
२२	७२२	कालज्ञान सार्थ	,,	,,	१८५५	२५	
२३	३८२४	कालज्ञान सार्थ		,,	१८२८	१८	
२४	१८८४	कूटमुद्गर सटीक आदि		संस्कृत	१६वीं श.	६	
२५	३५७३ (५८)	केशकल्प आदि वैद्यक		राज०	१६वीं श	१३५	जीर्ण प्रति।
२६	२५४७	कौतुकचिन्तामणि	प्रतापरुद्रदेव	संस्कृत	१७६२	४३	प्रतापनपुर पत्तन में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७	२३८६	गुणागुणग्रन्थ		संस्कृत	१६वीं श.	१५	
२८	३८५७	चिकित्सासारसंग्रह	वगसेन	,,	१७४४	३३५	पातिसाह श्री नोरंगसाह के समय में आगरा में लिखित।
२६	२३६६	ज्वरतिमिरभास्कर	चामुंडकायस्थ	,,	१७४८	५८	सूई मे लिखित। स० १५४६ मे योगिनी पत्तन(मेदपाट) में श्रीराजमल्ल के शासन में रचित।
३०	१७४६	तिव्वसहावीफारसी की भाषा (पद्य)	सीताराम	राज०	१८३०	५२	
३१	२३८७	त्रिशती	शार्ंगधर	संस्कृत	१८३३	२६	
३२	३४६२	त्रिशती	,,	,,	१७२१	१६	
३३	७३२	द्रव्यगुणशतश्लोकी	त्रिमल्लभट्ट	,,	१७३०	८	
३४	२४०१	द्रव्यगुणशतश्लोकी	,,	,,	१७५८	१६	
३५	३८५२	द्रव्यगुणशतश्लोकी सस्तवक	,,	,,	१८८५	२६	सं. १८३१ में पाली पुर मे स्तवकरचना।
३६	११२३ (१६)	नाडीपरीक्षा		,,	१७वीं श	७६ वां	
३७	२४१०	नाडीपरीक्षा		,,	१६३८	५	
३८	३८४२	नाडीपरीक्षा सस्तवक		मू०सं० रा०गू०	१६वीं श.	२	
३६	२४१२	पट्टीप्रकाश	देवीचद्र व्यास	संस्कृत	१६२६	६	कृष्णगढ़ में लिखित।
४०	२३६७	पथ्यापथ्य विनिश्चय सस्तवक		मू०सं० स्त०रा०	१६२०	५२	विदासर मे लिखित।
४१	३८५१	पाकार्णव		सस्कृत	१८वीं श	२३	
४२	२३६६	पाकावली		,,	१६वीं श.	२३	किसी ग्रन्थ के अतर्गत प्रकरण है।
४३	३४६७	पालकाप्यगजायुर्वेद		,,	१८वीं श.	२००	द्वितीयस्थान पर्यन्त।
४४	३६२	फरासीसहकीमवैद्यक		राज०	१६वीं श	६२	
४५	२२५	वालतत्रग्रन्थभाषा-वचनिका	कल्याण पडित	,,	१८६५	८२	दीपचन्द्रोपाध्याय रचित संस्कृत ग्रन्थ का अनुवाद।
४६	२३८३	वालतंत्र भाषा	,,	व्रज०	१६वीं श	१४५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७	१३४	भावप्रकाश पूर्व खंड	भावमिश्र	सं०	१६वीं श.	१४३	२८ वें प्रकरण पर्यन्त।
४८	१३५	भावप्रकाश उत्तर खण्ड	"	"	"	२२१	संपूर्ण।
४९	१७४३	भिषक्चक्र चित्तोत्सव	हंसराज	"	१९१२	३७	
५०	३८२३	मदनविनोद		"	१८वीं श.	४३	अंत्य ४४ वां पत्र अप्राप्त।
५१	२३९४	मदनविनोद	मदनपालनरेश	"	१८७१	६४	मेडता में लिखित, सं. १४२१ मे रचित। अन्त ग्रंथकार का विस्तृतमेंवंशवर्णन है।
५२	३८४८	मदनविनोद मदनपाल निघण्टु	मदनपाल	"	१८४२	४८	जगत्तारणिनगर में लिखित। सं १४२० में रचित। १४ पद्यों में ग्रंथकार की विस्तृत प्रशस्ति है।
५३	३८४४	मनोरमायोग ग्रथ		"	१८८०	१८	नागोर में लिखित।
५४	३३७७	मल्लप्रकाश	लोकनाथ	"	१९४३	१६	श्रीउदयसिंह शासित सुभटपुर में लिखित। योधपुर नरेश श्री मल्लदेव की प्रेरणा से रचित।
५५	३४९१	माधवी चिकित्सा		"	१७वीं श	८१	
५६	११२३ (२०)	मूत्रपरीक्षा		"	"	७९-८०	
५७	२४७२	मूत्रपरीक्षा		"	१८वीं श.	१	
५८	२४१६	मूत्रपरीक्षा		"	१९वीं श	१	
५९	२८९३ (१०६)	मूत्रपरीक्षा तथा कालज्ञान		रा०	१७वीं श.	१६५ वां	
६०	३४६५	योगचिन्तामणि	हर्षकीर्ति	सं०	१७५४	३६	फलवर्द्धिनगर में लिखित।
६१	३८१९	योगचिन्तामणि भाषा टीका सहित	मू. हर्षकीर्ति	मू.सं.भा. टी रा गू.	१९वीं श	१०८	
६२	७१४	योगचिन्तामणि बालाव बोधसहित	"	"	१७४६	२०४	तेरा (कच्छ) में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३	२३८५	योगचिन्तामणि सस्तवक	मू० हर्षकीर्ति	मू०सं० रा०	१८७३	१४६	
६४	२४०३	योगचितामणि सस्तवक	,,	,,	१७७७	१८३	मेड़ता में लिखित।
६५	३८३६	योगचितामणि सस्तवक	,,	,,	१८वीं श	१०८	
६६	३८४६	योगचिंतामणि सस्तवक	,,	,,	१८२०	१२८	घटियालीनगर में लिखित ।
६७	३५५२ (३)	योगचिंतामणि (सार-संग्रह) सार्थ	,,	,,	१८वीं श	६७–१६०	
६८	७२३	योगमुक्तावली सार्थ	नागार्जुन	,,	२०वीं श	८६	
६९	७२७	योगरत्नाकरचौपई	नयनशेखर	रा० गू०	१८१४	१२८	रचना सं १७३६।
७०	२६२	योगशात सस्तबक		मू सं.स्त. रा० गू०	१८४३	२२	
७१	१५६२	योगशत टीका	रूपनयन	सं०	१८वीं श	८३	वैद्यवल्लभाख्या टीका।
७२	३८२८	योगशतक		,,	१९वीं श.	११	
७३	३८५५	योगशतक		,,	१६६५	६	केकिंद में लिखित।
७४	३८२६	योगशतक सटीक		,,	१७५०	१७	
७५	७२१	योगशतक सार्थ	मू० वामन	मू सं. रा. गू	१८१४	३६	
७६	१७४५	रससंकेतकलिका	चामुण्ड कायस्थ	सं०	१९वीं श.	११	कोटा मे खिखित।
७७	१७४४	रामविनोद	रामचन्द्र	व्र. हि	१८०५	१०३	गुटका। ओरंगजेव के शासनकाल में सम्वत् १६५० (?) में रचित।
७८	३५५२ (१)	रामविनोद	रामचन्द्र मिश्र केशवदास सुत	स०	१७६३	१–८३	अकबर शासित भेहरासहर में सं० १६२० मे रचित। भिन्नमाल में लिखित
७९	३८३३	रामविनोद	,,	,,	१७६०	७६	घृततेल भाजनग्राम में लिखित।
८०	३४४६	रामविनोदभापा वचनिका	रामचन्द यति	राजस्थानी	१६३०	१५१	पत्र १०० से १०४ तथा ११७ से ११६ अप्राप्त। सं १७२० में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	२६२०	रामविनोद वचनिका		राजस्थानी	१६वीं श.	२६	
८२	१५६१	रुग्विनिश्चय		संस्कृत	१५वीं श.	३३	अपूर्ण।
८३	२३८०	रुग्विनिश्चय		,,	१६वीं श	६	
८४	२३६५	रुग्विनिश्चय	माधव	,,	१८८३	६३	अजमेर में लिखित।
८५	२६०४	रुग्विनिश्चय (माधवनिदान)	,,	,,	१८६५	७६	पत्र ४६ से ६० अप्राप्त।
८६	३८३४	रुग्विनिश्चय	,,	,,	१८६७	८४	
८७	३८३८	विनोदवैद्यक	मानजीमुनि	व्र०हि०	१६वीं श.	३८	स० १७४५ में लाहोर में रचित। ग्रंथकार का निवास स्थान बीकानेर था।
८८	३८५३	वैद्यकगुणसार		राज०	१८५६	१०८	प्रथम तथा तीसरा पत्र अप्राप्त।
८९	२४०६	वैद्यकनुखसा		,,	२०वीं श.	६	
९०	२४०४	वैद्यक प्रास्ताविकसंग्रह		संस्कृत	१८०६	१२	
९१	३५६७ (११	वैद्यक फुटकर		राज०	१६वीं श	११३-१२६	जैन स्तवन पद भी लिखें हैं।
९२	३५६७ (३३)	वैद्यक फुटकर		,,	,, ,,	१८१-२३६	मंत्र यंत्रादि भी लिखा है।
९३	३०४१	वैद्यकभाषा	अनंतराममिश्र	हिन्दी	१६०७	४४	सवाई प्रतापसिंह जी की आज्ञा से रचित।
९४	३८३२	वैद्यकसार		राज०	१६वीं श.	२७	
९५	३८३७	वैद्यकसार सार्थ		मू.सं अ रा. गू.	,, ,,	६	
९६	२३८२	वैद्यकसारोद्धार		राज०	१६१६	२४०	संग्रहग्रन्थ है।
९७	२४१५	वैद्यजीवन	लोलिंवराज	संस्कृत	१७वीं श.	८	
९८	२४१८	वैद्यजीवन	,,	,,	१८६६	१३	प्रथम पत्र अप्राप्त।
९९	३८३०	वैद्यजीवन टीका	रुद्रभट्ट	,,	१८३१	३६	जोधपुर में लिखित। षट् खेटकाख्य नगर में रचित।
१००	३८५४	वैद्यजीवन टीका	,,	,,	१६वीं श	४२	पट्खेट नगर में रचित।
१०१	३८२१	वैद्यजीवन सटीक	लोलिंवराज	,,	,, ,,	४०	प्रथम पत्र अप्राप्त। साकंभरी में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१०२	३८३१	वैद्यजीवन सस्तवक	लोलिम्वराज	मू सं.स्त. राज०	१८६५	३७	लूंणासर में लिखित।
१०३	७२८	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१६वीं श	४८	किंचित् अपूर्ण।
१०४	७२६	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१८२४	३२	मुनराबदिर मे लिखित।
१०५	५	वैद्यमनोच्छव	नयनसुख	ब्र०हि०	१८१६	५६	देवपुरी में लिखित। संम्वत् १६४२ में अकबर के राज्य में रचित।
१०६	७१३	वैद्यमनोच्छव	"	ब्र	१६१०	३०	आग्रा में रचना।
१०७	७२६	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६४	१४	सं. १६४६ मे अकबरशाहशासित सिंहनदनगर में रचित।
१०८	२३६३	वैद्यमनोच्छव	"	"	१६वीं श.	१३	सं १६४६ मे अकबरशाह के शासन में सिंहनदनगर में रचित।
१०६	२४१७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८२५	१५	सं० १६४६ में अकबरशाह के शासन में सौहरिंद (सिंहनंद) नयर में रचित। पत्र १४वां अप्राप्त।
११०	२८८४	वैद्यमनोच्छव	"	"	१७७२	८	
१११	३१८२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१६१५	२२	संवत् १६४६ में अकबर के शासन में रचित।
११२	३२६२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८४०	१७	सवत् १६४६ मे अकबर के शासन में सिंहनदमें रचित।
११३	३५५२ (२)	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८वीं श	८४-६६	
११४	३८२७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८०६	२४	संवत् १६४६ में रचित।
११५	३८४५	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६७	१५	देवगढ़ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११६	४००	वैद्यवल्लभ	हस्तिरुचि	संस्कृत	१८५५	१४	
११७	२०३	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	मू.सं.स्त रा०गू०	१८७८	२३	
११८	७२५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१९वीं श.	२२	
११९	७३५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१८५७	२५	जीर्णगढ़ में पसागरी वेलाजी के लिये लिखी।
१२०	३८३६	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१७६८	१२	पंडपग्राम मे लिखित।
१२१	२३७८	वैद्यविनोद	शकर भट्ट	सं०	१८८३	६१	किशनगढ़ मे लिखित। रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित।
१२२	२३८६	वैद्यविनोद	धन्वतरि	,,	१८वीं श.	१८८	
१२३	२३८१	वैद्यविनोद टिप्पणयुक्त	मू० शंकरभट्ट	,,	१८६५	१७३	कृष्णगढ़ में लिखित। रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित।
१२४	२३६२	वैद्यविनोद सस्तवक	,,	,,	१९१७	१३४	रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित।
१२५	१५६३	वैद्यसंजीवन		,,	१८वीं श	३	
१२६	२३६०	वैद्यावतस	लोलिंवराज	,,	१९वीं श	७	वैद्यावतस पूर्ण करके लेखक ने अनगरंगमत वाजीकरणादि के श्लोक लिखे हैं।
१२७	२६३३	व्याधिध्वंसिनी	भावशर्मा	,,	१९वीं श.	७३	अपूर्ण, पत्र ४ था १७ वा अप्राप्त।
१२८	३६८	शतश्लोकी	वोपदेव	,,	१९वीं श	१८	
१२९	३८२०	शतश्लोकी	,,	,,	१६३८	१३	नीमर मे रचित।
१३०	७२०	शतश्लोकी सटीक	वोपदेव टीका स्वोपज्ञ	,,	१८२२	६१	चन्द्रकला नामक टीका।
१३१	७३३	शतश्लोकी सटीका	,,	,,	१७१९	२१	राजनगर मे लिखी। चन्द्रकला नामक मूल कृति।
१३२	७३०	शतश्लोकी सार्थ	,,	,,	१८वीं श.	२५	चन्द्रकला नामक।
१३३	१७५	शार्गधरसहिता पूर्व खण्ड	शार्गधर	,,	१९११ (?)	१९	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३४	१७३	शार्ंगधरसंहिता उत्तर खण्ड	शार्ंगधर	संस्कृत	१६११	६६	
१३५	२८२५	शार्ंगधरसंहिता सटीक त्रिपाठ	दामोदर शार्ंगधर	"	१६वीं श	८४	
१३६	२४१३	शालिहोत्र		राज०	१८१५	८	अश्वचिकित्सा।
१३७	३५४६ (४)	शालिहोत्र		"	१६वीं श	४०–४५	
१३८	३५५० (६)	शालिहोत्र		"	" "	४१–५०	
१३९	३४५६	शालिहोत्र (अश्व-चिकित्सा)	नकुल	सं०	१७वीं श	१६	अपूर्ण।
१४०	२४१४	शालिहोत्र अर्थ सहित	मू० नकुल	मू०सं० अर्थ राज.	१८१७	२२	सूरतिबिन्दर में लिखित।
१४१	७३१	सन्निपातकलिका		सं०	१७वीं श	६	
१४२	२४०८	सन्निपातकलिका सटिप्पण		मू.सं.टि. राज.	१६३६	६	
१४३	३६६	सन्निपातचिकित्सा		सं०	१६वीं श.	८	
१४४	२८८१	सन्निपातचिकित्सासार्थ		मू०सं० अ०रा०	१८वीं श.	१०	
१४५	२३८४	संहिता	दामोदरसूनु	सं०	१६वीं श.	५५	मध्यखंड पर्यन्त।
१४६	३४६४	सारसंग्रह		"	१७वीं श	१०६	पत्र ६१ वां नहीं है।
१४७	३४६३	हितोपदेश	श्रीकंठ	"	" "	३२	पत्र १८, १६, २० अप्राप्त।
१४८	७२४	हिंमतप्रकाश चोपाई	श्रीपतिभट्ट	ब्र०हि०	१८३५	४२	माधवनिदान की भाषा मे चोपाई। नवाब हिंमतखान की आज्ञा से गुजराती औदीच्य ज्ञात य श्रीपति ने संवत् १७३० मे रची।
१४९	२८२६	हृदयदीपकनिघण्टु	वोपदेव	संस्कृत	१८७१	२४	

(११) जैनागम

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५८६	अनुयोगद्वार टीका	हेमचंद्र (मल)	सं०	१६वीं श.	१७०	
२	१५६०	अनुयोगद्वार सूत्र मूल		प्राकृत	१७वीं श.	५७	
३	१५८२	आचारांगसूत्र मूल		"	१६वीं श.	५६	
४	१५६२	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	८१	
५	१६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	४३	
६	२१११	आवश्यकपीड़िका-बालावबोध	सोमसुन्दर शिष्य	रा० गू०	१७वीं श.	३६	
७	१६०४	आवश्यकसूत्र लघु-वृत्तिसहित	टी० तिलकाचार्य	मू. प्रा. टी. सं.	१६वीं श.	२०२	टी० रचना सं० १२६६। प्रथम पत्र सचित्र।
८	६६५	उत्तराध्ययनकथा बालावबोध		रा० गू०	१८वीं श.	८३	प्रथम पत्र नहीं है।
९	६१	उत्तराध्ययन मूल		अर्धमागधी	१५वीं श	२८	
१०	१६११	उत्तराध्ययन मूल		प्राकृत	१६६६	५०	वणथलीनगरे जामजसाजी राज्ये लिखी।
११	१६१०	उत्तराध्ययन मूल		"	१७वीं श.	५४	
१२	१५६५	उत्तराध्ययन मूल		"	१६६१	५७	
१३	१६००	उत्तराध्ययन लघुवृत्ति सहित	वृ. नेमिचन्द्र	मू प्रा. टी स.	१७वीं श	२२३	
१४	१८३१	उत्तराध्ययन सबालावबोध त्रिपाठ		प्रा रा.गू.	१६८०	२३८	
१५	२१२६	उत्तराध्ययन सबालावबोध		"	१६८०	२७१	अहमदाबाद नगर में लिखित।
१६	१६०१	उत्तराध्ययन सबृहद्वृत्ति	टी. शान्ताचार्य	प्रा.टी सं	१६६१	६१७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	१५८४	उत्तराध्ययन संस्कृत तथा भाषार्थसहित		मू. प्रा टी. सं.	१६वीं श.	१३८	
१८	१६०६	उत्तराध्ययन सावचूरि पंचपाठ		"	१७वीं श	१३२	
१६	१५८१	उत्तराध्ययनावचूरि		स०	१५वीं श.	६२	
२०	६६	ऋषिभाषित		अर्धमागधी	१६६२	७	
२१	१५८७	औपपातिकसूत्र		प्राकृत	१६१५	२३	
२२	१५६४	औपपातिकसूत्र सटीक त्रिपाठ	टी० अभयदेव	मू० प्रा० टी० सं	१७वीं श.	७६	
२३	२६०५	कल्पसूत्र कल्पद्रु कलिका टीका सहित	टी. लक्ष्मीवल्लभ	"	१८५६	१४६	धङ्कला में लिखित।
२४	२६०६	कल्पसूत्र टीका		सं०	१८८०	१३७	कल्पद्रुमकलिका नामक टीका का संक्षेप है।
२५	१६०६	कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहु	प्राकृत	१७वीं श	४८	
२६	६६	कल्पसूत्र सचित्र	"	"	१६४१	१४६	चित्र स० ६२ हैं।
२७	११७१	कल्पसूत्र सचित्र सस्तवक	"	प्रा. रा.	१७०३	६६	चित्र सं० ४३ हैं।
२८	३०२४	कल्पसूत्र सवालावबोध	"	मू प्रा वा. रा. गू.	१७५३	१००	
२६	३०२५	कल्पसूत्र सस्तबक	"	"	१६६८	१२२	
३०	२८६१	कल्पसूत्र सस्तवक	स्त. हेमविमल	"	१८वीं श	१८२	पत्र १ तथा ६४ वां अप्राप्त।
३१	१५८३	कल्पान्तर्वाच्यटीका		स०	१५७६	५१	प्रथम पत्र में चित्र।
३२	२११३	चतु शरणप्रकीर्णक सवालावबोध	वा. धनविजय	प्रा. वा रा गू.	१७वीं श	७	वालावबोधकार के शिष्य वीर विजय ने लिखी।
३३	२११४	चतु शरणप्रकीर्णक सवालावबोध त्रिपाठ		"	१७१६	६	
३४	१०८४ (३)	चतु शरणप्रकीर्णक सस्तवक	मू० वीरभद्र	"	१८वीं श	४५–४६	
३५	१६०३	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति मूल		प्राकृत	१६६१	११८	थिरपुद्रनगर मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	१५६६	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति सटीक त्रिपाठ	टी० शांतिचंद्र	प्रा टी सं.	१६६४	३८७	पदार्थरत्न मंजूषा नामक टीका। उ० श्री नयविजयजी ने लिखाई।
३७	२६०४	ज्ञाताधर्मकथांग		प्रा०	१७वीं श	१२१	
३८	१५६३	ज्ञाताधर्मकथांग		”	१६४४	१४६	
३९	१५८८	ज्ञाताधर्मकथांग मूल		”	१६३५	११४	प्रथम पत्र नहीं है। जगत्तारणि में पातिसाह अकबर राज्य मे लिखित।
४०	१६०२	ज्योतिष्करण्डक सटीक	टी० मलयगिरि	मू० प्रा० टी० सं०	१८वीं श.	१५६	
४१	२१३३	तंदुलवैचारिकप्रकीर्णक सबालावबोध	बा० पासचंद	प्रा.रा मू.	१६७६	५०	
४२	२११२	दशवैकालिक बाला-वबोध सहित त्रिपाठ	मू० शय्यंभव बा.-लक्ष्मणमुनि	”	१६६२	५६	
४३	१५६८	दशवैकालिक सटिप्पण	मू० शय्यंभव	प्रा.टी.स	१७१६	२०	भुजनगर में लिखित।
४४	१६०७	दशवैकालिक सटीक	मू० शय्यंभव टी० समय सुन्दर	”	१७वीं श	५७	सं० १६६१ में स्तंभतीर्थपुर में लिखित।
४५	१५६७	दशवैकालिक सूत्र-चूर्णि पचपाठ	मू० शय्यंभव	प्रा० सं०	१७१८	२३	
४६	१५८६	दशवैकालिकावचूरि		सम्कृत	१५६१	३४	जाउरनगरे लिखी।
४७	८८१३ (५३)	पीस्तालीस आगमनाम		प्रा०	१७वीं श	६० वां	
४८	८८१३ (१३२)	प्रदेशीराजालापक		”	१७वीं श	१६४ वां	
४९	१८१३	प्रश्नव्याकरण बाला-वबोध सहित		प्रा रा गू.	१६३०	१०३	
५०	७४	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		रा० गू०	१६वीं श	८८	पांच अध्ययन पर्यन्त।
५१	८०	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		”	१६वीं श.	७७	अध्ययन ६ से पूर्ण। पत्र ६२ वां अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२	१५८५	राजप्रश्नीयसूत्र		प्राकृत	१५१६	७५	नागपुर में लिखित।
५३	१६१२	राजप्रश्नीयसूत्र		"	१६७०	७०	थिरुपुद्र में लिखित।
५४	२८६३ (१३४)	शास्त्रीय आलापकादि सार्थ		प्रा.रा.मू.	१७वीं श.	१६८से २०१	
५५	७६	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र सटीक		प्रा.टी.सं.	" "	२से१६१	अपूर्ण है।
५६	६५७	षडावश्यकबालावबोध	समयसुन्दर	राज.गू.	१८वीं श.	३३	
५७	२१६०	षडावश्यकबालावबोध		"	१७वीं श.	३०	
५८	१५६६	समवायांग मूल		प्रा०	१६वीं श.	६६	
५९	२१०८	साधुप्रतिक्रमण बालावबोध		रा०गू०	१७वीं श.	१८	
६०	२२५८	साधुप्रतिक्रमण बालावबोध संग्रह		प्रा०गू०	१८३६	१३	चूरू में लिखित।
६१	४२०	साधुप्रतिक्रमणसूत्र बालावबोध सहित त्रिपाठ		प्रा.रा.गू.	१७वीं श.	६	
६२	१५६१	सूत्रकृतांगनिर्युक्ति		प्रा०	" "	८	

(११) जैनप्रकरण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२०४२ (१)	अतिचार तथा स्नात्र-विधि		रा० गू०	१७८३	१–६	मगरवाड़ा में लिखित।
२	८७	अध्यात्मसार सटीक	मू० यशोविजय टी० गम्भीर-विजय	सं०	२०वीं श.	२६४	
३	२२०३	अध्यात्मसारमाला	नेमिदास	रा० गू०	१८वीं श	६	संवत् १५६५ में रचित।
४	२८६३ (७३)	अल्पबहुत्व विचार		"	१७वीं श.	१३७–१३८	
५	२०४१	अष्टप्रकार पूजा		"	१६वीं श.	२	
६	१०४७ (३)	आदिनाथ देशनोद्धार सार्थ		प्रा रा.गू.	"	१६–११	
७	२१३६	आराधना गद्य	समयसुन्दर	रा० गू०	२०वीं श.	१०	सं. १६८५ में रिणी-नगर में रचना, चीदा-सर में लिखित।
८	१०३६	उपदेशमाला	धर्मदास	प्राकृत	१७वीं श.	२७	१ ला पत्र नहीं है।
९	१०३२	उपदेशमाला	"	"	"	१७	
१०	७१	उपदेशमाला (पुष्पमाला)	हेमचन्द्र मलधारी	"	१५७१	१७	त्रसापुरी में लिखित।
११	६४५	उपदेशमाला अक्षरार्थ सहित	मू धर्मदास	प्रा.रा.गू.	१६वीं श.	८८	प्रथम पत्र नहीं है।
१२	१०२०	उपदेशमालावचूरि	धर्मनन्दन	सं०	१५१६	३४	
१३	१०१७	उपदेशमालावृत्ति	रत्नप्रभ	"	१६वीं श.	२३६	अपूर्ण।
१४	१०५६	उपदेशमाला सस्तबक	धर्मदास	प्रा.रा.गू	१८वीं श.	४४	
१५	३५३६	उपदेशरत्नकोश सबालावबोध		प्रा.बाला. रा.गू.	१७वीं श.	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	८२	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तबक	मू सिद्धसेन	प्रा.रा.गू.	२०वीं श.	८	
१७	१०७१	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तबक	"	"	१८२५	६	मन्दराबिन्दर में लिखित।
१८	१०७२	मर्मग्रन्थत्रिक	देवेन्द्रसूरि	प्रा०	१६८१	१४	वाक्पताकानगरी में लिखित।
१९	१०५५	कर्मग्रन्थपंचक	"	"	१८वीं श.	१२	
२०	१५८०	कर्मग्रंथसटीक (१ से ५)	" टी. स्वोपज्ञ	"	१५वीं श	६२	अन्त्य पत्र सं १७३४ में अनुसंधित।
२१	१०३४	कर्मप्रकृतिटीका	मलयगिरि	सं०	१५वीं श.	१३६	
२२	७८	कर्मप्रकृति सटीक	मू. शिवशर्मा टी मलयगिरि	मू०प्रा० टी० सं०	१८३०	१६६	मक्सूदाबाद मे लिखित।
२३	२८६३ (८६)	कर्मविचारसारप्रकरण	साधुरग	प्रा०	१६२५	१५०–१५८	डेहि मे हेमराज सहित ई.रकलश लिखित। ओएस-वशीय पाल्हाश्रावक की प्रार्थना से रचित।
२४	१०५१	कर्मविपाक कर्मस्तव (कर्मग्रन्थ)	देवेन्द्र	"	१६वीं श	६	
२५	३११६२	कर्मविपाकवृत्ति	परमानन्द-सूरि	सं०	१६वीं श.	१६	
२६	१०६६	कर्मविपाक सस्तबक	देवेन्द्रसरि	प्रा रा.गू.	१८२४	७	मुनराबिन्दर मे लिखित।
२७	१०७०	कर्मस्तव सस्तवक	"	"	१८२४	५	मुनराबिन्दर में लिखित।
२८	३५७३ (४३)	खामणा		रा०	१६वीं श	१०६–१०७	जीर्णप्रति।
२९	१०३५	क्षुल्लकभवावलिप्रकरण सावचूरि पंचपाठ	अव० धर्म-शेखरगणि	प्रा अव. सं.	१६२१	२	
३०	१०५८	क्षेत्रसमास	रत्नशेखर	प्रा०	१८५५	१३	मुनराबिन्दर में लिखित।
३१	४२१	क्षेत्रसमास		"	१६२२	२३	आगरानगर में अकबरशाह के शासनकाल मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२	६५६	क्षेत्रसम सकरणी बालावबोध	वत्सराज	रा०गू०	१७वीं श.	१३	सं. १६६५ में रचना।
३३	१ २४	क्षेत्रसमासटीका	मलयगिरि	सं०	१५वीं श.	१५३	सुरगिरि में लिखित।
३४	३४६३	क्षेत्रसमास बालावबोध सहित	मू० रत्नशेखर टी० दयासिंह गणि	रा.गू.प्रा.	१६८४	६०	
३५	३६१६	क्षेत्रसमास सबालावबोध	मू० रत्नशेखर टी० उदयसागर	,,	१७६६	४५	विक्रमपुर में सवत् १६८६ में लिखित उदयपुर में बालावबोध रचना।
३६	२११५	क्षेत्रसमास सबालावबोध		,,	१६८४	१६	
३७	१०३३	गुणस्थानक्रमारोह-प्रकरणवृत्ति		सं०	१७वीं श.	१७	
३८	६३६	गौतमपृच्छासबालावबोध		प्रा.बा.रा.	१७वीं श.	६	
३९	६६६	गौतमपृच्छाबालावबोध द्विपाठ		,,	१५३२	६	राजपुर नगर में लिखित।
४०	२०२७	गौतमपृच्छासबाला-वबोध	बा०जिनसार	,,	१८५३	४१	पेसूआनयर में लिखित।
४१	३४७६	गौतमपृच्छासबाला-वबोध द्विपाठ		,,	१८वीं श.	१२	
४२	३४६२	गौतमपृच्छासबाला-वबोध द्विपाठ		,,	१७वीं श.	६	
४३	३६१७	गौतमपृच्छा सबाला-वबोध		,,	१७६१	३७	मूलत्रांणनगर में लिखित।
४४	१०८५	गौतमपृच्छावृत्तिसहित	वृत्ति श्रीतिलक	मू.प्रा.सं.	१५वीं श	८२	
४५	३५२३	गौतमपृच्छा सार्थ		मू प्रा रा.	१७वीं श.	५	
४६	७००	चतुरत्नकोश	पृथ्वीधराचार्य	सं०	१६वीं श.	१२	
४७	२८६३ (१४)	चतुर्विंशति जिनकल्याण वर्णन		प्रा०	१७वीं श	६० वां	
४८	४०८	चातुर्मासिकव्याख्यान	समयसुन्दर	सं० प्रा०	१७४७	६	कृष्णदुर्ग मे लिखित।
४९	१०२६	चातुर्मासिक-व्याख्यान	,,	सं०	१८वीं श.	६	
५०	६५६	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	सूरचन्द्र	रा०गू०	१८वीं श.	१२	
५१	३३८३	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	,,	,,	१७वीं श	२८	प्रथम तथा अंत्य पत्र शोभन।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२	२८६३ (५०)	चोवीसगति आगति-विवरण		रा०गू०	१७वीं श	८६-६०	
५३	१०७३	जीवविचार सावचूरि त्रिपाठ	शांतिसूरि	प्रा.सं.	१७५८	५	राशीग्राम में लिखित।
५४	७०	ज्ञानसार (अष्टकानि)		सं०	१६४६	३५	
५५	३२०७	ज्ञानसार	यशोविजयोपाध्याय	"	१७६४	८	
५६	१०४६ (१)	ज्ञानसार सटीक त्रिपाठ	मू यशोविजय टी. देवचन्द्रजी	"	१८६६	६३	ज्ञानमंजरी टीका। १ से ६१ राधणपुर में लिखित।
५७	२८६३ (८५)	तिथ्याराधनविचार		प्रा०	१७वीं श.	१४८ वां	पत्र का अर्ध भाग नष्ट होने से अस्पष्ट।
५८	२८६३ (१६)	तीर्थंकरभवसंख्या		"	"	११ वां	
५६	२१६२	त्रैलोक्यभवदीपिका चोपाई	(सदारंगशिष्य)	रा० गू०	१८वीं श.	४	
६०	७५	दर्शनशुद्धिप्रकरण सटीक	मू चंद्रप्रभसूरि	प्रा सं.	२०वीं श	८४	
६१	१८३६ (१०)	दशपंचक्खाणवर्णन	रामचन्द	रा० गू०	१६वीं श.	४४-४७	गुटका।
६२	३५७४	दिक्कुमारीवर्णन		"	१७वीं श.	४	
६३	२६६६	द्विजवदनचपेटा	अश्वघोष भिक्षु	सं०	१८८७	६	प्रस्तुतकृतिका द्वितीय नाम वज्रसूची-प्रकरण है।
६४	५७४	धर्मविन्दुवृत्ति	मुनिचंद्रसूरि	"	१७६२	५१	
६५	१०२७	धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति	देवेन्द्रसूरि	स प्रा	१६वीं श	६६	कथात्मक ग्रंथ।
६६	१०७३	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक		मू प्रा स्त रा. गू.	१६वीं श	१४	
६७	६७०	नवतत्वबालावबोध		रा०गू०	१७वीं श.	१७	
६८	२११६	नवतत्वबालावबोध विचार	मेरुतुंगशिष्य	"	१६०२	६६	अलवरनगर में लिखित।
६६	६६२	नवतत्वबालावबोध सहित		प्रा० बा० रा०गू०	१६२१	१०	चित्रकोटनगर में लिखित।
७०	२१२०	नवतत्वबालावबोध		"	१७२०	२६	स्तम्भतीर्थ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१	३८१३	नवतत्त्वसंग्रहबालावबोध		रा०गू०	१८७५	६८	हालाकंदी में लिखित।
७२	३५७५ (४°)	निगोदविचारस्तवन	क्षमाप्रमोद	,,	२०वीं श.	१९५-१९६	सत्यपुर में रचना।
७३	२११६	पचनिर्ग्रन्थीप्रकरण सबालावबोध	वा० मेरुसुन्दर	प्रा रा गू	१७४१	९	अन्त्य पत्र में संवत् १७८३ उ० मेघविजयें लीधी छइं इस प्रकार पुष्पिका है। उपाध्याय मेघविजय प्रसिद्ध जैन विद्वान् है।
७४	१८६३	पंचमेरुपूजा		रा०	१९वीं श.	४	
७५	१०६८	पचसंयतप्रकरण सस्तबक	मू० जीवविजय	प्रा०स्त० रा०गू०	१८२४	११	
७६	१५७३	पचाशक	हरिभद्र	प्रा०	१७००	३६	
७७	१५७२	पचाशक	,,	,,	१७वीं श	३५	
७८	१०५७	पर्यन्ताराधनाप्रकरण	सोमसूरि	,,	१८वीं श.	४	
७९	१०८२	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तवक	,,	प्रा०स्त० रा०गू०	१७८२	९	मंडपाचलदुर्ग में लिखित।
८०	१०६३	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	,,	प्रा०स्त० रा०गू०	१८वीं श.	५	
८१	१०६१	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	,,	प्रा०स्त० रा०गू०	१९११	६	
८२	७१	पर्युषणाष्टाह्निकाव्याख्यान		सस्कृत	१९वीं श	९	जीर्ण प्रति है।
८३	१०६४	पिण्डविशुद्धिप्रकरण छायासहित	मू० जिनवल्लभ	प्रा छा सं	१६२२	६	
८४	६२	प्रकृतिविच्छेदप्रकरणादि प्रकरणचतुष्क	जयतिलक	संस्कृत	१९६२	२१	१प्रकृतिविच्छेद प्रकरण २. सूक्ष्मार्थसंग्रह ३ प्रकृतिस्वरूपसरूपण ४. बंधस्वामित्वप्रकरण।
८५	८५	प्रबोधचिन्तामणि	जयशेखर	,,	२०वीं श	५९	
८६	१०३८	प्रव्रज्याविधानकुलक		प्रा०	१७वीं श.	२	
८७	१५७१	प्रशमरतिप्रकरण सटीक त्रिपाठ		संस्कृत	१८वीं श.	५०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८८	२०१२	प्रश्नशतप्रकरण साव-चूर्णि पंचपाठ	मू: जिनवल्लभ	सं०	१५०४	७	पल्हादनपुर में लिखित। दूसरा पत्र अप्राप्त।
८९	१५५५	प्रश्नोत्तरसमुच्चय (हीरप्रश्न)	कीर्तिविजय	,,	१७वीं श	४७	
९०	२१९६	प्रश्नोत्तरसार्धशतक-भाषा	क्षमाकल्याण	रा०गू०	१९वीं श	४६	सं० १८५३ में बीकानेर मे रचित।
९१	१०४८	प्रश्नोत्तरसार्धशतक	,,	,,	१८६८	१५	स० १८५३ बीका-नेर में रचित तथा लिखित।
९२	१०३१	भवभावनाप्रकरण सावचूरि		मू०प्रा० अव० सं०	१५वीं श.	१०	
९३	१०६२	भवभावनाप्रकरण सस्तवक	मू हेमचन्द्रसूरि स्त.शांतिविजय	प्रा.रा.	१८६६	६५	स्तबक रचना संवत् १७२५। चेलारी नगर मे लिखित।
९४	१५७६	भावप्रकरण सावचूर्णि	मू०विजयविमल अव० स्वोपज्ञ	मू०प्रा० अव० सं०	१८वीं श.	७	अवचूर्णि रचना सं० १६२३।
९५	१०३०	भाष्यत्रय सावचूरि त्रिपाठ	मू० देवेन्द्रसूरि अ सोमसुन्दर	प्रा.अव. सं.	१७२३	१६	
९६	३५२५	मनस्थिरीकरणविचार	सोमसुन्दर	रा०गू०	१६वीं श	१३	पत्र २,३,४ अप्राप्त।
९७	१०८१	रत्नसंचयप्रकरण सस्त-वक	मू०वङ्गसाह	मू प्रा स्त रा गू	१९वीं श	४६	
९८	२५४६	रविकरप्रसरविचार		प्रा०सं०	१६वीं श.	३	
९९	१०६५	लघुक्षेत्रसमास सस्तवक	रत्नशेखर स्त०पार्श्वचन्द्र	मू.प्रा स्त रा.गू.	१८१६	६५	
१००	१०३६	लघुसंग्रहणी	हरिभद्र	प्रा०	१७वीं श.	२	
१०१	२८६३ (१३१)	लेश्याविचारादि		,,	,, ,,	१६४वां	
१०२	२१५६	लोकनालिकाप्रकरण सटीक		प्रा.टी स	,, ,,	५	
१०३	१०१८	विचारपत्र		प्रा सं.	१६वीं श.	७४	
१०४	२०६२	विचार बालावबोध		रा०गू०	१७वीं श	१७	
१०५	२६०७	विधिप्रपा	जिनप्रभ	प्रा०	१६वीं श	१०३	
१०६	१०३७	विवेकमंजरी	आसड	,,	१५वीं श.	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०७	२५६०	विवेकविलास सबाला-वबोध	जिनदत्तसूरि	सं.रा.गू.	१६८७	११६	नगरथट में लिखित।
१०८	११०५ (३)	विवेकविलास सार्थ	मू. जिनदत्तसूरि	मू.सं.अ. रा गू.	१८२७	१७–६४	गुटका। भुजनगर में लिखित। स्वप्न शास्त्र गणित नामचर्चा आदि अनेक विषयों का चर्चण किया है।
१०९	१०४५	विशेषशतक	समयसुन्दर	सं०	१८४६	४६	मुनराविन्दर मे लिखित।
११०	२२७४ (१४)	वीसस्थानकपद पूजा तथा विधि	लक्ष्मीसूरि	रा० गू०	१९वीं श.	६३–७१	रचना सं. १८४५।
१११	१०५४	व्याख्यानपद्धति	-	”	”	२	
११२	२६५६	व्याख्यानपद्धति वचनिका		”	१६वीं श.	प्लेट ३६	फोटो कापी।
११३	१०४१	श्रावकआराधना		सं.	१७७६	५	संवत् १६६७ में उच्चानगर में रचित। कोटड़ा में लिखित।
११४	१०५२	श्रावक आराधना	समयसुन्दर	”	१८वीं श	५	संवत् १६६७ में उच्चानगर में लिखित।
११५	२८६३ (१३०)	शास्त्रीयविचार		रा.गू.प्रा.	१७वीं श	२३६–२४२	
११६	८२६३ (६१)	शीलांगयन्त्र		प्रा	”	१५६–१६०	
११७	१०४०	शीलोपदेशमाला	जयकीर्ति	”	१६४८	४	
११८	३४६७	शीलोपदेशमाला बाला-वबोधसहित	मू. जयकीर्ति बा. मेरुसुन्दर	प्रा रा.गू.	१८२२	१७०	कथामय ग्रन्थ है।
११९	१५६६	शीलोपदेशमाला सवृत्ति	मू. जयकीर्ति वृ. विद्यातिलक	प्रा वृ.सं.	१७वीं श.	१४१	शीलतरंगिणीनाम वृत्ति
१२०	१०७३	शीलोपदेशमाला सस्तबक	मू. जयकीर्ति स्त. हरिश्चंद्र मुनि	मू.प्रा.स्त. रा. गू.	१७वीं श.	८	
१२१	१०७३ (२)	श्राद्धविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	रा. गू.	१८०१	१७–२७	जैसलमेर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२२	७२	श्रावकधर्मविधिप्रकरण सटीक	मू० धनपाल टी०धर्मचन्द्र	प्रा सं.	१६६३	६६	
१२३	१०२८	षट्कर्मग्रन्थ टीका	टी०देवेन्द्रसूरि, मलयगिरि	सं०	१६२३	२२६	स्तम्भतीर्थ में लिखित। पांच की टीका देवेन्द्रगिरि ने की है।
१२४	१०२६	षट्कर्मग्रन्थसावचूरि	मू०देवेन्द्रसूरि	प्रा. अ.सं.	१७वीं श.	१८३	१ से ५ ग्रंथतक टीका
१२५	१०७७	षष्ठिशतक सस्तवक	मू० नेमिचन्द्र	मू.प्रा. स्त.रा.गू.	,, ,,	१०	
१२६	१०२२	षोडशक सटीक त्रिपाठ	मू० हरिभद्रसूरि	सस्कृत	१८३६	४३	सूरतिबिंदर में लिखित।
१२७	२८६३ (८६)	संख्याताविचार		रा.गू.	१७वीं श.	१४६वां	
१२८	१०८२	संग्रहणीप्रकरण सस्तवक	हेमसूरि शिष्य	मू.प्रा. स्त.रा.गू.	१८वीं श.	५२	
१२९	३६१४	संग्रहणीबालावबोध	शिवनिधान	रा.गू.	१८११	७३	वडलूनगर में लिखित
१३०	३६१५	संग्रहणीबालावबोध	दयासिंह	,,	१८वीं श.	६२	
१३१	२११७	संग्रहणीसबालावबोध	श्रीचन्द्र बा०दयासिंह	प्रा रा.गू.	१६१७	४६	
१३२	१०६०	सग्रहणी सस्तवक	हेमसूरि शिष्य	मू .प्रा. स्त.रा.गू.	१६०३	५३	
१३३	१०५०	सप्ततिका (कर्मग्रन्थ)		प्रा.	१६वीं श	६	
१३४	२११८	सप्ततिका कर्मग्रन्थ सबालावबोध त्रिपाठ	बा० कुंभऋषि पार्श्चन्द्र शिष्य	मू .प्रा.	१७३३	१६	जैसलमेर में लिखित।
१३५	६६२	सप्ततिका बालावबोध सहित	मू०चंदमहत्तर बा० जयसोम	मू.प्रा.बा रा.गू	१७वीं श	७१	
१३६.	१११५	समवसरणस्तवबालावबोध		रा.गू.	१६वीं श.	६	
१३७	१०१६	सम्बोधसप्ततिका		प्रा०	१६वीं श	४	
१३८	२१२१	सम्बोधसप्ततिका सबालावबोध		मू प्रा. बा.रा.गू.	१७१७	२३	सूरतबिंदर में लिखित।
१३९	१०७६	सम्बोधसप्ततिका सस्तवक	मू० जयशेखर	मू प्रा. स्त रा.	१८वीं श.	१२	
१४०	६७	सम्बोधसप्तति सटीक	मू०रत्नशेखर टी०अमरकीर्ति	मू.प्रा. टी.सं.	१६६१	२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४१	२०६४	समयसारनाटक	वनारसीदास	हि०	१७५८	३१	
१४२	३६१८	समयसारनाटक	"	व्र. हि.	१८वीं श.	५१	सं. १६६३ में आगरा में रचित।
१४३	८६४	समयसारनाटक, सस्तवक	मू. वनारसीदास स्त० राजमल्ल	व्र०	१८०४	१४४	व्यालपुर (भुज) में लिखित।
१४४	१८१८	समाधितंत्रवालाववोध सहित	मू. कुंदकुंद(?) वा. पर्वतधर्मार्थी	मू.सं.वा. रा. गू.	१७१२	८४	
१४५	२१०६	समाधितंत्र वालाववोध सहित	"	"	१८२८	७६	अलीगहुरपातशाह के राज्य में अंबहटा में लिखित।
१४६	१०५३ (१)	साधुविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	सं०	१८४१	१–१६	जैसलमेर में लिखित।
१४७	१०७६	सिद्धपचाशिका सस्तवक	मू. देवेन्द्रसूरि	प्रा. स्त. रा.गू.	१७वीं श.	६	
१४८	२८६३ (५५)	सिद्धांतवोल		रा. गू.	"	६०–६३	
१४९		सूक्ष्मार्थविचारप्रकरण (सार्थशतक) सटीक	मू. जिनवल्लभ टी० धनेश्वर	मू. प्रा. टी. सं.	१५२१	५४	यवनपुर–स्थित कमलसयमोपाध्याय ने देविणीनामक लेखक द्वारा लिखाई
१५०	१०८९	स्थविरावलिकावचूर्णि		सं०	१७वीं श.	४	

(१३) रास

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	११२४ (१)	अगड़दत्तचौपई	सुमति हर्षदत्त शिष्य	रा० गु०	१६७६	३२–३६	सं० १६ १ में रचित।
२	६६४	अजापुत्र चौपई	सुमतिप्रभ	"	१८२६	४२	स. १८२२ में रचना, बजुतरी ग्राम में लिखित। सांचोर मे रचित।
३	३५०६	अजापुत्ररास	धर्मदेव	"	१८७१	१२	संवत् १५६१ में सीणी ग्राम में रचित षे (खे) टकपुर में लिखित।
४	१६२२	अंजनाचौपाई		"	१७६४	११	
५	३५५३ (३)	अंजनासुन्दरी चौपाई	पुण्यसागर	"	१८७७	१०७–१२७	नागेर में लिखित।
६	३८६०	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१७४७	१८	सं. १६८६ में सांचोर मे रचिन। हीयादेसर में लिखित।
७	३८७६	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१८७७	२७	सकर ग्राम मे लिखित। स. १६८६ मे सांचर में रचित।
८	३६६६	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१७८६	२०	पा (खा) रीयानीवरा मे लिखित। स० १६८७ में साचंर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६	३६६७	अंजनासुन्दरी चोपाई	भुवनकीर्ति	रा०गू०	१८५६	२२	बीकानेर मे लिखित सं० १७०६ में राणा श्रीजगतसिंहजी के प्रधान केशरीसिंह के छोटे भाई भागचद की प्रार्थना से उदयपुर मे रचित।
१०	३८७७	अंजनासुन्दरी चोपाई	भुवनकीर्ति	"	१८७४	२१	सं० १७०६ में उदयपुर मे रचित।
११	२२२३	अंजनासुन्दरी चोपाई	"	"	१७२२	२७	सिरुत्रंज मे लिखित उदयपुर नरेश श्री जगतसिंह जी के अमात्य श्री हंसराज के छोटेभाई भागचद की प्रार्थना से रचित।
१२	१८२०	अजनासुन्दरी रास	मालमुनि (?)	"	१७वीं श	७	
१३	३८६२	अजनासुन्दरी रास		"	१७४७	१०	पीपाड नगर में लिखित।
१४	२८६३ (२७)	अढारनातराचोपाई	हीरकलश	"	१७वीं श.	६१से६४	कर्ता द्वारा स्वय लिखित।
१५	२८७८	अनाथीसघी	खेमो	"	१७५६	४	स. १७४५ में कल्याणपुर में रचित।
१६	११२४ (७)	अभयकुमाररास			१६७५	१से४६	
१७	११२४ (१)	अमरतेलराजा धर्मबुद्धिमंत्रीरास	रतनत्रिमल	"	१६७५	२से१८	स० १६०६ में रचना। प्रथम पत्र अप्राप्त।
१८	२०६७ (१)	अभसेनवयरसेनचोपाई	जयरंग	"	१७००	१-१०	सं० १७०० (१७१७) मे जैसलमेर मे रचना। पत्तन मे लिखित।
१६	३८६३	अमरसेनवयरसेन-चोपाई	पुण्यकीर्ति	"	१८वीं श.	१५	सं० १६६६ मे सागानेर मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२०	२०७८	अमरसेनवयरसेन रास	राजसुन्दर	रा. गू.	१८वीं श.	२३	सं. १६६७ में जालोर जात्रालिपुरमें रचना।
२१	२३७४ (२)	अम्बरीषी रास	माइदास	,,	१६वीं श	१६–२०	
२२	३८६२	अम्बडविद्याधररास	मंगलमाणिक्य	"	१६ ३	८३	पालगंजानगर में लिखित। सं. १६३६ मे उजेणी मे रचित।
२३	२१३०	अर्जुनमालीरी चोपाई	मुक्तिनिधान	रा०	१८६३	५	सुवाइगाम में लिखित।
२४	१८ ६ (१०)	अवंतीसुकुमालचौपाई	जिनहर्ष	रा० गू०	१८३१	५७–६५	गुटका, रचना सं० १७४१।
२५	२१४६	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	१६वीं श	८	रचना सं० १७४१।
२६	२३७५ (६)	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	"	३१–३४	रचना सं. १७४१।
२७	३८६३ (१३५)	आगमवचन (कुमती विध्वंसणाधिकार) चौपाई	हीरकलश	रा.गू.प्रा.	१६२१	२०२–२३६	सं १६१७ में कनकपुरी में रचित। कर्ता द्वारा स्वयं लिखित।
२८	२१४०	आणंदसंधि	श्रीसार	रा० गू०	१८२४	१२	सं १८००(?)मे पुहकरणीनयरी में रचना।
२९	२१७७	आणंदल	"	"	१६६६	१२	सं. १६८४ मे पुहकरणी में रचना, राजलदेसर में लिखित।
३०	२२२०	आणंदसंधि	"	"	१८वीं श	६	संवत् १६८४ मे पुहकरणीनयरी में रचित।
३१	३५७३ (३६)	आणंदसंधि	"	"	१६वीं श.	८६–६७	सं १६८४ पहुकरणी नगरी में रचित। जीर्णप्रति।
३२	३८७१	आणदसंधि	"	"	१७६४	७	कृष्णगढ में लिखित। सवत् १६८४ में पुहकरणीनगरी में रचित।
३३	३८७६	आणंदसधि	"	"	१७०३	६	वीछवाडीया ग्राम में लिखित। संवत् १६८४ में पुहकरणी नयरी में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३४	१००८	आराधना	अजितदेव	रा०गू०	१६४७	१०	सं० १५६७ वीरमपुर रचना। मालपुरा मे लिखित।
३५	२४६८	आरामशोभा चोपाई	दयासार	"	१७४६	१६	रचना सं० १७०४ मुलताणनगर में।
३६	६४६	आर्द्रकुमारचोपाई	ज्ञानसागर	"	१८३०	१२	सं० १७२९ में लघुवटपद्र मे रचना।
३७	३०३०	आर्द्रकुमारचोपाई	"	"	१७७८	१३	स० १७२७ में लघुवडपद्र में रचित।
३८	६४८	आर्द्रकुमारधवल।	कनकसोम	"	१७वीं श.	३	सं० १६६४ में अमरिसर में रचित।
३९	६२७	आपाढाभूति धमाल	"	"	१८१७	३	ईडवाग्राम में लिखित। रचना स० १६२८।
४०	६६६	आपाढाभूति धमाल	"	"	१७ ४	२	स० १६३८ में रचना।
४१	२१६७	आपाढाभूति धमाल	"	"	१८वीं श	६	सं० १६३८ मे रचित।
४२	३५७३ (१०)	आषाढाभूति धमाल	"	"	१६वीं श	३२-३३	सं० १६३८ में रचित। जीर्ण प्रति।
४३	१०१२	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	"	१८१३	६	सं० १७२४ चक्रापुरी मे रचना।
४४	२०१५	आपाढाभूतिरास	"	"	१८वीं श.	१२	चक्रापुरी ग्राम में स० १७२४ मे रचना।
४५	२०६५	आपाढाभूतिरास	"	"	१७६५	८	सं. १७२४ मे चक्रापुरी गांम में रचना।
४६	२३७४ (१५)	आषाढाभूतिरास	"	"	१६वीं श.	७२से७६	सं. १७२४ चक्रापुरी में रचना।
४७	३२४५	आपाढाभूतिरास	"	"	१८७४	६	सं. १७२० में चक्रीपुरी में रचित। वसन्तपुर नगर मे लिखित।
४८	३६१६	आषाढाभूतिरास	"	"	'७५१	५	मेडताग्राम मे लिखित, स० १७२४ मे चक्रीपुर मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४९	३५५३ (६)	आपाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	रा०गू०	१६०५	१६०—१६४	सं. १८३२ मे नागोर में रचित। मेडता में लिखित।
५०	३१२०	आपाढाभूतिरास		"	१६७१	३	
५१	२०७२	इखुकारी संधि	खेमराज	"	१७वीं श	५	प्रथम पत्र अप्राप्त।
५२	३५७३ (१९)	इखुकारी संधि	"	"	१६वीं श.	६०—६१	जीर्णप्रति।
५३	२१६३	इखुकारी संधि	"	"	१७वीं श.	२	
५४	२२१७ (१)	इखुकारी संधि	खेम मुनि	"	१७६०	१—३	किशनगढ में लिखित
५५	६०७	इलाचीकुमाररास	ज्ञानसागर	"	१७५९	१७	स० १७४७ में उदयपुर मे रचित। संवत् १७२९ मे रचित। घोघाबन्दर में लिखित।
५६	६४९	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६५	५	सं. १८११ शेपपुर में रचना।
५७	२०६३	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६८	१४	स० १७१९ मे शेपपुर मे रचना।
५८	२०४५	इलाचीकुमाररास	"	"	१८७२	६	शेपपुर मे सम्वत् १७१९ मे रचना।
५९	२०६७ (३)	इलाचीकुमाररास	"	"	१७७२	१७—२२	स. १७२९ मे शेपपुर में रचना। पत्तन मे लिखित।
६०	१५६६	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६०	१७	सं. १७१९ शेपपुरी में रचना।
६१	२३८४ (३)	इलाचीकुमाररास	"	"	१६वीं श.	२०—२५	रचना सं० १७२१ मे शेपपुर मे।
६२	२०२१	इलाचीकुमाररास	"	"	१८वीं श	११	सं० १७१९ मे शेपपुर में रचित। नटपद्रनगर में लिखित।
६३	[illegible]	उत्तमकुमाररास	जिनहर्ष	"	१८६५	१८	वीजापुर मे लिखित।
६४	[illegible]	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	सेवक	"	१७११	१६	सं. १५९५ मे पाटण मे रचित। राजकोटनगर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६५	६७६	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	सेवक	रा०गू०	१८११	१३	राधिकापुर में लिखित।
६६	३३७८	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	,,	,,	१६२४	११	
६७	३४६६	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	,,	,,	१७३४	१३	
६८	३५७३ (२७)	ऋषभदेवविवाहलो		,,	१६वीं श	७३-७६	जीर्ण प्रति।
६९	६०२	एकादशीमाहात्म्य चोपाई	विष्णुदास	,,	१८३१	२६	प्रथम पत्र अप्राप्त। सं० १६२४ में रचित। मानकुआ ग्राम मे लिखित।
७०	३६८५	एकादशीमाहात्म्यभाषा पद्य	मानदास	ब्र०हि०	१८६८	४६	पाटण नगर में लिखित। सं० १८३४ मे रचित।
७१	६०५	ओखाहरण	प्रेमानन्द	गूर्जर	१६०३	७४	
७२	३२८६	ओखाहरण	,,	,,	१६वीं श.	३७	
७३	२१८४	कयवन्नाचोपाई	(जयतसी) जयरंग	राज०	१८वीं श.	२१	उदयापुर में लिखित। सं० १७२१ मे रचित।
७४	२०३२	कयवन्नाचोपाई	जयरंग	रा०गू०	१८२३	३१	सं० १७२१ में वीकानेर में रचित, सुरतिविन्दर में लिखित।
७५	२०६०	कयवन्नाचोपाई	,,	,,	१७७६	३६	सं० १७२१ में वीकानेर मे रचना।
७६	२२०६	कयवन्नाचोपाई	,,	,,	१७६८	१४	अडसीसर ग्रामे मरुस्थलदेशे लिखित सं० १७२१ में वीकानेर मे रचित।
७७	३८७४	कयवन्नाचोपाई	,,	,,	१८५५	१६	सरीयारी में लिखित स० १७२१ में वीकानेर में रचित।
७८	३६२१	कयवन्नाचोपाई	,,	,,	१८वीं श	१८	सं० १७२१ में वीकानेर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७९	३८७५	कयवन्नारास	गुणसागर	रा०गू०	१८वीं श.	१५	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८०	२०६२	करगडूचौपाई	मतिशेखर	"	१७वीं श	१०	
८१	२०८८	कर्मविपाकरास	वीरचन्दमुनि	"	१८२०	६	सं० १७२८ में पाटण में रचित।
८२	३८७२	कलावतीचौपाई	रायचन्द	"	१८७३	५	
८३	२१८३	कान्हडकठियाराचौपाई	मानसागर	"	१८८२	१४	विदासर में लिखित। स १७४७ में मतिहों मे रचित।
८४	३५५४ (५)	कान्हडकठियाराचौपाई	"	"	१९वीं श.	६५–६७	स० १७४७ में पदमावतीनगर मेंरचित।
८५	३८७३	कान्हडकठियाराचौपाई	"	"	१८४१	६	वीनातटनगर मे लिखित।संव १७४१ में पद्मावतीनगर में रचित।
८६	३८८०	किसनजीरी ढालां		राज०	१९वीं श.	८	
८७	१५६४	कुमारपालप्रबन्धरास	हीरकुशल	रा०गू०	१७वीं श.	१८	रचना सं० १६४० । अभिमपुर मे रचित।
८८	६६३	कुमारपालरास		"	१८८०	१०८	स० १६७० त्रबावती में रचना।
८९	३४७०	कृष्णविवाहलो		"	१८वीं श	८	
९०	६४४	केशी गौतमसंधि		अपभ्रंश	१६वीं श	४	
९१	११२२ (१४)	केशी गौतमसंधि		रा०गू०	१७वीं श	७५–७६	
९२	१८२६ (५)	खदकमुनिचौढालीयु		"	१८२९	२३–२७	गुटका।
९३	३५७५ (४)	खंदकमुनिचौढालीयु		"	२०वीं श.	६६–५७	
९४	२३७४ (१२)	खेमासानो रास	लक्ष्मीरतन	"	१८५७	४३–४७	सं १७४१ उनाउया में रचना।
९५	३९२३	गजसुकुमालछढालीयो	केशव	"	१८वीं श.	३	
९६	१८१९ (१)	गजसुकुमालढाल	शुभवर्धन	"	"	१–४	
९७	६४७	गजसुकुमाल विवाह	शुभवर्धनशिष्य	"	१७८०	७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८	२०८२	गजसुकुमालसंधि	मूलाऋषि	रा०गू०	१६६५	८	स० १६२४ में साचोर मे-रचना।
६६	३५४७ (१५)	गुणप्रवीर जरासी		हिन्दी	१६वीं श.	१–३५	७६५ पद्य पर्यन्त, अपूर्ण।
१००	२१०३	गुणरत्नाकर छंद	सहजसुन्दर	रा०गू०	१७४६	१६	रचना सं० १५७२।
१०१	३५१४	गुणावलीकथा चोपाई	ज्ञानमेरु	"	१८वीं श.	८	
१०२	२०३३	गुणावलीकथा चोपाई	"	"	१७४३	७	चिगयपुर में सं.१६७२ मे रचना दसाड़ा ग्राम मे लिखित।
१०३	३६६८	गुणावलीचोपाई	दीपो	"	१८५१	२६	स० १७५७ में रचित।
१०४	३८११	गुणावलीचोपाई	दीपऋषि	रा०	१८४८	२४	मौषडंदा ग्राम मे लिखित। सं. १७५७ में मनसर मे रचित।
१०५	६०६	गुणावलीबुद्धिप्रकाशरास	श्रुतसागर	रा०गू०	१७वीं श.	१०	गधारनयर में रचित।
१०६	३६२४	गुणावलीरास	राजकुशल	"	१७१८	१८	अरटवाड़ा नगर में लिखित। सं. १७१४ मे रचित।
१०७	३५६६ (२)	गुसांइजी की लीला	कृष्णदास चोफड	ब्र हि०	१७वीं श	१०–१७	
१०८	३५६६ (४)	गोवर्धनलीला	नारयणदास बडोदरी	"	१६८८	२६–३७	
१०६	२१६६	गोराबादलकथा	जटमल	रा०	१८२८	६	सबुलागांम में सं० १६८५ (पाटा ७७५) मे रचित पुनरासर मे लिखित।
११०	२३६० (३)	गोराबादल की बात	"	"	१६वीं श	११से१७	
१११	३५५५ (२५)	गोराबादल कवित दूहा बंध	"	"	१६वीं श.	१५१–१५६	सं० १६८० में रचित, आणदपुर में लिखत।
११२	३३८४	गोराबादल चोपाई	भाग्यविजय	"	१८०३	३१	स० १६६० मे कुंभलमेर में रचित।
११३	३३८५	गोराबादल चोपाई	हेमरतन	"	१६वीं श	८६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११४	३०२६	गोरावादल चोपाई	लब्धोदय	रा०गू०	१७६५	२५	सं० १७७६ में उद्-यपुर में रचित।
११५	३३८६	गोरावादल चोपाई	लब्धिउदय	रा०	१७५६	४१	उदयपुर मे लिखित, उदयपुर नरेश श्री जगतसिंहजी के अमात्य हंसराज के छठे भाई डुंगरसी के आग्रह से सं० १७०७ में रचित।
११६	१८३६ (१६)	गौतमरास आदि		रा०गू०	१८३३	११८–१४३	गुटका। सज्झायादि कृतियां हैं।
११७	१८१७	चउपरवीचउपई	समयसुन्दर	,,	१८वीं श	२०	स० १६७३ मे जूठा-गाम में रचित।
११८	१८२४ (१)	चंदनबाला चोपाई	देपाल	रा०	१६वीं श	१–४	
११९	६१६	चंदनमलयागिरि चोपाई	भद्रसेन	,,	१८६६	८	विक्रमपुर मे रचना। मानकूआ में लिखित।
१२०	१००६	चंदनमलयागिरि चोपाई	,,	,,	१८वीं श.	४	विक्रमपुर में रचना।
१२१	२०७५	चदनमलयागिरिचोपाई	,,	,,	१६वीं श.	८	
१२२	३५५४ (१८)	चंदनमलयागिरि चोपाई	,,	,,	१६वीं श.	२८–३०	विक्रमपुर मे रचित।
१२३	३५५६ (२)	चंदनमलयागिरि चोपाई	,,	,,	१८२१	३८–५१	,, ,,
१२४	३५५७ (११)	चंदनमलयागिरि चोपाई		,,	१८वीं श	१०३–१०५	
१२५	६६०	चन्द्राजा रास	मोहनविजय	,,	१८८५	१६०	स० १७३८ राज-नगर में रचना।
१२६	६६६	चन्द्राजा रास	,,	,,	१८६०	७७	सं० १७३८ राज-नगर में रचना।
१२७	२०२२	चन्द्राजा रास	,,	,,	१८११	६६	सं० १७८३ में राज-नगर में रचित।
१२८	२०८४	चन्द्राजा रास	,,	,,	१८२५	१०४	सं० १७८३ में राज-नगर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	३५५४ (२)	चंदराजा रास	मोहनविजय	रा० गू०	१८७६	१–६०	राणाग्रास में लिखित। संवत् १७८४ में राजनगर में रचित।
१३०	३८८३	चंदराजा रास	"	"	१८३१	८०	सं. १७८३ में राजनगर मे रचित।
१३१	३६७०	चंदराजा रास	"	"	१८६६		चूरुनगर मे लिखित स. १७८३ में राजनगर में रचित।
१३२	३८८२	चंदराजा रास	लब्धिरुचि	"	१८२७	६१	स. १७१७ में सिरोही में रचित।
१३३	३६२५ (१)	चंदराजा रास	"	"	१७७०	५३	लाहाग्राम (मेदपाट) मे लिखित। सं. १७१७ में सिरोही में रचित। प्रस्तुत कृति पूर्ण लिखकर लेखकने वाचक उदय विजयकृत पार्श्वनाथ गीता ३६ पद्यमयी लिखी है।
१३४	३६६६	चंदराजा रास	"	"	१८२१	७६	देवाणदी ग्राम में लिखित। संवत् १७१७ में सिरोही में रचित।
१३५	४१५	चंदराजा रास	"	"	१६वीं श.	६६	अन्त्य पत्र ६७ वां अप्राप्त।
१३६	६५५	चन्द्रलेहाचौपई	मतिकुशल	"	१७७४	२०	नापासर में लिखित। सं. १७२८ में श्रीपचीयाष में रचित।
१३७	२२२६	चंदलेहा चौपाई	"	"	१६७५	२६	सं १७२८ में पचीयाख में रचित।
१३८	३५०३	चंद्रलेहा चौपाई	"	"	१७६५	२६	सं. १७२८ में श्रीपचीयास में रचित। उछोदग्राममें लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१३६	३५३७	चन्द्रलेहा चौपाई	मतिकुशल	रा.गू.	१८३०	२३	स. १७२८ मे श्रीपचियाक मे रचित। राणपुर मे लिखित।
१४०	३५४० (३)	चन्द्रलेहा चौपाई	"	"	१९वीं श.	१३–३६	सवत १७२८ में श्रीपचीयाप में रचित।
१४१	३८८४	चन्द्रलेहा चौपाई	"	"	१७६१	२७	पीपाड में लिखित। सम्वत् १७२८ में श्रीपचियास में रचित।
१४२	३६२६	चन्द्रलेहा चौपाई	"	"	१७३७	१६	पं (खे) रवा मे लिखित। सम्वत् १७२८ में श्रीपचीयाक मे रचित।
१४३	३६७१	चन्द्रलेहा चौपाई	"	"	१७३४	१३	सम्वत् १७२८ मे श्रीपचीयाप मे रचित।
१४४	१८०६	चन्द्रलेहा चौपाई	हर्षमूर्ति	"	१७वीं श	५	रचना सं० १५६६।
१४५	२२११	चपकश्रेष्ठिचौपाई	समयसुन्दर	"	"	१०	सं. १६६५ मे जालोर में रचित।
१४६	३५०३ (५३)	चित्रसभूतचौढालीयो	जीवनराज	"	१९वीं श.	१३६ वां	सं १७४६ विक्रम नेर में रचित। जीर्णप्रति।
१४७	३८८६	चित्रसेनपद्मावती चौपाई	रामविजय उपाध्याय	"	"	१५	सं १८५६ में बीकानेर में रचित।
१४८	६०४	जम्बूपृच्छारास	वीरमुनि	"	१८८६	१३	सं. १७८८ मे पाटण में रचना। मानकुआ में लिखित।
१४६	१०१०	जम्बूपृच्छारास	"	"	१८१६	१२	सं. १७२८ पाटण में रचना। भुजनगर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५०	२२३१	जंबूस्वामी चोपाई	चंद्रभाण	रा०	१८६३	३६	सुत्राइगाम में लिखित। सं० १८३८ में बोडावड में रचित।
१५१	३४७२	जंबूस्वामी चोपाई	देपाल	रा०गू०	१५४८	८	संवत् १५२२ में रचना।
१५२	३५७३ (१४)	जंबूस्वामी चोपाई	"	"	१६वीं श	३८-४२	संवत् १५२२ में रचित। जीर्ण प्रति।
१५३	२१३१	जबूस्वामी चोपाई	पद्मचंद्र	"	१६वीं श.	५३	पत्र १५ से २३, अप्राप्त सं० १७१४ में सरसा पाटण में रचित।
१५४	६६८	जम्बूस्वामीरास	नयविमल	"	१८०२	२०	सिरोही नगर में लिखी। रचना सं० १७४८।
१५५	३२८८	जम्बूस्वामीरास	"	"	१६४६	४६	मगरवाडा में लिखित। सं० १७५४ में रचित।
१५६	३४७३	जम्बूस्वामीरास	राजपाल	"	१६५६	३४	सत्यपुर में लिखित। सं० १६४२ में रचना।
१५७	३६२८	जयविजय चोपाई	धर्मरत्न	"	१६वीं श	२८	सं० १५४१ मे अर्गलपुर में रचित।
१५८	२८६३ (३)	जिनप्रतिमाधिकार चोपाई	हीरकलश	"	१७वीं श	२-३	सं० १६२४ में रचित।
१५९	३५७५ (५४)	जिनरक्षित जिनपाल	उदयरतन	"	२०वीं श.	२५२-२६०	सं० १८६७ बीकानेर में रचना।
१६०	२०६५	ज्ञाताभास तथा सोलसतीभास	मेघराज	"	१७२०	१८	
१६१	३८८७	ढालसागर	गुणसागर	"	१६वीं श	१३१	सं० १६७६ में कर्कटेश्वर नयर में रचित।
१६२	३६७२	ढालसागर	"	"	१६वीं श	६६	सं० १६७६ में कर्कटेश्वर नगरी रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६३	६१२	ढुंढकपवाडो	अविचल	रा०गू०	१८७४	६	गुजनगर में लिखित।
१६४	११४४ (१)	ढोलामारवणी चोपाई		रा०	१६वीं श	१से२८	
१६५	२२०७	ढोलेमारूरीवार्ता दूहाबंध		,,	१८७८	८	पुनगासर मे लिखित।
१६६	३६७३	त्रिभुवनकुमाररास	उत्तमसागर	रा०गू०	१७६३	२१	सूत भागामाम में लिखित। सं० १७१२ में पुरबिन्दर में रचित।
१६७	३८८५	त्रिभुवनकुमार रास	,,	,,	१८वीं श.	२६	मोगसी नगर में लिखित। सं० १७१२ में पुरबिन्दर में रचित।
१६८	३५७५ (७६)	थावच्चामुनिचोढालियो	क्षमाकल्याण	,,	२०वीं श	३११-३१६	महिमापुर में संवत १८४० में रचना।
१६९	२२२८	थावच्चासुत चोपाई	राजहृदय	,,	१८वीं श.	१७	सं० १७०७ में बीकानेर में रचित।
१७०	३८८८	थावच्चासुत चोपाई	समयसुन्दर	,,	,, ,,	२५	सं० १६६१ में पं (ख) भाउत में पा (ना) ल्यारवड में रचित।
१७१	२१०१ (१)	दानलीला		,,	१६वीं श	१ ला	
२७२	३५६६ (६)	दानलीला	नारायणदास वडोदरी	ब्र०हि०	१७वीं श	४१-४०	
१७३	८८१	दानशील तप भावना संवाद	समयसुन्दर	,,	१८वीं श	४	सं० १६६२ में सांगानेर में रचना।
१७४	६१२	दानशील तप भावना संवाद	,,	,,	१७वीं श.	४	सं० १६६२ में सांगानेर में रचना।
१७५	६६५	दानशील तप भावना संवाद	,,	,,	,, ,,	६	सं० १६६२ सांगानेर में रचना।
१७६	१८३६ (७)	दानशील तप भावना संवाद	,,	,,	१८२६	३२-४०	गुटका। सं० १६६२ सागानयर में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७७	२०४२ (२)	दानशीलतपभावना सवाद	समयसुन्दर	रा० गू०	१७८३	६–१२	सं. १६६२ में सांगानेर मे रचित। मगर मारवाड़ में लिखित।
१७८	२०८६	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१७०५	६	स. १६६२ में सांगानेर मे रचना।
१७६	२३७४ (११)	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१६वीं श.	३६–४२	"
१८०	३२५६	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१८४१	५	कृष्णगढ़ मे लिखित। संवत् १६६२ में सांगानेर मे रचित।
१८१	३२७१	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	२०वीं श.	१८	सं. १६६२ में सांगानेर में रचित। गुटका। रास पूर्ण होने के बाद सज्भायादि पद लिखे हैं।
१८२	३५७३ (५४)	दानशीलतपभावसवाद	"	" "	१८१०	१३७–१३६	सं. १६६२ में सांगानेर में रचित। जीर्णप्रति।
१८३	३५७५ (३६)	दानशीलतपभावसंवाद	"	"	२०वीं श	१७३–१८१	स १६६२ में सांगानेर मे रचना।
१८४	३८६१	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१८वीं श	४	संवत् १६६२ मे सांगानेर में रचित। उदैपुर में लिखित।
१८५	३६२७	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१६वीं श	४	संवत् १६६२ में सांगानेर में रचित।
१८६	११२४ (१०)	दामनकचौपई	दयाशील	"	१६७६	१–६	स १६६३ में राद्रहनगर में रचित।
१८७	२१७६	दामनकचौपाई	चारित्रसुन्दर	"	१८३०	६	सं १८२४ में अजीमगंज में रचित। विक्रमपुर मे लिखित।
१८८	३२७२	देवकीना ढालीयां		गू०	१८६१	२४	खेरालुनग्र में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८६	१८२६	द्रौपदी चौपाई	कनककीर्ति	रा०गू०	१७०७	४०	जेसलमेर में संवत १६९३ में रचित।
१६०	२१३२	द्रौपदी चौपाई	"	"	१७२७	३६	जैसलमेरनगर में स (?) मे रचना। दशोरा में लिखित।
१६१	३४७५	द्रौपदी चौपाई	"	"	१७१८	३६	जैसलमेर नगर में। स. १६६० मे रचना। नाथनगर पार्श्वहोल ग्राम में लिखित।
१६२	३५३८	द्रौपदी चौपाई	"	"	१८वीं श	३१	स० १६६३ में जैसलमेर में रचित।
१६३	६६६	द्रौपदी रास	समयसुन्दर	"	१८७६	३०	स० १७०० में अहमदाबाद में रचना। भुजनगरमें लिखित।
१६४	११७३ (३)	धन्नाचरित्र रास	मतिसार	"	१७वीं श.	२२-३०	स. १५१४में रचित।
१६५	११७४ (३)	धन्नाचरित्र रास	"	"	१६७४	३७-४६	संवत १५१४ में रचना। भुजनगर में लिखित।
१६६	३५७३ (१५)	धन्नाचरित्र रास	"	"	१६वीं श	४२-४६	स० १५१४ में रचित। जीर्णप्रति।
१६७	२०३४	धन्नारास	भावनरत्न	"	"	४६	संवत १७७० में अणहिल्लपुर पाटण मे रचित।
१६८	३५७३ (२१)	धन्नासंधि	कल्याणतिलक	"	"	६५-६७	जैसलमेर मे रचित। जीर्णप्रति।
१६६	३३८१	धन्यविलास	कल्याण वद्धमानमति	"	१७वीं श	४३	सम्वत् १६८५ में रचित।
२००	२१८१	धर्मदत्तधनवांतीरी चौपाई	कुशलहर्ष	"	१८२२	४५	चिदामर में लिखित। रचना—स. १७८८।
२०१	३६३०	नन्दबत्रीसीचौपाई	सिंघकुशल	"	१७१६	६	दूधवड मे लिखित।
२०२	२०६४	नन्दिषेणचौपाई	ज्ञानसागर	"	१८वीं श	१२	
२०३	८८७	नरसीमेतानु मांमेरू	प्रेमानन्द	गू०	१८६१	१५	मानघुआ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०४	११२३ (२५)	नलदवदन्ती चउपई		रा०गू०	१७वीं श.	८६-६४	३१२ वां पद्य पर्यन्त, पश्चात् किंचित् अपूर्ण। अंत्य ६५ वां पत्र अप्राप्त।
२०५	६५२	नलदवदन्ती चोपाई	समयसुन्दर	"	१७७४	२८	सं० १६७३ में आणद-नगर मे रचना।
२०६	३८८६	नलदवदन्ती चोपाई	"	"	१७७६	७२	अवरंगाबाद नगर में लिखित सं० १६७३ में मेडतानगर मे रचित।
२०७	३६३१	नलदवदन्ती रास	मेघराज	"	१६८६	२७	पा (खा) रूआवाडा मे लिखित। सं.१६६४ मे रचित।
२०८	२०५६	नलायनोद्धार	नयसुन्दर	"	१६८५	६७	रचना स० १६६५।
२०६	३५६६ (२)	नव आख्यान (नवरत्न) पद्य		गू०	१६वीं श.	१-११	
२१०	७८६३ (२५)	नवनिदानकुलकचोपाई	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	५६-६०	
२११	३५६६	नवरत्न नव आख्यान पद्य		गू०	१६८७	४-१०	आद्य तीन पत्र अप्राप्त।
२१२	३५५५ (१६)	नागदमण		रा०	१६वीं श.	१२१-१२६	
२१३	३५७३ (३३)	नागदमण		"	" "	८२-८६	जीर्ण प्रति।
२१४	३६३२	नागदमण		"	१७वीं श	४	
२१५	२३७७ (४)	नागदमण चोपाई		"	१८०७	१६से२६	चोबारी ग्राम में लिखित। राउश्री देशलजी राज्ये।
२१६	२१६६	नागदमणछंद (यदुपति-पवाडो)		"	१८५२	४	
२१७	८१८	नागदमनपवाडो		"	१७७६	७	
२१८	६२८	नागदमणपवाडो		"	१६वीं श	५	
२१६	३०३६	नागमताचोपाई		"	१८वीं श	६	प्रथम पत्र सचित्र।
२२०	३५५० (११)	नागमताचोपाई		"	१६वीं श.	८४-८७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२१	१८३०	नागमतु		रा०गू०	१७वीं श	४	
२२२	२१४१	नासकेतुआख्यान	जगन्नाथ	रा०	१८६४	१५	लुणकर्णसर नगर में लिखित।
२२३	६४०	नेमिजिनफाग रंगसागरनामा		रा०गू०	१६वीं श	८	वीसल नगर में लिखित।
२२४	३६३३	नेमिनाथधवल	नयसुन्दर	,,	१६६१	८	स० १६३० में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
२२५	२१७०	नेमिनाथरास	कनककीर्ति	,,	१७वीं श	१०	स० १६६२ मे वीकानेर मे रचित।
२२६	३८६३	नेमिनाथरास	पुण्यरतन	रा०	१७३५	२	सुरायता ग्राम मे लिखित।
२२७	३६३६	नेमिनाथरास	,,	रा०गू०	१७१६	४	
२२८	६७८	नेमिनाथविवाहलो	वीरविजय	,,	१८६४	७	राधनपुर में लिखित।
२२९	२०१७	नेमीश्वरस्नेहवेली	उत्तमविजय	,,	१८७७	७	छाणी नगर में लिखित।
२३०	३६३९	पचेन्द्रियचोपाई		रा०	१८वीं श.	४	स. १७५१ मे रचित।
२३१	३५७५ (४४)	पचेन्द्रियचोपाई		रा०गू०	२०वीं श.	२१६–२२८	स० १७५१ आगरा में रचना।
२३२	३६३८	परदेशीप्रतिबोधचोपाई	ज्ञानचद	,,	१७६१	२०	राजनगर मे रचित।
२३३	२०८१	परदेशीराज्यचोपाई	सहजसुन्दर	,,	१७वीं श.	८	सत्यपुर में लिखित।
२३४	११२३ (५)	परदेशीराजाचोपाई	,,	,,	१६३६	३४से३९	
२३५	२१५७	परदेशीराजारी चोपाई		रा०	१८८२	१६	विदासर मे लिखित।
२३६	३२४६	परसोतमपुराण पद्य		गू०	१८८१	११३	
२३७	११२३ (११)	पुण्यपालराजरिपिचऊपई	सौभाग्यशेखर	रा०गू०	१७वीं श	६२–६६	स० १६४१ निजारनयर मे रचित। ग्रन्थकार अपरनाम शिकरमुनि है।
२३८	११२३ (७)	पुण्यसारगुणश्रीचरित्ररास	विमलमूर्ति	,,	१६३६	४६–५८	स० १५७१ मे धंधूकपुर मे रचित। गोगरू मे लिखित।
२३९	३५३५	पुण्यसार चोपाई	पुण्यकीर्ति	,,	१७५१	६	स. १६६६ सागानेर नगर मे रचना। कोठारा में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२४०	३६३७	पुण्यसारचौपाई	पुण्यकीति	रा. गू.	१८वीं श.	६	सं. १६६६ में सांगानेर में रचित।
२४१	३६६५	पुण्यसारचौपाई	"	"	१७६५	४	मेततडग्राम मे लिखित सं. १६६६ मे सांगानेर में रचित।
२४२	३८६४	पुण्यसारचौपाई	पुण्यरत्न	"	१७५४	७	सवत् १६६६ में सांगानेर में रचित।
२४३	१८२२	पुरंदरकुमारचौपाई	मालदेव	"	१७वीं श.	१०	
२४४	३६४१	पुरंदरकुमारचौपाई	"	"	"	७	
२४५	१४४२ (२)	पुष्पसेनपद्मावती चौपाई	कवि सामलदास	गू०	१८वीं श.	१७–१०२	सं. १४५२ (?) में श्रीयनगर में रचित। कविगौडमालवी विप्र वीरेश्वर के पुत्र हैं।
२४६	३५४७ (६)	पृथ्वीराजरासो	चंदकवि	हिंदी	१६वीं श.	२७–८४	पचम खंड अपूर्ण।
२४७	१०१४	पृथीराजरासो (पीर खंडसमैयो अजमेररो)	कविचदबरदाई	व्र. हि.	"	८४	
२४८	२६५५	पृथीराजरासो	चदबरदाई	हिन्दी	१७२३	प्लेट ११२	(फोटो कापी)
२४९	२३६२ (३)	पृथीराजरासो दूसरा खण्ड	चदकवि	"	१८वीं श	२१	
२५०	२३६२ (४)	पृथीराजरासो तृतीय खण्ड	"	"	"	३	
२५१	२३६२ (५)	पृथीराजरासो १४ वां खण्ड	"	"	"	१४	
२५२	२३६२ (२)	पृथीराजरासो खण्ड २७ वां	"	"	"	१४	
२५३	२३६२ (८)	पृथीराजरासो सजोगिता पूर्वजन्मकथावर्णन	"	"	"	३	
२५४	८६७	पृथीराज (कच्छराजकुमार) विवाह वर्णन	लक्ष्मीकुशल	"	१६वीं श.	६	
२५५	६२०	पृथीराज (कच्छराजकुमार) विवाह वर्णन	"	"	"	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	६७२	पृथ्वीचन्द्रकुमाररास	गुणसागर	रा०गू०	१६७१	३	सूरतबिंदिर में लिखित।
२५७	१००३	प्रत्येकबुद्धचोपाई	समयसुन्दर	"	१८६७	३१	सं० १६६४ में आगरा में रचना।
२५८	२१७८	प्रत्येकबुद्धचोपाई	"	"	१७वीं श.	१०	प्रथम और अंत्य(११) वां पत्र अप्राप्त, रचना सं. १६६४।
२५९	१८८२ (१३६)	प्रह्लादचरित्र	रैदास	ब्र०	१६वीं श.	६६-७०	
२६०	१८६१ (२)	प्रह्लादचरित्र	गोपाल	ब्र०हि०	१८४१	२६से४६	गुटका।
२६१	६५८	प्रियमेलकचोपाई	समयसुन्दर	र	१७वीं श.	४	सं० १६७२ मेडता में रचना।
२६२	६७४	प्रियमेलकचोपाई	"	"	१७५५	६	सं० १६७२ में मेडता में रचना। अकबराबाद में लिखित।
२६३	१८१२	प्रियमेलक चोपाई	"	"	१७१४	७	सं० १६७२ में मेडता मे रचित।
२६४	२०६७ (२)	प्रियमेलक चोपाई	"	"	१७७२	१०-१७	सं० १६७२ में मेडता नगर में रचना, पत्तन में लिखित।
२६५	२२०१	प्रियमेलकचोपाई	"	"	१८६०	७	सं० १६७२ में मेडता मे रचित।
२६६	१८८६ (६)	प्रीतिलता	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१६वीं श.	३३से३६	रचना सं० १८४८।
२६७	१८८६ (७)	प्रेमपंथग्रन्थ	"	"	" "	२४से२६	
२६८	१८८६ (४)	प्रेमप्रकाश	"	"	" "	१०से१६	रचना सं० १८५१।
२६९	१८८६ (३)	फागरंग	"	"	" "	५से१०	रचना स० १८४८।
२७०	२८५६	फागविहार	नागरीदास	"	" "	१२	
२७१	२८५५ (२)	बारामास	ब्रहीमुहम्मद	ब्र०हि०	१८६७	१३-३५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२	२१०१ (२)	वाललीला		रा०गू०	१६वीं श.	१–३	
३	२१६७	वाललीला		ब्र०हि०	२०वीं श.	१८	
४	३५६६ (५)	बाललीला	नारायणदास बडोदरी	”	१७वीं श.	३७–४१	
५	११४१	बिल्हणपंचाशिका चौपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८०७	२०	पत्र १, २ अप्राप्त। अ'जार मे लिखित। कामीजनार्थ रचित।
२७६	२०४२ (३)	बुद्धिरास	शालिभद्र	”	१७८३	१२–१४	मगरवाडा में लिखित।
२७७	२०६८	बुद्धिरास	”	”	१८वीं श.	२	
२७८	३१६५	बुद्धिरास	”	”	१७वीं श	२	
२७९	३४८०	बुद्धिरास	”	”	१८वीं श.	८	
२८०	२२७४	भक्तमाल सटीक	मू० नाभाजी टी० प्रियादास	ब्र०हि०	१८३६	२२०	मामकरकेढि (पुष्कर मंडल) में लिखित। टीकारचना स० १७६६।
२८१	२०२३ (१)	भमरगीता	विनयविजय	रा०गू०	१७३४	१–७	सं.१७३६ (१७३२) में रचित। पत्तनद्रंग में लिखित।
२८२	३२०६	भमरगीता	मैंनाहिन	रा०	१७६८	५	
२८३	२३७६ (६)	भंवरगीत	मुकुंदकवि	ब्र०हि०	२०वीं श	५–१७	वडनगर मे लिखित। पत्र १ से ४ अप्राप्त।
२८४	३४७७	भोजचरित्र चौपाई	कुशलधीर	रा०गू०	१७४०	३५	पत्र १४, १५, १६ अप्राप्त। सं. १७३० मे सौभितनगर में रचना। वहिलग्राम मे लिखित।
२८५	११२३ (४)	मगलकलशचरित्र रास	सर्वाणंदसूरि	”	१७वीं श	३०–३४	
२८६	३५१६	मंगलकलश चौपाई	मगलधर्म	”	”	१२	सं० १५२५ में रचना।
२८७	३५५४ (७)	मंगलकलश चौपाई	लक्ष्मीहर्ष	”	१८८०	१–१२	वगडी मे लिखित। स. १७७६ मे काकंदी नयर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८८	३६७४	मंगलकलश चोपाई	लक्ष्मीहर्ष	रा०गू०	१८६६	३०	वाडवास में लि[illegible] स. १७१६ में नयर में रचि[illegible]
२८९	३५३३	मगलकलश फाग	कनकसोम-वाचक	,,	१७वीं श.	७	सं० १६४६ में रचना।
२९०	२०२६	मंगलकलशरास	दीप्तिविजय	,,	१८७४	३३	सं० १७४६ में रचित। रानेर लिखित।
२९१	२०८६	मंगलकलशरास	,,	,,	१८६६	४६	रचना सं० १७४६।
२९२	३४८८	मत्स्योदरकुमाररास	पुण्यकीर्ति	,,	१७वीं श.	१५	सं० १६८८ वीलपुर मे रचना।
२९३	११४२ (३)	मधुमालतीचोपाई	चतुरभुजदास	रा०	१८वीं श.	१०२से २११	
२९४	३५४७ (४)	मधुमालतीचोपाई	,,	,,	१८२८	१-३३	कंटालिया ग्राम में लिखित।
२९५	३५५५ (१०)	मधुमालतीचोपाई	,,	,,	१८२६	५८-८६	संग्रामसिंघशासित कटालिया में लिखित।
२९६	३५६५ (१)	मधुमालतीचोपाई	,,	,,	१८४६	१-७७	देवगढ़ में लिखित।
२९७	३५५८ (१)	मधुमालतीचोपाई	,,	,,	१६वीं श.	१-६३	
२९८	३८६१	मधुमालतीचोपाई	,,	,,	१८५६	३२	लसाणीग्राम में लिखित।
२९९	१५७८ (२)	मधुमालतीचोपाई सचित्र	,,	,,	१८७७	१४१	चित्र स० ८७ है।
३००	२०२६	मलयसुन्दरीरास	कान्तिविजय	,	१७६६	८४	राधनपुर में लिखित, स० १७७५ मे पाटण में रचित।
३०१	६०४	माधवानलकामकंदला चोपाई	कुशललाभ	,,	१६४३	१६	स० १६१६ मे जेसलपुर मे रचना, जयतारणि में लिखित।
३०२	६१५	माधवानलकामकंदला चोपाई	,,	,,	१६वीं श.	२१	स० १६१६ मे जेशमेर में रचित।
३०३	६१६	माधवानलकामकंदला चोपाई	,,	,,	१८६६	२०	सं० १६१६ में जेसलमेर मे रचित। मानकूआ मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०४	२८६१ (२)	माधवानलकामकंदला	कुशललाभ	रा० गू०	१८वीं श	२०	सं. १६१६ में जैसलमेर में रचना।
३०५	२८२२	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१८२४	१२	पुनरासर में लिखित। सं. १६७७ मे जैसलमेर में रचित।
३०६	२३६० (६)	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१६वीं श.	१४–३७	रचना सं० १६१६। जैसलमेर। विदासर में लिखित।
३०७	३५३०	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१७३०	१४	सं. १६१६ में जैसलमेर मे रचना। पादूनगर में लिखित।
३०८	३५५५ (१)	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१८३१	१–११	कटालीया में लिखित। स. १६१६ में जैसलमेर में रचित।
३०६	३५६१ (१)	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१७२५		सं. १६१६ मे जैसलमेर में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
३१०	३८६५	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१७१७	१४	सुभटपुर मे लिखित। सं १६१६ में जैसलमेर में रचित।
३११	३६४५	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१६३८	३०	सुरताणजीशासित धणुद्रग्राम में लिखित। स १६१६ मे जैसलमेर में रचित।
३१२	६७१	मानतुंगमानवतीचौपाई	अभयसोम	"	१७७८	११	सं. १७२७ में रचना। विक्रमपुर में लिखित।
३१३	३६४७	मानतुंगमानवतीचौपाई	"	"	१७६५	१०	सं. १७२७ मे रचित। लेखक ने पुष्पिका संकेत लिपिमे लिखी है
३१४	३६७६	मानतुंगमानवतीचौपाई	"	"	१८३१	२१	देवगढ़ में लिखित। स. १७२७ मे रचित।
३१५	३६७५	मानतुंगमानवतीचौपाई	सुन्दरसूर	"	१६वीं श	१४	स. १७८५ मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३१६	१००५	मानतुंग मानवतीरास	मोहनविजय	रा०गू०	१८१३	२६	सं० १७६० अणहिल्लपुर पाटण मे रचना दुर्गादासराठोड के शासनकाल में।
३१७	२०३७	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१७६४	२५	सं० १७६० में दुर्गादास राठोड के शासन मे अणहल्ल पत्तन में रचित। पत्तन मे लिखित।
३१८	२०४६	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१७८०	३३	सं० १७६० मे दुर्गादास के शासन मे अणहिल्लपुर पाटण में रचित।
३१९	३२४१	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१९वीं श.	४१	सं० १७५० में दुर्गा दास राठोड शासित अणहल्लपुर पत्तन मे रचित।
३२०	३२९१	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१८४५	३५	वडावली मे लिखित सं० १७६० में दुर्गादास शासित अणहल्लपाटण में रचित।
३२१	३५५४ (१०)	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१८८३	१३-२५	सं० १७६० में अणहल्लपुर पाटण में रचित।
३२२	३६४६	मानतुंग मानवतीरास	,,	,,	१७७९	२२	राजनगर में लिखित स० १७६० मे दुर्गादास राठोड शासित अणहलपुर पाटण में रचित।
३२३	३२२२	मामेरू	प्रेमानन्द	,,	१८७४	१६	
३२४	२८९३ (२९)	मुखवस्त्रिकाविचार चोपाई	हीरकलश	,,	१७वीं श	६४-६५	
३२५	३६७८	मुनिपतिचोपाई	धर्ममन्दिर	रा०	१८८९	५४	सं० १७२५ में पाटण में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	३४६४	मुनिपतिचौपाई		रा.	१७वीं श	३५	सं. १५५० में रचना।
३२७	३४८१	मुनिपतिचौपाई			१५६६	३८	सं. १५५० में रचना।
३२८	२८६३ (२४)	मुनिपतिचरित्रचौपाई	हीरकलश	”	१६६८ वैशाख	१३–५८	सं. १६१८ के माघ मास में बीकानयर में रचित। कनकपुरी में लिखित।
३२९	२०२१	मुनिपतिचरित्रचौपाई	धर्ममन्दिर	”	१८४१	३६	सम्वत् १७२५ में पाटण में रचित।
३३०	२१२६	मुनिपतिचरित्रचौपाई	”	”	१८१८	३१	संवत् १७२५ में पाटण में रचित। रिणी में लिखित।
३३१	३५७३ (२२)	मृगापुत्रसधि	कल्याणतिलक	”	१६वीं श.	६७–६८	जीर्णप्रति।
३३२	३६४४	मृगापुत्रसंधि	”	”	१६६७	४	
३३३	६६१	मृगावती चौपई	समयसुन्दर	”	१६६०	२८	सं. १६६८ में मुलतान में रचना।
३३४	३८६६	मृगावती चौपई	”	”	१८वीं श	२५	मुलताणनगर में रचित।
३३५	३६४८	मृगावती चौपई	”	”	१७वीं श	३४	सं० १५६८ में मुलताण में रचित।
३३६	३६८०	मृगावती चौपई	”	”	”	६०	सं. १६६५ में मुलताण में रचित।
३३७	३५७३ (१२)	मेघकुमारचोढालीयो	कनककवि	”	१६वीं श	३४–३५	जीर्णप्रति।
३३८	३६४६	मेघकुमारचोढालीयो	”	”	१६६१	७	
३३९	३६८१	मेघकुमारचोढालीयो	यादव	”	१८८१	३	आणंदपुर में लिखित।
३४०	३१६६	मोती कपासीया सवाद चौपाई	श्रीसार	”	१८वीं श	६	सं १६८२ में फलवधीपुर में रचित।
३४१	३२०८	मोती कपासीया सवाद चौपाई	”	”	१७२५	२	बीकानेर में लिखित। सं. १६८२ में फलवधीपुर में रचित।
३४२	३८६७	मोती कपासीया संवाद चौपाई	”	”	१६६५	४	सं १६८६ मे फलवधीपुर मे रचित।
३४३	३६५०	मोती कपासीया सवाद चौपाई	”	”	१७वीं श	७	सं. १६८६ में फलवधीपुर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४४	३४४४ (२)	मोहनमोहीकथा-पद्य	जानकवि	हि०	१९वीं श.	१२-१४	
३४५	८३	मोहविवेकरास	धर्ममन्दिर	रा०गू०	१८वीं श.	७७	स० १७४१ में मुलतान में रचना।
३४६	१५६८	यशोवररास	नयसुन्दर	,,	१७वीं श.	२१	स० १६७१ मे रचना।
३४७	२०२५	यशोधररास	उदयरत्न	,,	१८०३	५४	चद्रावती (चाणस्मा) में लिखित। संवत १७६७ में रचित।
३४८	२१३०	यशोधररास	ज्ञानद (लु का-गच्छीय)	,,	१९वीं श.	२०	स० १६२३ में वडोदरा में रचित।
३४९	१८२८	याद्वरास	पुण्यरत्न	,,	१६९०	३	
३५०	८९२	रतनरासो	पिडीओजगो	रा०	१८७६	१४	मानकुंआँ में लिखित।
३५१	२३१०	रतनरासो	,,	,,	१८२५	३८	मेडता मे लिखित।
३५२	२३६० (४)	रतनरासो	,,	,,	१८४१	१से१२	पत्र ५,६ अप्राप्त। बीदासर मे लिखित।
३५३	३५४८ (२)	रतनरासो		,,	१८वीं श	२१-२८	अपूर्ण। जीर्णप्रति।
३५४	३५४९ (२)	रतनरासो	पिडिगोजगो	,,	१९वीं श	२४-३१	
३५५	३५६० (४)	रतनरासो	,,	,,	१८वीं श	१-३१	
३५६	३५३३ (४१)	रतनरासो	[illegible]डीयोजगो	,,	१८०९	१२९-१३५	जीर्ण प्रति। स.१७१५ में रचित।
३५७	११०३ (२४)	रत्नकुमार[illegible]	नेयक (रत्न-मूर्ति शिष्य)	,,	१७वीं श	८४-८६	
३५८	११०५ (६)	रत्नकुमार[illegible]	,,	,,	१६७५	१से२०	स० १५७१ में रचना।
३५९	३५५[illegible] (८)	रत्नचूडचौपाई	धनरतिधान	,,	१८३६	१-१०	स० १६७८ में रचित।
३६०	[illegible]१८८	रत्नचूडचौपाई	,,	,,	१८४१	२४	बीलाड़ामें लिखित। सं० १६७८ में रचित।
३६१	[illegible]	रत्नचूडचौपाई	,,	,,	१८वीं श	१८	सं० १६७८ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६२	२१८०	रत्नपालचौपाई	रघुपति	रा०गू०	१८२४	१४	सं. १८१६ में गजसिंघजी के राज्य में कालूग्राम मे रचित कर्ता ने अपना नाम रुघनाथ भी लिखा है। विक्रमपुर में लिखित।
३६३	२२३०	रत्नपालचौपाई	"	"	१८६४	३३	स. १८१६ मे गज सिंघ के राज्य में कालूग्राम मे रचित।
३६४	३८६४	रत्नपालचौपाई	कनकसुन्दर	"	१८२१	१३	कल्याणपुर में लिखित। सवत १७६७ में रचित।
३६५	३८६५	रत्नपालचौपाई	मोहनविजय	"	१८१२	५४	वैराटनगर में लिखित। संवत् १७६० में पत्तान में रचित।
३६६	३८६६	रत्नपालचौपाई	हर्षनिधान	रा०	१८१२	२७	स १८१६ में कालू ग्राम मे रचित।
३६७	६३६	रत्नपालरास	सुरविजय	"	१७७६	३२	धोलका में लिखित। सं. १७३२ में ब्राह्मणपुर में रचित।
३६८	६८८	रत्नपालरास	"	रा०गू०	१८३०	२४	सम्वत् १६३२ मे बरहानपुरमे रचित। भुजनगर में लिखित।
३६९	११२३ (६)	रत्नसार रास	सहजसुन्दर	"	१७वीं श	३६–४६	सवत् १५८२ में रचित।
३७०	३६८३	रत्नसार रास	"	"	१८वीं श	१५	संवत् १५८६ (?) मे रचित।
३७१	२०३६	राजसिंहरतनवती पंच कथा रास	प्रभुदास	"	१६वीं श.	१६	सवत् १७५५ मे वटपद्र में रचित।
३७२	२८६३ (३८)	राजसिंहरत्नावती सिं(सं)धि	हीरकलश	"	१६१६	७१–८४	सं. १६१६ में झमेऊ ग्राम में रचित। रचना के चौथे दिन में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७३	२२१५	रात्री भोजन चोपाई	धर्मसमुद्र	रा०गू०	१६७७	६	पाडला ग्राम में लिखित। पंचालसायरनयर में रचित।
३७४	३४८३	रात्री भोजन चोपाई	,,	,,	१७५४	७	मगरोप मे लिखित, पंचालासोनयर मे रचित।
३७५	३५७३ (१७)	रात्री भोजन चोपाई	,,	,,	१६वीं श	५१से५७	पचालीसानयर में रचित। जीर्ण प्रति।
३७६	१००६	राधाविलापवारमास	प्रेमानन्द	गूर्जर	१८२०	११	
३७७	२८५५ (१)	राधिका विरहवारह-मास	संगमकवि	ब्र०हि०	१८६६	१से१३	गुटका।
३७८	६००	रामगुणरासो	माधवदास	,,	१८१८	४५	
३७९	३३८७	रामगुणरासो	माधोदास	रा०	१७८३	३७	कृष्णगढ़ में लिखित।
३८०	३३८८	रामगुणरासो	,,	,,	१८२६	४४	रेयां में लिखित।
३८१	३५४८ (५)	रामगुणरासो	,,	,,	१७६१	७३–१३६	तिमरी में लिखित।
३८२	३५४६ (१)	रामगुणरासो	,,	,,	१६वीं श.	१–२३	
३८३	३५६७ (१)	रामगुणरासो	,,	,,	१८०६	१–७१	मेडता में लिखित।
३८४	३८६७	रामयशोरसायनरास	केशराज	रा०गू०	१८७१	६५	देहरग्राम में जमना तट पर लिखित। सं० १६८० में अन्तरपुर में रचित।
३८५	३६८८	रामयशोरसायनरास	,,	,,	१८४७	१००	तालनगर मेदपाट में लिखित। 'मारवाड देश मध्ये विग्रहथयो तरेमेदपाट मध्ये आयाथा ते जाणवो' लेखक पुष्पिकागत पंक्ति। सं० १६८० मे अतरपुर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३८६	१८८२ (१६८)	रुक्मणीविवाह	कृष्णदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१०८–१११	
३८७	८७२	रुक्मणीहरण (पद्य)		रा०	१६०४	१२	
३८८	८७५	रुक्मणीहरण (पद्य)		"	"	६	
३८६	२२१०	रुक्मणीहरण (पद्य)	विजैराज	"	१६वीं श.	७	पद्य रचना।
३६०	३५००	लीलावती चौपाई	हेमरतन	रा० गू०	१७वीं श.	१६	सं. १६७३ मे पाली-नयर में रचना।
३६१	६८७	लीलावतीसुमतिविलास रास	उदयरत्न	"	१८४२	१४	सं. १७६७ में ऊना-ऊआ मे रचना। जालियाग्राम मे लिखित।
३६२	२०५०	रासलीलावतीसुमति विलास	"	"	१८१७	१३	सवत् १७६७ मे उनाउया मे रचित।
३६३	३२२७	लीलावतीसुमतिविलास रास	"	"	१८७१	११	धनपुरनगर में लिखित। स. १८६७ में ऊनाऊआग्राम में रचित।
३६४	३५१५	लीलावतीसुमतिविलास रास	"	"	१८वीं श	१५	संवत् १७६७ में ऊनाऊआ मे रचित।
३६५	३४८६	वच्छराज चौपाई	आनंदनिधान	"	"	२१	स. १७४८ मे सोभित नयर में लिखित।
३६६	३४८५	वसुदेवकुमार चौपाई	हर्षकुल	"	"	८	सं. १५५७ (१) में वरलासनयरी में रचित।
३६७	१८३६ (४)	वस्तुपालतेजपालरास	समयसुन्दर	"	१६वीं श	१६–२३	तिमरीपुर में रचना। सवत् १६८२।
३६८	२२१३ (३)	वस्तुपालतेजपालरास	"	"	१८३८	४–५	कालू मे लिखित। स. १६८२ में तिमरीपुर में रचित।
३६६	२१२४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	सकलचन्द्र	"	१७४१	२६	त्रवावतीनगर में रचित।
४००	२३७४ (१३)	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	"	"	१८५७	४७–६३	त्रबावतीनगर मे रचना।
४०१	३८६६	विक्रमखापराचौपाई	अभयसोम	"	(१७)६७	६	सवत १७२३ में सिरोही मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४०२	१८१५	विक्रमचरित्र प्रबंध	उदयभानु	रा०गू०	१५६७	२०	गोदावरी ग्राम मे लिखित। सं० १५६५ मे रचित।
४०३	३५५५ (२८)	विक्रमचोबोलीचोपाई	जिनहर्ष	रा०	१६वीं श.	१६२वां	
४०४	२१२७	विक्रमचोबोलीचोपाई	अभयसोम	रा०गू०	१८६६	८	रचना स० १७२४। सुनाम मे लिखित।
४०५	२८६०	विक्रमचोबोलीचोपाई		,,	१६वीं श.	२२	अन्त्य २३ वां पत्र अप्राप्त।
४०६	३६००	विक्रमचोबोलीचोपाई	,,	,,	१७८२	१२	पीपली ग्राम मे लिखित। स० १७२४ मे रचित।
४०७	२२२५	विक्रमचोबोलीचोपाई	,,	,,	१७६८	११	सादडी मे लिखित, स० १७२४ मे रचित।
४०८	१०११	विक्रमचोबोली तथा प्रहेलिका	जिनहर्ष	,,	१६वीं श.	२	सिणधरी मे लिखित।
४०९	२२०५	विक्रमपचदंडचोपाई	लक्ष्मीवल्लभ	,,	१८५३	११६	विदासर मे लिखित। स० १७२८ मे रचित।
४१०	३८६८	विक्रमपचदंडचोपाई	,,	,,	१८वीं श	७२	स० १७२८ मे रचित।
४११	३६५१	विक्रमपचदडचोपाई	,,	,,	१८वीं श	७१	अन्त्य ७२ वा पत्र अप्राप्त।
४१२	३६०२	विक्रमपचदडचोपाई	लक्ष्मीकीर्ति	,,	१८८१	८४	मलसाग्रावडी ग्राम मे लिखित।
४१३	३६६४	विक्रमपचदडचोपाई	,,	,,	१६वीं श	१०६	लणू मे लिखित, स० १७२८ मे सवलसिंह नृपशासित थलीनगर मे रचित।
४१४	२०८०	विक्रमपचदंडचोपाई	नरपति	,,	१७६२	३४	रचना काल शाके १५००।
४१५	२१२८	विक्रमरास	लाभवर्धन	,,	१८६६	२३	सं० १७२३ में जयतारण नगरी मे रचना, सुनाम में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४१६	१८२५	विक्रमसेनचौपाई	पर(द्)मसागर	रा. गू.	१८१६	४५	सं. १७२४ में गढ़-वाडा में रचना।
४१७	२०१६	विक्रमसेनचौपाई	परमसागर	"	१६३५	६१	सं १७२४ में गढ़-वाडा में रचित।
४१८	३८६६	विक्रमसेनचौपाई	"	"	१७८४	४८	बगडी में लिखित। सं. १७२४ में गोढ-वाड मे रचित।
४१९	३८६८	विक्रमसेनचौपाई	मानसागर	"	१८२८	३६	बडुग्राम में लिखित। स. १७२४ मे कुंढ-नगर मे रचित।
४२०	३६६१	विक्रमसेनचौपाई	"	"	१७६८	३३	आगेवानगर में लिखित। संवत् १७२४ में कूंढइनग-रम में रचित।
४२१	१०१६	विक्रमादित्यचरित्र चौपाई	नरपतिकवि	"	१७०६	३२	सारीआग्राम में लिखित।
४२२	३६०१	विक्रमादित्यनवसेंकन्या चौपाई	लाभवर्धन	"	१८४८	१६	सरीयारी में लिखित। सम्वत् १७२३ में जयतारणनगरी में रचित।
४२३	३५७५ (२१)	विजयशेठ विजया शेठाणी चोढालीयो	चंद्रकीर्तिसूरि	"	२०वीं श.	६५–६७	
४२४	२२२७	विद्याविलासचौपाई	राजसिंह	"	१७वीं श	६	सं. १६७६ में चंपा-वतीनगरी में रचित।
४२५	३६५२	विद्याविलासचौपाई	"	"	१६६३	१३	जेसलमेर में लिखित। सम्वत् १६७६ में चपावती-नयरी में रचित।
४२६	३६६७	विद्याविलासचौपाई	जिनहर्ष	"	१८५०	२१	तेल्यपुर में लिखित। सवत् १७११ में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
४२७	११२३ (१)	विद्याविलास पवाडउ	हीराणंदसूरि	"	१६३१	२–५	प्रथम पत्र अप्राप्त। संवत् १४८५ में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४२८	१८२४ (२)	विद्याविलास पवाडउ	हीराणंद	रा०गू०	१६वीं श.	४–८	र० सं० १४८५।
४२९	१८२७	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१६७६	६	र० सं० १४८५।
४३०	२०१३	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१६वीं श.	५	सं० १४८५ में रचित।
४३१	३५४४	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१७वीं श.	६	सं० १४८५ में रचित।
४३२	१००४	विनयचटरास	ऋषभसागर	"	१८७६	५३	सं० १८१० में पुरबिंदर मे रचना। मांडवीबिन्दर में लिखित।
४३३	२१२३	विमलमंत्री रास	लावण्यसमय	"	१८वीं श.	२९	सं० १५६८ मे मालमुद्र मे रचित।
४३४	२३७४ (१७)	विमलमंत्री रास	"	"	१८५७	८३–१४१	स० १५६८ में माल-समुद्र मे रचित।
४३५	३५३४	विमलमंत्री रास	"	"	१७वीं श.	६५	सं० १५६८ में मालसमुद्र में रचित।
४३६	२१४८	वीरभाणउदैभाणचोपाई	कुशलसागर	"	१८४२	४८	वीकानेर में लिखित, स० १७४५ में नवा-नगर में रचित।
८३७	३६६८	वीसस्थानकरास	जिनहर्ष	"	१८२५	१८१	जोरावरसिंहजी शासित सिणधरी में लिखित।
४३८	१६५०	वृन्दावनशतभाषा		ब्र०हि०	१६वीं श.	८	रचना स० १६८६।
४३९	३५१३	वृद्धिसागरनिर्वाणरास	दीपमुनि	रा०गू०	१८०५	१०	सोझितरामें लिखित।
४४०	३१३४ (२)	वेतालपचीसीकथा गद्य		"	१६वीं श.	१से२५	
४४१	६३४	वेतालपचीसी गद्य		"	१८८०	६१	मानकूआ में लिखित।
४४२	२१४१ (१)	वेतालपचीसी गाथा दूहाबध	देवसील	"	१६वीं श.	१–१५	वडाविग्राम में सं० १६१९ में रचना।
४४३	२१४३ (५)	वेतालपचीसी	देवीदान नाइता	रा०	१८६०	१३–३५	पद्य रचना बीकानेर नृप अनूपसिंह के कुतूहलार्थ रचित। लूणकर्णसर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
४४४	२३६० (६)	वेतालपच्चीसी कथा	देईदान नाइता	रा०	१८४६	२६–५४	बीकानेर नरेश अनूपसिंह के विनोदार्थ रचित। बीदासर में लिखित।
४४५	३२४३	वेतालपच्चीसी	"	"	१८५४	१६	बीकानेर नृप अनूपसिंहजी के कुतूहलार्थ रचित। आमेर ग्राम में लिखित।
४४६	२८३०	वेतालपच्चीसी गद्य		"	१६वीं श.	१३	गुटका। अपूर्ण।
४४७	३५५४ (६)	वेतालपच्चीसी गद्य		"	१८८०	१–१३	बगडी में लिखित।
४४८	३५७३ (१)	वेतालपच्चीसी चौपाई	हेमाणंद हीरकलश शिष्य	"	१८१२	१–१७	सं. १६४६ में रचित। ओवरीग्राम में लिखित। जीर्णप्रति।
४४९	३६०३	वैदर्भी चौपाई	प्रेमराज	रा०गू०	१८वीं श	७	
४५०	३६६५	वैदर्भी चौपाई		"	१८५६	६	
४५१	१८८६ (८)	व्रजशृंगार	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१६वीं श.	२६–३३	रचना स० १८५१।
४५२	३५१० (१)	शकुंतला रास	धर्मसमुद्र	रा०गू०	१८वीं श	१–३	
४५३	१००२	शत्रुंजयउद्धाररास	समयसुन्दर	"	१८३६	८	सं. १६८६ में नागोर में रचना। राधणपुर में लिखित।
४५४	१८३६ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८२६	१०–१६	नागोर में सम्वत् १६८२ में रचना। गुटका।
४५५	२२२६	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८वीं श.	२३	प्रस्तुतकृति के बाद लेखक ने स्तवन पदादि लिखे हैं।
४५६	३५५४ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	नयसुन्दर	"	१६वीं श	६०–६२	संवत् १६४८ मे रचित।
४५७	३६५३	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१६६५	६	
४५८	३५३६	शांतिनाथ चौपाई	ज्ञानसागर	"	१८वीं श.	५०	सं. १७२० में पाटण में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५६	३६०४	शान्तिनाथ चोपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८८७	२२	आणंदपुर मे लिखित, सं० १७२० में पाटण में रचित।
४६०	२२०४	शांबप्रद्युम्न चोपाई	समयसुन्दर	"	१८३८	२५	सं० १६५६ में रचित। विदासर में लिखित।
४६१	२८८६	शांबप्रद्युम्न चोपाई	"	"	१६६४	२२	स० १६५६ में खंभात में रचित, उजेणीनगरी मे लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त।
४६२	४०००	शांबप्रद्युम्न चोपाई	"	"	१८वीं श.	१५	अत्य १६ वां पत्र अप्राप्त।
४६३	६५३	शालिभद्र चोपाई	मतिसार	"	१७३५	१६	सं० १६७८ में रचना।
४६४	६८३	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८१३	१५	स० १६७८ में रचना। सत्यपुर मे लिखित।
४६५	१००७	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८वीं श.	१७	सं० १६७८ में रचना।
४६६	१८३६ (१४)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८३१	६७–११०	गुटका। दानसज्झाय सीलसज्झाय।
४६७	२०२०	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८२१	१७	
४६८	२१८६	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श	२५	
४६६	२३७४ (१)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८५७	१६	गुटका, रचना सं० १६७८।
४७०	३५८७	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श	२४	सं० १६७८ में रचना।
४७१	३५५४ (६)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८७६	१–८	स० १६७८ में रचित।
४७२	२८७०	शालिभद्र चोपाई	"	"	१६८६	१८	
४७३	३६५५	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श.	१८	सं० १६७८ में रचित।
४७४	३४६५	शालिभद्र चोपाई	जयशेखर शिष्य	"	" "	६	
४७५	३५५० (७)	शालिभद्र चोपाई	मतिकुशल	"	१६वीं श	५०–६६	स० १६७२ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	३२७	शिवरात्रीकथा चोपाई	जावड (?)	रा०गू०	१७८६	२४	आसंधिगांवमें लिखित
४७७	३६५६	शिवरात्री चोपाई		,,	१७वीं श.	४	
४७८	२१६५	शीलरचारास	नयसुन्दर	,,	१६७३	६	रचना सं० १६२६।
४७६	२०५७	शीलरचारास	विजयदेवसूरि	,,	१७वीं श	७	जालुहरनगर में रचना।
४८०	३५७३ (३७)	शीलरचारास	,,	,,	१६वीं श	६७-१०१	जालोरनयर में रचित। जीर्ण प्रति।
४८१	३८६०	शीलरचारास	,,	,,	१७वीं श.	६	जालउरनयर में रचित।
४८२	३६३४	शीलरचारास	,,	,,	,, ,,	८	जालउर नयर में रचित।
४८३	३४७८	शीलरास		,,	१६४४	१०	षढवा में लिखित।
४८४	२०५३	शीलवती चरित्र	नेमविजय	,,	१८३०	५३	सं० १५०० में रचित।
४८५	११२८ (८)	शीलवती चोपाई	ललितसागर	,,	१६७६	१से३२	सं० १६०७ में चक्रापुरी में रचना।
४८६	२१७३	शीलसिलोकोरास	ज्ञानचद	,,	१८४०	१२	विक्रमपुर में लिखित।
४८७	६०३	शुकवहोतेरी चोपाई	रत्नसुन्दर	,,	१६०८	८५	सं० १६३८ में त्रंवावती ग्राम में रचित। कृति का गौणनाम रस मंजरी है। भुज नगर में लिखित।
४८८	२०८७	शुकराजकथा	तेजविजय	,,	१६वीं श.	३३	
४८६	१५६७	श्रीचन्द्रकेवलीरास	देवविजय	,,	१७१७	६२	र० सं० १६६२।
४६०	३६०५	श्रीपालचोपाई	महिमोदय	,,	१८५१	४३	देलवाडा में लिखित। भैंसरोड में आरंभ करके जिहानावाद में सं० १७२६ में रचित।
४६१	३४८६	श्रीपालरास	गुणरत्न	,,	१७वीं श.	२२	सं० १५३१ में रचित।
४६२	६८५	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	,,	१८वीं श	८	सं० १५३१ में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४९३	११२४ (२)	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	रा० गू०	१६७५	२१–२७	सं. १५३१ में रचित।
४९४	३९५७	श्रीपालरास	"	"	१७५२	११	जिहानाबाद में लिखित। सं. १५३१ में रचित।
४९५	९८०	श्रीपालरास	विनयविजय यशोविजय	"	१९२३	७८	स० १७३८ में रानेर में रचना।
४९६	१००१	श्रीपालरास	"	"	१९१७	८४	"
४९७	२०५८	श्रीपालरास	"	"	१७८१	४६	"
४९८	३९०७	श्रीपालरास	"	"	१८४२	४६	स. १७३७(?) में रानेर में रचित।
४९९	९९१	श्रीपालरास	जिनहर्ष	"	१८१४	२७	स. १७४० में पाटण में रचना। पाटण में लिखित।
५००	२१३८	श्रीपालरास	"	"	१८३०	३३	स. १७४० में पाटण में रचित। बीका-नेर में लिखित।
५०१	२१५४	श्रीपालरास	"	"	१८७८	४३	सं. १७४० में पाटण में रचित।
५०२	३९०६	श्रीपालरास	"	"	१८३३	२८	स. १७४० में पाटण में रचित।
५०३	२१५०	श्रेणिकचोपाई	धर्मशील	"	१८३५	२३	बीकानेर में लिखित। सं. १७१९ मे चदेरी-पुर मे रचित।
५०४	२१५१	श्रेणिकचोपाई	जिनहर्ष	"	१९वीं श	१३	सं. १७४२ में पाटण मे रचित।
५०५	२०३०	श्रेणिकरास	सोमविमल	"	१६२०	२१	कुमारपालस्थापित कुमारगिरी में स. १६०३ मे रचित। अहमदाबादनगर में लिखित।
५०६	९८४	सग्रहणीचोपई	मतिसागर	"	१८३१	१७	स. १६७५ में रचना। द्रग में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५०७	३६६१	संग्रहणीचोपाई	मतिसागर	रा०गू०	१८वीं श.	१५	सं० १६७५ में रचित
५०८	८४६	सदाशिवव्याह	महाराउलखपति	ब्र०हि०	१८५७	३३	रचना स० १८१७। कर्त्ता कच्छनरेश है। भुजनगर में लिखित।
५०९	२१२६	सदयवच्छसावलिंगारी वात		रा०	१८६१	४	राजपुरा में लिखित।
५१०	३५७३ (६)	सदयवच्छसावलिंगारी वारता गद्य		,,	१९वीं श.	२२–२६	रोहिठ में लिखित। जीर्ण प्रति।
५११	३५१७	सदयवच्छसावलिंगारावात		,,	१८वीं श.	११	
५१२	६२१	सदेवंतसावलिंगानी वात (पद्य)		,,	१६वीं श	१८	
५१३	११४४ (५)	सदैवच्छसावलिंगारी वात		,,	,, ,,	३५से४७	
५१४	३५५५ (२१)	सदैवच्छसावलिंगारी वात दूहा		,,	,, ,,	१३३–१४५	कंटालिया में लिखित।
५१५	८८८	सदैवच्छसावलिंगारी वात दूहाबंध (गद्य पद्य)		,,	१७५२	८	सरसा में लिखित।
५१६	३५५६ (१)	सदैवच्छसावलिंगारी वार्ता	कविजन	,,	१८२०	१–३८	
५१७	२०१४	सनत्कुमारचक्रीरास	लब्धिविजय	रा०गू०	१६वीं श	१०२	रचना सं० १८७५। लेंबोदरगांव(निंबपद्र) में लिखित।
५१८	२१८५	सनीसरजीरीकथा चोपाई	जोरावरमल	,,	१८८०	८	सं० १८२० में नासपुर में रचित। कालू में लिखित।
५१९	२०६३	समकितकुलकचोपाई		,,	१७वीं श	१६	
५२०	३६०८	सम्यक्त्वकौमुदीकथा चोपाई	रूपऋषि	,,	१८८६	४२	आणदपुर में लिखित स० १८८२ में अजीमगज में रचित।
५२१	२८६३ (३०)	समायिकवत्रीसदोष विवरणकुलकचोपाई	हीरकलश (?)	,,	१७वीं श.	६५–६६	
५२२	८६५	सारसिखामणरास	संवेगसुन्दर	,,	१८वीं श.	६	सं० १५४८ में मानुषपुर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२३	११२४ (४)	साहराउलनीलवरणभास	दानसागर	रा०गू०	१६७५	१	
५२४	३५१२	सिद्धचक्ररास	ज्ञानसागर	"	१६८५	१६	सूरत में लिखित। सवत् १५३१ में रचना।
५२५	३२६०	सिंघासणबत्रीसी	जेराजकवि	"	१८७८	७६	रानेर में लिखित।
५२६	३५५६ (२)	सिंहासनबत्तीसीकथा	माधव	रा०	१८८७	७८–११३	संवत् १६३३ में रचित।
५२७	२१६८	सिंहासनबत्तीसी कथा (पद्य)	देईदान	"	१७८२	२६	संवत् १६३३ में अकबर के समय में रचित। चित्र-कोट समीप गलुड मध्ये लिखित। देवास मालवा में स. १६३३ में रचना।
५२८	३१३४ (१)	सिंहासनबत्तीसीचोपाई	हीरकलश	"	१६वीं श	१–८५	रचना सं. १६३२।
५२९	३४६०	सिंहासनबत्तीसीचोपाई	"	रा०गू०	१७वीं श	१४२	पत्र ७६ वां तथा १३६ वां अप्राप्त, सम्वत् १६३६ मे डेहिनयरी में रचित।
५३०	८६	सीतारामचोपाई	समयसुन्दर	"	१७८३	१०२	वलाद्रग्राम में लिखित। मेडता में रचित।
५३१	१८०८	सीतारामचोपाई	"	"	१७३५	६६	
५३२	२०३८	सीतारामचोपाई	"	"	१८वीं श.	८०	प्रथम पत्र अप्राप्त। मेडता मे रचना।
५३३	३६५८	सीतरामचोपाई	"	"	"	८२	मेडता मे रचित।
५३४	३६११	सुदर्शनचरित्रचोपाई	ब्रह्मऋषि	"	१८५०	१६	अकबराबाद में लिखित
५३५	३६१०	सुदर्शनशेठरासकवित्तबंध	दीपो	"	१८६१	१६	
५३६	२०८३	सुदर्शनशेठशीलप्रबंध	चद्रसूरिशिष्य(?)	"	१५५०	१३	रचना सं. १५०१।
५३७	१८६० (१४)	सुदामाचरितरास	ब्रह्मदास	ब्र. हि.	१६वीं श.	१३–२१	
५३८	१८६० (१३४)	सुदामाचरितरास	"	"	"	१०७–११५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५५०	२२२४	सौभाग्यपंचमी चौपाई	जिनरंग	रा०गू०	१८वीं श.	१७	सं० १७३८ में रचित।
५५१	३३८०	स्थूलभद्रएकवीसउ	लावण्यसमय	,,	१७वीं श.	३	सं० १५५३ मे रचित।
५५२	३५७३ (१६)	स्थूलभद्रएकवीसउ	,,	,,	१६वीं श	४६–५१	स० १५५३ मे रच्चित। जीर्णप्रति।
५५३	३५७५ (५६)	स्थूलभद्ररास	उदयरतन	,,	२०वीं श	२६४–२७७	
५५४	१५६५	स्थूलभद्रशीयलवेली	वीरविजय	,,	१८७१	११	र० स० १७६२।
५५५	२०२३ (२)	स्थूलिभद्रकोश्याभास	नयसुन्दर	,,	१७३४	२–३	
५५६	६२५	स्थूलिभद्रगुणरत्नाकर छन्द	सहजसुन्दर	,,	१८८१	२५	मानकुआ मे लिखित। रचना सं. १५७२।
५५७	१८८६ (५)	स्नेहवहार	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	१६वीं श.	१६–२३	रचना स. १८५३।
५५८	२३७६ (६)	स्नेहलीला	रसिकराय	ब्र०हि०	१६११	१–१५	
५५९	८६०	स्नेहलीला (पद्य)		ब्र०	१६वीं श.	१२	
५६०	१८८६ (११)	स्नेहसग्राम	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	,,	५५–५६	रचना सं. १८५२।
५६१	३२३४	स्वांतहर्षचौपाई	गोदड्दास	रा०गू०	१८११	२०	सं० १८०२ में रचित।
५६२	१८८६ (१८)	हमीररासो		रा०	१८५६	२८	गुटका।
५६३	२३७४ (१०)	हरचंदपुरी		रा० गू०	१६वीं श	३४–३६	
५६४	३५७३ (१३)	हरिकेशीचरित्रनवरस रास	कनकसोम	,,	१६वीं श	३५–३८	सं. १६४० में वइराट नगर में रचित। जीर्णप्रति।
५६५	३४६१	हरिवलचौपाई	लावण्यकीर्ति	,,	१७वीं श	३०	पत्र २८ वां नहीं है। सम्वत् १६७१ मे राउलश्रीकल्याण शासित जेसलगिरी में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६६	३५७३ (२०)	हरिबलधिवरचोपाई		रा०गू०	१६वीं श.	६१–६५	सं० १५६१ में रचित। जीर्ण प्रति।
५६७	११२३ (२)	हरिबलरास	कुशलसयम	,,	१७वीं श.	६से२२	
५६८	२१६३	हंसराजवच्छराजचोपाई	जिनोदय	,,	१६०६	२५	
५६९	३६६२	हसराजवच्छराजचोपाई	,,	,,	१७वीं श.	२६	कोसितल में लिखित।
५७०	३६६३	हसराजवच्छराजचोपाई	,,	,,	१८२६	२४	रोहिठ में लिखित। स० १६८० में रचित।
५७१	६४३	हसराजवत्सराजरास	कविमान	,,	१७१२	२१	सं० १६७५ में कोटडा में रचना। विरमग्राम में लिखित।
५७२	२१०७	हीरसूरिरास	ऋषभदास	,,	१८वीं श.	८५	पत्र १–२ तथा अन्त्य दो (८६, ८७ वॉ) पत्र अप्राप्त।

(१४) इतिहास (ख्यातवातादि)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५६२ (१४)	अचलदास खीचीरी-वार्ता		राज०	१६७०	११७-१३५	
२	३५४६ (१८)	अजीतसिंहजीरी वार्ता		"	१६वीं श.	१२५-१२६	
३	२८६३ (१२७)	अणहिल्लवाडपत्तन-राजावली		राज० गू०	१७वीं श	१६१ वा	
४	३५४६ (११)	अनन्तरायसांष(ख) लारी वार्ता		राज०	१६वीं श	६३-६७	
५	३५४६ (६)	अनन्तराय संखलारी वात		"	"	६८-७१	
६	२८६३ (१२६)	अभयदेवसूरिगच्छ निर्णय		रा.गू स	१६१७	१६०-१६१	१६० वां पत्र मे अन्यान्य ग्र थों के अवतरण हैं, तथा १६० और १६१ वे पत्र मे अन्यान्य-गच्छों के ३४ आचार्यादि मुनियों की साक्षी है। पत्तन-नगर मे लिखित। ले० हीरकलशमुनि।
७	३५४६ (१०)	आलणसीभाटीरादूहा		राज०	१६वीं श.	७२-७३	
८	३५४६ (१६)	आसथानजीरी वार्ता		"	"	१२२ वां	
६	३५५६ (५)	गिंदोलीरी कथा		"	"	६६-७०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१०	३५५८ (२)	गिंदोलीरीवात		राज०	१९वीं श.	१-११	
११	३५६२ (१८)	गींदोलीगणगोर की वारता	हीरकलश	"	२०वीं श.	१४६-१६१	
१२	२८६३ (१२१)	गुरुपरपरा गुर्वावली	"	रा०गू०	१७वीं श.	१७६-१७७	
१३	३२१२	गुर्वावली सटीक	धर्मसागर	मू०प्रा० टी०सं०	१७३२	१६	उदयपुर में लिखित।
१४	३५४६ (१७)	चित्तोड़ अजमेर जोधपुर आदि की ऐतिहासिक हकीकत		राज०	१९वीं श.	१२३-१२५	
१५	११२२ (२६)	चौबीस साखना कवित		ब्रज	" "	२८ वां	
१६	३५४६ (११)	छत्रीस राजकुलनाम		राज०	" "	७४ वां	
१७	२८६३. (६०)	छीतरनामक श्रावकाष्टक	विनयचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श.	१५६ वां	
१८	३५४६ (१३)	जखगमुखरारी वारता		राज०	१९वीं श.	१०७-११३	
१९	३५५४ (२१)	जगदेवपरमाररी वात		"	१९२४	३२-४९	राणावास में लिखित।
२०	३५५५ (१३)	जैतसी ऊदावतरी वारता		"	१९वीं श.	९०-९५	
२१	११४४ (६)	तेजपालव्यय वर्णन तथा नागोर चित्तोड़ादि के ऐतिहासिक संवत		"	" "	४८ वां	
२२	१०२१	वट्टावली सटीक त्रिपाठ	मू०धर्मसागर	प्रा० टी०सं०	१७१५	१३	भृगुकच्छ में लिखित।
२३	३५४६ (१२)	परमारजगदेवरी वारता		राज०	१९वीं श.	९७-१०७	
२४	३५५७ (६)	पातसाह पातसाही भोगवी तिरणी विगत		"	१८६१	७५-७७	
२५	३५४६ (२२)	वरांरीया की ऐतिहासिक हकीकत		"	१९वीं श	१-२	(अन्त में)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२६	३५४६ (२०)	महाराज अभेसिह देवलोक हुवा मारवाड़ा में बिखो हुवो तिण समियारी वारता		राज०	१६वीं श.	१३१-१४१	
२७	३५४६ (१५)	महाराज जसवन्त-सिंहजीरीवारता		"	"	११५-१२२	
२८	३३४१ (१)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (प्रथम भाग)		"		१-१००	पत्र १ से ६ तथा ५३, ५४, ५५, ६८, ६६, ८५, ८६, ६६, ६६, १०० अप्राप्त। जीर्णपत्र।
२६	३३४१ (२)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (द्वितीय भाग)		"		१०१-१६६	पत्र १०१ से १०७ ११०, १११, ११५, ११६, १२१ से १३३ १३५, १६२ से १६७ १६६, १७०, १६४ अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३०	३३४१ (३)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (तृतीय भाग)		"		२००-३०७	त्रुटित जीर्णप्रति।
३१	३३४१ (४)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (चतुर्थ भाग)		"		३०६-४००	पत्र ३०८, ३२६, ३३६, ३४१, ३६०, ३६४ से ३६६ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३२	३३४१ (५)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (पंचम भाग)		"		४०१-५००	पत्र ४१५, ४३५, ४६१, ४६३, ४६७, ४६६, अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३३	३३४१ (६)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (षष्ठ भाग)		"		५०१-६००	पत्र ५५६ वां तथा ५६६ से ५७६ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३४	३३४१ (७)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (सप्तम भाग)	"	"		६०८-७००	पत्र ६६१ से ६६८ अप्राप्त। जीर्ण-पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३५	३३४१ (८)	मुहता नेणसीरी ख्यात अष्ठम भाग		राज०		७०१से ७९५	पत्र ७३०, ७३६, ७५४, ७५५, ७५७, ७५६, ७६६, ७६६ तथा ७७१ वां अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३६	३३४१ (६)	मुहता नेणसीरी ख्यात नवम भाग		,,			भाग १ से ८ तक के अक विकल पत्रों का संग्रह है। जीर्ण पत्र।
३७	३५५० (१५)	मेडता आदि की ऐतिहासिक हकीकत		,,	१६वीं श.	६१–६२	
३८	६२३	यदुवंश वशावली	रतनुहमीर	,,	१८१५	१६	सं० १७८० में रचित।
३६	२८३२ (६)	राजकीय हिसाव की विगत		,,	१७७४	८६–६८	गुटका।
४०	१८३२ (२)	राजानराजावतरो वातवणाव		,,	१६वीं श.	४–१५	
४१	३५४६ (६)	राठोडांरी वंसावली		,,	,, ,,	१४–८५	
४२	३५५५ (३०)	रामदासजीरी वात		,,	,, ,,	१६८–१७०	
४३	३५५५ (२७)	लाखा फुलाणीरी वात		,,	१८२६	१५६–१६१	पीपलीया ग्राम में लिखित।
४४	३५५५ (२६)	विरमदे सोनीगरारी वात		,,	१६वीं श.	१६३–१६८	
४५	३५५६ (३)	वीभासोरठारी वात दूहा		,,	,, ,,	५१–६५	गुढा में लिखित।
४६	३५६२ (१३)	वीभासोरठारी वारता		,,	१६७०	८२–११६	
४७	२८६३ (१२३)	वृद्धगुर्वावलि	हीरकलश	रा०गू०	१६१६	१७८से १८२	भ्रमेऊ ग्राम में रचित और कर्ता द्वारा लिखित।
४८	३५४८ (१)	वैहलीमरी वात		,,	१८वीं श.	३–१६	जीर्ण पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६	३५६७ (१८)	श्रावकांरी चौरासी न्यातरो छन्द		रा०गू०	१६वीं श.	१३५ वां	
५०	३५४८ (७)	साहिजादा कुतबुदीन सहीबरी वारता		"	१७६६	२–१३	जीर्ण पत्र।
५१	३५४६ (१०)	सोनीगरा बिरमदेरी वारता		"	१६वीं श.	८६–६३	
५२	२८६३ (१५)	हीरकलश गोत्रादि वर्णन		"	१७वीं श.	१० वां	

(१५) कथा-वार्तादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	३५४६ (७)	अकलबहादरांरी वात		राज०	१६वीं श	४६-५६	
२	३५५५ (२०)	अकलरी वात		,,	,, ,,	१२६-१३२	
३	३६१	अगस्ति कथा		संस्कृत	१८२०	८	
४	१७२५	अगस्ति कथा		,,	१८२०	८	
५	२८५६	अनन्त व्रत कथा		,,	१८५४	१०	भविष्योत्तर पुराण गत।
६	३०६०	अनन्त व्रत कथा		,,	१६वीं श.	५	भविष्योत्तर पुराण गत।
७	२३७५ (३)	अबोलानीबारता	सामलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१०४से १३१	सिंहासन बत्रीसी के अन्तर्गत। मोरबी में लिखित।
८	७३	अभयकुमार चरित्र	चन्द्रतिलकोपाध्याय	संस्कृत	१६६५	२३८	रचना का प्रारम्भ वाग्भमेरु (बाडमेर) में किया और सं० १३१२ में स्तंभीतीर्थ (खभात) मे समाप्ति की। ग्रन्थकार की प्रशस्ति ४८ पद्यों मे है।
९	३४०८	अमरसेन कथा		सस्कृत	१७वीं श	५	
१०	२४७२	आंवड़चरित्र गद्य	अमरसुंदर	,,	१८७६	२२	
११	२१५६	अरजनहमीररी वात		राज०	१६वीं श.	५	गद्य पद्य।
१२	४७३	अष्टप्रकारपूजोपरि कथा सग्रह		प्राकृत	१७वीं श	३७	
१३	१६६७	आदीश्वरचरित्रसंक्षेप (पद्य)		संस्कृत	१६वीं श.	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३६	४७२	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	जिनमाणिक्य	प्राकृत	१७वीं श	८	
३७	४८४	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	"	"	१५६६	५	
३८	२६६०	कुर्म्मापुत्रचरित्र	"	"	१८वीं श	१०	गाथा बद्ध ।
३६	३५७५ (७७)	केशीगौतमअध्ययनार्थ		राज०गू०	२०वीं श.	३१६से ३२६	गुटका ।
४०	६२२	गणेशजी की कथा (पद्य)	हुलास	व्रज	१८८७	१२	
४१	२२६६	गांगातेलीरी वात		राज०	१६वीं श.	२	
४२	११४३ (२)	गुणएकादशीमाहात्म्य पद्य	लांगामैद्ध	"	" "	३८से६८	गुटका, रचना सं० १८(?)६६ ।
४३	६५० (२)	गुणावलीगुणकरंडरी वात		"	१८वीं श	२से४	
४४	३२३२	गोत्रिरात्रव्रनकथा		मू०सं० स्त०गू०	१६१७	१४	
४५	३१०८	गोपाष्टमीकथा		संस्कृत	६०५	२	भविष्योत्तर पुराण गत ।
४६	३१५५	गोरात्रिव्रतकथा		"	१६६८	३	
४७	३५५५ (५)	चतुराईरी वात		राज०	१६वीं श.	१५-१६	गुटका ।
४८	३३६० (७)	चदकुंवररी वात		"	" "	५५से६१	प्रतापसिंह खुमाण विनोदार्थ रचित । र० स० १७३० ।
४६	३५५५ (२६)	चंदकुंवररी वात	हंसकवि	"	" "	१५६-१५६	गुटका। स० १७४० में प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोधपुर मे रचित ।
५०	३५६२ (१२)	चदकुंवररी वात	"	"	१६७०	६८-८१	गुटका। स० १७४० मे प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोधपुर मे रचित ।
५१	३५७३ (४४)	चदकुंवर की वारता पद्य		"	१८०८	१०५-१०८	वैनसिंहजी शासित चौघुडी मे लिखित ।
५२	११४३ (१)	चन्दराय की वात (पद्य)	विदमजी	व्र०हि०	१६वीं श	२०से३५	गुटका । सं० १८२८ भुज मे रचना ।
५३	१५३८	चन्द्रगुप्तकटुगडुगकथा		प्राकृत	१८वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५४	२४८६	चन्द्रधवलनृप कथा	माणिक्य सुन्दर	सं०	१८७२	१३	पत्तन में लिखित।
५५	१६३८	चित्रसेनपद्मावती कथा	बुद्धिविजय	"	१७३३	१८	देघाणा ग्राम मे लिखित। रचना सं. १६६०।
५६	१६३२	चित्रसेनपद्मावती कथा	राजवल्लभ	"	१६वीं श	१५	सम्वत् १५२४ मे रचित।
५७	३४१२	चित्रसेनपद्मावती कथा	"	"	१७७६	१३	
५८	३१५८	चौथ की कथा		राजस्थानी	१८३३	४	
५६	२१३४	चौथमातारी वात पद्य		"	१६वीं श	२	
६०	३२७७	चौथमातारी कथा		"	"	४	वाघसणनगर में लिखित।
६१	३५४७ (१४)	चौथमाता की कथा		"	"	६२–६३	
६२	३५६७ २०)	चौथमाताजीरी कथा		"	"	१३८–१४१	
६३	३५६३ (१)	चौवीसएकादशी की कथाएँ		"	१७८६	१–६०	
६४	३५६८	चौरासी वैष्णवों की वार्ताएँ		व्र हि	१६वीं श.	२१४	गुटका, पाटण मे लिखित।
६५	१४००	जन्माष्टमीव्रतकथा		सं०	"	१०	नारद पुराण गत।
६६	१४१८	जन्माष्टमीव्रतकथा		"	१८४३	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त। नारदपुराणगत।
६७	७४५०	जंवूस्वामिकथानक		"	१६वीं श.	११	
६८	३३७६	जवूस्वामि चरित्र गद्य		राज०	१७वीं श.	१२	
६६	३४७१	जवूस्वामि चरित्र गद्य		"	१८वीं श	१६	चाकसू मे लिखित।
७०	३५७३ (५५)	जलाल गहांणीरी वार्ता		"	१८१२	१३६–१५१	ऊंवरी मे लिखित। जीर्णप्रति।
७१	३५४६ (८)	जल्लाल गहांणीरी वात		"	१६वीं श.	६०–६७	
७२	३२०१	ज्ञाताधर्मकथा गोपनय कथा		प्रा. सं.	"	४	
७३	३५६२ (४)	टोकरीरी वातरो चुटकलो		राज०	१६५६	१८–२०	
७४	१८८१ (२)	ढोलाजी की वात		"	१६वीं श	२५–६६	अपूर्ण।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७५	२३६२ (१२)	तंवावली कथा	हरजी जोशी	राज०	१८वीं श.	७	
७६	३०६६	तुलसीत्रिरात्रव्रतकथा		संस्कृत	१६वीं श	३	भविष्योत्तर पुराण गत।
७७	२१६५ (२)	दत्तब्राह्मण कथा		राज०	,,	७वां	
७८	३५७३ (५)	दाढाला एकलमल्ल वाराहरी वारता		,,	१६वीं श	१८–२२	जीर्ण प्रति।
७९	३५५६ (६)	दाढालारी वारता		,,	,, ,,	१–१०	
८०	३१६६	दानकथा संग्रह तथा स्त्रीचरित्र कथा		संस्कृत	१६वीं श	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८१	३४१६	दानादिकुलकलघुवृत्ति		,,	१७६६	१४८	ऊँकारपुर मे लिखित।
८२	१५७०	दानादिकुलकवृत्ति मूलसह	देवविजय	प्रा०सं०	१७वीं श	२५६	रचना स० १६६६।
८३	३४१३	दानादिकुलकवृत्ति	,,	सस्कृत	१८वीं श	५७	प्रथम वक्तस्कार।
८४	४८१	धम्मिलचरित्र पद्य	जयशेखर	,,	१५वीं श	६०	रचना सं० १४६२।
८५	२४८०	धर्मदत्त कथा	विनयकुशल	,,	१७३७	१२	सं. १६४३ मे रचित।
८६	६५० (३)	धर्मबुद्धिपापबुद्धिरीकथा		राज०	१८वीं श	५से७	
८७	१८८२ (१३६)	ध्रुवचरित	परमानद	ब्र०रा०	१६वीं श.	७२–७५	
८८	२८३२ (१)	ध्रुवचरित		ब्रज	१७७४	१४–२०	
८९	१८६१ (१)	ध्रूचरित्र	गोपाल	ब्र०हि०	१८४१	१–२६	
९०	२३६० (१०)	ध्रूचरित्र	गुपाल	राज०	१८४७	३७से८६	बीदासर में लिखित।
९१	२३६२ (६)	नदद्वात्रिंशिका		संस्कृत	१८वीं श	३	
९२	३६२६	नदद्वात्रिंशिका सार्थ		मू०सं०	,, ,,	२	करेडा मे लिखित।
९३	१५४२	नन्दोपाख्यान		संस्कृत	१७वीं श	८	
९४	४१७	नमस्कारमाहात्म्य-कथानक		,,	२०वीं श	६	पांच कथानक है।
९५	१६३६	नलदमयतीकथा		,,	१५वीं श.	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९६	१८८१ (१)	नलराजा की वात		राज.	१९वीं श	१–२५	पत्र १, २ अप्राप्त।
९७	२३५७ (५५)	नापिकनीवार्ता	सांमलदास भट्ट	गूर्जर	१९०६	१७६–१९९	मोरवी में लिखित।
९८	३५५५ (७)	नासकेतकथावालाववोध		राज.	१८२७	१–६	संग्रामसिंह शासित कंटालिया में लिखित।
९९	३५६३ (२)	नासकेतर खेसरजीरी कथा		,,	१९८६	६४–७३	प्रस्तुतकृति पूर्ण कर अन्त मे लेखक ने सुभापित दोहे लिखे हैं।
१००	३५७३ (४१)	नासकेतु कथा		,,	१९वीं श.	१०२–१०६	जीर्णप्रति।
१०१	१६७६	नासकेतूपाख्यान सटीक		मू स.टी. व्रज.	१७३८	९८	हरमाने में लिखित।
१०२	३०६८	नृसिंहचतुर्दशीव्रतकथा		स०	१९वीं श	८	
१०३	४६०	नेमिनाथचरित्र	हेमचद्र	,,	१९वीं श.	१११	त्रिपष्टिशलाका पुरुपचरित्रान्तर्गत
१०४	१५३४	पंचतन्त्र	देवशर्मा	,,	,,	६४	
१०५	२८३१	पचतन्त्रआदि वार्ताएं गद्य		राज.	१९वीं श.	१३९	गुटका। पत्र १, २ अप्राप्त। अपूर्ण प्रति।
१०६	२०३१	पचमीकथा गद्य		,,	१७८०	७	
१०७	१५०९	पचाख्यान		स०	१७६२	७३	
१०८	३५५४ (१)	पचख्यानवालाववोध	विष्णुशर्मा	राज.	१८८५	१–५४	
१०९	३५४७ (४)	पंचख्यानभाषा		व्रज०	१९वीं श.	१–२७	
११०	२३०८ (१)	पनरमीविद्यावारता	वीरचंद	राज.	१८९१	१–१७	सं. १७६८ में रतनपुरी में रचित।
१११	३५५५ (१७)	पनरमीविद्यावारता		,,	१९वीं श	१०३–११४	
११२	२२१२	पनरमीविद्यावारता		,,	,,	१३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११३	१७२४	परिशिष्टपर्व	हेमचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श.	१०७	किंचित् अपूर्ण। त्रिपष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत।
११४	४६३	पाडवचरित्र	देवविजय	,,	१७६६	१६५	फलधीपुर में लिखित।
११५	१५३२	पांडवचरित्र	देवप्रभ	,,	१६वीं श.	२३७	
११६	१६६३	पांडवचरित्र	,,	,,	१५वीं श.	२६६	
११७	१७०३	पांडवचरित्र	हेमचन्द्र	,,	१६वीं श.	१२६	त्रिपष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत। पत्र १-२ में चित्र है।
११८	१६६६	पांडवचरित्र सक्षेप (पांडवचरित्रोद्धार)		,,	१७वीं श.	८८	
११९	३४१५	पार्श्वनाथचरित्र		,,	१७४६	५०	
१२०	६२६	पुण्यसारकथा		,,	१७६६	६	
१२१	२३७५ (१)	पुष्पसेनपद्मावतीनी वारता	सांभलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१से६०	गुटका।
१२२	१८८५ (२)	पूर्णवासी की कथा		व्र०हि०	१८वीं श.	५१से८६	गुटका। आंबेर में लिखित।
१२३	४६६	पौपदशमी कथा	जिनेन्द्रसागर	संस्कृत	१८२८	२	मंदिरा बिन्दर में लिखित।
१२४	३४७६	प्रकीर्ण कथा		राज०	१६वीं श.	५	
१२५	१७००	प्रद्य म्नचरित्र	सोमकीर्ति	स०	१७१०	६६	स० १५३१ में रचित।
१२६	१७०५	प्रद्युम्नचरित्र	समरकीर्ति	,,	१८०७	१२८	सं० १५३१ में रचित।
१२७	२६६१	प्रद्युम्नचरित्र	रविसागर	,,	१८वीं श	१५८	अमदाबाद नगर में लिखित। खगार राजा शासित मांडलि नगर में स० १६७५ में रचित।
१२८	१७२०	वप्पभट्टि चरित्र		,,	१७वीं श.	१७	
१२९	२६४७	वप्पभट्टीप्रबन्ध		,,	,, ,,	प्लेट२८	फोटो कापी अपूर्ण।
१३०	१८८२ (३७)	वलिचरित्र	लालदास	व्रज	१६वीं श	३३-३६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१३१	१६२७	वलिनरेन्द्रचरित्र		सं०	१६वीं श.	४७	जाउ(लु)रनगर में लिखित।
१३२	१६५५	वलिनरेन्द्राख्यानक		"	१५वीं श.	३४	
१३३	१८०६	वारव्रतकथा		राज.	१६५७	११	
१३४	२२०२	वीबीरो ख्याल		"	१६२३	३	
१३५	३६४३	भरटकद्वात्रिंशिका		सं०	१८वीं श.	१६	
१३६	१५३६	भरतेश्वरवाहुलीवृत्ति	शुभशील	"	१७३१	२२६	पटडी में लिखित।
१३७	१७०६	भोजप्रवन्ध	बल्लाल	"	१८वीं श	४८	
१३८	१४२७	भौमव्रतकथा		"	१६वीं श.	३	
१३९	२१४३ (१)	मदनशतकरी वार्ता	दान	राज	१८६०	१—४	गद्य पद्यात्मक रचना।
१४०	२३६० (११)	मधुमालतीरी वात		"	१६वीं श	४५—५७	अपूर्ण।
१४१	२२६७	मनसावाचारी कथा		"	१६१३	१५	अजमेरमें लिखित।
१४२	१७१७	मलयसुन्दरीचरित्र	जयतिलक	स०	१६६६	५६	
१४३	३५५५ (१५)	महादेवजीरो कह्यो मनछा वाचारो बरत		राज	१६वीं श	६६—१०७	
१४४	२३६१	महाप्रभुजी के सेवक की चौरासी वार्ता		हि०	"	२६६	
१४५	३५७३ (४७)	महाभारत की कथा गद्य		राज.	१८०८	११०—११६	उबरीग्राम में लिखित। जीर्णप्रति।
१४६	१८४५	महावीरचरित्रबालावबोध		"	१७७४	१४	
१४७	१६८	महावीरचरित्रवालावबोध	मूल जिनवल्लभ	मू०प्रा०	१८वीं श	७	
१४८	३४२०	महीपालकथा	वीरदेवगणी	ाकृत	१६६२	६३	
१४९	३४२३	महीपालकथा	"	"	१६४६	८४	
१५०	३६७७	मींयावीबीरी वात		राज.	१६वीं श.	२	
१५१	३४८२	मुंज सम्वन्ध		"	"	२	
१५२	३६४२	मुनिपतिचरित्रसारोद्धार		स०	१८७२	२०	
१५३	३५२६	मुनिपति-चरित्र	हरिभद्रसूरि	प्राकृत	१५१६	७	रामसीनग्राम में लिखित। स. ११७२ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२४३५	मेरुत्रयोदशीकथा	क्षमा कल्याण	सं०	१८७३	७	जेसलमेर दुर्ग में लिखित। सवत् १८६० में बीकानेर में रचित।
१५५	६६०	मौनएकादशीव्याख्यान	–	राज.	१७वीं श.	४	जीर्णप्रति।
१५६	५१६	मौनैकादशीकथा		स०	१८वीं श	२	
१५७	१६३४	मौनैकादशीकथा		"	१७वीं श	२	
१५८	३५७३ (५८)	राजाभोजरी पनरमी विद्यारी वार्ता	भवानीदास व्यास	राज०	१६वीं श.	१५६–१६६	
१५६	२३६० (२)	राजाभोजरी वात (पनरमी विद्या)		"	"	१–११	
१६०	३५५१	रामचन्द्रिका पद्य		व्र०हि०	१८०२	८६	बणेर में लिखित। सं. १६५८मे रचित।
१६१	२८६२	रामचन्द्रिका भाषा (रामचरित्र)	केशवदास	"	१७५६	४६	श्रीसरूपसिहजी के शासन मे विक्रमपुर मे लिखित।
१६२	३५५३ (२)	रामचरित्र गद्य		राज०	१८७६	१६–१०१	ब्रह्माडपुराण के आधार पर भाषा रचना।
१६३	६२६	रीसालूकुंवररी वारता (गद्य–पद्य)		"	१८६०	७	
१६४	३५५३ (४)	रीसालूकुंवररी वारता		"	१६वीं श	१२८–१५७	
१६५	३५७३ (६०)	रीसालूकुंवररी वारता (गद्य-पद्य)		"	"	१७१–१७५	अपूर्ण जीर्णप्रति।
१६६	३६६०	रीसालूकुंवररी वारता		"	१८१०	१५	कांगणीग्राम मे लिखित।
१६७	३५७३ (४५)	रीसालूरा दूहा		"	१६वीं श	१०६ वां	जीर्णप्रति।
१६८	२१३५	रूपमजरी कथा	ब्रह्मानन्द	ब्र०हि०	१८२६	८	देराग्राम में लिखित।
१६९	१५३७	रूपसेनचरित्र	जिनसूरि	सं०	६८७	३१	
१७०	६५० (४)	रूपसेनरीकथा		राज०	१८वीं श	८–६	
१७१	१७१३	रोहिणीकथा		प्राकृत	१७वीं श.	७–१४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७२	१६४६	रोहिणी कथा		संस्कृत	१७वीं श.	३	
१७३	१६२६	लघुप्रबन्धसंग्रह		„	१५वीं श.	५से८	विक्रमप्रबन्ध, भूयड प्रबन्ध, वीजपुर प्र० आदि प्रबन्ध है।
१७४	२१५८	वंकचूलकथा गद्य		राज०	१६वीं श.	१८	
१७५	५१७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	कनककुशल	सस्कृत	१७३४	८	सवत् १६५५ में मेडता मे रचना। सूरति विन्दर मे लिखित।
१७६	६७७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	„	„	१८४३	६	संवत् १६५५ मे मेडता मे रचना। पूनानगर मे लिखित।
१७७	१५२४	वसुदेव हिन्दी प्रथम खड	संघदासगणि	प्राकृत	१६वीं श	१२६	किंचिदपूर्ण।
१७८	२१४३ (३)	विक्रमचौवोलीरी वात		राज०	१८६०	७-८	गद्य।
१७९	२३७५ (४)	विक्रमपचदंडकथा	सामलदास	गूर्जर	१६०६	२४०से १७६	सिंहासनवत्रीशी के अन्तर्गत।
१८०	३५७३ (५६)	विक्रमशनीसरवारता		राज०	१६वीं श.	१५१-१५३	अपूर्ण। जीर्ण प्रति।
१८१	१६५६	विक्रमादित्योत्पत्तिकथा		संस्कृत	१७वीं श	१	
१८२	१६५१	विनोदकथा		„	„ ,	१६	
१८३	२६६२	विनोद कथा संग्रह सावचूरि पचपाठ	राजशेखर सूरि	„	„ „	६	
१८४	१७१५	वीरभद्रकथा		„	„ „	१८-२३	
१८५	२१४३ (५)	वीसलदेव सूवरसिकार-रीवात		राज०	१८६०	६-१३	गद्य।
१८६	३१४३	वैतरणीव्रत कथा		संस्कृत	१८८१	७	पद्मपुराणगत।
१८७	४२	वैष्णव भक्तों की प्राचीन वार्ताओं का सग्रह		ब्र०हि०	१६००	४००	गुटकाकार है। आद्य दो पत्र अप्राप्त। सं० पत्र३६३ में लिखा है।
१८८	४८६	शान्तिनाथचरित्र गद्य	भावचन्द्रसूरि	संस्कृत	१७६२	११७	आगरा में लिखित।
१८९	१७१६	शान्तिनाथ चरित्र	विचन्द्र	„	१५०२	६६	रचना सं० १५३५।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१९०	३६४१	शांतिनाथचरित्र	भावचन्द्र	सं०	१८४४	११८	सं. १५३५ में रचित। सोभित दुर्ग मे लिखित।
१९१	२८५२	शिवरात्री कथा		राज०	१८६६	१४	अजीतगढ़ में लिखित।
१९२	४००१	शिवरात्री कथा गद्य		"	१८वीं श	५	
१९३	३५४६ (२१)	शिवरात्ररी कथा		"	१८१६	१४२-१४३	वरांटीया में लिखित।
१९४	३५५५ (१४)	शिवरात्रीरी कथा		"	१९वीं श.	६५-६६	
१९५	३५४६ (१४)	शिवरात्रीरी वारता		"	१८०५	११३-११५	वरांटीया में लिखित
१९६	२६०३	शिवरात्रीव्रत कथा		सं०	१९१४	१५	अजमेर में लिखित। स्कन्दपुराणगत।
१९७	५६	शुकसप्तति:		"	१९वीं श.	१२-७९	अपूर्ण। पंचमकथा से ५२ वीं कथा तक।
१९८	३६४०	शुकसप्तत्युद्धार		"	१८८८	५६	
१९९	२८३४	श्रवणद्वादशीव्रतकथा		"	१७९७	८	ब्रह्मपुराणगत।
२००	२०२८	श्रीआनीकथा गद्य		राज.	१९वीं श	७	
२०१	९५० (१)	श्रीदत्त श्रीमतीरी कथा		"	१७वीं श.	१-२	
२०२	४८७	श्रीपालकथा पद्य	रत्नशेखर	प्राकृत	१९वीं श.	२४	रचना संवत् १४२८।
२०३	१६९९	श्रीपालकथा	"	"	"	३०	रचना संवत् १४२८।
२०४	२४८५	श्रीपालकथा	"	"	१८६८	४९	कालु मे लिखित। रचना स १४२८।
२०५	२१४३ (२)	पीवैविजैरी वात		राज	१८९०	४-७	गद्य।
२०६	२३७१ (१)	सकष्ट चतुर्थीव्रत कथा		"	२०वीं श	१२	गुटका। भविष्योत्तर पुराणगत कथा की भाषा।
२०७	१४७१	सत्यनारायणव्रत कथा		सं०	१९२३	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०८	३१७६	सत्यनारायणव्रत कथा		संस्कृत	१६१२	१२	इतिहास समुच्चय गत।
२०६	३५५४ (१६)	सनीसर कथा		,,	१६वीं श.	३१ वां	
२१०	१८८४	सनीसरजी की कथा		,,	,, ,,	२	
२११	२६२२	सनीसरजी की कथा		,,	१८८३	३०	
२१२	२३२७ (४)	सनीसरजीरी कथा	जोरो	,,	१८६५	१–२३	स० १८२० मे नागपुर मे रचित।
२१३	३५६२ (६)	सनीसरजीरी कथा	जोरो (जोरावरमल) कायथ	,,	१६७०	३४–५६	सं० १८३४ मे नागोर मे रचित।
२१४	३५६२ (६)	सनीसरजीरी वारता		,,	१६७०	६०–६६	
२१५	१४०४	सफलैकादशीव्रतकथा		,,	१६वीं श.	३	सौपर्णपुराणगत।
२१६	१५३५	समरादित्य कथा	हरिभद्रसूरि	प्रा०	१६वीं श	३०३	
२१७	५०४	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		स०	१८४३	४२	भुजनगर में लिखित।
२१८	१६४०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		,,	१६६५	३०	पा (खा) चरोद मालवा मे लिखित।
२१६	१६४१	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		,,	१७वीं श.	३५	
२२०	१६३०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा तथा सिंह सेन कथा		,,	१५८३	२६	पत्र २८ वा में संवत लिखा है।
२२१	३६०६	सम्यक्त्वकौमुदी कथा भाषा गद्य		राज०	१८३४	३०	कटालीया मे लिखित।
२२२	३५७४ (२)	सिद्धचक्रकथा	शुभचन्द्र	स०	१८वीं श.	१–१०	
२२३	२१४४ (२)	सिंघासणबत्तीसी कथा (गद्य पद्य)	खेमंकर (?)	राज०	१८२३	१५–३५	पुनरासर ग्राम में लिखित।
२२४	६११	सिंघासणबत्तीसी (गद्य)		राज०	१७६०	१३	
२२५	२८६३ (२)	सिंघासनद्वात्रिंशिका		संस्कृत	१७वीं श.	१ ला	
२२६	१७१०	सिंहासनद्वात्रिंशिकाकथा		,,	१७वीं श.	२२	
२२७	२८६३ (१)	सिंहासनद्वात्रिंशिका (गद्य)		,,	१६२६	अन्त्य ३	१६ कथाएं नष्ट। सं० १६२८ में डीडवाणा मे हेमाणंद द्वारा लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२८	१५३३	सिंहासनद्वात्रिंशिका गद्य पद्यात्मक	क्षेमंकर	सं०	१५८१	१५०	अपूर्ण। २२वीं कथा पर्यन्त। १०६ वां पत्र में संवत् है।
२२६	३३४०	सिंहासनबत्तीसी गद्य		हिंदी	१६१८	११६	
२३०	६८१	सुभद्राकथाबालावबोध	विनयकुशल	राज०	१६वीं श.	११	
२३१	१७११	सुभूमपरशुरामकथा		प्राकृत	१६७३	२	
२३२	१७१४	सुरसुन्दर कथा		सं०	१७वीं श.	१४-१८	
२३३	२४८३	सुरसेनमहासेनकथाआदि		"	"	१	
२३४	५२०	सुलसाचरित्र सस्तबक	मू० जयतिलक सूरि	"	१६११	६३	मुद्रानगरमें लिखित।
२३५	३५५५ (११)	सुवावहुतरीकथा गद्य	देवदत्त भट्ट	राज०	१६वीं श.	१-५८	
२३६	२४८१	सुव्रतश्रेष्ठिकथानक		सं०	"	६	
२३७	६०	सुसढ़कथा सस्तबक	मू० (?) कांति विजय	प्राकृत	१८०८	४०	सस्तबक रचना सं. १८०० ।
२३८	२३६० (१)	सूडाबहत्तरी वात (अपूर्ण)	देवीदान	राज०	१६वीं श	१४	विक्रमनयर के कुमार प्रद्युम्नसिंह के विनोदार्थ रचित।
२३६	२८६१ (७)	सोमवती अमावसरी कथा		"	१८३४		गुटका।
२४०	३२२३	सोमवतीव्रतकथा		सं०	१६२३	६	राधनपुरमें लिखित। भविष्योत्तर पुराण-गत।
२४१	२१४२ (१)	सोरठवीझैरीवात		राज०	१६वीं श	१-२	
२४२	२१६५ (३)	स्थूलभद्रकथा		"	"	८-१०	
२४३	३५७२ (६)	स्वरूपनिर्णय		ब्र हि.	१८३४	७२-१४२	
२४४	१६५८	हनुमच्चरित्र	ब्रह्माजित	सं०	१७०८	३५	
२४५	३४१७ (१)	हरिबलकथा		प्राकृत	१६६५	१४	सांगानेर में लिखित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
२४६	१६४४	हरिचन्द्रकथा			१५७७	२०	रामायणान्तर्गत संभावित होती है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४७	१७१२	हनगानकथा		प्राकृत	१७वीं श.	१से७	
२४८	३५७४ (१)	हितोपदेश भाषा		राज०	१७७३	११४	सोगाणीज्ञातीय कुशलसिंहजी ने सग्रामपुर में लिखाई।
२४९	४७७	होलिका कथा पद्य		संस्कृत	१८वीं श.	२	
२५०	३३६२	होलीकथा		"	१५२६	१	
२५१	४१६	होलीकथा मरतचक	मू० फनेन्द्र सागर	"	१८८०	१०	रचना विक्रमानगर में सं० १८२२। भुजनगर में लिखित।
२५२	१६३३	होलीरज पर्व कथा	पुण्यराजगणि	"	१७वीं श.	१	

(२६) गीत-आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२८६३ (७१)	अंकावलिजिणसिंह सूरिश्रासिका	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श	१३५ वां	
२	३५३३ (२६)	अजितशांतिस्तवन	मेरुनन्दन	"	१६वीं श	८०–८१	जीर्णप्रति।
३	३५७५ (२)	अजितशांतिस्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय	"	२०वीं श	२४–२७	
४	३५७५ (४६)	अजितशांतिस्तवन	"	"	"	२३१–२३४	
५	२३६८ (४)	अजितसिंगजी को सीलोको		"	१८४८	३२–३५	दाध्या में लिखित।
६	३५७३ (४२)	अजीतसिंघजीरो कवित्त		राज०	१६वीं श.	१०६ वां	जीर्णप्रति।
७	३५७५ (६)	अट्ठावीसलब्धिस्तवन	धर्मवर्धन	रा० गू०	२०वीं श	३४–३७	
८	२८६३ (११२)	अढारभारवनस्पति-वर्णन		"	१६वीं श.	१६८ वां	
९	३५४३ (१)	अणगस	मांणकसाह	"	१८८२	१–२	
१०	१०६३	अन्तरिक्षपार्श्वनाथछन्द	भावविजय	"	१८८२	३	मानकुआ में लिखित।
११	२३६८ (२)	अमरसिंघजी को सिलोको		"	१६वीं श	२५–२६	दाध्या मे लिखित।
१२	३२१३	अमरसिंघजी को सिलोको		रा०	"	३	
१३	११२२ (५)	अमलरो छन्द	राजो	"	"	३–४	
				"	२०वीं श	१	
१४	२२५२	अम्बाजी की आरती	शिवानन्द				
१५	२२४०	अम्बारी आरती	रघुलाल	"	१६०१	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६	२८९२ (२२)	अम्बिका गीत	सेवक	रा०गू०	१७वीं श.	१२ वां	
१७	२०४३	अम्बिका भवानी छंद	जितचंद	,,	१९२१	२	
१८	७८०	अम्बिकास्तोत्र (छंद)	भवानीनाथ	,,	१९वीं श.	१	
१९	२८९३ (३२)	अर्हन्त भेद नमस्कार		,,	१६१९	६६ वां	
२०	३५१० (२)	अवतिसुकुमालढाल	धर्मनरेन्द्र	,,	१८वीं श	३ रा	
२१	३५६७ (१६)	अश्लीलरासो	जैदेव	राज०	१९वीं श	१३३वां	
२२	३५७५ (४८)	अष्टमी स्तवन	कान्ति	रा०गू०	२०वीं श.	२३६–२३८	
२३	३५७४ (७)	अष्टापदतीर्थराजस्तवन	पद्मराजपाठक	,,	२०वीं श.	३७–३८	
२४	३५४३	असज्झायसज्झाय		,,	१८८२	९–१०	
२५	२८९३ (१३६)	आज्ञाविचारगीत	हीरकलश	,,	१७वीं श.	२३९वां	
२६	३५६२ (१६)	आठ पहोररा दूहा		राज०	२०वीं श.	१३७–१३८	
२७	३५५८ (१०)	आत्मबोधसज्झाय	रूपचंद	,,	१८४५	१–२	तिमरी में लिखित।
२८	३५७५ (५२)	आत्मोपरिस्वाध्याय	नयविमल	रा०गू०	२०वीं श	२५०–२५१	
२९	३५३५ (६८)	आदिजिन गुहली	शिवचन्द्र	,,	,, ,,	२९९–३००	
३०	३५७५ (१)	आदिजिनवीनती	समयसुन्दर	,,	,, ,,	४४–४६	
३१	१८२१ (२)	आदिनाथछन्दपदी	वर्धमान	,,	१८वीं श	४–५	
३२	३५५८ (४)	आदिनाथवीनती		,,	१६वीं श	४६–४७	सं० १५६२ में रचित।
३३	११२८ (२८)	आदुजीनो छंद	[illegible]	,,	,, ,,	२७ वां	
३४	३६२८ (१)	आबूयात्रातीर्थो	[illegible]	,,	१८वीं श	३–४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३५	३०२० (२)	आबूधरावत्रीसी	महिराज	रा०गू०	१८वीं श.	१–३	
३६	६५१	आराधनास्तवन	हीरसूरिशिष्य	"	१७वीं श.	६	अन्तिम ७ वां पत्र नहीं है।
३७	३५७५ (१२)	आलोचनास्तवन	कमलहर्ष	"	२०वीं श	५८–६२	
३८	३५७५ (४२)	आलोचनास्तवन	ऋषभ	"	"	२०६–२११	सं. १६६२ में त्रबावती में रचित।
३९	३५७५ (४५)	आलोचनास्तवन	ध्रमसींह	"	"	२२८–२३१	फलवर्द्धिपुर मे रचित।
४०	११२२ (५८)	आशापुरीमाता छंद		राज०	१६वीं श.	८१ वां	
४१	७८६	ईश्वरीछंद	कुंअरकुशल	"	१८५१	४	भुजनगर में लिखित।
४२	७६६	ईश्वरीछंद	"	"	१६वीं श.	५	
४३	११२२	ईश्वरीछद	"	"	"	६३–६४	
४४	१८३६ (६)	उतपतिगीत	श्रीसार	रा०गू०	१८२६	२७–३२	
४५	२८३२ (३)	उतपतिनामो		रा०	१७७४	८१–८५	गुटका।
४६	२३११	उदयपुरगजिल्ल	भोज	"	१६वीं श.	४	
४७	२२४३	उदयसिंघमेडत्यारो सपखरो कवित्त		"	२०वीं श	२	
४८	३५७३ (४६)	उदैपुररीगजल	खेताक	"	१६वीं श	१०६–११०	श्रीअमरसिहजी शासित उदयापुर में सवत् १७५७ मे रचित। जीर्णप्रति।
४९	११२२ (५०)	उदर मीआनो झगडो		हि०	१६वीं श	६७ वां	
५०	३५७५ (७०)	ऋषभजिनदेशना	शिवचन्द्र	रा गू	२०वीं श	३०५ व.	
५१	३५७३ (३१)	ऋषभदेवक्रीड़ागीत	समयसुन्दर	"	१६वीं श.	८१ वां	जीर्णप्रति।
५२	२०५५	ऋषिवदना	पासचंद	"	१७१५	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३	२०४७	कथलो	ज्ञानविमल	रा०गू०	१६वीं श.	२	
५४	११२२ (३२)	कमालदीखांन नवाबनो जस		व्रज	,, ,,	२८-२६	
५५	११२३ (१२)	करसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	१७वीं श	६६-७१	
५६	२३५५	कल्याणमलको कवित्त आदि	खुसराम	व्र०हि०	२०वीं श.	७	
५७	२७८४	कालिकाकवचस्तोत्र	जयलाल	राज०	१६२७	२	अजमेर में लिखित।
५८	३५४७ (८)	कालिकाजीरादूहा सोरठा	लधो	,,	१६वीं श.	८६-८७	
५६	२३२६	कालिकास्तव	चद्रदत्तश्रोझा	,,	१८६४	१	
६०	२७८५	कालिकास्तोत्र तथा आरात्रिका	जयपाल	,,	२०वीं श	२	
६१	२२४६	कालीजी की आरती		,,	,, ,,	१	
६२	२२६६	कीर्तिसिंहकुमार के कवित्त		व्र०हि०	१६वीं श	३१	
६३	३५६७	कुपतिरासो		रा०	,, ,,	१४७-१४८	
६४	२२८०	कुलभक्ता स्तुति	मगनीराम	व्र०हि०	१६०७	१	
६५	१८८२ (२१२)	कृष्णजी के चरणचिह्न दोहा		व्रज	१६वीं श	१३४-१३५	
६६	१८३६ (२)	कृष्णजी धमाल		,,	,, ,,	६ वां	गुटका।
६७	२३०६ (३)	कृष्णध्यान	ईसरदास	राज०	,, ,,	१४-१५	
६८	२३१६	कृष्णपद	मगनीराम	व्र०हि०	२०वीं श.	१	
६६	२१००	कृष्णबारमास	किसनदास	रा०गू०	१८वीं श.	१	
७०	११४७ (३)	कृष्णलीला	नन्ददास	व्र०हि०	१८८४	२८से३२	
७१	२८२६	कृष्णस्मरण तथा अकलवेल	अर्जुनजी	गूर्जर	१६वीं श	२	गुटका।
७२	११२२ (५६)	कोटेसरनो छंद	विसराम (?)	राज०	१६वीं श.	८२ वां	
७३	२३१३	क्षेत्रपालछंद	माधो	,,	१६वीं श.	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७४	२८६३ (४५)	खरतरगुरुनामसंस्तवन	हीरकलश	सं०	१७वीं श.	४ था	सवत् १६२० में रचित।
७५	२८६३ (६०)	खरतरादिगच्छोत्पत्ति छप्पय	हीराणंद	रा० गू०	"	११४ वां	
७६	३५५० (५)	खेतलाजीरो छंद		राज.	१६वीं श	३६-४०	
७७	३५७३	गउड़ीपार्श्वस्तवन	जिनचन्द्र	रा० गू०	"	१०१वां	सं. १७२०में रचित। जीर्णप्रति।
७८	२१६०	गंगालवक	खुसराम	ब्र. हि.	१६१४	२	कर्ता का दूसरा नाम मगनीराम है, उन्हीं द्वारा कृष्णगढ़ मे लिखित।
७९	३५७३ (११)	गजसुकुमालगीत	नन्नसूरि	रा. गू.	१६वीं श.	३३-३४	स. १५६१ मे खंभात मे रचित। जीर्ण प्रति।
८०	३५७५ (२२)	गजसुकुमाल स्वाध्याय		"	२०वीं श.	६७-१००	
८१	२२७७	गणेशजी, श्यामाजी, अंबाजी तथा भैरव की आरती	मगनीराम	ब्र०हि०	१६२०	१	
८२	२३५७	गम्भीरमलजी आदि राजकर्मचारियों के कवित्त		"	२०वीं श.	१६	फुटकर पत्र।
८३	२२४२	गंभीरमलजीका कवित्त	खुसराम	"	"	१	
८४	२३५८	गंभीरमलजी के कवित्त		"	"	४	
८५	२२३२	गंभीरमलजी को कवित्त		"	"	१	
८६	३५५३ (५)	गाफललावणी	विनैचंद	राज.	१६वीं श	१५७-१५६	
८७	८८४	गिरनार की गजल	कल्याण	"	१८८८	३	आधोई (कच्छ) में लिखित। सं. १८२१ मे रचित।
८८	२२६०	गीतसंग्रह	जवानसिंह नागरीदास हरिदास	ब्र०हि०	२०वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६	२८६३ (१०३)	गु जा कंचनसंवाद		रा०गू०	१७वीं श.	१६३वां	पत्र चार है।
९०	११२३ (२३)	गुडीपारसनाथ छंद	कुशललाभ	,,	,, ,,	८२–८३	
९१	१८८२ (१६६)	गुणनाममाला		व्र०हि०	१६वीं श.	१०४–१०७	
९२	२३४१	गुणसागर की छप्पै	गिरधर (?)	,,	२०वीं श.	७	
९३	२०२३ (३)	गुणसागरभास		रा०गू०	१७३४	३–६	
९४	३५७५ (७३)	गुरुजी गुंहली		,,	२०वीं श.	३०७वां	
९५	३५७५ (२५)	गौड़ीजिनस्तवन	प्रीतिविमल	,,	,, ,,	१०४–१०६	
९६	१०६२	गौड़ीजीरोछद		,,	१८६४	५	रायपुर में लिखित।
९७	३५७५	गोडीपार्श्वजिनचौदा स्वप्नस्तवन	समयरग	,,	२०वीं श	४६–४६	
९८	११२२ (५६)	गौड़ीपार्श्वछंद		राज०	१६वीं श	७४–७५	
९९	२०५१	गौड़ीपार्श्वछंद	रूपसेवक	रा०गू०	१८वीं श.	६	गजपाटक मे लिखित।
१००	२२१३ (१)	गौडीपार्श्व वृद्धस्तवन	प्रीतिविमल	राज०	१८३८	१–२	कालूग्राम मे लिखित।
१०१	२०५२	गौडीपार्श्वस्तवन	नेमविजय	रा०गू०	१८२६	४	स० १८०७ मे रचित।
१०२	१४४७ (२)	गोपिकागीत		सस्कृत	१८८४	२४सेर८	भागवतगत।
१०३	३५७२ (८)	गोपिकागीत		,,	१६वीं श.	६७–७१	भागवतगत।
१०४	२२१६	गोपीकृष्ण भ्रमरगीत-स्नेहलीला		व्र०हि०	,, ,,	२	
१०५	३४६६	गोपीचन्द राजा पद		राज०	,, ,,	१	
१०६	३५४६ (३)	गोरखनाथजीरो छद		,,	,, ,,	१० वां	
१०७	३५४६ (५)	गोरभजीरो छद		,,	,, ,,	११ वा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१०८	२३३७ (५)	गोरावर्णोवीरनोसपषरो तथा घोड़ा वर्णन सपषरो	माधो	राज०	१६वीं श	३०–३१	
१०६	३५७५ (४१)	गौतमप्रश्नोत्तरस्तवन	ऋषभश्रावक	रा०गू०	२०वीं श.	१६६–२०६	
११०	१८३६ (८)	गौतमाष्टक	लावण्यसमय	"	१६वीं श.	४०–४१	
१११	७७५	चउसड़ी (योगिनी) छंद तथा जगदंबा छंद		"	"	१	
११२	३५७५ (७४)	चक्रेश्वरीस्तवन	शंकर	"	२०वीं श	३०७–३०८	
११३	२८६३ (२६)	चतुर्विंशतिजिनगणधर संख्या वीनति	हीरकलश	"	१६१६	८४ वां	
११४	२८६३ (३३)	चतुर्विंशतिजिनपंचकल्याणकस्तोत्र	"	"	१७वीं श.	६६–६६	६८ वां पत्र के प्रथम पृष्ठ के अंत में पुष्पिका 'लिपीकृतं हीराकेन'।
११५	१०१५	चतुर्विंशतिजिनस्तवन तथा आंबिलतप–सज्झाय	लावण्यसमय विनयविजय	"	१८६१	१०	
११६	२८६३ (१३८)	चद्रगुप्तसोलस्वप्न-सज्झाय	हीरकलश	"	१७वीं श.	२४३–२४४	सं १६२२ में राजल देसर मे रचित और लिखित (?)
११७	३५७५ (६४)	चंद्रप्रभजिनस्तवन	शिवचन्द्र	"	२०वीं श	२६६–२६७	
११८	३५६२ (१०)	चावंडारो छद	चुनीलाल	राज०	"	६६–६७	सोजत में रचित।
११६	३२०५	चित्तौड़ की गजल	खेतल	"	१८वीं श	२	संवत् १७४८ में रचित।
१२०	३५५० (४)	चित्तौड़ की गजल	"	"	१६वीं श	३७–३६	पालाड़ा ग्राम मे लिखित।
१२१	२३६८ (११)	चैत्यवंदन	कमलविजय	"	१८४८	४० वां	
१२२	३२०४	चौवीसी स्तवन	जिनराज	"	१७६२	६	कालू मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१२३	३५७५ (१)	चौबीसी स्तवन	देवचन्द्रजी	रा०गू०	२०वीं श.	१–२४	
१२४	३५७५ (३३)	चोबीशी स्तवन	जिनराजसूरि	,,	,, ,,	१४२–१५४	
१२५	१८३६ (११)	चौवीसदंडकस्तवन	धर्मविजय	,,	१६वीं श.	४८–५२	सं० १७२६ में जैसलमेर में रचना। गुटका।
१२६	२८६३ (११६)	छिन्नवइजिननमस्कार	हीरकलश	,,	१७वीं श.	१७४–१७५	
१२७	२८६३ (४३)	छिन्नवइजिनस्तवन	,,	,,	,, ,,	८६–८७	
१२८	११२२ (३)	जगडूनो छंद	लीलो	राज०	१६वीं श	२ रा	
१२९	११७२ (१८)	जगडूसाहनो जस		रा०गू०	,, ,,	१० वां	
१३०	२३५४	जवानसिहको कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
१३१	२३६२ (७)	जसवंतसिंहजी महाराजरा कवित्त		राज०	१८वीं श.	७ वां	
१३२	३५४८ (६)	जसवंतसिंह तथा अजीतसिंहजी के कवित्त		,,	१८वीं श.	१	
१३३	३४७४	जालोरपार्श्वविविध ढाल स्तवन	पुण्यनन्दि	रा०गू०	१७वीं श.	५	
१३४	११२२ (४६)	जांमलाखारीनीसाणी		रा०	१६वीं श	६२–६३	
१३५	२८६३ (१३३)	जिनकल्याणकस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१६२१	१६५से १६७	रूसणा ग्राम में रचित।
१३६	२८६३ (१२३)	जिनचद्रसूरिगीत	,,	,,	१७वीं श.	१७७वां	
१३७	२८६३ (१२४)	जिनचद्रसूरिगीत	,,	,,	,, ,,	१८२से १८६	
१३८	२८६३ (१२५)	जिनचंद्रसूरिगीतनवक	,,	,,	,, ,,	१८६से १८९	
१३९	२८६३ (६४)	जिनचंद्रसूरिस्तुति	विल्ह	राज०	,, ,,	१६०वां	द्वादश दल कमल बंध में एक काव्य है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४०	३५७५ (५०)	जिनप्रतिमास्थापन स्तवन	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श.	२४१-२४८	रचना सं. १७२५।
१४१	३५५५ (३१)	जिनरस	वेणीराम	राज०	१९वीं श.	१५०-१७४	सं. १९५८में रचित।
१४२	३५७५ (६२)	जिनवाणीस्तुति	शिवचन्द्र	रा०गू०	२०वीं श.	२६४-२६५	
१४३	२३६८ (१६)	जिनविनती	कनककीर्ति	"	१९वीं श	५०-५१	
१४४	३३७५ (७१)	जिनहर्षसूरिभास	जिनहर्ष	"	२०वीं श	३०५-३०६	
१४५	३५७५ (६६)	जिनहर्षसूरिभास	शिवचन्द्र	"	"	२६८-२६९	
१४६	२८९३ (३५)	जिनहर्षसूरिगीत		"	१७वीं श	६९ वां	
१४७	२१२५	जिनाज्ञास्तवन सविवरण	नेमीसार वि० स्वोपज्ञ	"	१८वीं श.	५	जैन शास्त्रीय चर्चात्मक कृति। कर्ता ने अन्त मे आपके विशेषण दिए हैं, उनमें से एक निम्न प्रकार है। साहिश्री शलेमसाहिसमक्ष श्री श्री श्रीसर्वज्ञशत ग्रन्थसत्यतासत्यता का धारक।
१४८	३२००	जीराउलापार्श्वनाथ स्तवन	सोमविजय	"	१७४५	३	स्तंभनकपुर में लिखित।
१४९	३५४३ (६)	जोगपावडी	गोरखनाथ	राज०	१८८२	१०-१४	
१५०	२०४८	ज्ञानपचमीस्तवन	केशरकुशल	रा०गू०	१९वीं श	४	सं. १७५८ में सिद्धपुर में रचित।
१५१	४२२	ज्वरनोछंद	कान्ति	"	१८३८	१	मेडता में लिखित।
१५२	३५७३	ढ ढणस्वाध्याय	जिनहर्ष	रा०	१८वीं श	१७ वां	जीर्णप्रति।
१५३	११२२ (२३)	ढूढीयानो छंद तथा सवैया	प्रेमकवि	"	१९वीं श.	१६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	३५६७ (२५)	तारादे लोचनारी सज्झाय	हर्षकुशल	राज०	१६वीं श.	१४६-१४७	
१५५	७६१	त्रिपुराछंद	गुणानन्दशिष्य	रा०गू०	,, ,,	२	आदि प्रणमी पार्श्व जिनन्दपद श्रीसद-गुरु धरी ध्यान। वाला त्रिपुरा वीनवु, माता दिये वहुमान।
१५६	३५७२ (२४)	थंभणपार्श्वनाथ स्तवन धमणाया	कुशललाभ	,,	१६वीं श.	६६-७०	जीर्ण प्रति।
१५७	१८६२	दर्शनस्तुति	-	ब्र०हि०	,, ,,	५	
१५८	२१७५	दशवैकालिकभास	राममुनि	रा०गू०	१७वीं श.	२४	
१५९	६८६	दशवैकालिकस्वाध्याय	वृद्धिविजय	,,	१६वीं श	७	
१६०	२८६३ (११)	दशार्ण भद्रगीत	हीरकलश	,,	१७वीं श	६-८	पत्र ६ ठा और ८ वा का अर्धभाग नष्ट।
१६१	११२२ (६८)	दातारसूमनो संवाद		,,	१८८८	८७-८८	
१६२	३५५५ (३)	दीपकबत्तीसी	केसोदास	राज०	१६वीं श.	१४ वां	
१६३	१८८६ (१७)	दुखहरणवेलि	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१८६६	६४से६६	
१६४	२२७८	देवी आरती	मगनीराम	ब्र०हि०	१६०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं। कृष्णगढ़ मे लिखित।
१६५	२२८२	देवी आरती	,,	,,	१६०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर है। कृष्णगढ़ में लिखित।
१६६	२३२८	देवीजी की स्तुति		राज०	१६२०	१४	
१६७	११२२ (१)	देवीस्तुति		,,	१६वीं श.	१	
१६८	२२७६	देवीस्तुति	मगनीराम	ब्र०हि०	१६०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं। कृष्णगढ़ में लिखित।
१६९	३५६७	देसतरी छंद	समधर कवि	राज०	१६वीं श.	१५०-१५२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७०	३५६५ (५)	द्विकन्यासंवाद ग्रन्थ --		व्र०हि०	१६वीं श.	३७६–३६०	
१७१	३५५० (१२)	धन्नासज्झाय		रा०गू०	"	८८ वां	
१७२	३५४६ (१४)	थरातीर्थगीत आदि		राज०	"	७५–७७	
१७३	३५७५ (५६)	नन्दीश्वरस्तवन		रा० गू०	२०वीं श.	२६१–२६२	
१७४	३५७५ (६०)	नंदीसूत्रसज्झाय	शिवचन्द्र	"	"	२६२–२६३	
१७५	३५१६	नवग्रह छंद	शंकर	"	१६वीं श	५	
१७६	३५७५ (२६)	नवपदस्तवन	जिनलाभ	"	२०वीं श.	१०६–११३	
१७७	३५७५ (३६)	नवकारवालीस्तवन चोढालीयो	राजसोमपाठक	"	"	१६१–१६५	
१७८	३५५४ (१५)	नवकारसज्झाय		"	१६वीं श.	२६ वां	
१७९	२३१५	नवरात्रि कवित्त	जयलाल	व्र०हि०	१६२७	२	रचना सं. १६२७ कवि के हस्ताक्षर।
१८०	२०४६	नववाडसज्झाय	जिनहर्ष	रा०गू०	१६वीं श.	५	संवत् १७७६ मे रचित।
१८१	२०६०	नववाडसज्झाय बल-भद्रसज्झायादि संग्रह	अनेक कवि	"	१७वीं श	४५	
१८२	३५६६ (१)	नित्य के कीर्तन		व्र. हि	१८५२	१–८८	
१८३	२३७६ (१०)	नित्य के पद		"	२०वीं श	१८–३८	
१८४	३५५७ (१०)	नीसाणी	केसोदास गाडण	राज०	१८वीं श.	१०२ रा	
१८५	३५४६ (१३)	नीसाणी कवित्त		"	१६वीं श.	७४–७५	
१८६	१८३६ (६)	नेमजी का बारहमास	श्यामगुलाब	व्रज.	"	४१–४४	गुटका।
१८७	११२२ (२१)	नेमराजीमतीबारमास	ज्ञानसमुद्र	"	"	१४–१५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८८	३५०८	नेमराजुलचुंनडी	कान्तिविजय	रा०गू०	१६वीं श.	२	
१८६	३५२०	नेमराजुलबारमास आदि	उदयरत्न	,,	१८वीं श.	४	स० १७२६ में रचित।
१६०	२८६३ (६)	नेमिगीत	हीरकलश	,,	१७वीं श.	४ था	
१६१	११२३ (२२)	नेमिनाथचंदाइणगीत	भाकड़मुनि	,,	,, ,,	८१-८२	
१६२	३५५४ (४)	नेमिनाथ चोक	अमृत	,,	१६वीं श.	६२-६४	स० १८३६ में रचित।
१६३	१८२	नेमिनाथचोवीसचोक	अमृतविजय	,,	१८६३	८	स० १८३४ मे रचित। राविकापुर मे लिखित।
१६४	२३६८ (१२)	नेमिनाथजी की वीनंति		राज०	१६वीं श	४०-४२	
१६५	३६३५	नेमिनाथ फाग	राजहर्ष	रा०गू०	१८वीं श	२	
१६६	२३७४ (५)	नेमिनाथबारमास	रूपचंद	,,	१६वीं श.	२६-२७	
१६७	२३७४ (६)	नेमिनाथबारमास	देवविजय	,,	,, ,,	२७-२८	
१६८	२३७४ (७)	नेमिनाथबारमास	कवियण	,,	,, ,,	२८ वा	
१६६	३२०३	नेमिनाथबारमास	विनयविजय	,,	१८वीं श	२	स० १७२८ मे रानेर मे रचित।
२००	२३०० (५)	नेमिनाथबारमाससवैया		ब्र०हि०	१८७६	३४-४६	अजमेर में लिखित।
२०१	२३६८ (१७)	नेमिनाथसावन	मनरूप	रा०गू०	१६वीं श.	५२-५४	
२०२	२८६३ (५६)	नेमिनाथ हीडोलणा	हीरकलश	रा०गू०	१६२५	१११से ११४	पुष्पिका-सं० १६२५ के आषाढ़ मास में डेहिनयरी में रचित, पीमसर में कर्त्ता, द्वारा स्वय-लिखित।
२०३	३१६३	नेमीश्वररागमालामय स्तवन	मेरुविजय	,,	१८वीं श.	३	सं० १७०३ मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०४	३५६२ (१५)	पखवाडा		राज०	२०वीं श.	१३६-१३७	
२०५	३५४६ (१२)	पंखप्रबोध		"	१६वीं श.	७४ वां	
२०६	२८६३ (३१)	पचतीर्थी नमस्कार		रा० गू०	१७वीं श.	६६ वां	
२०७	२८६३ (४०)	पंचतीर्थी नमस्कार		"	"	८५ वां	
२०८	२८६३ (४२)	पंचतीर्थीस्तुति	हीरकलश	"	"	८५ वां	
२०९	२८६३ (४१)	पचपरमेष्ठिनमस्कार	"	"	"	८५ वां	
२१०	३५७५ (६१)	पंचमांगसज्झाय	शिवचंद्र	"	२०वीं श	२६३-२६४	
२११	३५७५ (४७)	पचमीतपमहिमास्तवन	लक्ष्मीसूरि	"	"	२३४-२३६	
२१२	२०५४	पंचलघुतीर्थमालास्तवन		"	१६१८	५	
२१३	११२२	पंचांगुलीदेवीछंद		"	१६वीं श	८ वां	
२१४	३६४०	पचेंद्रियवेली	गेल्ह (?)	"	१७वीं श	१	संवत् १५५० में रचित।
२१५	१८८२ (१)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	१६वीं श.	१८ वां	
२१६	१८८२ (२)	पद	अग्रदास	"	"	१८ वां	
२१७	१८८२ (३)	पद	तुलसीदास	"	"	१८-१६	
२१८	१८८२ (४)	पद	कवलानन्द	"	"	१६ वां	
२१९	१८८२ (५)	पद	अग्रदास	"	"	१६ वां	
२२०	१८८२ (६)	पद	परमानन्ददास	"	"	१६-२०	
२२१	१८८२ (७)	पद	तुर(ल)सी	"	"	२०-२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२२	१८८२ (८)	पद	तुलसीदास	व्रज	१९वीं श.	२१ वां	
२२३	१८८२ (९)	पद	भगवान	”	”	२१ वां	
२२४	१८८२ (१०)	पद	चरनदास	”	”	२२ वां	
२२५	१८८२ (११)	पद	सूरकिसोरमुनि	”	”	२२-२३	
२२६	१८८२ (१२)	पद	परमानन्द	”	”	२३ वां	
२२७	१८८२ (१३)	पद	नन्ददास	”	”	२३ वां	
२२८	१८८२ (१४)	पद	”	”	”	२३ वां	
२२९	१८८२ (१६)	पद		”	”	२४ वां	
२३०	१८८२ (१७)	पद	तुर (ल) सी	”	”	२४-२५	
२३१	१८८२ (१८)	पद		”	”	२५ वां	
२३२	१८८२ (१९)	पद	रामदास	”	”	२५ वां	
२३३	१८८२ (२१)	पद	”	”	”	२६ वां	
२३४	१८८२ (२२)	पद	कृष्णदास	”	”	२६-२७	
२३५	१८८२ (२३)	पद		”	”	२७ वां	
२३६	१८८२ (२४)	पद	”	”	”	२७-२८	
२३७	१८८२ (२७)	पद	मौजीराम	”	”	२८-२९	
२३८	१८८२ (२८)	पद	सूरदास	”	”	२९ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३६	१८८२ (२६)	पद	सुखस्याम	व्रज०	१६वीं श	२६ वां	
२४०	१८८२ (३०)	पद	अग्र	”	”	”	
२४१	१८८२ (३१)	पद	चरनदास	”	”	२६–३०	
२४२	१८८२ (३२)	पद	नंददास	”	”	३०–३१	
२४३	१८८२ (३३)	पद	माधोदास	”	”	३१ वां	
२४४	१८८२ (३४)	पद	सूरदास	”	”	”	
२४५	१८८२ (३५)	पद	नंददास	”	”	३१–३२	
२४६	१८८२ (३६)	पद	कबीर	”	”	३२–३३	
२४७	१८८२ (३८)	पद	अग्र	”	”	३६ वां	
२४८	१८८२ (३६)	पद	गरीबदास	”	”	”	
२४६	१८८२ (४१)	पद	नागरीदास	”	”	३८ वां	
२५०	१८८२ (४२)	पद	अग्र	”	”	३६ वां	
२५१	१८८२ (४३)	पद	नददास	”	”	”	
२५२	१८८२ (४४)	पद	सूरकिसोर	”	”	३६–४०	
२५३	१८८२ (४५)	पद	मानदास	”	”	४० वां	
२५४	१८८२ (४६)	पद	रामदास	”	”	४०–४१	
२५५	१८८२ (४७)	पद	व्यासदास	”	”	४१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	१८८२ (४८)	पद	वंस (सी) लाल	व्रज	१६वीं श.	४१ वां	
२५७	१८८२ (४६)	पद	नंददास	"	"	४१-४२	
२५८	१८८२ (५०)	पद	व्यास	"	"	४२ वां	
२५६	१८८२ (५१)	पद	सदानन्द	"	"	४२ वां	
२६०	१८८२ (५२)	पद	भगवान	"	"	४२ वां	
२६१	१८८२ (५३)	पद	सदानन्द	"	"	४२ वां	
२६२	१८८२ (५४)	पद	नन्ददास	"	"	४२ वां	
२६३	१८८२ (५५)	पद	सदाराम	"	"	४२ वां	
२६४	१८८२ (५६)	पद	पातीराम	"	"	४२ वां	
२६५	१८८२ (५८)	पद	सूर	"	"	४३-४४	
२६६	१८८२ (५६)	पद	सूरदास	"	"	४४-४५	
२६७	१८८२ (६१)	पद	भगवान	"	"	४५ वां	
२६८	१८८२ (६२)	पद	,	"	"	४५-४६	
२६६	१८८२ (६३)	पद	वंसीधर	"	"		
२७०	१८८२ (६३)	पद	"	"	"	४६ वां	
२७१	१८८२ (६५)	पद	गरीबदास	"	"	४६-४७	
२७२	१८८२ (६६)	पद	गोपीनंद	"	"	४७ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७३	१८८२ (६७)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	१६वीं श.	४७ वां	
२७४	१८८२ (६८)	पद	कूभनदास	,,	,,	४७-४८	
२७५	१८८२ (६६)	पद	नरसी	रा० गू०	,,	४८ वां	
२७६	१८८२ (७०)	पद	नंद	ब्रज०	,,	४८ वां	
२७७	१८८२ (७२)	पद	सूरदास	,,	,,	४६ वां	
२७८	१८८२ (७३)	पद	चत्रदास	,,	,,	४६-५०	
२७६	१८८२ (७४)	पद	तुरसीदास	,,	,,	५० वां	
२८०	१८८२ (७५)	पद	अग्र	,,	,,	५० वां	
२८१	१८८२ (७७)	पद	ग्यानदेव	,,	,,	५१ वां	
२८२	१८८२ (७८)	पद	परमानन्द	,,	,,	५१ वां	
२८३	१८८२ (७६)	पद	त्रिलोचन	,,	,,	५१ वां	
२८४	१८८२ (८०)	पद	श्रीभट	,,	,,	५१-५२	
२८५	१८८२ (८१)	पद	परमानन्द	,,	,,	५२ वां	
२८६	१८८२ (८२)	पद	बद्री (श्रीपति)	,,	,,	५२ वां	
२८७	१८८२ (८३)	पद	मीरा	ब्र०हिं०	,,	५२ वां	
२८८	१८८२ (८४)	पद	तुलछी(सी)दास	ब्रज०	,,	५२-५३	
२८६	१८८२ (८५)	पद	मलूकदास	,,	,,	५३ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६०	१८८२ (८८)	पद		व्रज	१६वीं श.	५४ वां	
२६१	१८८२ (६०)	पद	मनसाराम	,,	,,	५५ वां	
२६२	१८८२ (६१)	पद	रैदास	,,	,,	५५ वां	
२६३	१८८२ (६२)	पद	नददास	,,	,,	५५–५६	
२६४	१८८२ (६३)	पद	भगवान	,,	,,	५६ वां	
२६५	१८८२ (६४)	पद	तुरसीदास	,,	,,	५६ वां	
२६६	१८८२ (६५)	पद	सूर	,,	,,	५६ वां	
२६७	१८८२ (६६)	पद	केवलराम	,,	,,	५६ वां	
२६८	१८८२ (६७)	पद	मुरली	,,	,,	५६–५७	
२६६	१८८२ (६८)	पद	भगवान	,,	,,	५७ वां	
३००	१८८२ (६६)	पद (द्वय)	तुरसी	,,	,,	५७–५८	
३०१	१८८२ (१००)	पद	विट्ठलदास	,,	,,	५८–५६	
३०२	१८८२ (१०१)	पद	कबीर	,,	,,	५६ वां	
३०३	१८८२ (१०२)	पद	श्री भट	,,	,,	५६ वां	
३०४	१८८२ (१०३)	पद	हरि	,,	,,	५६ वां	
३०५	१८८२ (१०४)	पद	रामदास	,,	,,	५६ वां	
३०६	१८८२ (१०५)	पद	सूर	,,	,,	५६–६०	
३०७	१८८२ (१०६)	पद	विष्णुदास	,,	,,	६० वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र सख्या	विशेष
३०८	१८८२ (१०७)	पद	कबीर	व्रज०	१६वीं श	६१ वा	
३०६	१८८२ (१०६)	पद	नामदेव	"	"	६१ वां	
३१०	१८८२ (११०)	पद	कबीर	व्र०रा०	"	६१ वां	
३११	१८८२ (१११)	पद	किसनदास	व्रज०	"	६१ वां	
३१२	१८८२ (११३)	पद	जयदेव	"	"	६२ वां	
३१३	१८८२ (११४)	पद	प्रेमदास	"	"	६२-६३	
३१४	१८८२ (११५)	पद	तुरसीदास	"	"	६३ वां	
३१५	१८८२ (११८)	पद	नामदेव	"	"	६४ वा	
३१६	१८८२ (१२०)	पद	परसराम	"	"	६५ वां	
३१७	१८८२ (१२१)	पद	अग्रदास	"	"	६५ वां	
३१८	१८८२ (१२२)	पद	नरहरिराम	"	"	६५ वां	
३१६	१८८२ (१२३)	पद	नामदेव	"	"	६६ वां	
३२०	१८८२ (१२४)	पद	ग्यानदेव	"	"	६६ वां	
३२१	१८८२ (१२५)	पद	गोकलदास	"	"	६६ वां	
३२२	१८८२ (१२६)	पद	बीठल	"	"	६६ वां	
३२३	१८८२ (१२७)	पद (द्वय)	नरसी	"	"	६६-६७	
३२४	१८८२ (१२८)	पद	मीरा	रा०गू०	"	६७ वां	
३२५	१८८२ (१२६)	पद	आसकरन	व्रज०	"	६७ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	१८८२ (१३०)	पद	मीरा	रा०गू०	१६वीं श.	६७ वां	
३२७	१८८२ (१३१)	पद	तुरसी	व्रज	,,	६७ वां	
३२८	१८८२ (१३२)	पद	कृष्ण (दास)	,,	,,	६८ वां	
३२९	१८८२ (१३३)	पद	परमानन्द	,,	,,	६८ वां	
३३०	१८८२ (१३४)	पद	मीराबाई	व्र०रा०	,,	६८ वां	
३३१	१८८२ (१३५)	पद	मुरलीदास	,,	,,	६८–६९	
३३२	१८८२ (१३८)	पद	छीतमदास	व्रज	,,	७१–७२	
३३३	१८८२ (१४०)	पद	अग्र	,,	,,	७५–७६	
३३४	१८८२ (१४२)	पद	बालकृष्ण	,,	,,	७६ वां	
३३५	१८८२ (१४३)	पद	भगवान	,,	,,	७६ वां	
३३६	१८८२ (१४४)	पद	जगन्नाथ कविराज	,,	,,	७६–७७	
३३७	१८८२ (१४५)	पद	बुधानन्द	,,	,,	७७ वां	
३३८	१८८२ (१५१)	पद	नाभो	,,	,,	९२ वां	
३३९	१८८२ (१५२)	पद	तुरसीदास	,,	,,	९२ वां	
३४०	१८८२ (१५३)	पद	अग्रदास	,,	,,	९२ वां	
३४१	१८८२ (१५४)	पद	कबीर	,,	,,	९२ वां	
३४२	१८८२ (१५६)	पद	माधोदास	,,	,,	९३ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३४३	१८८२ (१५९)	पद	मीरा	राज०	१९वीं श.	९४ वां	
३४४	१८८२ (१६०)	पद	नामदेव		”	९४ वां	
३४५	१८८२ (१६१)	पद	कबीर	”	”	९४ वां	
३४६	१८८२ (१६९)	पद	भगवान	”	”	१११–११२	
३४७	१८८२ (१७०)	पद	गदाधर मिश्र	”	”	११२ वां	
३४८	१८८२ (१७३)	पद	विहारीदास	”	”	११५ वां	
३४९	१८८२ (१७४)	पद	सूरदास	”	”	११५ वां	
३५०	१८८२ (१७५)	पद	नन्ददास	ब्रज	”	११५–११६	
३५१	१८८२ (१७६)	पद	मायोदास	”	”	११६ वां	
३५२	१८८२ (१७७)	पद	सूरदास	”	”	११६–११७	
३५३	१८८२ (१८०)	पद	कबीर	”	”	११९ वां	
३५४	१८८२ (१८२)	पद	सूरदास	”	”	१२० वां	
३५५	१८८२ (१८४)	पद	मीरा	”	”	१२१ वां	
३५६	१८८२ (१८५)	पद	वालकृष्ण	”	”	१२१ वा	
३५७	१८८२ (१८६)	पद	नंददा	”	”	१२२ वा	
३५८	१८८२ (१८७)	पद	अग्रदास	”	”	१२२ वां	
३५९	१८८२ (१८८)	पद पंचक (५)		”	”	१२२–१२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६०	१८८२ (१८६)	पद	तुरसीदास	,,	१६वीं श.	१२४ वा	
३६१	१८८२ (१६०)	पद	हरि	,,	,,	१२४ वां	
३६२	१८८२ (१६१)	पद	सूरकिसोर	,,	,,	१२४-१२६	
३६३	१८८२ (१६२)	पद	बालकृष्ण	,,	,,	१२६ वां	
३६४	१८८२ (१६४)	पद	सूरदास	,,	,,	१२७ वां	
३६५	१८८२ (१६५)	पद	विद्यादास	,,	,,	१२७ वां	
३६६	१८८२ (१६६)	पद	गनेश	,,	,,	१२७ वा	
३६७	१८८२ (१६८)	पद	मुरारीदास	व्रज	,,	१२८ वां	
३६८	१८८२ (१६६)	पद	सुर	,,	,,	१२८ वां	
३६६	१८८२ (२००)	पद	तुरसीदास	,,	,,	१२८-	
३७०	१८८२ (२०६)	पद	मीरा	,,	,,	१३२ वा	
३७१	१८८२ (२०७)	पद	माधोदास	,,	,,	१३२ वां	
३७२	१८८२ (२०८)	पद	मानदास	,,	,,	१३२ वा	
३७३	१८८२ (२१०)	पद	माधोदास	,,	,,	१३३-१३४	
३७४	१८८२ (२११)	पद	सूर	,,	,,	१३४ वां	
३७५	१८८२ (२१३)	पद	सूरदास	,,	,,	१३५-१३६	
३७६	१८८२ (२१४)	पद	माधो	,,	,,	१३६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७७	१८८२ (२१५)	पद	परसराम	व्रज	१६वीं श.	१३६ वां	
३७८	१८८२ (२१७)	पद	मगनीराम	राज०	”	१३७ वां	
३७६	१८८२ (२१६)	पद	कबीर	व्रज०	”	१३८ वां	
३८०	१८६० १)	पद	बिहारीदास	व्र० हि०	,,	१२६ १से३	
३८१	१८६० (३)	पद	लच्छीराम	,,	,,	४से५	
३८२	१८६० (५)	पद	कबीर	,,	,	५-६	
३८३	१८६० (६)	पद		,,	,,	६ वां	
३८४	१८६० (११)	पद	केवलराम	,,	,,	११-१२	
३८५	१८६० (१२)	पद		राज०	,,	१२ वां	
३८६	१८६० (१३)	पद	ब्रह्मदास	व्र० हि०	,,	१२-१३	
३८७	१८६० (१५)	पद	सुरदास	,,	,,	२२ वां	
३८८	१८६० (१६)	पद	मीरा	,,	,,	२२ वां	
३८६	१८६० (१७)	पद	वासदास	,,	,,	२२ वां	
३६०	१८६० (१६)	पद	ब्रह्मदास	,,	,,	२५-२६	
३६१	१८६० (२०)	पद	सीतलदास	,,	,,	२६-२७	
३६२	१८६० (२१)	पद	ब्रह्मदास	,,	,,	२७ वां	
३६३	१८६० (२२)	पद	चरनदास	,,	,,	२८ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६४	१८६० (२३)	पद	सूरदास	व्रज	१६वीं श.	२८ वां	
३६५	१८६० (२४)	पद	केवलराम	,,	,,	२८-२६	
३६६	१८६० (२५)	पद	चरनदास	,,	,,	२६ वां	
३६७	१८६० (२६)	पद	नरसी	रा०गू०	,,	२६-३०	
३६८	१८६० (२७)	पद	लघु (?)	व्र०हि०	,,	३० वां	
३६६	१८६० (२८)	पद	नरसी	रा०गू०	,,	३० वां	
४००	१८६० (२६)	पद	लच्छीराम	व्र०हि०	,,	३०-३१	
४०१	१८६० (३३)	पद	वालकृष्ण (चन्दसखी)	,,	,,	३५ वां	
४०२	१८६० (३४)	पद	सूरदास	,,	,,	३५ वां	
४०३	१८६० (३५)	पद	कवीर	,,	,,	३५-३६	
४०४	१८६० (३६)	पद	कृष्णदास	,,	,,	३६-३७	
४०५	१८६० (३८)	पद	श्री भट	,,	,,	३८ वां	
४०६	१८६० (३६)	पद	तुलसीदास	,,	,,	३८-३६	
४०७	१८६० (४०	पद		,,	,,	३६ वां	
४०८	१८६० (४१)	पद	कवीर	,,	,,	३६-४०	
४०६	१८६० (४३)	पद	माधोदास	व्रज.	,,	४०-४१	
४१०	१८६० (४४)	पद	मीरा	हि०	,,	४१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४११	१८६० (४५)	पद	सूर	ब्र. हि.	१६वीं श.	४१ वां	
४१२	१८६० (४६)	पद		"	"	४१–४२	
४१३	१८६० (४७)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	"	४२ वां	
४१४	१८६० (४६)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	४३–४४	
४१५	१८६० (५१)	पद		"	"	४७–४८	
४१६	१८६० (५२)	पद	नरसी	रा. गु.	"	४८ वां	
४१७	१८६० (५३)	पद	मीरा	राज.	"	४८–४६	
४१८	१८६० (५५)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	५० वां	
४१६	१८६० (५६)	पद	तुलसी	"	"	५१ वां	
४२०	१८६० (५७)	पद		"	"	५१ वां	
४२१	१८६० (५८)	पद	भीखम	"	"	५१–५२	
४२२	१८६० (५६)	पद	कृष्णदास	ब्रज.	"	५२ वां	
४२३	१८६० (६०)	पद	परसराम	"	"	५२ वां	
४२४	१८६० (६१)	पद	गरीबदास	"	"	५२–५३	
४२५	१८६० (६२)	पद	कल्याण	"	"	५३ वां	
४२६	१८६० (६३)	पद	मीरा	राज.	"	५३–५४	
४२७	१८६० (६५)	पद	ब्रह्मदास	ब्र०हि०	"	५६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४२८	१८६० (६६)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श.	५६–५७	
४२६	१८६० (६७)	पद	कबीर	"	"	५७ वां	
४३०	१८६० (६८)	पद	तुलसीदास	"	"	५७–५८	
४३१	१८६० (७०)	पद	केवलराम	"	"	५६–६०	
४३२	१८६० (७२)	पद	श्रीभट	"	"	६१ वां	
४३३	१८६० (७३)	पद		ब्रज	"	६१ वां	
४३४	१८६० (७४)	पद	मीरा	राज	"	६१–६२	
४३५	१८६० (७५)	पद		ब्र०हि०	"	६२ वां	
४३६	१८६० (७६)	पद	सूरदास	"	"	६२ वा	
३७	१८६० (७८)	पद	कबीर	"	"	६५ वा	
४३८	१८६० (७६)	पद		"	"	६५ वां	
४३६	१८६० (८०)	पद	कुमनदास	"	"	६५–६६	
४४०	१८६० (८२)	पद	मीरा	राज.	"	६८ वां	
४४१	१८६० (८४)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	६६ वां	
४४२	१८६० (८५)	पद	नागरीदास	"	"	६६–७०	
४४३	१८६० (८६)	पद	सूरदास	"	"	७० वां	
४४४	१८६० (८७)	पद		राज.	"	७०–७१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४४५	१८६० (८८)	पद	नरसी	रा०गू०	१६वीं श.	७१ वां	
४४६	१८६० (८६)	पद	„	रा०	„	७१ वां	
४४७	१८६० (६०)	पद	मीरा	„	„	७१–७२	
४४८	१८६० (६१)	पद	कबीर	ब्र०हि०	„	७२ वां	
४४६	१८६० (६२)	पद	भगवान	„	„	७२–७३	
४५०	१८६० (६६)	पद	मीरा	राज०	„	७६ वां	
४५१	१८६० (६७)	पद	सूरदास	ब्र० हि०	„	७६ वां	
४५२	१८६० (६६)	पद	कबीर	„	„	७६ वां	
४५३	१८६० (१००)	पद		„	„	७६–८०	
४५४	१८६० (१०१)	पद	नंददास	„	„	८०–८१	
४५५	१८६० (१०२)	पद		„	„	८१ वा	
४५६	१८६० (१०३)	पद	सूरदास	„	„	८१–८२	
४५७	१८६० (१०५)	पद	मीरा	राज०	„	८२–८३	
४५८	१८६० (१०६)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	„	८३ वां	
४५६	१८६० (१०७)	पद		„	„	८३ वां	
४६०	१८६० (१०६)	पद	„	„	„	८४ वां	
४६१	१८६० (१११)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	„	„	८५–८६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६२	१८६० (११२)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श.	८६–८७	
४६३	१८६० (११३)	पद	तुलसीदास	,,	,,	८७ वां	
४६४	१८६० (११४)	पद		,,	,,	८७–८८	
४६५	१८६० (११६)	पद	मीरावाई	रा०	,,	८६–६०	
४६६	१८६० (११७)	पद		ब्र०हि०	,,	६०–६१	
४६७	१८६० (११८)	पद	कवीर	,,	,,	६१ वां	
४६८	१८६० (११६)	पद		,,	,,	६२ वा	
४६६	१८६० (१२०)	पद	बालकृष्ण चन्द्र (सखी)	,,	,,	६२ वा	
४७०	१८६० (१२१)	पद	सुखदेव	,,	,,	६२–६३	
४७१	१८६० (१२२)	पद	नददास	,,	,,	६३–६८	
४७२	१८६० (१२४)	पद	लच्छीराम	,,	,,	१००–१०१	
४७३	१८६० (१२५)	पद		,,	,,	१०१ वां	
४७४	१८६० (१२७)	पद	जगन्नाथ	,,	,,	१०२–१०३	
४७५	१८६० (१२८)	पद	कवीर	,,	,,	१०३ रा	
४७६	१८६० (१३०)	पद	लच्छीराम	,,	,,	१०४–१०५	
४७७	१८६० (१३१)	पद	सूरदास	,,	,,	१०५ वां	
४७८	१८६० (१३३)	पद	अग्र	,,	,,	१०७ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	१८६० (१३७)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	११८-११६	
४८०	१८६० (१३८)	पद	अलिलता	"	"	११६-१२०	
४८१	१८६० (१३६)	पद	सुखानन्द	"	"	१२०-१२१	
४८२	१८६० (१४०)	पद		"	"	१२१ वां	
४८३	१८६० (१४३)	पद	तुलसीदास	"	"	१२५ वां	
४८४	१८६० (१४४)	पद	मीरा	राज०	"	१२६ वां	
४८५	१८६० (१४५)	पद	अग्रदास	ब्र०हि०	"	१२६ वां	
४८६	१८६० (१४६)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१२७ वां	
४८७	१८६० (१४७)	पद	मीरा	राज.	"	१२७ वां	
४८८	१८६० (१४८)	पद		ब्र०हि०	"	१२८ वां	
४८६	१८६० (१४६)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१२८ वां	
४६०	१८६० (१५०)	पद		"	"	१२८-१२६	
४६१	१८६० (१५१)	पद	जगन्नाथ	"	"	१२६ वां	
४६२	१८६० (१५२)	पद	नन्ददास	"	"	१२६-१३०	
४६३	१८६० (१५३)	पद		"	"	१३०-१३१	
४६४	१८६० (१५४)	पद	कबीर	"	"	१३१ वां	
४६५	१८६० (१५६)	पद	सूरदास	"	"	१३२-१३३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४९६	१८६० (१५७)	पद	हरिदास	ब्र० हि०	१९वीं श.	१३३ वां	
४९७	१८६० (१५८)	पद	तुरसी	"	"	१३३ वां	
४९८	१८६० (१६०)	पद	"	"	"	१३४–३३५	
४९९	१८६० (१६२)	पद	नददास	"	"	१३६ वां	
५००	१८६० (१६३)	पद	प्रमानन्द	"	"	१३६–१३७	
५०१	१८६० (१६४)	पद	बिहारीदास	"	"	१३७ वां	
५०२	१८६० (१६५)	पद	नददास	"	"	१३७ वां	
५०३	१८६० (१६६)	पद		"	"	१३७–१३८	
५०४	१८६० (१६७)	पद	सूरदास	"	"	१३८ वां	
५०५	१८६० (१६८)	पद	कबीर	"	"	१३८–१३९	
५०६	१८६० (१६९)	पद	"	"	"	१३९ वां	
५०७	१८६० (१७०)	पद	हरिदास	"	"	१३९ वां	
५०८	१८६० (१७१)	पद		"	"	१३९–१४०	
५०९	१८६० (१७२)	पद	नन्ददास	"	"	१४० वां	
५१०	१८६० (१७३)	पद	कबीर	"	"	१४० वां	
५११	१८६० (१७४)	पद	प्रमानन्द	"	"	१४०–१४१	
५१२	१८६० (१७५)	पद	केवलराम	"	"	१४१ वां	

क्रमांक	ग्रन्याङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५१३	१८६० (१७७)	पद	सदाराम	ब्र०हि०	१६वीं श.	१४२ वां	
५१४	१८६० (१७८)	पद	वासदास	"	"	१४२ वां	
५१५	१८६० (१७६)	पद		"	"	१४२-१४३	
५१६	१८६० (१८०)	पद	नरसी	रा०गू०	"	१४३ वां	
५१७	१८६० (१८३)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	१४६ वां	
५१८	१८६० (१८४)	पद		"	"	१४६ वां	
५१६	१८६० (१८५)	पद	नागरीदास	"	"	१४६-१४७	
५२०	१८६० (१८६)	पद	माघोदास	"	"	१४७-१४८	
५२१	१८६० (१८७)	पद	नामदेव	"	"	१४८ वां	
५२२	१८६० (१८८)	पद	सूरदास	"	"	१४८ वां	
५२३	१८६० (१८६)	पद		"	"	१४८-१४६	
५२४	१८६० (१६०)	पद	कबीर	"	"	१४६-१५०	
५२५	१८६० (१६१)	पद	वालकृष्ण (चदसखी)	"	"	१५० वां	
५२६	१८६० (१६२)	पद		"	"	१५०-१५१	
५२७	१८६० (१६३)	पद	वखतो	"	"	१५१ वां	
५२८	१८६० (१६४)	पद	वालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१५१-१५२	
५२६	१८६० (१६५)	पद	मीयां तानसेन	"	"	१५२ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३०	१८६० (१६६)	पद	रामदास	व्र. हि.	१६वीं श.	१५२-१५३	
५३१	१८६० (१६८)	पद	नरसी	रा०गू०	,,	१५६ वां	
५३२	१८६० (१६६)	पद	नन्ददास	व्र. हि.	,,	१५६-१५७	
५३३	१८६० (२०१)	पद	अग्रदास	,,	,,	१५७-१५८	
५३४	१८६० (२०२)	पद	सूरदास	,,	,,	१५८ वां	
५३५	१८६० (२०३)	पद	मायोदास	,,	,,	१५८ वां	
५३६	१८६० (२०४)	पद	मीरा	राज.	,,	१५८-१५६	
५३७	१८६० (२०६)	पद	मीरा	व्र. हि.	,,	१५६-१६०	
५३८	१८६० (२०७)	पद		,,	,,	१६० वां	
५३६	१८६० (२०६)	पद		,,	,,	१६१ वां	
५४०	१८६० (२१०)	पद	वालअलि	,,	,,	१६१ वां	
५४१	१८६० (२११)	पद	प्रमानन्द	,,	,,	१६१-१६२	
५४२	१८६० (२१२)	पद		,,	,,	१६२ वां	
५४३	१८६० (२१३)	पद	भगवानसखी	,,	,,	१६२-१६४	
५४४	१८६० (२१४)	पद	कृष्णदास	,,	,,	१६४ वां	
५४५	१८६० (२१५)	पद	प्रमानन्द	,,	,,	१६४-१६५	
५४६	१८६० (२१६)	पद	तुलसीदास	,,	,,	१६५ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५४७	१८९० (२१८)	पद		ब्र. हि.	१९वीं श.	१६७ वा	
५४८	१८९० (२२१)	पद	अग्रदास	,,	,,	१६९ वां	
५४९	१८९० (२२२)	पद	सूर	,,	,,	१६९–१७०	
५५०	१८९० (२२३)	पद	मीरा	राज.	,,	१७०–१७१	
५५१	१८९० (२२४)	पद	सुखदास	ब्र. हि.	,,	१७१–१७२	
५५२	१८९० (२२५)	पद	सूर	,,	,,	१७२ वां	
५५३	१८९० (२२६)	पद	कबीर	,,	,,	१७२–१७३	
५५४	१८९० (२२७)	पद	मीरा	राज.	,,	१७३ वां	
५५५	१८९० (२२८)	पद		ब्र. हि	,,	१७३ १७४–	
५५६	१८९० (२३१)	पद	माधोदास	,,	,,	१७६ वां	
५५७	१८९० (२३२)	पद	नन्ददास	,,	,,	१७६ वां	गुटका अपूर्ण। १७६ पत्र पर्यन्त।
५५८	३५७१ (३)	पद		,,	१७३७	१२१–१३०	४० पद्य हैं।
५५९	३५७५ (६३)	पद	शिवचंद्र	रा. गू.	२०वीं श	२९५–२९६	
५६०	१८८२ (१३७)	पद (एकादशी व्रत महात्म्य)	वेदव्यास	ब्रज	१९वीं श	७०–७१	
५६१	१८९० (४२)	पद (महादेवस्तुति)	सूर	हिंदी	,,	४० वां	
५६२	१८९० (१३५)	पद (रासविलास)	रामदास	ब्रज०	,,	११५–११७	
५६३	१८८२ (१५)	पद (हिंडोलावर्णन)	तुलसीदास	,,	,,	२३–२४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६४	१८८२ (११६)	पद चतुष्क (४)	अग्रदास	,,	,, ,,	६३से६४	
५६५	१८९० (८)	पद चतुष्क (४)		ब्र०हि०	,, ,,	७-८	
५६६	१८९० (३७)	पद चतुष्क (४)		,,	,, ,,	३७-३८	
५६७	१८९० (१३२)	पद चतुष्क		,,	,, ,,	१०५-१०७	
५६८	१८९० (१८२)	पद चतुष्क (४)	मीरा	ब्र.हि.रा.	,, ,,	१४४-१४६	
५६९	१८९० (१९७)	पद चतुष्क		ब्र०हि०	,, ,,	१५३-१५६	
५७०	१८८२ (२०)	पद त्रय	अग्रदास	ब्र०	,, ,,	२५-२६	
५७१	१८८२ (७६)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	ब्र०	,, ,,	५०-५१	
५७२	१८८२ (८६)	पद त्रय (३)	तुरसीदास	,,	,, ,,	५३ वां	
५७३	१८८२ (८९)	पद त्रय (३)	कबीर	,,	,, ,,	५४-५५	
५७४	१८८२ (११७)	पद त्रय (३)	तुलसीदास	व्रज	१९वीं श	६४ वां	
५७५	१८८२ (१७१)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	,,	,, ,,	११२-११५	
५७६	१८८२ (१७८)	पद त्रय (३)	मुरलीदास	व्रज	,, ,,	११७-११८	
५७७	१८८२ (१९७)	पद त्रय (३)		,,	,, ,,	१२७-१२८	
५७८	१८८२ (२१८)	पद त्रय (३)		,,	,, ,,	१३८ वां	
५७९	१८८२ (२२१)	पद त्रय		,,	१८१९	१३९ वां	सवाई जैपुर में लिखित। माधोसिंह राज्ये ठाकुर सौभागसिंहजी लिखापित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
५८०	१८६० (३०)	पद त्रय (३)		ब्र. हि.	१६वीं श.	३१-३२	
५८१	१८६० (३१)	पद त्रय (३)	गुमानकु(कुं)वर (गुमानाबाई)	"	"	३२-३४	
५८२	१८६० (५४)	पद त्रय (३)		ब्रज०	"	४६-५०	
५८३	१८६० (६४)	पद त्रय (३)		ब्र०हि०	"	५४-५६	
५८४	१८६० (६६)	पद त्रय (३)		"	"	५८-५६	
५८५	१८६० (७१)	पद त्रय (३)		"	"	६०-६१	
५८६	१८६० (१२३)	पद त्रय	कबीर	"	"	६८-१००	
५८७	१८६० (१५६)	पद त्रय		"	"	१३३-१३४,	
५८८	१८६० (१८१)	पद त्रय (३)		"	"	१४३-१४४	
५८६	१८८२ (२५)	पद द्वय (२)	हरिदत्त	ब्रज.	"	२८ वां	
५६०	१८८२ (२६)	पद द्वय (२)		"	"	२८ वां	
५६१	१८८२ (५७)	पद द्वय (२)		"	"	४२-४३	
५६२	१८८२ (६०)	पद द्वय (२)	सूर	"	"	४५ वां	
५६३	१८८२ (७१)	पद द्वय (२)	गोबिन्ददास	"	"	४८-४६	
५६४	१८८२ (८७)	पद द्वय (२)	माधोदास	"	"	५४ वां	
५६५	१८८२ (१०७)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६०-६१	
५६६	१८८२ (११२)	पद द्वय (२)		हि०	"	६१-६२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५९७	१८८२ (११६)	पद द्वय (२)		ब्रज	१६वीं श	६४-६५	
५९८	१८८२ (१४१)	पद द्वय (२)	गदाधर मिश्र	,,	,,	७६ वां	
५९९	१८८२ (१५०)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	,,	,,	६१-६२	
६००	१८८२ (१५५)	पद द्वय (२)	सूरदास	,,	,,	६२-६३	
६०१	१८८२ (१५७)	पद द्वय (२)	रामदास	,,	,,	६३ वां	
६०२	१८८२ (१५८)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	,,	,,	६४ वां	
६०३	१८८२ (१६२)	पद द्वय (२)	मीरां	राज.	,,	६४-६५	
६०४	१८८२ (१७२)	पद द्वय (२)		ब्रज०	,,	११५ वां	
६०५	१८८२ (१७६)	पद द्वय (२)		,,	,,	११८-११९	
६०६	१८८२ (१८३)	पद द्वय (२)	गदाधर	,,	,,	१२०-१२१	
६०७	१८८२ (१९३)	पद द्वय (२)		,,	,,	१२६-१२७	
६०८	१८८२ (२०२)	पद द्वय (२)		,,	,,	१२९-१३०	
६०९	१८८२ (२०३)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	,,	,,	१३० वां	
६१०	१८८२ (२२०)	पद द्वय (२)	सूरदास	,,	,,	१३८-१३९	
६११	१८९० (२)	पद द्वय (२)	कबीर	ब्र०हि०	,,	३-४	
६१२	१८९० (४)	पद द्वय (२)		,,	,,	५ वां	
६१३	१८९० (७)	पद द्वय (२)	,,	,,	,,	६-७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६१४	१८६० (६)	पद द्वय	बालकृष्ण (चंदसखी)	व्र०हि०	१६वीं श	८–६	
६१५	१८६० (१०)	पद द्वय (२)	ब्रह्मदास	"	"	६–११	
६१६	१८६० (१८)	पद द्वय (२)		"	"	२२–२५	
६१७	१८६० (३२)	पद द्वय (२)	मीरा	राज.	"	३४–३५	
६१८	१८६० (४८)	पद द्वय (२)	मीरा	व्र०हि०	"	४२–४३	
६१६	१८६० (५०)	पद द्वय (२)	कबीर	"	"	४४–४७	
६२०	१८६० (८३)	पद द्वय (२)		"	"	६८–६६	
६२१	१८६० (६३)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	७३–७४	
६२२	१८६० (६४)	पद द्वय (२)		"	"	७४–७५	
६२३	१८६० (६५)	पद द्वय (२)	नरसी	रा०गू०	"	७५–७६	
६२४	१८६० (१०४)	पद द्वय (२)	प्रमानन्द	व्र०हि०	"	८२ वां	
६२५	१८६० (१०८)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण [चन्दसखी]	"	"	८३–८४	
६२६	१८६० (११०)	पद द्वय (२)		"	"	८४–८५	
६२७	१८६० (११५)	पद द्वय (२)	प्रसोतमदास (पुरुषोत्तमदास)	"	"	८८–८६	
६२८	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)	लच्छीराम	"	"	१०१–१०२	
६२६	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)		"	"	१०३–१०४	
६३०	१८६० (१४१)	पद द्वय (२)	नन्ददास	"	"	१२२ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३१	१८६० (१५५)	पद द्वय (२)	नन्ददास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१३१-१३२	
६३२	१८६० (१६१)	पद द्वय (२)		"	"	१३५-१३६	
६३३	१८६० (१७६)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण (चद्सखी)	"	"	१४१-१४२	
६३४	१८६० (२००)	पद द्वय (२)	प्रमानंद	"	"	१५७ वां	
६३५	१८६० (२०५)	पद द्वय (२)		"	"	१५६ वां	
६३६	१८६० (२०८)	पद द्वय (२)	सुरदास	"	"	१६०-१६१	
६३७	१८६० (२१७)	पद द्वय (२)	" "	"	"	१६६-१६७	
६३८	१८६० (२१६)	पद द्वय (२)	मीरा	"	"	१६७-१६६	
६३६	१८६० (२२०)	पद द्वय (२)		"	,	१६६ वां	
६४०	१८६० (२२६)	पद द्वय (२)	सुरदास	"	"	१७४ वां	
६४१	१८६० (२३०)	घद द्वय (२)	कबीर	"	"	१७४-१७५	
६४२	१८८२ (१८१)	पदपंचक (५)		व्रज	"	११६-१२	
६४३	१८८२ (१०५)	पद पंचक		"	"	१३१-१३२	
६४४	१८६० (७७)	पद पचक		ब्र०हि०	"	६२-६५	
६४५	१८६० (८१)	पद पंचक (५)		"	"	६६-६८	
६४६	१८६० (१३६)	पद पचक (५)	परमानद	"	"	११७-११८	
६४७	१८६० (१४२)	पद पंचक (५)		"	"	१२२-१२५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६४८	१८६०	पदमुक्तावली (स्फुट पदसंग्रह)		व्र०हि०	१६वीं श.	१७६	गुटका अपूर्ण
६४६	३५६६ (८)	पद संग्रह		,,	१७वीं श.	६२–१६६	
६५०	३५७१ (१)	पद सग्रह		,,	१७३७	५८	पाटण में लिखित। १७१ पद है
६५१	३५७१ (२)	पद सग्रह		,,	१७३७	५६–१२१	३२६ पद
६५२	३५७५ (१६)	पद्मावती आलोयणा	समयसुंदर	रा०गू०	२०वीं श.	७६–८१	
६५३	११२२ (१४)	पद्मावती छद	हर्षसागर	,,	१६वीं श.	८–६	
६५४	३५४६ (४)	परमेसरजीरो छंद	हररूपसेवक	राज०	१८१६	१०–११	
६५५	१८८२ (२०६)	पवित्राएकादशीपद	कुंभनदास	व्रज	१६वीं श.	१३२ वां	
६५६	१८३६ (१३)	पांडवा की सज्झाय	कान्ह सेवक	राज०	१८३१	६५–६७	
६५७	२०४०	पार्श्वजिनस्तवन	दीप	रा०गू०	१८वीं श.	३	
६५८	३५७५ (८)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी छंद	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श	११७–१२२	
६५६	६७६ (२)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी छंद	जिनहर्ष	रा०गू०	१६११	२–४	
६६०	३५५० (२)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी	रूप सेवक	रा०	१६वीं श	६–१२	माधवगढ में लिखित।
६६१	११२२ (६)	पार्श्वनाथ छद		रा०	,,	५–६	
६६२	३५५५ (३२)	पार्श्वनाथ छंद		,,	,,	१७४ वां	
६६३	३५४८ (८)	पार्श्वनाथ जीरो छद		,,	,,	१३–१४	जीर्णपत्र
६६४	२१०५	पार्श्वनाथदेसतरीछद	राजकवि	,,	१८वीं श	१	
६६५	२१०६	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	,,	रा०गू०	१६वीं श.	२	
६६६	२३२७ (१)	पार्श्वनाथदेसतरी छद	,,	रा०	१८६५	२–६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६६७	३५२२	पार्श्वनाथदेसतरीछंद	राजकवि	रा०गू०	१८वीं श.	२	
६६८	३५७३ (३४)	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	,,	रा०	१६वीं श	८६–८८	जीर्णप्रति।
६६६	३५४६ (६)	पार्श्वनाथदेसतरीछंद	,,	,,	१८१७	११–१२	वरांटीया मे लिखित।
६७०	३१६४	पार्श्वनाथरागमालामय स्तवन	जयविजय	रा. गू.	१८वीं श.	३	
६७१	३६२५ (२)	पार्श्वनाथराजगीता	उदयविजय-वाचक	,,	१७७०	५३ वां	
६७२	३५५६ (४)	पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	,,	१६वीं श	६५–६६	
६७३	३५५० (१)	पाबुजीरी निसाणी		राज.	,,	१–६	
६७४	३५६० (४)	पाबुधाद्योलोतरा दूहा		,,	१८वीं श	१–५	अपूर्ण।
६७५	३५७५ (१७)	पुण्यछत्तीसी	,,	रा०गू०	२०वीं श.	८१–८५	सम्वत् १६६६ मे सिद्धपुर मे रचना।
६७६	३५७५ (२६)	पुण्यप्रकाश स्तवन	उ०विनयविजय	,,	,,	१२२–१३०	रानेर मे सं १७२६ में रचना।
६७७	२१६१	पुष्कराष्टक	खुसराम	ब्र०हि०	१६१४	२	कर्ता ने कृष्णगढ़ मे लिखी।
६७८	२२६३	पृथ्वीसिघजीसुजस पच्चीसी सटीक	जयलाल टी० स्वोपज्ञ	,,	१६३१	८	कर्ता के हस्ताक्षर युक्त पत्र १ से ४ मे मूल पाठ है तथा पत्र ५ से ८ मे टीका है।
६७६	११२२ (२५)	पृथ्वीराजसिंघ नो जस	लक्ष्मीकुशल	व्रज०	१६वीं श	२४–२५	
६८०	२२३६	पृथ्वीसिंह का शिकार		ब्र०हि०	२०वीं श	१	
६८१	३५७५ (३१)	पैंतालीस आगमसज्झाय	धरमसीपाठक	रा०गू०	,,	१३८–१४१	पैंतालीस सूत्रों के नाम और उनकी श्लोक संख्या बताई है। जैसलमेर मे रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८२	३५७५ (३८)	पौषधस्तवन	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श.	१८६-१६१	संवत १६६७ मरोट नगर में रचना
६८३	११२४ (५)	प्रतिमाधिकारवेलि	सामत	रा०गू०	१६७५	२	
६८४	१८४२	प्रास्ताविक गीत		राज०		१	राजा गजसिंह जीरो सपक्खरो है।
६८५	११२२ (२६)	फतेमहम्मदनो जस		ब्र०	१६वीं श.	२५-२६	
६८६	३५७३ (३६)	फलवर्धिपार्श्वस्तवन		रा०गू०	,,	१०१ वां	जीर्ण प्रति।
६८७	३५६७ (१५)	फूलमाला		राज०	,,	१३१-१३३	
६८८	३५६७ (१७)	फूहडरासो	जैदेव	राज०	,,	१३३-१३४	
६८९	३५६७ (२६)	फूहडरासो		राज०	,,	१४७ वा	
६९०	३५७५ (१३)	वारहभावना सज्झाय	जयसोम	रा०गू०	२०वीं श	६२-६६	सवत् १६७६ में वीकानेर मे रचना।
६९१	३५६७ (२८)	वारह मासे		राज०	१६वीं श.	१४६-१५०	
६९२	२३४७ (१)	वालाकाली स्तुति तथा गगानवक	खुसराम	ब्र०हि०	१६१३	१-३	स० १६१३ मे अजमेर में रचित। कवि के हस्ताक्षर।
६९३	३५६६ (७)	वावन पद विविधराग तालबद्ध		ब्र०हि०	१७वीं श	४८-७६	
६९४	६७६ (३)	वावीसअभक्ष्य वत्तीस-अनतकाय सज्झाय	लक्ष्मीरत्न	रा०गू०	१६११	४-५	
६९५	११६७	विरदावली		व्रज	१६वीं श	३४	महाराज प्रतापसिंह जी की।
६९६	३५७५ (३)	वृहदालोचना स्तवन	राजसमुद्र	रा०गू०	२०वीं श	२७-३०	
६९७	३५७५ (११)	व्रह्मचर्य नववाड सज्झाय	जिनहर्ष	रा०गू०	,,	४६-५८	
६९८	३५६७ (१३)	भक्तविडदावली	मलूकदास	राज०	१६वीं श.	१२८-१२६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
६९९	२२५७	भंडारी भानीरामजीरो गीत		राज०	२०वीं श.	१	
७००	२२५६	भंडारी शिवचंदजीरो गीत		,,	,,	१	
७०१	२३६८ (१३)	भमराकी सज्झाय	महमद	,,	१८४८	४२-४४	
७०२	३५४६ (७)	भवानीजीरो छंद	उदो	,,	१९वीं श.	१२-१३	
७०३	२३२६ (२)	भवानीदासजीरो गीत आदि	साधूरामजी सेवक	,,	,,	३-४	
७०४	२८९३ (३७)	भावनागीत	हीरकलश	रा०गू०	,	७० वां	
७०५	२१४७	भावनाविलास	ज्ञानसागर	अ०हि०	१८२९	१६	
७०६	३८५८	भाषाभावना गद्य	हरिरायजी	,,	१८वीं श.	५	
७०७	२२३६	मेंरूजी को कवित्त		,,	२०वीं श.	१	
७०८	३५४३ (३)	मनमोहन पार्श्वनाथ स्तवन	ज्ञानविमल	रा०गू०	१८८५	६-७	
७०९	६३२	मरमिया	कुंअरकुशल	व्रज	१८६८	६	कच्छनरेश लखपत सिंह के।
७१०	६१७	महाराउरायधणजीरा छंद सार्थ	मोन्हू (?) गोदड	रा०	१९वीं श.	४	
७११	११२२ (४५)	महाराओश्रीगोहडजी नो जस	कनककुशल	व्रज	,,	६१ वां	
७१२	११२२ (३३)	महाराओ श्री जीना कवित्त	जसराज आदि	,,	,,	३०-३२	कच्छनरेशों के स्तुति काव्य है
७१३	१८३२ (१)	महाराजारायधणजी। को छद		राज०	,,	१-४	मज्जल मे लिखित।
७१४	३५७५ (८०)	महावीरजिनपंचकल्याण स्तवन	रामविजय	रा०गू०	२०वीं श.	३४०-३४६	सुरत मे सवत १७७३ मे रचना।
७१५	३५७५ (३२)	महावीरजिन स्तुति	जिनलाभसूरि	,,	,,	१४१ वा	
७१६	३५७५ (१५)	महावीरदेव स्तवन	समयसुन्दर	,,	,,	७५-७६	
७१७	३५७५ (८२)	महावीर सत्तावीश भवस्तवन	शुभविजय	,,	,,	३५२-३६०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१८	१०८६	माणिभद्र छद	शांतिसूरि	रा०गू०	१८७०	४	
७१६	१०६१	माणिभद्र छद	गुलाल	,,	१६वीं श	३	
७२०	२०६७	माणिभद्र छंद	उदयविजय	,,	,,	२	
७२१	३५४७ (६)	माताजीरो छद	नरसिघचारण	राज	,,	८७ वां	
७२२	३५४७ (१०)	माताजीरो छद	भगवानभोजग	,,	,,	८८–८६	
७२३	३५४७ (१२)	माताजीरो छंद	सारंग कवि	,,	,,	६१ वा	
७२४	३५४७ (१३)	माताजीरो छद	आढ़ोडूरसोजी	,,	,,	६१ वां	
७२५	३५७० (३)	मानमाधुरी पद्य	माधोदास कपूर	ब्र०हि०	१८वीं श.	७१–८१	
७२६	३४०८	मीरा कवीर आदि के अनेक पद समग्रह	मीरा कवीर आदि	रा०	१८६०	७०	
७२७	२१६६	मु ताप्रतापचदजी को गीत		ब्र०हि०	२०वीं श	१	
७२८	३५७५ (३७)	मुनिमालिका	चारित्रसध	रा०गू०	,,	१८१–१८६	स० १६३६ रिणी-पुर मे रचना।
७२६	३६७६	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	रा०	१६वीं श	२	सं० १६३६ मे रिणीपुर मे रचित।
७३०	१८८६ (१३)	मुरलीविहार	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	,,	६१से६३	
७३१	११२२ (६५)	मुसलमानना कलमाना कवित्त		ब्र०हि०	,,	८५–८६	
७३२	२२५४	मुहणोतसिरदारमलका कवित्त		,,	२०वीं श	१	
७३३	२२५५	मुँहता वॉकीदासजीरो गीत		रा०	,,	१	
७३४	२२१७ (२)	मृगापुत्रसज्झाय	खेममुनि	,,	१८वीं श.	३ रा	
७३५	२३२६ (१)	मेवाडको छंद	जिनइन्द्र (जिनेन्द्र)	,,	१६वीं श	१–३	मेवाड़ के दोपों का वर्णन है।
७३६	८६३	मोहणोतप्रतापसिंघरी पचीसी	शिवचंद सेवक	,,	१८५७	६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७३७	३५७५ (२४)	युगादिस्तवन	सहजकीर्ति	रा०गू०	२०वीं श.	१०२-१०४	
७३८	२२४५	रतनविजयजी को कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	"	१	
७३६	१८८६ (२)	रमकभमकवत्तीसी	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	१६वी श	३-५	रचना स० १८५१
७४०	१८३६	रसिक सुरती मास	ब्रह्मानन्द	रा०गू०	१७४४	२	प(ख)डनगरमेलिखित
७४१	२२४४	राजसिंघजी को कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
७४२	११२२ (४७)	राजाराउविरदावली		ब्र०	१६वीं श.	६३ वां	
७४३	३६८६	राजीमतीमंगल	जिनदास	रा०	"	२	कर्णालनगर मे लिखित। ८० पद्य है।
७४४	१८३६ (१५)	राजुलपच्चीसी	आनंदचद(?)	ब्रज	१८३२	१११-११८	गुटका
७४५	३६८७	राजुलपच्चीसी	लालचद	रा०	१६वीं श	८	
७४६	८६६	राधाकृष्ण संवाद		ब्र०	१६०३	५	
७४७	११७२ (१६)	राधाकृष्ण संवाद		रा०	१६वीं श.	११-१३	
७४८	३५४७ (७)	रामचद्रजीरो सपखरो		"	"	८५ वां	
७४६	८०२	रामरक्षास्तोत्र		"	१८६४	१	
७५०	११२२ (१५)	रामाभैरव (भैंरूसाह) का छन्द	जेसकवि	"	१६वीं श	६ वां	
७५१	१८६८ (६)	रायसिहजी का गीत आदि		ब्र०हि०	१८वीं श	१-३	गुटका
७५२	३४८४	रावणसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	"	२	
७५३	११२२ (२०)	रावन मदोदरीसंवाद		रा०	१६वीं श	१३-१४	
७५४	१८८६ (१२)	रासको रेखतों	सवाई प्रताप सिहजी	हि०	"	५६-६१	
४५५	३५४३ (२)	रेटियाससज्झाय	रतनवाई	रा०गू०	१८८२	२-३	स० १६३५ मे मेडता नगर में रचित।
७५६	३५७३ (५६)	रोहिणीतपमहिमास्तवन	श्रीसार	रा०	१६वीं श.	१६६ वां	सं० १७०० मे रचित, जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७५७	३५७५ (५५)	रोहिणीस्तवन	श्रीसार	रा०गू०	२०वीं श.	२६०–२६४	
७५८	११२२ (३६)	लखपतिराय राय-धणजी पृथ्वीराज के कवित्त		ब्र०	१६वीं श.	४४ वां	
७५६	११२२ (६१)	लाखाफुलाणीना कवित्त		राज०	,,	८३ वां	
७६०	२८६३ (८)	वर्तमानादि चोविसी नमस्कार पद्य	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	४–५	
७६१	११२३ (१६)	विचारस्तवन		,,	,,	७७ वां	
७६२	११२२ (६)	विजयप्रभसूरिनी वृद्धि साणी छद	विजय	रा०	१६वीं श	४ था	
८६३	८६७	विनायकीटीको तथा जसराजनो छद	केसोदास	सं०ब्र०	,,	३	
७६४	३५४६ (१)	गुण विवेकवाररी निसाणी		रा०	१८०६	१–५	वराटीया में लिखित।
७६५	३५५५ (१८)	विवेकवाररी नीसाणी	केसोदास	,,	१६वीं श	११४–१२१	
७६६	३५५५ (२२)	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	१४५ वा	
७६७	३५७३ (७)	गुण विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	३० वां	जीर्ण प्रति।
७६८	३६६६	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	११	
७६६	२३६६ (६)	वियोगवेली		ब्र०हि०		१७६–१७२	मानपुर में लिखित।
७७०	२८२८	विविधपदसग्रह	चत्रभुज अधा-रूजी परसजी कीताजी सोमजी माधौ जगनाथ आदिअनेककवि	रा०ब्रण	,, ,,	फुटकर पत्र ३२	
७७१	३५७३ (२५)	विपयस्तवन		रा०गू०	,,	५० वा	जीर्ण प्रति।
७७२	३५७५ (८३)	विरहमानस्तवन	धमसी	,,	२०वीं श.	३६१–३६५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७७३	२८६३ (३४)	वीकानेर मंडन आदि जिनस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श.	६६ वां	
७७४	३५७५ (६७)	वीरजिनगुहली	विद्यारग	"	२०वीं श.	२६६ वां	
७७५	३५७५ (८१)	वीरजिनपंचकल्याणक स्तवन	सकलचंद	"	"	३४६–३५२	
७७६	४१६	वीरजिनस्तवन वालाववोध सहित	मू०यशोविजय वा० पद्मविजय	"	१८७६	८६	ढुंढकमतनिराकरण कृष्णगढ़ में लिखित।
७७७	३५७५ (७८)	वीरजिनस्तुति स्तवन	यशोविजय	"	२०वीं श.	३२७–३४०	इदलपुर मे दोसी मूला सुत दोसी मेघा के लिये सवत १७३२ में रचना।
७७८	३५७५ (६५)	वीरदेशना स्तवन	शिवचद्रपाठक	"	२०वीं श.	२६७–२६८	
७७९	३५७५ (७२)	वीरदेशना स्तवन	शिवचन्द्र	"	"	३०६ वां	
७८०	३५७५ (२३)	वीसस्थानक स्तवन	वसतो मुनि	"	"	१००–१०२	
७८१	३५७५ (५१)	वैराग्य सज्झाय	विजयभद्र	"	"	२४८–२५०	
७८२	२८६३ (४४)	शत्रु जय इगतालीस नामगर्भितनमस्कार		"	१७वीं श	८७–८८	
७८३	३५७५ (५७)	शत्रु जयवीनति	देवचन्द्र	"	२०वीं श	२७७–२८०	
७८४	२८६३ (४)	शत्रु जयस्तवन	रगकलश	"	१७वीं श	३ रा	
७८५	३५७५ (२७)	शान्तिजिनस्तवन	मेघमुनि	"	२०वीं श	११३–११७	
७८६	२३६८ (३)	शान्तिनाथस्तवन	गुणमागर	राज०	१६वीं श.	२६–३१	
७८७	२३६८ (१०)	शान्तिनाथस्तवन	शान्तिकुशल	रा०गू०	१६वीं श	३६ वां	
७८८	३५७३ (२३)	शान्तिनाथस्तवन	हर्षधर्म	"	"	६८–६६	जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७८६	२०७१	शारदा छद	शान्तिकुशल	रा०गू०	१६वीं श	३	
७६०	२०७४	शारदा सरस्वती छंद	"	"	१८७०	२	
७६१	२१०२	शारदा छद	"	"	१६वीं श	२	
७६२	३५७५ (३०)	शाश्वतजिनवरस्तवन		"	२०वीं श	१३०–१३८	समीनयर में सं० १७१४ में रचना।
७६३	२१७२	शाहजहाकवित आदि		हि०	१८वीं श	१	
७६४	३५७५ (५३)	शिखामण स्वाध्याय		रा०गू०	२०वीं श	२५१–२५२	
७६५	३५७५ (५)	शीतलनाथ स्तवन	समय सुन्दर	"	"	३२–३४	
७६६	२८६३ (२६)	शुद्धसमकितगीत	हीरकलश	"	१६२२	६० वां	ढीढूयाणा में रचना।
७६७	२३०६	श्यामाजी की आरती	मगनीराम	राज०	२०वीं श.	१	
७८८	२३०७	श्यामाजी की आरती	"	"	"	१	
७६६	२३१७	श्यामाजी की भैरव की आरती	"	"	१६१६	२	अजमेर मे लिखित कवि के हस्ताक्षर।
८००	३५७३ (३५)	सचिआइजीरो छद	रघुपति	"	१६वीं श	८८–८६	जीर्ण प्रति।
८०१	२८६३ (११७)	सज्झाय	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	१७३ वां	लाडणू में लिखित।
८०२	३५७३ (४६)	सज्झाय स्तवन आदि		"	१६वीं श	१२०–१२८	जीर्ण प्रति।
८०३	३५७३ (६)	सज्झाय स्तवन सग्रह		"	"	३१–३२	जीर्ण प्रति।
८०४	१०१३	सनीसर छद		"	१८वीं श	१	
८०५	२१०४	सनीसर छद		"	१६वीं श.	१	
८०६	२३०६ (४)	सनीसर छद	हेम	राज०	"	१५–२०	
८०७	३०२० (१)	सनीसर छद	"	"	१८वीं श	१ ला	
८०८	३५४८ (२)	सनीसर छद	"	"	"	१६–२०	जीर्ण प्रति।
८०६	३५५४ (२०)	सनीसर छंद	"	"	१६वीं श	३१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८१०	३५६२ (७)	सनीसर छद	हेम	राज.	२०वीं श.	५६-५६	
८११	३६५४	सनीसर छंद	,,	,,	१७४४	१	जगत्तारिणी में लिखित।
८१२	३५६२ (८)	सनीसरजीरो स्तोत्र		,,	२०वीं श.	५६-६०	
८१३	२२७६	सबद	मगनीराम	,,	१६२०	४	कृष्णगढ़ में लिखित।
८१४	३५४३ (४)	समकितसज्झाय	लक्ष्मीसुन्दर	रा गू.	१८८२	७-६	स० १७२४ में राजनगर में रचित।
८१५	२३७४ (४)	समरा सारग कडखो	देपाल कवि	,,	१६वीं श	२५से२६	
८१६	३५७५ (६६)	समवसरण देशना	शिवचंद्र	,,	२०वीं श.	३००-३०३	
८१७	३५७५ (७५)	समवसरण स्तवन	धर्मवर्द्धन	,,	,,	३०८-३११	
८१८	३५७५ (७६)	सम्भवजिनस्तवन	सुखलाल	,,	,,	३४० वां	अजमेर नगर मे स० १६१२ में रचना।
८१६	२८६३ (२०)	सरस्वती गीत	लावण्यसमय	,,	१७वीं श	१२ वां	
८२०	२८६३ (२१)	सरस्वती गीत	मतिसुन्दर कान्हयउ (?)	,,	,,	१२ वां	
८२१	६६७	सरस्वती छद	शान्तिकुशल	,,	१६वीं श.	२	
८२२	३२४४	सरस्वती छद	सहजसुन्दर	,,	,,	२	
८२३	३५४८ (६)	सरस्वती छद	हेम	राज.	,,	१४-१६	
८२४	२३१२	सरस्वती छंद	,,	,,	,,	२	
८२५	२३२७ (३)	सरस्वती छद	दयासूर	,,	,,	१६-१७	
८२६	४२३	सरस्वती छद गीतादि		रा०	१८०५	१	हुरडा में लिखित।
८२७	१८८२ (२०४)	सवैयो (?)	लघुकेसो	व्रज	१६वीं श.	१३०-१३१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८२८	८७८	संजोगबत्तीसी	मानकवि	व्रज	१६वीं श	५	सं० १७३१ में अमरचंदमुनि के आग्रह से रचित ।
८२६	११३७	सजोगबत्तीसी	,,	व्र०हि०	१७१३	११	सं० १७३१ में अमरचंदमुनि के आग्रह से रचित ।
८३०	३६६०	संजोगबत्तीसी	,,	,,	१७७६	४	सं० १७३१ मे रचित ।
८३१	१८८२ (४०)	साखी गीत		व्रज	१६वीं श	३८ वां	
८३२	२८६३ (३६)	सात त्रि (व्य) सनगीत	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	७० वां	स० १६२२ में लाड (नू) मे रचित, उसी समय मे लिखित होना संभव है।
८३३	२१७६	साधुवदना	पासचंद	,,	१७३५	६	पाली में लिखित ।
८३४	११२२ (४३)	सासू वहूनो सवाद		गू०	१६वीं श	५३ वां	स० (१८) १२ के दुष्काल से सबधित रचना ।
८३५	३५४६ (८)	साहिबमहरवान छद	हररूपसेवक	हि०	१६वीं श	१३ वां	कवि का निवास स्थान सोभन(ज) था,
८३६	३५७५ (५८)	सिद्धक्षेत्रचैत्यपरिपाटी	देवचद्र	रा०गू०	२०वीं श	२८०–२८१	
८३७	११२२ (२७)	सिद्धरायजैसिंघना कवित		व्रज	१६वीं श	२६ वां	
८३८	११२२ (३१)	सिद्धरायजैसिंघना कवित		,,	,,	२८ वा	
८३६	३५११	सिद्धान्त चोपाई		रन०	१७वीं श.	१	
८४०	३५६७ (७)	सीकोतरीछद		रा०	१६वीं श.	१०६–१०७	
८४१	१८८२ (१४६)	सीताराम विवाह	हरि	व्रज	,,	८१से६१	
८४२	२३२७ (२)	सीमधरजिन-त्रिभंगी छद आदि		रा०	,,	१०–१५	
८४३	३५७३ (२८)	सीमधरजिन वीनति	भक्तिलाभ	रा०गू०	,,	७६–८०	जीर्ण प्रति ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८४४	३५७५ (४)	सीमधरजिन वीनति	भक्तिलाभ उपाध्याय	रा०गू०	२०वीं श.	३०-३२	
८४५	२३७४ (१६)	सीमधरजिनस्तवनादि स्तवन		,,	१६वीं श.	८०से८३	
८४६	२२१८ (१)	सुखसंवाद	सुखदेव	व्रज	,,	१-१०	
८४७	१८२३	सुदर्शन ऋषिसज्झाय		रा०गू०	१७७६	३	
८४८	३५५० (१३)	सुदर्शन सज्झाय	हर्षकीर्ति	,,	१६वीं श.	८८-८६	
८४९	२८३२ (४)	सुदामा की बाराखडी		राज०	१७७४	८५-८८	
८५०	२२१७ (३)	सुमति जिनस्तवन	खेममुनि	रा०गू०	१८वीं श.	३ रा	
८५१	३५१० (३)	सुरप्रियऋषिसज्झाय	लक्ष्मीरत्न	,,	,,	३से४	
८५२	१८८६ (६)	सुहागरेनि	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	,,	२३से२४	रचना सं० १८४६।
८५३	२३६८ (६)	सूरजजी की सिलोको	सेवग	रा०	१६वीं श.	३७से३६	
८५४	३५६२ (३)	सूरजजी रो सलोको		,,	१६५६	१७-१८	
८५५	३२५५	सूरज देवतारो सलोको		,,	१८०१	१	
८५६	३५५७ (३)	सूरज देवतारो सलोको		,,	१८वीं श	७२ वा	
८५७	११२२ (२७)	सूरजनी स्तुति कवित्त		व्रज	१६वीं श	३६ वा	
८५८	११६५	सूर्यजीरो सिलोको		रा०	१८५३	१से३	गुटका है। पत्र ४ से ३८ तक जैन स्तवनादि हैं।
८५९	३५४६ (७)	सेरसिंहमेडतीया आदि अनेक राजाओं का मपन्वरा छद आदि		,,	१६वीं श.	६-१०	
८६०	१७६ (१)	स्तभनपार्श्वनाथ उत्पत्तिस्तव	कुशललाभ	रा०गू०	१६११	१-२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६१	३५७५ (८)	स्तभनपार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ	रा०गू०	२०वीं श.	३८-४४	खंभायत मे रचना।
८६२	२३०८ (२)	स्तवनपद्आदिसंग्रह		,,	१८६१	१७-४३	
८६३	३५४६ (६)	स्तवनादि		,,	१६वीं श	१७-४८	
८६४	३५६७ (२३)	स्तवनादि		राज०	,,	१४२-१४५	
८६५	११२२ (५१)	स्तुति	पृथीराज चहुआण	हि०	,,	६८-६६	
८६६	३५५० (१४)	स्थूलिभद्रसज्झाय	देवकुमारी (?)	रा०गू०	,,	८६-६०	
८६७	३५३५ (४६)	स्याद्वादनयस्तवन	श्रीसार	,,	२०वीं श	२३६-२४०	
८६८	३५५५ (६)	हरिगुणकष्टहरणस्तोत्र	चंद कवि	रा०	१६वीं श	१४ वां	
८६९	३५६७ (१२)	हरजस		,,	,,	१२७-१२८	
८७०	३०६	हरिरस		ब्र०हि०	१८६०	१५	पद्य रचना।
८७१	२३७७ (३)	हरिरस	ईसरबारोट (वारहठ)	रा०गू०	१८०७	१६	चोबारी मे लिखित।
८७२	३५५५ (८)	हरिरस	ईसरदास वारहट	,,	१६वीं श	६-१४	
८७३	३५५७ (८)	हरिरस	ईसरदास वारहट	,,	१७६६	८२-६७	
८७४	३५६७ (५)	हिंगुलाजप्राण देवायण	ईसरदास वारहट	राज०	१६वीं श	१००-१०५	
८७५	२२२४	हिंडोला के कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	४	
८७६	२८६३ (६५)	हीरकलशमुनिस्तुति	विल्हण	रा०	१७वीं श.	१६१	द्वादश दल कमल वंध में एक काव्य है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८७७	२३६८ (७)	हीरसूरिसज्झाय	आणद	राज०	१६वीं श.	५० वां	
८७८	३५७३ (४)	हुणाडा मडन	देवसूरि	रा०गू०	१६वीं श.	१८ वां	जीर्ण प्रति ।
८७६	१८८६ (१०)	होरीवहारपद की टीका	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१७वीं श.	३६से५५	

ग्रन्थकार-नामानुक्रमणिका

———

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के कुछ ग्रन्थ

प्रकाशित ग्रन्थ

संस्कृतभाषाग्रन्थ—१. प्रमाणमञ्जरी—तार्किकचूड़ामणि सर्वदेवाचार्य, मूल्य ६ ०० । २. यन्त्रराजरचना—महाराजा सवाई जयसिंह मूल्य १·७५ । ३. महर्षिकुलवैभवम्—स्व० श्रीमधुसूदन ओझा मूल्य १० ७५ । ४ तर्कसंग्रह-प० क्षमाकल्याण मूल्य ३·०० । ५. कारकसम्बन्धोद्योत—प० रभसनन्दि मूल्य १·७५ । ६. वृत्तिदीपिका प० मौनिकृष्ण मूल्य २·०० । ७. शब्दरत्नप्रदीप मूल्य २·०० । ८ कृष्णगीति-कविसोमनाथ मूल्य १ ७५ । ९. शृङ्गारहारावलि-हर्षकवि मूल्य २ ७५ । १०. चक्रपाणिविजमहाकाव्य—प० लक्ष्मीधरभट्ट मूल्य ३·५० । ११. राजविनोद—कवि उदयराज मूल्य २ २५ । १२. नृत्तसंग्रह मूल्य १ ७५ । १३. नृत्यरत्नकोश, प्रथम भाग—महाराणा कुंभा मूल्य ३ ७५ । १४. उक्तिरत्नाकर—प० साधुसुन्दर गणि मूल्य ४ ७५ । १५. दुर्गापुष्पाञ्जलि—प० दुर्गाप्रसाद द्विवेदी मूल्य ४ २५ । १६. कर्णकुतूहल तथा कृष्णलीलामृत—भोलानाथ मूल्य १·५० । १७. ईश्वरविलासमहाकाव्य, श्रीकृष्णभट्ट, मूल्य ११.५० । १८. पद्यमुक्तावली— कविकलानिधिश्रीकृष्णभट्ट मूल्य २·०० । १९ रसदीर्घिका, कविविद्याराम मूल्य २.०० ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषा ग्रन्थ—१ कान्हडदे प्रबन्ध-कवि पद्मनाभ मूल्य १२ २५ । २ क्यामखारासा कवि जान मूल्य ४·७५ । ३. लावारासा—गोपालदान मूल्य ३ ७५ । ४ वाँकीदासरी ख्यात—महाकवि वाँकीदास—मूल्य ५ ५० । ५ राजस्थानी साहित्यसंग्रह भाग १, मूल्य २ २५ । ६ जुगल—विलास—कवि पीथल मूल्य १ ७५ । ७ कवीन्द्रकल्पलता—कवीन्द्राचार्य मूल्य । २ ०० । रा. पु म के हस्तलिखितग्रन्थों की सूची भाग १ मूल्य ७ ५० ।

प्रेसों में छप रहे ग्रन्थ

संस्कृत भाषा ग्रन्थ—१ त्रिपुराभारतीलघुस्तव—लघुपंडित । २ शकुनप्रदीप—लावण्यशर्मा । ३ करुणामृतप्रपा ठक्कुर सोमेश्वर । ४. बालशिक्षा व्याकरण—ठक्कुर संग्रामसिंह । ५ पदार्थरत्नमञ्जूषा, प० कृष्णमिश्र । ६ काव्यप्रकाश-संकेत—भट्ट सोमेश्वर । ७ बसन्तविलास फागु । ८ नृत्यरत्नकोश भाग २ महाराणा कुंभा । ९ नन्दोपाख्यान । १० रत्नकोश । ११ चान्द्रव्याकरण आचार्य चन्द्रगोमि । १२ स्वयंभूछंद—स्वयंभू कवि । १३ प्राकृतानंद—कवि रघुनाथ । १४ मुग्धावबोध आदि औक्तिक संग्रह १५ कविकौस्तुभ—प० रघुनाथ मनोहर । १६ दशकण्ठवधम्—प दुर्गाप्रसाद । १७ वृत्तजातिसमुच्चय—कवि विरहाङ्क । १८ कवि दर्पण अज्ञात कर्तृक ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषाग्रन्थ—१ मुंहता नेणसीरी ख्यात—मुंहता नेणसी । २ गोरावादलरी पदमिणी चऊपई—कवि हेमरतन । ५ चन्द्रवंशाली—कवि मोतीराम । ६ राजस्थानी दूहासंग्रह । ७ वीरवाण—ढाढा बादर ।

इन ग्रन्थोंके अतिरिक्त अनेकानेक संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, प्राचीन राजस्थानी और हिन्दीभाषा में रचे-गये ग्रन्थों का संशोधन और सम्पादन किया जा रहा है ।
